भारत
में सार्वजनिक क्षेत्र के
उद्यमों में प्रथम
जीआरआई
सामग्री सूची सेवा

गेल (इंडिया) लिमिटेड
भारत का यंगेस्ट महारत्न

सतत् विकास रिपोर्ट
2014–15

उत्तरदायी संवृद्धि का अभिप्रेरण

समाज, समुदाय और राष्ट्र की समृद्धि गेल के अस्तित्व के मूलभूत सिद्धांत हैं और ये हमारे द्वारा किए जाने वाले प्रत्येक कार्य के प्रेरक तत्व हैं। ये हमारे शेयरधारकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के साथ–साथ चलते हैं। दूसरी ओर, हमारे प्राकृतिक पर्यावरण की सुरक्षा स्वस्थ और खुशहाल समाज के लिए प्राथमिक पूर्वापेक्षा है। गेल इनका ताना–बाना इतनी उत्कृष्टता के साथ बुनता है कि समृद्धि और खुशहाली को केवल एक ही सिक्के के दो पहलू के रूप में ही नहीं देखा जाता बल्कि इन्हें कैनवास पर विभिन्न रंगों के रूप में देखा जाता है। गेल न केवल विकसित और समृद्ध दुनिया बनाने के लिए प्रतिबद्ध है बल्कि यह उसे खूबसूरत और खुशहाल भी बनाना चाहता है, जहां जीवन का हर रंग पोषित–पल्लवित हो। एक कहावत है, ''वक्त का एक टांका बेवक्त के सौ टांकों से बढ़कर है''। गेल पर्यावरण की दृष्टि से रहन–सहन के रूप में ***उत्तरदायी संवृद्धि को अभिप्रेरित*** करते हुए प्रत्येक पल को पूरी भावना से जीता है।

10
गेल के बारे में

32
सतत् विकास कार्यनीति

38
शेयरधारकों को शामिल करना
और उनका महत्व

112
हमारे शेयरधारक

136
हमारा निष्पादन एक नज़र में

विषय–सूची

रिपोर्ट के बारे में	4
उत्तरदायी संवृद्धि का अभिप्रेरण	6
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	8
गेल के बारे में	10
सम्मान पुरस्कार और मान्यता	20
कारपोरेट सुशासन और जोखिम प्रबंधन	22
सतत् विकास कार्यनीति	32
शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व	38
सुरक्षा : विकास करते हुए हमारे हर प्रयास में शामिल	52
उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम : विकास के हमारे प्रयास का तरीका	64
अपने कारोबारी दृष्टिकोण में परिवर्तन : अपने विकास को सुरक्षित करना	82
मानव पूंजी : हमारे विकास का प्रमुख पहलू	90
गतिशील विनियामक परिदृश्य : विकास के लिए अवसरों को बेहतर बनाना	98
नई खोज हेतु प्रेरणा : अपने विकास को पुनः परिभाषित करते हुए	104
हमारे शेयरधारक	112
शेयरधारक/निवेशक	114
कार्मिक	120
समुदाय/समाज	124
ग्राहक	128
आपूर्तिकर्ता	132
हमारा निष्पादन एक नज़र में	136
स्वतंत्र आश्वासन विवरण	144
शब्दावली	147
जीआरआई विषय–सूची	149
एपीआई/आईपीआईईसीए और यूएनजीसी दिशानिर्देशों के साथ संपर्क	157
एनवीजी–एसईई सिद्धांतों के साथ संपर्क	158
भावी मार्ग	159

रिपोर्ट के बारे में

उत्तरदायी संवृद्धि को अभिप्रेरित करते हुए गेल की वित्त वर्ष 2014–15 की सतत् विकास वार्षिक रिपोर्ट[जी4–28] को प्रस्तुत करने के साथ ही इस प्रकार की वार्षिक[जी4–30] सतत् विकास रिपोर्ट का अर्ध दशक पूरा हो गया है। सतत विकास रिपोर्ट प्रस्तुत करने के पांचवे वर्ष में प्रवेश करते हुए गेल ने पिछले वर्ष अपने शेयरधारकों को ''देखभाल, साझेदारी और विकास'' के माध्यम से दिए गए आश्वासन को आगे बढ़ाया है। गेल भारत के सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम की ऐसी नवीनतम एकीकृत अग्रणी गैस कम्पनी बन गई है जिसे महारत्न का दर्जा प्रदान किया गया है जिससे हमारे संगठन में सरकार का आत्मविश्वास झलकता है। हमें पर्यावरण की सुरक्षा और समाज के कल्याण को सुनिश्चित करते हुए भारत की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान करके उत्तरदायी विकास से संबंधित अपने सतत प्रयासों के माध्यम से यह सिद्ध करना है कि हम इस सम्मान के पात्र हैं।

हमने अपनी इस सतत् विकास रिपोर्ट में यह उल्लेख किया है कि हम उस विकास, जो उत्तरदायी तथा सतत् है, के लिए किस प्रकार सुनिश्चित, तैयार और सतत् रूप से प्रयासरत हैं। इस रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2014–15 के दौरान कम्पनी के सतत् विकास कार्य–निष्पादन को शामिल किया गया है। गेल की निगमित सतत् विकास रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से गेल की वेबसाइट (www.gailonline.com) पर उपलब्ध है।

इस वर्ष की सतत् विकास रिपोर्ट में अत्यधिक विशेष पहलू ''उत्तरदायी विकास को प्रोत्साहित करना'' है क्योंकि हम जीआरआई जी3.1 से जीआरआई जी4 दिशा–निर्देशों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। यह रिपोर्ट प्रमुख विकल्प के अनुसार जीआरआई जी4 दिशा–निर्देशों के अनुरूप है। [जी4–32] पृष्ठ 142 से 149 पर दी गई जीआरआई विषय–सूची में जीआरआई कार्य–निष्पादन संकेतों और मानक विवरण से संबंधित विस्तृत ब्यौरा दिया गया है। जीआरआई जी4 के साथ–साथ इसमें निम्नलिखित का भी अनुपालन किया गया है

- कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित किए गए कारोबार के सामाजिक, पर्यावरण तथा आर्थिक उत्तरदायित्व से संबंधित नौ राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशानिर्देश (एनवीजी) सिद्धांत।
- आईपीआईईसीए, वैश्विक तेल और गैस उद्योग संघ तथा अमरीकी पेट्रोलियम संस्थान (एपीआई) द्वारा पर्यावरण और सामाजिक मुद्दों के संबंध में स्वैच्छिक सतत् विकास रिपोर्टिंग (2010) के तेल और गैस उद्योग दिशा–निर्देश।
- संयुक्त राष्ट्र वैश्विक समझौता (यूएनजीसी) के तहत सिद्धांत और जानकारी प्रदान करने संबंधी अपेक्षाएं।

यह रिपोर्ट महत्वपूर्ण विवरण केन्द्रित रिपोर्ट है जिसके विभिन्न खण्डों में प्रत्येक शेयरधारक का ध्यान रखा गया है। इन महत्वपूर्ण मुद्दों को महत्व आधारित मूल्यांकन और शेयरधारक सहभागिता के आधार पर निर्धारित किया गया है जो गेल के विभिन्न शेयरधारक समूह के बीच गेल के विभिन्न 10 स्थानों पर आयोजित किया गया था। इसके प्रत्येक महत्वपूर्ण मुद्दे को जीआरआई जी4 दिशा–निर्देशों के अनुसार संबंधित पहलू तथा संकेतक के अनुरूप निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक पहलू को उस संबंधित शेयरधारक जो इस प्रकार के पहलू से प्रभावित हो सकता है अथवा प्रभावित हुआ है, के आधार पर निर्धारित किया गया है। इसके आधार पर उभरने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों का प्रत्युत्तर इस रिपोर्ट के विभिन्न खण्डों में दिया गया है। इसके साथ–साथ विभिन्न प्रकार के शेयरधारक समूहों से संबंधित चिंताओं का समाधान करने और विभिन्न प्रकार

की पहल को पूरा करने से संबंधित विवरण इस रिपोर्ट के संबंधित शेयरधारक विवरण में दिया गया है।

इस वर्ष हमने अपनी सतत् विकास अपेक्षाओं 2020 के स्वैच्छिक लक्ष्यों को भी संशोधित किया है। कार्य–निष्पादन के साथ–साथ मौजूदा और अतिरिक्त मापदण्डों को इस रिपोर्ट के सतत् विकास कार्यनीति खण्ड में साझा किया गया है।

डाटा प्रबंधन दृष्टिकोण

जी4–22, जी4–23

इस रिपोर्ट में सभी प्रासंगिक संकेतों के लिए कार्य–निष्पादन विवरण तथा प्रवृत्ति का उल्लेख किया गया है। इस रिपोर्ट में रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान नए कार्यकलापों, कम्पनी के सतत् विकास क्षेत्र में जारी पहल तथा विस्तार की भावी योजनाओं का भी उल्लेख किया गया है।

क्रमशः आंतरिक रूप से तैयार किए गए ई–सतत् विकास मॉड्यूल और ई–कारोबार उत्तरदायी रिपोर्टिंग मॉड्यूल के माध्यम से सतत् विकास संबंधी डाटा और सूचना का प्रबंधन करने के लिए हमारे पास समर्पित डाटा तथा सूचना प्रबंधन प्रणाली है। इस रिपोर्ट में प्रस्तुत किए गए डाटा को संबंधित विभाग अध्यक्षों द्वारा सत्यापित किया जाता है।

इस रिपोर्ट में प्रस्तुत किए गए डाटा की मात्रा को निर्धारित करने तथा आकलन करने के लिए कुछ अवधारणाओं तथा गणन पद्धतियों का उपयोग किया गया है वहां इनकी जानकारी प्रदान की गई है।

इस रिपोर्ट में शामिल की गई कुछ सूचना हमारे भावी इरादों तथा योजनाओं के बारे में है ताकि हमारे सतत् विकास कार्यकलापों का समग्र लेखा–जोखा प्रस्तुत किया जा सके। यह सूचना हमारे प्रचालन से संबंधित हमारी कार्यनीति, प्रचालनों, निष्पादन उद्देश्यों तथा लक्ष्यों, कारोबार योजनाओं, अनुसंधान और विकास तथा विभिन्न देशों, क्षेत्रों और बाजार में निवेश के बारे में है। अपने स्वरूप के कारण इस प्रकार की सूचना में कुछ अनिश्चितता की स्थिति बनी रहती है क्योंकि अंतिम निर्णय उन भावी बाजार दशाओं तथा भू–राजनीतिक कार्यकलापों पर निर्भर होता है जो अधिकांशतः हमारे नियंत्रण से बाहर होते हैं अथवा हम उनका अनुमान नहीं लगा सकते। जबकि हम इनके संबंध में प्रगति हासिल करने का प्रयास करेंगे तथापि हम सभी मामलों में वांछनीय परिणाम प्राप्त करना सुनिश्चित नहीं कर सकते।

रिपोर्ट का क्षेत्र और सीमा

जी4–13, जी4–18, जी4–23

इस रिपोर्ट में निम्नलिखित प्रचालन शामिल किए गए हैं :

- गैस प्रसंस्करण यूनिट (जीपीयू) गंधार, पाता, उसर, वाघोदिया और विजयपुर;
- पेट्रोकेमिकल यूनिट, पाता;
- प्राकृतिक गैस कम्प्रैशर स्टेशन, दिबियापुर, हजीरा, झाबुआ, खेडा, वाघोडिया और विजयपुर;
- एलपीजी पम्प करने/प्राप्त करने के केन्द्र, आबू रोड, चेरलापल्ली, जी. कोन्डुरू, जामनगर, कांडला, लोनी, मनसारामपुरा, नसीराबाद, समाख्याली तथा विशाखपत्तनम;
- क्षेत्रीय पाइपलाइन कार्यालय, अगरतला, बडौदा, मुम्बई, पुद्दुचेरी और राजमंड्री;
- गेल प्रशिक्षण संस्थान, जयपुर और नोएडा;
- कारपोरेट कार्यालय, नई दिल्ली और इन्फो हब, नोएडा और
- क्षेत्रीय विपणन कार्यालय।

ई और पी प्रचालन, संयुक्त उद्यम, आनुषंगी कम्पनी, पट्टा आधारित सुविधाएं, बाह्य स्रोत आधारित प्रचालन और इसी प्रकार की अन्य कम्पनियां इसके क्षेत्र तथा सीमा से बाहर हैं। इस रिपोर्टिंग सीमा के अनुसार भारत क्षेत्र से संबंधित सभी पहलुओं (जब तक अन्यथा उल्लेख न किया जाए) को सूचित किया गया है।

आश्वासन जी4–32, जी4–33

गेल की सतत् विकास संबंधी सभी रिपोर्टों के संबंध में बाह्य तृतीय पक्षकार द्वारा आश्वासन दिया गया है। इस प्रथा को जारी रखते हुए इस वर्ष की सतत् विकास रिपोर्ट के संबंध में मैसर्स डीएनवीजीएल ने आश्वासन दिया है। यह एए1000एएस (2008) मानक पर आधारित टाइप 2 मॉडरेट स्तर आश्वासन रिपोर्ट है। इसकी आश्वासन प्रक्रिया में गेल के उन विभिन्न स्थलों पर डाटा का सत्यापन शामिल है जो गेल को अपनी प्रक्रिया और डाटा प्रबंधन तंत्र को सुधारने में सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे।

उत्तरदायी संवृद्धि का अभिप्रेरण

विकास प्रत्येक कारोबार का प्रमुख आधार होता है। कारोबार के अनुसार इस विकास का अर्थ अनेक वर्षों में विकसित हुआ है। जबकि आधारभूत सुदृढ़ व्यवस्था के लिए उच्च स्तर तथा निचले स्तर पर प्रगति करना तथा कार्य–निष्पादन में सुधार करना अनिवार्य है। तथापि, यह शेयरधारकों के लिए उत्तरदायित्व तथा मूल्य का सूत्र है जो गेल के वास्तविक रूप से विकास में झलकता है।

जबकि हमारी पूर्ववर्ती सतत् विकास रिपोर्टों में हमारे लक्ष्यों को पूरा करने तथा हासिल करने के बारे में हमारी प्रतिबद्धता और कार्रवाई–उन्मुख प्रवृत्ति का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है तथापि वर्ष 2014–15 की सतत् विकास रिपोर्ट में अपने शेयरधारकों के लिए उत्तरदायी और प्रतिबद्ध रहते हुए आज के चुनौतीपूर्ण समय में एक संगठन के रूप में विकास करने के हमारे लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करते हुए 'उत्तरदायी विकास को प्रोत्साहित करने' पर विशेष ध्यान दिया गया है। गेल सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी है इसलिए जवाबदेही तथा पारदर्शिता के सिद्धांतों के आधार पर अपना कारोबार करती है जिससे नैतिक आधार पर कारोबार करना और उपयुक्त हो जाता है क्योंकि कारोबार प्रचालनों का विस्तार करने से हमारी पहुंच हमारे तत्काल शेयरधारकों से भी आगे तक हो जाती है।

गेल स्वाभाविक रूप से एकाधिकार की स्थिति में नहीं है क्योंकि इसने 1980 के दशक में अपना कारोबार शुरू किया था। इस क्षेत्र में अत्यधिक कड़ी प्रतिस्पर्धा है और हम यह समझते हैं कि इसके लिए कार्यनीति को बदलने की आवश्यकता होती है। सफल संगठन सामाजिक, आर्थिक अथवा पर्यावरण परिवर्तनों के कारण बाजार में होने वाले सतत् परिवर्तनों के अनुरूप अपने को बनाते हैं। हम अपने शेयरधारकों के विश्वास को बनाए रखने के लिए गहन उपाय कर रहे हैं। घरेलू गैस उपलब्धता में कमी के कारण गेल एलएनजी स्रोत और अवसंरचना में निवेश के माध्यम से राष्ट्र के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दे रहा है। विनियामक परिदृश्य में होने वाले परिवर्तनों और कारोबार पर इनके प्रभाव के कारण हम उभरने वाली चुनौतियों

का सामना करने में और अधिक तत्पर हैं। नए क्षेत्रों की ओर बढ़ते हुए हम अपने शेयरधारकों का विश्वास बढ़ाने के साथ–साथ सुरक्षा और प्रचालन उत्कृष्टता के सर्वोच्च मानक सुनिश्चित करते हैं तथा कारोबार करने के नवाचारी दृष्टिकोण का अनुसरण करके अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखने के लिए प्रेरित होते हैं।

राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में धीरे–धीरे परिवर्तन हो रहा है। जिन सार्वजनिक क्षेत्रों में सरकारें प्रमुख शेयरधारक हैं वे अब स्वाभाविक रूप से सतत् विकास लक्ष्यों को पूरा करना के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस प्रकार के गतिशील वातावरण में हमारा यह विश्वास है कि चुनौतियों का समाधान करने के साथ–साथ यह भी समीचीन है कि समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालते हुए अवसरों को प्राप्त किया जाए। पिछले कुछ वर्षों से हमने उन समुदायों की सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने लाभ के कुछ भाग का निवेश किया है जिसने हमें प्रचालन करने का सामाजिक अधिकार प्रदान किया है।

किसी भी कारोबार के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण परिसम्पत्ति उसकी मानव पूंजी होती है। इस कारोबार और विनियामक परिदृश्य में बढ़ती जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए हम ऐसी कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करने पर विश्वास करते हैं जो वैयक्तिक उत्कृष्टता पर ध्यान देते हुए ऐसी समझबूझ और विकास को प्रोत्साहित करे जिसके परिणामस्वरूप अंततः संगठन का विकास हो।

वित्त वर्ष 2014–15 की सतत् विकास रिपोर्ट के पांचवे संस्करण, अर्थात् उत्तरदायी विकास को प्रोत्साहित करने के माध्यम से हमने यह उल्लेख करने का प्रयास किया है कि यद्यपि समय में बदलाव हो रहा है तथापि हमारी नैतिकता तथा मूल्य हमारे कारोबार का आधार हैं। इस पुरानी कहावत कि कड़ी मेहनत से ही सर्वोत्तम परिणाम हासिल होता है, से सबक लेकर हम इस सतत् भावना के साथ विकास की ओर उन्मुख हो रहे हैं।

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का संदेश[जी4–1]

मुझे गेल की वित्त वर्ष 2014–15 की पांचवी सतत् विकास रिपोर्ट अर्थात् **'उत्तरदायी संवृद्धि का अभिप्रेरण'** संबंधी रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। गेल शुरुआत से ही अपने लक्ष्य और मिशन में सतत् विकास को समाहित करके बेहतर कारपोरेट नागरिक बनने के अपने उद्देश्य से प्रेरित रहा है। यह रिपोर्ट "क्या महत्वपूर्ण है और कहां महत्वपूर्ण है", पर विशेष ध्यान देते हुए हमारे जीआरआई जी3.1 से जी4 रिपोर्टिंग कार्य संरचना में होने वाले परिवर्तन को दर्शाती है।

ऊर्जा न केवल भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है अपितु सामाजिक प्रगति में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान है। तथापि भारत में अधिकांश व्यक्तियों के पास ऊर्जा के स्वच्छ तथा आधुनिक स्रोत नहीं हैं तथा यह ऊर्जा का आयात करने वाला देश है। इस प्रकार गेल पर न केवल पर्याप्त और स्वच्छ ऊर्जा स्रोत प्राप्त करने का बड़ा उत्तरदायित्व है अपितु उस पर इसे सस्ती कीमत पर लोगों तथा उद्योगों को उपलब्ध कराने की भी ज़िम्मेदारी है।

गेल अपनी विस्तृत पाइपलाइन अवसंरचना के माध्यम से पूरे भारत में सर्वाधिक स्वच्छ जीवाश्म ईंधन – प्राकृतिक गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अनेक उपाय कर रहा है। इस समय भारत में कुल 15000 कि.मी. मौजूदा गैस पाइपलाइन में से गेल लगभग 11000 कि.मी. का प्रचालन कर रही है। देश की बढ़ती मांग को पूरी करने और देश के प्रत्येक स्थान तक अपनी सुविधा प्रदान करने के लिए सरकार ने और 15000 कि.मी. पाइपलाइन नेटवर्क तैयार करने की योजना बनाई है। गेल ने भारत में राष्ट्रीय गैस ग्रिड के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता प्रदान करने के लिए आगामी वर्षों में विभिन्न चरणों में इन भावी पाइपलाइनों में से अधिकांश की योजना बनाने तथा तैयार करने में अपनी अग्रणी भूमिका को पहले ही स्वीकार कर लिया है।

पर्यावरण अनुकूल उपाय के रूप में परिवहन (सीएनजी) और घरेलू परिवारों (पीएनजी) के लिए प्राकृतिक गैस के आवंटन को सर्वाधिक प्राथमिकता दी गई है। वर्ष 2015 की स्थिति के अनुसार 28 लाख से अधिक परिवार और 22 लाख से अधिक वाहन इन स्वच्छ और सुविधाजनक ईंधन का लाभ उठा रहे हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय का उद्देश्य पांच वर्ष के भीतर पीएनजी सुविधा का लाभ उठाने वाले परिवारों की संख्या को एक करोड़ तक बढ़ाकर पूरे देश में पीएनजी नेटवर्क का विस्तार करना है।

हम सरकार की ***'मेक इन इंडिया'*** पहल में भी सहभागिता कर रहे हैं और हाल ही में मध्य–स्ट्रीम कार्य समूह के सदस्य बने हैं जो उन उत्पादों तथा सेवाओं को अभिनिर्धारित करने का कार्य करेगा जो घरेलू स्तर पर तैयार किए जा सकते हैं। हमने घरेलू उत्पादों और सेवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विशेषज्ञ स्वदेशीकरण विकास समूह (आईएनडीईजी) गठित किया है। 'डिजिटल भारत' अभियान के लिए गेल ने अपने शेयरधारकों को

गेल अपनी विस्तृत पाइपलाइन अवसंरचना के माध्यम से पूरे भारत में सर्वाधिक स्वच्छ जीवाश्म ईंधन – प्राकृतिक गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अनेक उपाय कर रहा है। इस समय भारत में कुल 15000 कि.मी. मौजूदा गैस पाइपलाइन में से गेल लगभग 11000 कि.मी. का प्रचालन कर रही है।

इसके अलावा प्रथम बार गेल को सीडीपी की जलवायु जानकारी अग्रणी सूची के महत्वपूर्ण अग्रणी संगठनों (सीडीएलआई) में स्वीकार किया गया है। हम भारत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण 22 कम्पनियों में एकमात्र उपयोगी श्रेणी की कम्पनी हैं।

गेल सोशल के माध्यम से जोड़ने के लिए एक सामाजिक मंच तैयार किया है। अन्य पहल के साथ–साथ हमने ई–डिजिटीकरण प्रणाली भी शुरू की है।

भारत को अभिनवता कौशल केन्द्र बिन्दु बनाने के लिए अगला बड़ा विचार प्रौद्योगिकी की शक्ति से लिया जाएगा जिसमें नए कौशल सीखने और नवीन प्रौद्योगिकी को अपने अनुकूल बनाने की आवश्यकता होगी। गेल के पास युवा व्यावसायिकों का बेहतरीन दल है और यह निरंतर विकसित हो रहे कारोबारी वातावरण की चुनौतियों का सामना इसकी ऊर्जा, गतिशीलता और व्यवसाय क्षमता से करके लाभ की स्थिति में है।

वित्तीय और आर्थिक दृष्टि से धन–सम्पदा और मूल्य अर्जित करने के अतिरिक्त गेल ने सदैव पर्यावरण और समाज की देखभाल करके कारोबार से इतर जाकर मूल्य स्थापित करने का प्रयास किया है। गेल में सतत् विकास के प्रमुख पहलू का मूल्यांकन किया जा रहा है और दूरदृष्टि तथा सावधानी के साथ समुदाय को शामिल करके हमारी पर्यावरण व्यवस्था का प्रबंधन किया जा रहा है। वर्ष 2012 में हमने अपना 'सतत् विकास अपेक्षा दस्तावेज़ 2020' तैयार किया है जिसमें ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन, जल उपभोग और विनिर्दिष्ट ऊर्जा घनत्व में कमी करने की ओर विशेष ध्यान देकर स्वयं–निर्धारित लक्ष्य दिए गए हैं। वर्ष 2014 में हमने विनिर्दिष्ट ऊर्जा उपयोग, विनिर्दिष्ट ताजा पानी उपयोग, विनिर्दिष्ट जीएचजी उत्सर्जन कमी और बेकार पानी को उपयोगी बनाने में वृद्धि करने संबंधी अतिरिक्त लक्ष्य इन क्षेत्रों में शामिल किए हैं जिनका विवरण इस रिपोर्ट के सतत् विकास कार्यनीति खण्ड में दिया गया है। गेल इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर तीव्र गति से अग्रसर है।

अपने प्रचालन, प्रक्रिया, प्रणाली और प्रक्रिया–विधि में प्रचालन उत्कृष्टता की अवधारणा को और सुदृढ़ करने के लिए हमने 'संचय' (सर्वाधिक लाभ) परियोजना शुरू की है। इसका उद्देश्य लाभ आधारित विकास को सुनिश्चित करके सर्वाधिक लाभ प्राप्त करने के लिए संसाधनों का इष्टतम उपयोग करना और प्रचालन तथा प्रक्रिया–निष्पादन में सुधार करना है।

हाल ही में गेल सहित तेल और गैस क्षेत्र में कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटना तथा आग लगने की घटनाएं हुई हैं। इससे हमें पाइपलाइनों के निर्बाध प्रचालन को सुनिश्चित करने के साथ–साथ अपने प्रचालन और प्रक्रिया में सुरक्षा के सर्वोत्कृष्ट मानकों को बनाए रखने के प्रयास करने और अपने दृष्टिकोण का आत्मविश्लेषण करने का अवसर मिला है। गैस और एलपीजी पाइपलाइन की मजबूती तथा बेहतर स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए और 'सर्वप्रथम सुरक्षा' की संस्कृति को लागू करने के लिए अनेक कार्यवाई की गई हैं।

हमने अपने सीएसआर दर्शन के केन्द्र में 'हृदय' को रखकर राष्ट्र के समग्र विकास के लिए विभिन्न प्रकार के आठ क्षेत्रों को अपने हाथ में लिया है अर्थात् स्वच्छ भारत, आरोग्य (स्वास्थ्य), उन्नति (ग्रामीण विकास), सक्षम (वरिष्ठ और विभिन्न प्रकार के विकलांगों की देखभाल), हरित (पर्यावरण परियोजना), सशक्त (महिला अधिकारिता), उज्ज्वल (शिक्षा), कौशल (कौशल विकास)। गेल ''स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय'' कार्यक्रम के तहत लगभग 3500 शौचालयों के लिए सहायता प्रदान कर रही है तथा निर्माण कर रही है। इस वर्ष गेल की उत्कर्ष परियोजना के तहत अकादमिक कोचिंग लेने वाले 100 छात्रों में से 50 विशेषीकृत छात्रों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है।

इसके अतिरिक्त हम अपनी सीएसआर पहल में 'मेक इन इंडिया' महत्वाकांक्षी पहल को जारी रखने के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने हेतु राष्ट्रीय कौशल मिशन के अनुरूप भी कार्य करते हैं। इसके साथ–साथ इकोनॉमिक टाइम्स ने सीएसआर और सतत् विकास से संबंधित 115 कम्पनियों में से गेल को 11वां स्थान दिया है।

इसके अलावा प्रथम बार गेल को सीडीपी की जलवायु जानकारी अग्रणी सूची 2014 के महत्वपूर्ण अग्रणी संगठनों (सीडीएलआई) में स्वीकार किया गया है। हम भारत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण 22 कम्पनियों में एकमात्र उपयोगी श्रेणी की कम्पनी हैं। इसके अतिरिक्त गेल संयुक्त राष्ट्र वैश्विक समझौता (यूएनजीसी) पर हस्ताक्षर करने वाली कम्पनी है।

जैसे–जैसे हम आगे बढ़ेंगे हमारा उद्देश्य विकास के ऐसे अवसरों को प्राप्त करना बना रहेगा जो उत्तरदायी हो तथा शेयरधारकों के लिए सकारात्मक मूल्य सृजित करता हो। हमारा उद्देश्य राष्ट्रीय और वैश्विक प्रतिबद्धताओं को पूरा करना और राष्ट्र के विकास में सहायता प्रदान करने के लिए स्वच्छ और वहनीय ऊर्जा की उपलब्धता को सुनिश्चित करने तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई के मध्य अंतर को समाप्त करने के लिए कार्य करना जारी रखना है।

हम ऐसे विकास में विश्वास रखते हैं जिसमें हम अपने शेयरधारकों के विश्वास सुनिश्चित करते के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध होकर उसे सतत् तथा समग्र बनाए रखें। इस उद्देश्य के लिए मैं अपने शेयरधारकों को उनके बहुमूल्य सहयोग तथा गेल में विश्वास बनाए रखने के लिए धन्यवाद देता हूं।

त्रिपाठी

बी.सी. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गेल (इंडिया) लिमिटेड

गेल के बारे में

कुल प्राकृतिक गैस संचरण के 3/4 का संचालन

CNG

गठबंधन के माध्यम से 2/3 से अधिक सीएनजी स्टेशनों का संचालन

विक्रय की जाने वाली प्राकृतिक गैस में 2/3 से अधिक का योगदान

प्रत्येक 13वें एलपीजी सिलेंडर हेतु एलपीजी उत्पादन

पॉलीईथीलीन के 1/5 भाग का उत्पादन

एलपीजी संचरण के 1/4 भाग के लिए उत्तरदायी

गेल महत्वपूर्ण अपस्ट्रीम तथा डाउनस्ट्रीम उपस्थिति के साथ एक प्रमुख एकीकृत हाइड्रोकार्बन कम्पनी के रूप में उभरने का इच्छुक है।

अन्वेषण और उत्पादन (ई और पी)

- शीर्ष एकीकरण का हिस्सा
- 15 ब्लॉक में सहभागिता (प्रचालक–3 ब्लॉक)
- म्यांमार और अमरीका में उपस्थिति

प्राकृतिक गैस

- 11,000 कि.मी. से अधिक का नेटवर्क 15,000 कि.मी. तक विस्तार की योजना
- क्षमता–206 एमएमएससीएमडी
- अत्याधुनिक गैस प्रबंधन प्रणाली
- आरजीपीपीएल में सहभागिता (5 एमएमटीपीए एलएनजी पुनः गैसीकरण सुविधा) हेतु प्रयासरत

तरल हाइड्रोकार्बन

PROPANE PENTANE

- 7 गैस प्रोसेसिंग संयंत्र जो एलपीजी, प्रोपेन, नाफ्था इत्यादि का उत्पादन कर रहे हैं
- एलपीजी परिवहन क्षमता 3.8 एमएमटीपीए (2038 कि.मी.)

शहर गैस वितरण

- सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के जरिए 10 लाख वाहनों और 10 लाख परिवारों के लिए सेवारत
- 100% सहायक कंपनी गेल गैस लिमिटेड ने देवास, सोनीपत, कोटा, मेरठ और ताज ट्रापेजियम क्षेत्र में सीजीडी नेटवर्क की स्थापना की है

पेट्रोकेमिकल

G-Lene G-Lex

- घरेलू बाजार हिस्सेदारी ~ 15%
- पाता (उत्तर प्रदेश) में 0.4 एमएमटीपीए क्षमता वाला (0.81 एमएमटीपीए तक विस्तार किया जा रहा है) पेट्रोकेमिकल संयंत्र
- बीसीपीएल और ओपाल में सहभागिता

विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा

- 118 मेगावाट का पवन ऊर्जा संयंत्र और 5 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र
- आरजीपीपीएल (क्षमता 1967 मेगावाट) में सहभागिता

हमारी उपस्थिति, सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम

घरेलू सहायक कम्पनियां

- गेल गैस लिमिटेड – गेल के पूर्ण स्वामित्व (100 प्रतिशत) वाली सहायक कम्पनी, देवास, सोनीपत, आगरा, फिरोजाबाद, वडोदरा और पनवेल में आपूर्ति कर रही है
- ब्रह्मपुत्र क्रैकर्स और पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल)

शहर गैस वितरण (सीजीडी) संयुक्त उद्यम

- महानगर गैस लिमिटेड – एमजीएल (35%),
- इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड – आईजीएल (22.50%),
- भाग्यनगर गैस लिमिटेड – बीजीएल (22.50%),
- ग्रीन गैस लिमिटेड – जीजीएल (22.50%),
- सेंट्रल यू.पी. गैस लिमिटेड – सीयूजीएल (25%),
- महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड – एमएनजीएल (22.50%),
- अवंतिका गैस लिमिटेड – एजीएल (22.50%),
- त्रिपुरा नेचुरल गैस कम्पनी लिमिटेड – टीएनजीएल (29%)

विदेशों में मौजूद सहायक कम्पनियां

- गेल (ग्लोबल) सिंगापुर पीटीई,
- गेल (ग्लोबल) यूएसए इंक.,
- गेल ग्लोबल (यूएसए) एलएनजी एलएलसी (गेल (ग्लोबल) यूएसए इंक. की 100 प्रतिशत आनुषंगिक कम्पनी)

संयुक्त उद्यम

- पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड – पीएलएल,
- ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड – ओपाल,
- रत्नागिरी गैस एण्ड पॉवर प्राइवेट लिमिटेड – आरजीपीपीएल,
- गेल चाइना गैस ग्लोबल एनर्जी होल्डिंग,
- तापी पाइपलाइन कम्पनी लिमिटेड

सम्बद्ध कम्पनियां

- गुजरात स्टेट एनर्जी जेनरेशन लिमिटेड (5.96 प्रतिशत),
- फॉयम गैस (19 प्रतिशत),
- चाइना गैस होल्डिंग लिमिटेड (3 प्रतिशत),
- नेचुरल गैस कम्पनी ''नाटगैस'' (15 प्रतिशत)

गेल के बारे में (जारी)

गेल की सम्पूर्ण भारत में उपस्थिति

*मानचित्र माप आधारित नहीं

वैश्विक उपस्थिति

5 देशों और 3 महाद्वीपों में उपस्थिति

विदेशों में: अमेरिका, सिंगापुर, म्यांमार, चीन, मिस्र में (09.01.2014 तक) उपस्थिति

गेल के बारे में (जारी)

विज़न

"प्राकृतिक गैस और इतर क्षेत्रों में विश्वजनीन उपस्थिति के साथ ग्राहक–सेवा, सभी स्टेकहोल्डरों के लिए मूल्य सृजन और पर्यावरण के लिए अपने दायित्व के प्रति समर्पित एक अग्रणी कम्पनी बनना"

मिशन

"राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के हित में प्राकृतिक गैस और इसके अंशों के मितव्ययी और प्रभावी उपयोग में तीव्रता लाना और वृद्धि करना"

गेल के लक्ष्य के मुख्य तत्व

नैतिक मूल्य

हम सभी व्यक्तियों के प्रति पारदर्शी, निष्पक्ष तथा समनुरूप व्यवहार करते हैं। हम अपने सभी कार्यकलापों में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और विश्वास को बनाए रखने पर विशेष ध्यान देते हैं।

ग्राहक

हम अपने उपभोक्ताओं, आंतरिक और बाह्य दोनों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। हमारे उपभोक्ता हमें प्राथमिकता देते हैं।

कार्मिक

हम यह विश्वास करते हैं कि हमारी सफलता हमारे कार्मिकों की प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता पर निर्भर है। हम परिणाम देने वाले व्यक्तियों को आकर्षित करते हैं तथा उन्हें बनाए रखते हैं जो अपने कार्य पर गर्व करते हैं और वे अपने प्रत्येक कार्य में सर्वोत्तम निष्पादन से कम पर संतुष्ट नहीं होते। हम अपने कार्मिकों को सीखने और विकास करने के अवसर देते हुए वैयक्तिक पहल को प्रोत्साहित करते हैं। हम सभी लोगों के अधिकारों तथा सम्मान का आदर करते हैं।

शेयरधारक

हम अपने शेयरधारकों को उनके द्वारा किए गए निवेश के माध्यम से हमें प्रदान की गई राशि की बेहतर प्राप्ति तथा मूल्य प्रदान करके उनके उद्देश्यों को पूरा करते हैं।

सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण

हम अपने प्रचालनों में सुरक्षा के सर्वोच्च स्तरों, अपने कार्मिकों के स्वास्थ्य और स्वच्छ पर्यावरण को सर्वाधिक महत्व देते हैं। हम उस समुदाय, जिसमें हम अपना प्रचालन कार्य करते हैं, के विकास का सतत् प्रयास करते हैं।

प्रौद्योगिकी

हमारा विश्वास है कि हमारे संगठन की भावी सफलता के लिए प्रौद्योगिकी मुख्य कारक है। हम ''सर्वोत्तम श्रेणी'' प्रौद्योगिकी के उपयोग का समर्थन करते हैं।

गेल की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन[जी4–12]

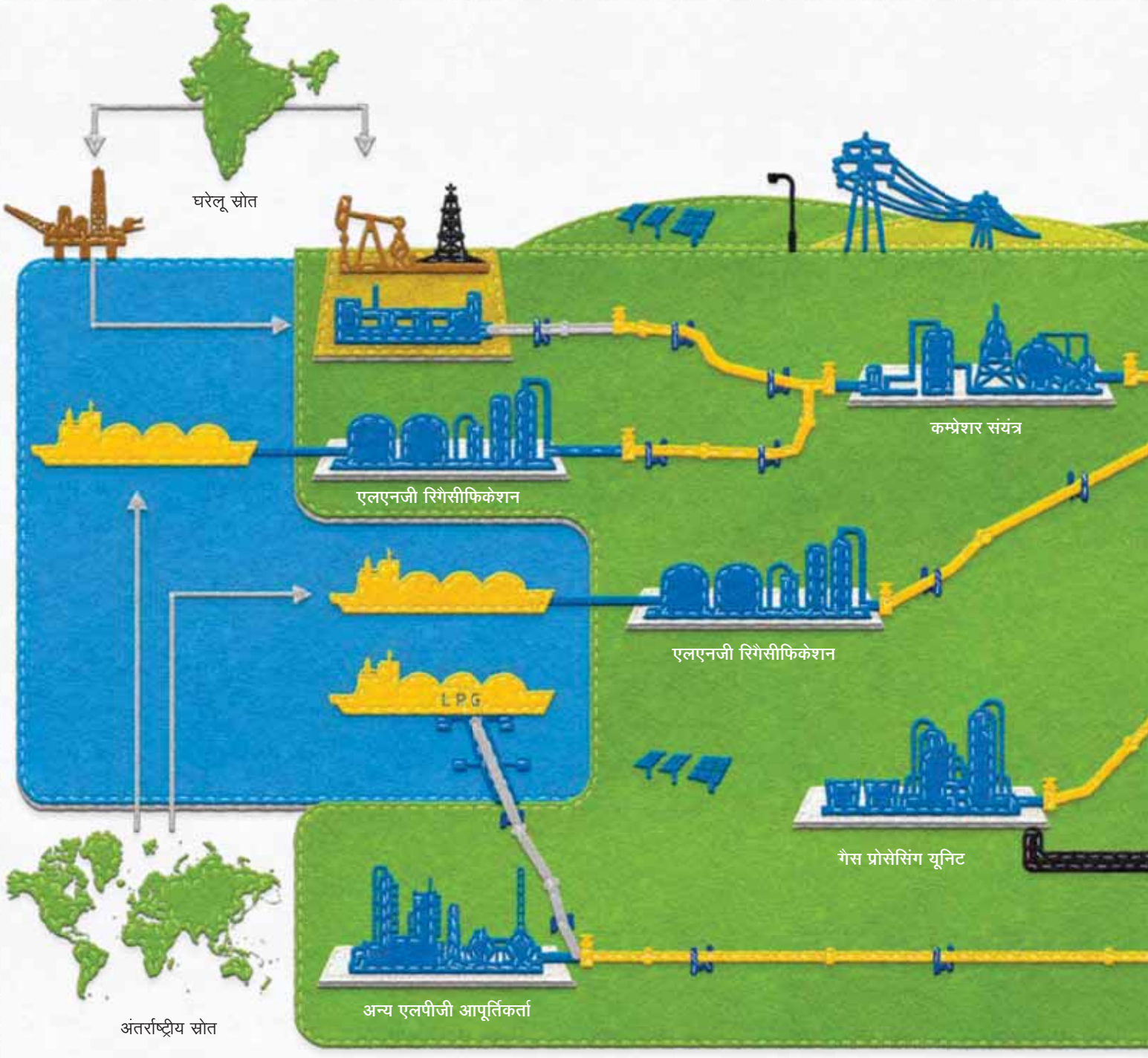

आपूर्तिकर्ता

प्रचालन

11000 कि.मी.
से अधिक प्राकृतिक गैस पाइपलाइन

2038 कि.मी.
एलपीजी पाइपलाइन

24 एमएमटीपीए
प्राकृतिक गैस पाइपलाइन

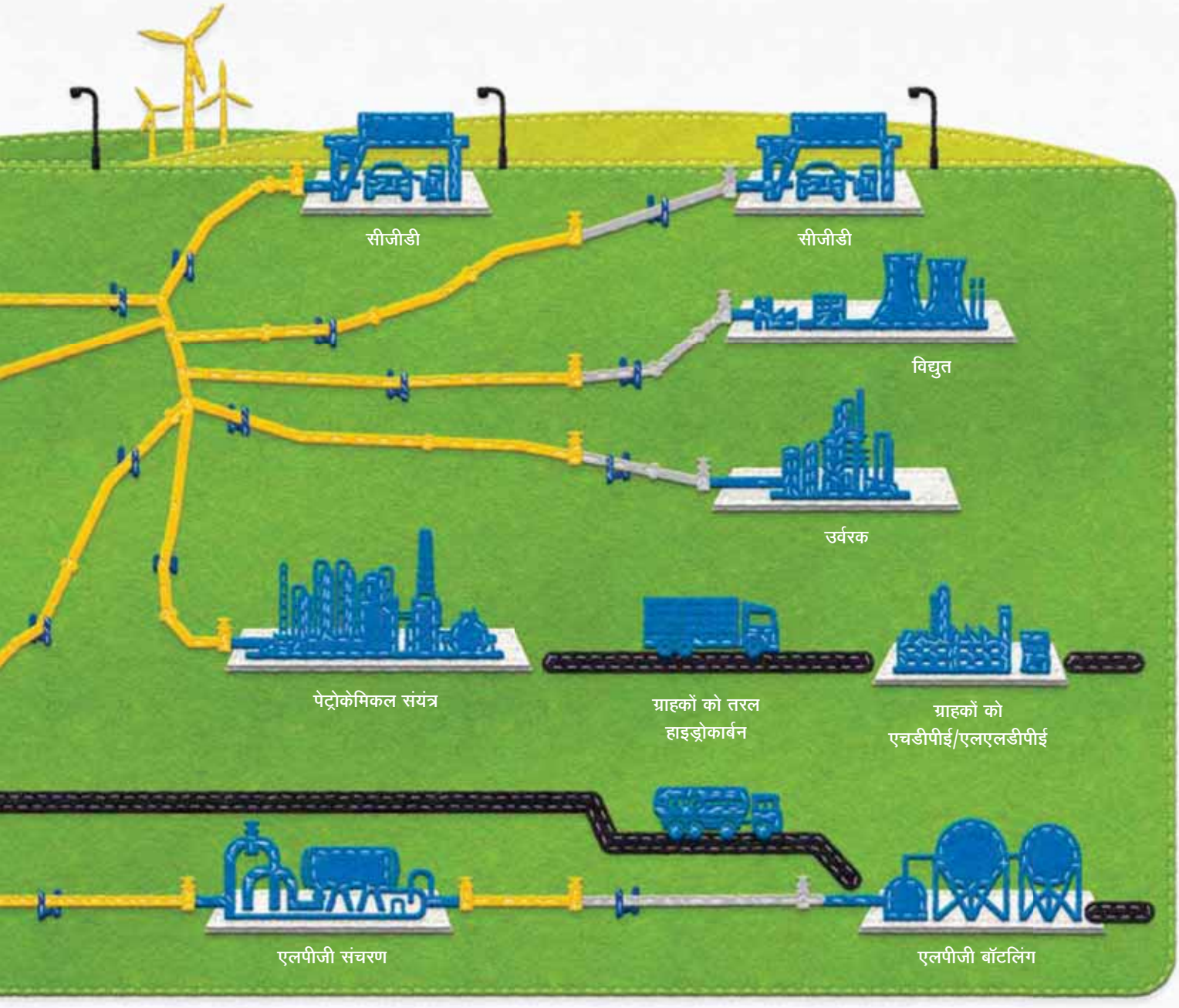

1700 केटीए
पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता : 810 केटीए पाता+बीसीपीएल+ओपाल

1.3 एमएमटीपीए
एलपीजी/एलएचसी क्षमता वाले कुल 6 संयंत्र

सम्मान पुरस्कार और मान्यता

कारपोरेट

- गेल को ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए ''वर्ष 2014 के लिए कार्य करने वाली भारत की 100 सर्वोत्तम कम्पनियों'' के अध्ययन में लगातार तीसरे वर्ष इस उद्देश्य के लिए कार्य करने वाली कम्पनी के रूप उत्कृष्ट स्थान प्राप्त हुआ है।
- इसकी दाभोल–बेंगलुरू प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना को भारतीय पेट्रोलियम फेडरेशन ऑफ इंडिया (पेट्रोफेड) के तेल और गैस उद्योग पुरस्कार 2013 में परियोजना प्रबंधन श्रेणी में 'वर्ष की कम्पनी' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- इकोनॉमिक टाइम्स ने सीएसआर और सतत् विकास से संबंधित 115 सर्वोत्तम भारतीय कम्पनियों में गेल को 11वां स्थान दिया है।

श्री राम विलास पासवान, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री द्वारा श्री बी. सी. त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गेल को 'उत्कृष्ट निष्पादन कंपनी' (महारत्न श्रेणी) के लिए इंडिया टुडे पीएसयू पुरस्कार 2014 पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- गेल को इंडिया टुडे पीएसयू पुरस्कार 2014 में 'उत्कृष्ट निष्पादन कंपनी' (महारत्न कंपनी) के रूप में चुना गया है।
- गेल को जलवायु संबंधी जानकारी प्रदान करने वाली अग्रणी भारतीय कम्पनियों 2014 की सूची (सीडीएलआई) – सीडीपी की अग्रणी कम्पनियों में स्थान दिया गया है। हम 22 भारतीय कम्पनियों में उपयोगी श्रेणी में एकमात्र कम्पनी हैं।
- गेल को ओजीसीएफ 2014 के दौरान तेल और गैस संरक्षण कार्यकलापों/कार्यक्रमों के लिए अपस्ट्रीम क्षेत्र की तेल कम्पनियों में सर्वोत्तम समग्र निष्पादन का पुरस्कार दिया गया है।
- अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक रिपोर्टिंग पहल संगठन (जीआरआई) ने वित्त वर्ष 2013–14 की सतत् विकास रिपोर्ट को 'ए+' अनुप्रयोग स्तर' प्रदान किया है।
- गेल ने भारत कारपोरेट सुशासन और सतत् विकास लक्ष्य सम्मेलन के दौरान सतत् विकास रिपोर्टिंग पुरस्कार प्राप्त किया और भारतीय वाणिज्य तथा उद्योग मण्डल द्वारा पुरस्कार 2015 प्रदान किया गया।

डॉ आशुतोष कर्नाटक को पेट्रोफेड तेल और गैस उद्योग पुरस्कार 2013 में इसकी दाभोल–बेंगलुरू प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना के लिए परियोजना प्रबंधन श्रेणी में 'वर्ष की कम्पनी' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बाएं से तीसरे निदेशक (परियोजना), गेल।

स्वास्थ्य और सुरक्षा

- एचवीजे कम्प्रैशर स्टेशन, विजयपुर को ब्रिटिश सुरक्षा परिषद, यू.के. द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार – 2015 प्रदान किया गया है।
- गेल पाता और गेल एनसीआर को ब्रिटिश सुरक्षा परिषद, यू.के. द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार – 2014 प्रदान किया गया।
- जीपीयू, विजयपुर को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, मुम्बई द्वारा वर्ष 2014 के लिए श्रेष्ठ सुरक्षा पुरस्कार (द्वितीय स्तर–रजत ट्राफी) प्रदान किया गया।
- एचवीजे कम्प्रैशर स्टेशन, विजयपुर को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, मुम्बई द्वारा वर्ष 2014 के लिए सुरक्षा पुरस्कार (तृतीय स्तर–कांस्य ट्राफी) प्रदान किया गया।
- गेल, विजयपुर को इंस्टीट्यूट ऑफ डाइरेक्टर्स, नई दिल्ली द्वारा स्वर्ण मयूर पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार 2014 प्रदान किया गया।
- गेल, एनसीआर को इंस्टीट्यूट ऑफ डाइरेक्टर्स, नई दिल्ली द्वारा स्वर्ण मयूर व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पुरस्कार 2014 प्रदान किया गया।
- महाराष्ट्र क्षेत्र पाइपलाइन प्रणाली को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), दिल्ली के राज्य केन्द्र ने सुरक्षा नवाचार पुरस्कार–2014 प्रदान किया।

कारपोरेट सुशासन और जोखिम प्रबंधन

कुल मुआवज़े का अनुपात

बोर्ड की सतत् विकास समिति

किसी भी कम्पनी के लिए कारपोरेट सुशासन अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इससे किसी संगठन और उसके कार्मिकों साझा दर्शन, प्रक्रिया–विधि तथा संस्कृति निर्धारित होती है। कारपोरेट सुशासन प्रणाली के बिना किसी निगम को ऐसा शिशु समझा जाता है जिसके पास आत्मा अथवा चेतना नहीं है। कारगर और पारदर्शी कारपोरेट सुशासन प्रक्रिया–विधि से संगठन और उसके शेयरधारकों को जोखिम का प्रबंधन करने तथा मूल्य सृजित करने के अवसर प्राप्त होते हैं।

कारपोरेट सुशासन और जोखिम प्रबंधन (जारी)

गेल जी4–42, जी4–43 ऐसी मुक्त और पारदर्शी सुशासन प्रणाली में विश्वास करता है जो निष्पक्षता और सदाचार से प्रचालन करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता में निहित है। गेल अपने प्रमुख मूल्यों अर्थात् नैतिक प्रक्रिया–विधि, कार्य करने वाले व्यक्तियों के प्रति चिंता, उपभोक्ताओं की बेहतरी तथा अपने शेयरधारकों के लिए धन–सम्पत्ति अर्जित करने के आधार पर अपना प्रचालन करता है। यह सर्वोत्तम प्रौद्योगिकी का उपयोग करने, पेट्रोकेमिकल सहित प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला के सभी पहलुओं पर ध्यान देने; अपने प्रचालन में सुरक्षा के सर्वोच्च स्तर को बनाए रखने, अपने कार्मिकों के स्वास्थ्य को बेहतर रखने, सतत् विकास के लिए स्वच्छ वातावरण बनाए रखने और शेयरधारकों को बेहतर प्राप्ति प्रदान करके उनके उद्देश्यों को पूरा करने का सतत् प्रयास करता है।

गेल में सुदृढ़ सुशासन संरचना का निर्माण करके, पारदर्शी प्रक्रिया–विधि निर्धारित करके और कार्यान्वित करके, आंतरिक नियंत्रण के लिए प्रणाली और प्रक्रिया स्थापित करके, जोखिम प्रबंधन कार्य संरचना को सुदृढ़ करके तथा सभी लागू कानून, नियमों और विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करके निदेशक मण्डल द्वारा कार्यनीति तथा निगरानी की व्यवस्था करके बेहतर सुशासन सुनिश्चित किया जाता है।

गेल कॉर्पोरेट कार्यालय में समीक्षा बैठक के दौरान श्री धर्मेन्द्र प्रधान (मध्य में), माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

सुशासन संरचना जी4–34, जी4–35, जी4–36, जी4–39, जी4–40, जी4–44

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम होने के कारण गेल के सभी निदेशकों की नियुक्ति/नामांकन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है। इसके निदेशक मण्डल में कार्यात्मक और गैर–कार्यात्मक निदेशक होते हैं जो गेल को कार्यनीतिक निदेश देते हैं। इसके अतिरिक्त निदेशक मण्डल ने सांविधिक विनियमों और दिशा–निर्देशों के तहत तथा कारगर एवं बेहतर नीति–निर्माण प्रक्रिया को सुकर बनाने के लिए यथा–अपेक्षित विभिन्न उप–समितियां भी गठित की हैं। गेल के निदेशक मण्डल ने अन्य बातों के साथ–साथ सतत् विकास योजना बनाने तथा इसके निष्पादन की निगरानी करने और एचएसई कार्य–निष्पादन एवं आपातकालीन तैयारी की समीक्षा करने के लिए सतत् विकास समिति गठित की है।

इसके अतिरिक्त निदेशक मण्डल ने अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा कार्यात्मक निदेशकों को शक्तियों का हस्तांतरण करने के लिए इनके हस्तांतरण को अनुमोदित कर दिया है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को संस्था के अंतर्नियमों से बोर्ड स्तर से निचले स्तर के कार्यपालकों को प्रतिनिधि बनाने की शक्ति प्रदान की गई है।

नैतिक कारोबार आचरण को सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के लिए आचार संहिता तैयार की गई है। इसके अलावा हमने संगठन के आंतरिक नियंत्रण के उपयुक्त प्रचालन के लिए प्रणाली तथा प्रक्रिया–विधि भी तैयार की है और इन्हें कार्यान्वित किया है।

गेल अपने कारपोरेट सुशासन के संबंध में स्टॉक एक्सचेंज के साथ किए गए इक्विटी सूचीबद्ध करार के खण्ड 49 और लोक उद्यम विभाग के दिशा–निर्देशों का अनुपालन करती है जो स्वतंत्र निदेशकों की आवश्यकता के संबंध में निदेशक मण्डल के गठन लेखा परीक्षा समिति तथा नामांकन और पारिश्रमिक समिति के गठन पर एवं इसके परिणामी प्रभाव को छोड़कर, लागू हैं। भारत सरकार यथा–अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों का चयन करने की कार्यवाही कर रही है।

श्री माइकल मीहन, सीईओ, जीआरआई के साथ बातचीत के दौरान गेल प्रबंधन

पारिश्रमिक और प्रोत्साहन

जी4–51, जी4–52, जी4–53, जी4–54, जी4–55

गेल प्रत्येक वर्ष पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ समझौता–ज्ञापन हस्ताक्षरित करती है। इस समझौता ज्ञापन में भौतिक, वित्तीय, सामाजिक और पर्यावरण पैरामीटर सहित विभिन्न मापदण्डों के लक्ष्यों को निर्धारित किया जाता है। कम्पनी के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन इनमें से प्रत्येक मापदंड के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों के संदर्भ में किया जाता है और समग्र अंक निर्धारित किया जाता है। यह समग्र अंक समझौता–ज्ञापन की रेटिंग को निर्धारित करने वाला मुख्य कारक है जिसके आधार पर कार्य–निष्पादन सम्बद्ध वेतन के रूप में उस वर्ष के वेतन की सीमा निर्धारित की जाती है। निदेशकों के पारिश्रमिक का निर्धारण पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय करता है।

सभी कार्मिकों को प्रदान किए गए कुल वार्षिक पारिश्रमिक (वैयक्तिक कार्मिक को प्रदान किए गए सर्वाधिक को छोड़कर) के माध्य और संगठन की ओर से प्रदान किए गए सर्वाधिक वार्षिक वैयक्तिक पारिश्रमिक का अनुपात 4.04:1 है। सभी कार्मिकों (वैयक्तिक कार्मिक को प्रदान किए गए सर्वाधिक को छोड़कर) को प्रदान किए गए वार्षिक पारिश्रमिक में इसकी माध्य प्रतिशत वृद्धि (वित्त वर्ष 13–14 से वित्त वर्ष 14–15 में) 16.22 प्रतिशत है। संगठन की ओर से प्रदान किए गए सर्वाधिक वार्षिक वैयक्तिक पारिश्रमिक में (वित्त वर्ष 13–14 से वित्त वर्ष 14–15 में) 37.70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

हितों में टकराव

सार्वजनिक संस्थाओं में बेहतर सुशासन और इनमें जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए हितों में टकराव उत्पन्न करने वाली किसी परिस्थिति का अभिनिर्धारण, संकल्प और उससे बचने का प्रयास करना अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है।

गेल में बोर्ड स्तर पर हितों के टकराव की स्थिति से निम्नलिखित तरीके से बचा जाता है तथा इनका प्रबंधन किया जाता है :

- किसी कम्पनी अथवा कम्पनियों अथवा निकायों, कारपोरेट, फर्मों अथवा अन्य अलग–अलग संघ के निदेशक लिखित में सूचना देकर अपने सरोकार अथवा हित की जानकारी प्रदान करते हैं और इसे बोर्ड को प्रस्तुत किया जाता है। यदि कोई निदेशक किसी विशेष कार्यसूची/मामले में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से रूचि रखता है तो वह इस प्रकार की कार्यसूची मद पर विचार–विमर्श से स्वयं को अलग रखता है।
- किसी पक्ष से संबंधित इस प्रकार की जानकारी यथा–लागू लेखांकन मानकों और कम्पनी अधिनियम, 2013 तथा इसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार प्रदान की जाती है।
- कम्पनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकता के अनुसार और लेखा–परीक्षा समिति और/अथवा शेयरधारकों के सूचीबद्ध करार के खण्ड 49 में यथा–अपेक्षित अनुमोदन सम्बद्ध पक्ष के संव्यवहार के लिए प्राप्त किया जाता है। इसके अतिरिक्त सूचीबद्ध करार के खण्ड 49 के तहत यथा–अधिदेशित सम्बद्ध पक्ष के संव्यवहार के बारे में कार्यवाही करने के लिए एक नीति बनाई गई है जो कम्पनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराई गई है।

जोखिम प्रबंधन जी4–2,जी4–14, जी4–45, जी4–46, जी4–47

जोखिम प्रबंधन किसी कारपोरेट के सुशासन का अत्यधिक महत्वपूर्ण पहलू है। इनमें सर्वाधिक अग्रणी कारपोरेट सुशासन के आर्थिक सहयोग और विकास सिद्धांत व्यवस्था और भारतीय प्रतिभूति तथा विनिमय बोर्ड के सूचीबद्ध करार का खण्ड 49 है जिनमें कारपोरेट सुशासन से संबंधित जोखिम प्रबंधन को शामिल किया गया है। कम्पनी अधिनियम, 2013 में निदेशक मण्डल से जोखिम प्रबंधन नीति को तैयार करने और कार्यान्वित करने तथा उन जोखिम को अभिनिर्धारित करने की अपेक्षा की गई है जो कम्पनी के अस्तित्व को चुनौती दे सकते हैं।

जबकि सभी प्रकार के जोखिम को समाप्त करना संभव नहीं है, तथापि हम यथा–संभव अधिकतम स्तर तक जोखिम के प्रभाव को कम करने तथा न्यूनतम करने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतते हैं। इस प्रकार के उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं :–

- जोखिम से निपटने के लिए विशेषज्ञता युक्त कारपोरेट स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति।
- जोखिम प्रबंधन नीति।
- गेल में सभी यूनिट स्तरों पर जोखिम प्रबंधन व्यावसायिक की जोखिम प्रबंधन अधिकारियों के रूप में तैनाती।

गेल की जोखिम प्रबंधन कार्य–संरचना को वर्ष 2007 में लागू किया गया था। सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन कार्य–संरचना गेल की कारोबार कार्यनीति तथा प्रचालन में सहायता प्रदान करती है। कारोबार विस्तार और हितों से उत्पन्न होने वाले नए और उभरते जोखिम से निपटने के लिए जोखिम प्रबंधन कार्य–संरचना को नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

गेल ने सभी परिसम्पत्तियों, संयंत्रों और कार्यालयों के लिए उद्यम जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है और इसे कार्यान्वित किया है। मुख्य जोखिम प्रबंधन अधिकारी ओर जोखिम प्रबंधन समिति विभिन्न प्रकार के मौजूदा और भविष्य में अल्पकालिक से मध्यकालिक प्रत्याशित जोखिम की समीक्षा करते हैं। जोखिम प्रबंधन विभाग इस संबंध में कार्यकारी निदेशकों की कारपोरेट स्तरीय समिति, कार्यात्मक निदेशक मण्डल की जोखिम प्रबंधन समिति, निदेशक मण्डल की लेखा परीक्षा समिति से सम्पर्क करता है। सामाजिक और पर्यावरण जोखिम सहित यूनिट स्तरीय जोखिम को यूनिट प्रमुख की अध्यक्षता में गठित यूनिट स्तरीय संचालन समिति द्वारा तिमाही आधार पर निर्धारित किए जाते हैं तथा इनकी निगरानी की जाती है। संबंधित यूनिट इन्हें कम करने के सुझाव भी देती है।

संगठन और इसके शेयरधारकों को सुरक्षित रखने और मूल्य संवर्धन के लिए निम्नलिखित उद्देश्यों से जोखिम प्रबंधन नीति और प्रक्रिया–विधि अपनाई जाती है :

- संगठन के लिए जोखिम आसूचना कार्य–संरचना स्थापित करना।
- पूरे संगठन में स्वामित्व स्थापित करना और जोखिम प्रबंधन व्यवस्था को एक वैकल्पिक प्रणाली की अपेक्षा कारोबार के अभिन्न भाग के रूप में सुसज्जित करना।
- संगठन के नीति–निर्माताओं को अनिश्चितता पर शीघ्र ध्यान देने, उस अनिश्चितता के स्वरूप और इसका समाधान करने के लिए कार्य करने के बारे में सहायता प्रदान करना।
- यह सुनिश्चित करना कि संगठन के मौजूदा और भावी जोखिम प्रभाव को अभिनिर्धारित कर लिया गया है, इनका गुणवत्ता तथा मात्रा आधारित मूल्यांकन तथा विश्लेषण कर लिया गया है और उपयुक्त रूप से इनसे निपटने का प्रबंधन कर लिया गया है।
- प्रासंगिक विधिक और विनियामक अपेक्षाओं तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करने में सक्षम होना।
- संगठन के उद्देश्यों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने तथा वित्तीय सुदृढ़ता का आश्वासन देना।

विभिन्न स्तरों पर जोखिम का मूल्यांकन किया जाता है, उसकी मात्रा तथा प्राथमिकता निर्धारित की जाती है और इन्हें कम करने को योजनाओं की समीक्षा तथा निगरानी की जाती है। जोखिम प्रबंधन नीति और प्रक्रिया–विधि के कार्यान्वयन पर नजर रखने के लिए कारपोरेट स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति गठित की गई है। यह समिति

संबंधित कार्य–स्थलों तथा यूनिटों से सूचित किए गए प्रमुख कारपोरेट जोखिम की समीक्षा करने के लिए तिमाही बैठक आयोजित करती है। जोखिम प्रबंधन समिति दो वर्ष में एक बार और लेखा–परीक्षा समिति वर्ष में एक बार इनकी समीक्षा करती है। कार्यात्मक निदेशक, लेखा परीक्षा समिति और बोर्ड इस नीति तथा प्रक्रिया–विधि की आवधिक समीक्षा और निगरानी करते हैं।

गेल ने उच्च स्तरीय कारपोरेट कारोबार जोखिम अभिनिर्धारित किए हैं जो एनजी स्रोत व्यवस्था, मांग जोखिम, ई और पी कारोबार, परियोजना निष्पादन, विदेश स्थित उद्यम, विनियामक अनुपालन और रिपोर्टिंग, नई पाइपलाइन बोली प्रक्रिया, मानव पूंजी में कमी, वित्तीय तथा सरकारी नीति में परिवर्तन से संबंधित हैं। विनिर्दिष्ट समूह उदाहरण के लिए एचएसई समूह पर्यावरण और सुरक्षा संबंधी मुद्दों के सभी जोखिम का और सामाजिक तथा सीएसआर संबंधी मुद्दों का समन्वय अन्य कारपोरेट समूह द्वारा किया जाता है। इस प्रकार के समूह गेल के प्रबंधन को समय–समय पर अद्यतन करते हैं।

हमने सभी परिसम्पत्तियों, संयंत्रों और कार्यालयों के लिए उद्यम जोखिम प्रबंधन नीति भी तैयार की है और इसे कार्यान्वित किया है। मुख्य जोखिम प्रबंधन अधिकारी ओर जोखिम प्रबंधन समिति विभिन्न प्रकार के मौजूदा और भविष्य में अल्पकालिक से मध्यकालिक प्रत्याशित जोखिम की समीक्षा करते हैं। जोखिम प्रबंधन विभाग इस संबंध में कार्यकारी निदेशकों की कारपोरेट स्तरीय समिति, कार्यात्मक निदेशक मण्डल की जोखिम प्रबंधन समिति, निदेशक मण्डल की लेखा परीक्षा समिति से सम्पर्क करता है। सामाजिक और पर्यावरण जोखिम सहित यूनिट स्तरीय जोखिम को यूनिट प्रमुख की अध्यक्षता में गठित यूनिट स्तरीय संचालन समिति द्वारा तिमाही आधार पर निर्धारित किए जाते हैं तथा इनकी निगरानी की जाती है। संबंधित यूनिट इन्हें कम करने के सुझाव भी देती है।

गेल की जोखिम प्रबंधन कार्य–संरचना के अनुरूप कारपोरेट स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति की बैठकों और अन्य कारपोरेट स्तरीय बैठकों में निम्नलिखित जोखिमों की पहचान की तथा इनके संबंध में विचार–विमर्श किया गया। गेल इन पहचान किए गए जोखिम को कम करने का हर संभव प्रयास कर रही है। पहचाने गए ये जोखिम इस प्रकार हैं :

- एलएनजी का आयात करने के संबंध में दीर्घकालिक कारोबार निर्णय लेने के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को सहायता प्रदान करने की अत्यधिक महत्वपूर्ण अवसंरचना का विकास न करने से संबंधित जोखिम। कारोबार विकास, परियोजना निष्पादन तथा विपणन समूह सभी संभावित परिस्थितियों से निपटने की कार्यनीति तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं।
- पाइपलाइन की अवधि और प्रभाव से संबंधित जोखिम। कारपोरेट ओ एंड एम विभाग इस मुद्दे का समाधान करने की कार्यवाही कर रहा है।
- पेट्रोकेमिकल के विस्तार के बाद उत्पन्न होने वाले प्रचालन जोखिम का पता लगाया गया है और संबंधित विभाग इस परिस्थिति से निपटने के लिए अपनी रूपरेखा तैयार कर रहे हैं।
- गेल के भावी कारोबार विवरण के अनुरूप मानव संसाधन के समन्वित न होने से संबंधित जोखिम। मानव संसाधन विकास विभाग इस परिस्थिति से निपटने की कार्यनीति तैयार कर रहा है।
- पाइपलाइन में तृतीय पक्ष क्षति से उत्पन्न होने वाले जोखिम। ओ. एंड एम. विभाग इस स्थिति से निपटने की कार्यवाही कर रहा है।

इस प्रकार पता लगाए गए जोखिमों का सामान्यतः दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है और इन्हें किसी वित्त वर्ष की अवधि में सीमित करना कठिन होता है।

गेल अपने प्रचालन से उत्पन्न होने वाले पर्यावरण प्रभाव के लिए अत्यधिक संवेदनशील है। पर्यावरण सरोकार हमारे लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है और जलवायु परिवर्तन, ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन, ताजा पानी प्राप्त करने, कचरा निपटान इत्यादि के प्रभाव को न्यूनतम करने/समाप्त करने का सदैव प्रयास किया जाता है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव सुरक्षात्मक उपाय करेंगे कि हमारे प्रचालन संबंधित समुदाय और समाज पर न्यूनतम प्रभाव डालते हुए अनुमत्य सीमाओं के भीतर अपना कार्य–निष्पादन करें।

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी पर्याप्तता

गेल ने अपनी विभिन्न प्रक्रियाओं में कारोबार के आकार और स्वरूप के अनुरूप आंतरिक नियंत्रण प्रणाली तैयार की है ताकि इसके उद्देश्यों को हासिल करने में सहायता प्राप्त की जा सके। कम्पनी में आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग की व्यवस्था की गई है जो लेखा परीक्षा समिति (बोर्ड की उप–समिति) को रिपोर्टिंग करती है तथा इसे विश्व में सर्वोत्तम प्रक्रिया–विधि माना जाता है। आंतरिक लेखा परीक्षा यूनिट संबंधित लेखा परीक्षा समिति द्वारा अनुमोदित वार्षिक लेखा–परीक्षा योजना के अनुसार जोखिम आधारित लेखा–परीक्षा करती है।

आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग में विभिन्न विषयों के व्यावसायिक योग्यता प्राप्त कार्यपालक होते हैं जो आंतरिक लेखा परीक्षा चार्टर/मैनुअल, जिसमें आंतरिक लेखा परीक्षा के व्यवसाय की सर्वोत्तम वैश्विक प्रक्रिया–विधि शामिल होती है, में बोर्ड द्वारा अनुमोदित अनुसार आंतरिक नियंत्रण प्रणाली; जोखिम प्रबंधन कार्य–संरचना की उपयुक्तता की समीक्षा करने के अतिरिक्त कम्पनी के वित्तीय, वाणिज्यिक, तकनीकी तथा अन्य कारोबार कार्यकलापों की लेखा परीक्षा करते हैं।

कारपोरेट सुशासन और जोखिम प्रबंधन (जारी)

नैतिक मूल्य और सत्यनिष्ठा जी4–56, जी4–57, जी4–58

हमारे कार्य–निष्पादन और सतत् विकास के प्रमुख तत्व नैतिक मूल्य और सत्यनिष्ठा हैं। हम गेल में यथा–लागू संविधियों का उनके उद्देश्य तथा भावना के साथ अनुपालन करने में विश्वास करते हैं और सांविधिक कार्य–संरचना के अनुपालन से आगे जाकर सर्वोत्तम प्रक्रिया–विधि अपनाने तथा इसके प्रचालन के सभी पहलुओं में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा साम्यता लाने का प्रयास करते हैं। सेबी (आंतरिक व्यापार पर रोक) विनियम 1992 के अनुसार बोर्ड ने गेल (आंतरिक व्यापार संहिता) की प्रतिभूतियों के संबंध में आंतरिक व्यापार को रोकने के लिए 'आंतरिक प्रक्रिया–विधि और आचरण संहिता' बनाई है। सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम होने के कारण गेल भी यह सुनिश्चित करती है कि देश के यथा–लागू सभी नियमों, विनियमों, कानूनों और उप–विधियों का अनुपालन किया जाए। बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के लिए भी आचरण संहिता बनाई गई है ताकि नैतिक मूल्य आधारित कारोबार सुनिश्चित किया जा सके। पिछले कुछ वर्षों में हम अपनी संगठन संरचना में आंतरिक नियंत्रण के लिए प्रणालियों तथा प्रक्रिया–विधियों को तैयार करने तथा कार्यान्वित करने में भी सफल रहे हैं।

भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी पर रोक जी4–डीएमए, जी4–एसओ3,जी4–एसओ4, जी4–एसओ5

जोखिम प्रबंधन कार्य–संरचना को सुदृढ़ करने और आंतरिक नियंत्रण को मजबूत करने के अतिरिक्त गेल उपयुक्त सतर्कता तंत्र को तैयार करने के अपने प्रयासों को दुगुना कर रहा है ताकि भ्रष्टाचार को रोका जा सके तथा कारोबार के दौरान यह उससे सख्ती से निपट सके। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान गेल ने अपनी प्रणाली और प्रक्रिया–विधियों में विभिन्न सुधार किए हैं ताकि बेहतर सुशासन हासिल किया जा सके। इनमें से कुछ महत्वपूर्ण सुधार इस प्रकार हैं :

- कार्य केन्द्रों/विभागों को प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों का आगे निपटारा करने के लिए इनकी निगरानी के वास्ते शिकायत निगरानी प्रणाली तैयार करना (सीएमएस) और उसका उपयोग करना।
- संगठन में प्रतिशत आधारित निविदा प्रणाली शुरू करना।
- विक्रेताओं की बकाया जमा राशि के संबंध में उपयुक्त कार्रवाई करने के लिए संबंधित प्रभारी अधिकारी को तिमाही आधार पर स्वचालित चेतावनी जारी करना।
- कार्मिकों में व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए व्हिसल ब्लोअर नीति को कंपनी के इंट्रानेट पर होस्ट किया गया है।

सतर्कता विभाग इस संबंध में मुख्य सतर्कता आयोग के दिशा–निर्देश तथा संबंधित परिपत्रों के आधार पर रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार से संबंधित मुद्दों का समाधान कर रहा है। इन दिशा–निर्देश और परिपत्रों को गेल के पूर्णतः स्वामित्व वाली सहायक कम्पनियों तथा गेल की 50 प्रतिशत से अधिक इक्विटी वाले संयुक्त उद्यमों में भी लागू किया गया है।[जी4–58] कम्पनी की प्रणाली और प्रक्रिया–विधियों को रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के विरूद्ध अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रणाली तथा प्रक्रिया–विधि अर्थात व्हिसल ब्लोअर नीति[जी4–55], धोखाधड़ी निवारक नीति, सत्यनिष्ठा समझौता और शिकायत निगरानी प्रणाली तैयार की गई है/अपनाई गई है।

आचरण संहिता, सीडीए नियमावली, धोखाधड़ी निवारक नीति और व्हिसल ब्लोअर नीति संबंधित स्वायत्त संस्थाओं, विनियामक प्राधिकरणों इत्यादि सहित संयुक्त उद्यम कम्पनियों, सहायक कम्पनियों, सरकारी निकायों में सहमति से भेजे गए/प्रतिनियुक्ति पर गए कर्मचारियों के साथ–साथ गेल के सभी कर्मचारियों पर लागू है। इसके अतिरिक्त ''सत्यनिष्ठा समझौते'' और ''धोखाधड़ी निवारक नीति'' को आपूर्तिकर्ताओं, संविदाकारों इत्यादि पर भी लागू किया गया है।

विगत में कम्पनी ने संगठन में भ्रष्टाचार की घटनाओं में कमी करने के लिए अनेक पहल की हैं। इनमें से कुछ पहल पर नीचे विचार–विमर्श किया गया है :–

- सत्यनिष्ठा समझौता : गेल ने ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के साथ समझौता ज्ञापन सम्पन्न किया है। इस समझौता ज्ञापन के भाग के रूप में 1 करोड़ रुपए और इससे अधिक मूल्य वाली सभी निविदाओं में सत्यनिष्ठा समझौता शामिल किया गया है। संगठन में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए यह समझौता ज्ञापन और सत्यनिष्ठा समझौता कार्यक्रम गेल की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है जो आम जनता की पहुंच में है। इस सत्यनिष्ठा समझौता कार्यक्रम के भाग के रूप में गेल ने स्वतंत्र बाह्य मानीटर नियुक्त किया है जो इस सत्यनिष्ठा समझौता कार्यक्रम के कार्यान्वयन की निगरानी करने और विक्रेताओं/संविदाकारों की शिकायतों का समाधान करने के लिए उत्तरदायी है।
- कर्मचारियों के लिए भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता : कार्यभार ग्रहण करते समय सभी कर्मचारियों को भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों तथा तंत्र के प्रति संवेदनशील बनाया जाता है। मुख्य सतर्कता आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार प्रति वर्ष सभी प्रमुख स्थानों पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है जिसमें गेल के और संविदा आधारित कर्मचारी भ्रष्टाचार विरोधी उपायों पर केन्द्रित विभिन्न कार्यकलापों में सहभागिता करते हैं।
- गेल में बिल निगरानी प्रणाली (बीडब्ल्यूएस) कार्यान्वित की गई है जिसमें गेल को प्रस्तुत किए गए बिलों की स्थिति का पता लगाने के लिए वेब आधारित सॉफ्टवेयर की व्यवस्था की गई है ताकि प्रणाली पारदर्शिता और पक्षकार को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जा सके।
- गेल में फाइल संचालन प्रणाली (एफएमएस) कार्यान्वित की गई है जिसमें संगठन के भीतर किसी मिसिल की स्थिति का पता लगाने के लिए ई–निगरानी यंत्र की व्यवस्था की गई है ताकि नीति–निर्माण प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जा सके।
- गेल में विक्रेताओं को उनके द्वारा प्रदान की गई/आपूर्ति की गई सेवा के संबंध में भुगतान करने के लिए निधियों का अंतरण करने के लिए ई–भुगतान नीति कार्यान्वित की गई है।
- गेल में विभिन्न प्रकार के उपभोक्ताओं से भुगतान प्राप्त करने के लिए ई–प्राप्ति नीति कार्यान्वित की गई है ताकि सुविधाजनक लेखांकन व्यवस्था और उपभोक्ता खाते को आटोमेटिक रूप से अद्यतन रखा जा सके।
- गेल में ई–निविदा नीति कार्यान्वित की गई है जिसमें गेल द्वारा 25 लाख रुपए अथवा इससे अधिक मूल्य की सभी निविदाओं की बोली को प्राप्त करने की ई–प्रणाली की व्यवस्था की गई है।
- अत्यधिक मूल्य के प्रापण में निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए गेल में ऑनलाइन रिवर्स कार्रवाई नीति कार्यान्वित की गई है।

संगठन की भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों तथा प्रक्रिया–विधियों से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम जीटीआई नोएडा में आयोजित किए जाते हैं। बाहरी एजेंसियों की ओर से आयोजित किए जाने वाले इसी प्रकार के कार्यक्रमों में भी कर्मचारियों को नामित किया जाता है। इनके अतिरिक्त प्रत्येक वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विख्यात वक्ताओं के व्याख्यान की श्रृंखला, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, निबंध प्रतियोगिता इत्यादि के माध्यम से भी संगठन की भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों और प्रक्रिया–विधियों के बारे में कर्मचारियों को अद्यतन जानकारी प्रदान की जाती है।

शिकायतों के बारे में जांच करके, औचक निरीक्षण करके, आवधिक निरीक्षण करके, प्रमुख कार्यों का निरीक्षण करके और सीटीई–प्रकार की जांच करके मुख्य सतर्कता आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार कारोबार संबंधी जोखिम के बारे में सभी कारोबार यूनिटों का विश्लेषण किया जाता है।

शिकायत निवारण तंत्र जी4–37, जी4–41, जी4–49, जी4–50, जी4–डीएमए, जी4–ईएन34, जी4–एलए16, जी4–एचआर12, जी4–एसओ11

गेल कारपोरेट सुशासन और नीति के सर्वोच्च मूल्यों को बनाए रखते हुए पारदर्शी तरीके से अपने शेयरधारकों को उनकी संतुष्टि के अनुरूप सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सदैव हमारा यह प्रयास रहता है कि हम प्रमुख संगठन मूल्यों को बनाए रखें तथा उनका कार्यान्वयन सुनिश्चित करें। तथापि यदि किसी अप्रत्याशित कारण से शेयरधारक को यह पता चलता है कि सुधार किए जाने का कारण/के कारण मौजूद हैं तो उन्हें इनकी सूचना देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस प्रकार की शिकायत को ऑनलाइन दर्ज कराने का विकल्प हमारी वेबसाइट (http://www.gailonline.com/final_site/online_complaints.html) पर उपलब्ध है। सतर्कता संबंधी शिकायतों अर्थात् भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, छल, दुर्विनियोजन, पक्षपात, जानबूझकर असावधानी बरतने, नीति–निर्माण में लापरवाही, प्रणाली और प्रक्रिया–विधियों का खुला उल्लंघन, हस्तांतरित शक्तियों का प्रयोग करने में अनियमितता से संबंधित शिकायतों को दर्ज कराया जा सकता है। उपभोक्ता संबंधित उत्पाद की गुणवत्ता, तकनीकी और वाणिज्यिक स्वरूप के बारे में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। गेल के उपभोक्ता गेल के वेब पेज के माध्यम से 24x7 ऑनलाइन सेवा अनुरोध/शिकायत/मांग दर्ज करा सकते हैं।

जी4–57, कर्मचारियों की शिकायतों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने के लिए गेल ने एक ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित की है और कारपोरेट मानव संसाधन इसकी निगरानी करते हैं। पीड़ित कर्मचारी इस प्रणाली में अपनी शिकायत दर्ज कराता/कराती है और संबंधित मानव संसाधन प्रभारी को उस शिकायत का समाधान यथा–निर्धारित समयावधि में करना होता है। इस प्रणाली में स्वतः आगे बढ़ने की विशेषता है और किसी शिकायत का यथा–निर्धारित अवधि में समाधान न किए जाने की स्थिति में वह शिकायत मानव संसाधन प्रभारी से महाप्रबंधक (मानव संसाधन), कारपोरेट कार्यालय और अंततः निदेशक (मानव संसाधन) को चली जाती है। इसके अतिरिक्त इस प्रणाली में पीड़ित व्यक्ति के संबंधित उत्तर/प्रदान की गई सहायता से संतुष्ट न होने की स्थिति में अगले स्तर पर अपील करने का भी प्रावधान किया गया है।

इसके अतिरिक्त गेल ने केन्द्रीय सार्वजनिक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) पोर्टल भी शुरू किया है जो भारत सरकार (प्रशासनिक सुधार और जन शिकायत विभाग) का पोर्टल है तथा जिसका उद्देश्य नागरिकों को ऐसा मंच प्रदान करना है जहां वे अपनी शिकायतों का समाधान प्राप्त कर सकें। इससे नागरिक अपनी शिकायत/परिवाद को ऑनलाइन दर्ज कराने में सक्षम हुए हैं। गेल से संबंधित शिकायतें पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त की जाती हैं। किसी शिकायत का प्रत्युत्तर दिए जाने/समाधान किए जाने के बाद उसे पोर्टल में रखा जाता है। वर्ष 2014–15 के दौरान इस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त की गई, निपटाई गई और प्रत्युत्तरित शिकायतों को नीचे वर्गीकृत किया गया है :–

	प्राप्त शिकायतों की संख्या	जांच के अधीन शिकायतों की संख्या	निपटाई गई शिकायतों की संख्या
पर्यावरण से संबंधित शिकायतें	1	0	1
श्रम प्रक्रियाओं से संबंधित शिकायतें	5	0	5
मानवाधिकार से संबंधित शिकायतें	11	0	11
समाज से संबंधित शिकायतें	16	0	16

इसके अतिरिक्त गेल ने एक ऐसी शिकायत निवारण प्रणाली की भी व्यवस्था की है जिसमें विभिन्न कार्य केन्द्रों पर लिखित शिकायत प्राप्त की जाती है और उसे केन्द्रीय निगरानी और निपटान के लिए प्रणाली में अपलोड किया जाता है।

सतत् विकास सुशासन

जी4–34, जी4–35, जी4–36, जी4–48

गेल में ऊपर से निचले स्तर तक दृष्टिकोण का अनुसरण करके सुपरिभाषित सतत् विकास सुशासन संरचना की व्यवस्था की गई है जिसका विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों तक विस्तार किया गया है ताकि संगठन की जटिल परिस्थितियों का कारगर ढंग से समाधान किया जा सके। बोर्ड के स्तर पर हमने सतत् विकास समिति गठित की है जिसके अध्यक्ष निदेशक (परियोजना) हैं और कार्यात्मक निदेशक इस समिति के सदस्य हैं। यह समिति गेल के सभी प्रचालनों में सतत् विकास मापदण्डों के संबंध में निदेश देने, इन्हें कार्यान्वित करने तथा प्रगति की समीक्षा करने में सफल रही है।

सतत् विकास समिति

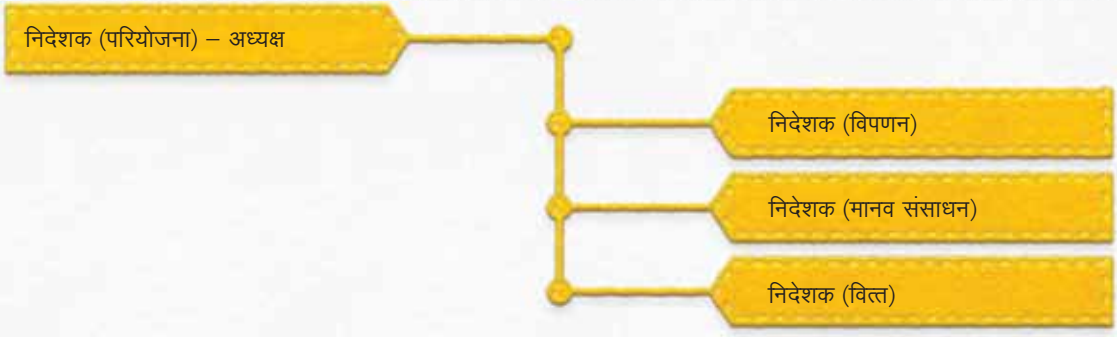

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान समिति ने तीन बैठकें की हैं और इनमें कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं जिनका विवरण नीचे दिया गया है :

- ओआईसी/विभागाध्यक्षों के केआरए के साथ संशोधित सतत् विकास अपेक्षाएं 2020 का निर्धारण
- गेल की सतत् विकास रिपोर्ट का अनुमोदन
- गेल की सतत् विकास पहल और आंतरिक तथा बाह्य शेयरधारकों से संबंधित उपलब्धियों का कारगर और सुव्यवस्थित प्रचार–प्रसार करना
- गेल के क्षेत्र 3 उत्सर्जन के लिए लेखांकन प्रक्रिया शुरू करना
- इस प्रकार की बोर्ड स्तरीय समिति के अतिरिक्त गेल ने एक सतत् विकास संचालन समिति भी गठित की है जिसके अध्यक्ष निदेशक (मानव संसाधन) हैं तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर सभी पहलुओं को शामिल किया जाता है।

इसके साथ–साथ गेल ने कार्य–स्थलों पर बहु–विषयक समिति भी गठित की है जिनकी अध्यक्षता प्रभारी अधिकारी, पहलू स्वामी और कार्य–स्थल समन्वयक करते हैं। इस प्रकार के कार्य–स्थल विनिर्दिष्ट समन्वयक तथा पहलू स्वामी अपने संबंधित विशेष क्षेत्रों के सैट के बारे में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। इस सतत् विकास को कारपोरेट कार्यनीति के साथ एकीकृत करने के उद्देश्य से सतत् विकास कोर दल (जो कारपोरेट योजना विभाग का भाग है) कारपोरेट कार्यालय से कार्य करता है। इसकी विश्वसनीयता तथा डाटा प्रमाणिकता को और सुदृढ़ करने के लिए गेल के कार्यस्थलों पर गठित की गई आंतरिक समितियां प्राप्त किए गए सतत् विकास डाटा की पुनः जांच/सत्यापन करती हैं।

सतत् विकास कार्यनीति

2600 किलोमीटर
जगदीशपुर – हल्दिया पाइपलाइन

निर्माण हेतु गतिविधियां प्रारम्भ

108.37 मिलियन किलोवाट घंटा
पवन ऊर्जा का उत्पादन

1.24 मिलियन किलोवाट घंटा
सौर ऊर्जा का उत्पादन

ऊर्जा आर्थिक विकास की प्रेरक मानी जाती है। देश की विकसित हो रही अर्थव्यवस्था और 1.26 बिलियन जनसंख्या की बेहतर जीवन गुणवत्ता की आकांक्षा को ध्यान में रखते हुए भारत की ऊर्जा मांग अपरिहार्य है। जबकि भारत में हाइड्रोकार्बन ऊर्जा की तीन–चौथाई आवश्यकता आयात से पूरी की जाती है तथापि देश के विकास को गति प्रदान करने के लिए स्वच्छ, वहनीय और सुलभ ऊर्जा प्राप्त करके सतत् अवसरों का पता लगाना अत्यंत आवश्यक है।

सतत् विकास कार्यनीति (जारी)

उत्तरदायी रूप से अपने विकास की गति को बनाए रखने के लिए गेल ने 2011–2020 तक की अवधि के लिए कार्यनीति तैयार की है। इस समय इस कार्यनीति को कार्यान्वित किया जा रहा है और कम्पनी गतिशील वातावरण का मूल्यांकन करने के साथ–साथ विभिन्न कार्यनीतिक पहल की प्रत्यक्ष निगरानी कर रही है ताकि गेल के कारोबार पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन किया जा सके। उच्च स्तरीय प्रबंधन व्यवस्था इन कार्यनीतिक उद्देश्यों को हासिल करने तथा वर्ष 2020 तक कम्पनी को महत्वपूर्ण अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाऊनस्ट्रीम हितों के साथ एकीकृत हाइड्रोकार्बन प्रमुख बनाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महारत्न दर्जा प्राप्त होने से वैश्विक अवसरों को तीव्र गति से प्राप्त करने के लिए हमें अत्यधिक लचीलापन अपनाने की सुविधा प्राप्त हुई है।

कारोबार कार्यनीति

"हमारा उद्देश्य भारत के प्रत्येक राज्य और प्रत्येक परिवार तक अपनी सुविधा पहुंचाना है। अगले 3–4 वर्षों में 15000 कि.मी. राष्ट्रीय गैस ग्रिड तैयार करने की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हम अंतिम छोर के उपभोक्ता को गैस की प्रभावशाली के लिए पूरे देश में गैस अवसंरचना तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। चूंकि हमने विकास के संदर्भ में गेल की तीव्र प्रगति की परिकल्पना की है इसलिए उत्तरदायी विकास के प्रति हमारे सुदृढ़ दृष्टिकोण से हमें स्वयं को अन्य से बेहतर सिद्ध करने में सहायता मिलेगी। इस सकारात्मक दृष्टिकोण से हमारा उद्देश्य इस ओर अग्रसर होना तथा परम्परागत सफलता से आगे तक जाना है।" –निदेशक (परियोजना)

इस वर्ष हम तेल और गैस क्षेत्र में भारी उथल–पुथल के साक्षी रहे हैं जिसके गेल के कारोबार के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। हमारा लाभ वर्ष–दर–वर्ष 31 प्रतिशत तक और राजस्व 1.18 प्रतिशत तक कम हुआ है। गेल के प्रबंधन ने इस प्रकार के परिवर्तनों पर विशेष ध्यान दिया है और इन चुनौतियों से निपटने के लिए सुदृढ़ कार्यनीति तैयार की है। हमारा प्रयास विभिन्न प्रकार के भागों में सतत् कारोबार क्षमता सुनिश्चित करना है।

अपस्ट्रीम भाग में गेल परम्परागत माध्यम से और टर्मिनल क्षमता बुकिंग के माध्यम से पर्याप्त एलएनजी आयात करने तथा स्रोत इक्विटी आधारित एलएनजी से संबंधित उत्पादन परिसम्पत्तियों/द्रवीकरण सुविधाओं में इक्विटी प्राप्त करने की इच्छुक है। गेल ने सबाइन पास द्रवीकरण एलएलसी (अमेरिका), गाजप्रोम (रूस) और डब्ल्यूजीएल मिडस्ट्रीम इंक. (अमेरिका) जैसे आपूर्तिकर्ताओं के साथ कुछ अल्पकालिक और दीर्घकालिक कारोबार को अंतिम रूप देकर एलएनजी के स्रोत के संबंध में अत्यधिक प्रगति हासिल की है। इसके अतिरिक्त गेल की अमेरिकी आनुषंगी कम्पनी ने अमेरिका में डोमिनियन कोव प्वाइंट के एलएनजी द्रवीकरण टर्मिनल में एलएनजी क्षमता बुक की है। इसके साथ–साथ गेल एलएनजी शिपिंग कारोबार की ओर अग्रसर है और इसकी एलएनजी को अमेरिका से भारत तथा अन्य वैश्विक बाजारों में भेजने के लिए एलएनजी शिप को खरीदने/लम्बी अवधि तक किराए पर लेने की योजना है और अपने पूर्ण स्वामित्व वाली गेल ग्लोबल सिंगापुर पीटीई लिमिटेड के माध्यम से एलएनजी कारोबार में प्रवेश किया है।

एलएनजी की मात्रा में वृद्धि को सुविधाजनक

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय रणनीति सम्मेलन – 2015 के दौरान सभा को संबोधित करते हुए श्री बी. सी. त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गेल

बाएं से दाएं – श्री शांतनु रॉय, महाप्रबंधक (सीपी), सुश्री वंदना चानना, कार्यकारी निदेशक (सीसी एवं सीएसआर), श्री एल. आर. गुप्ता, कार्यकारी निदेशक (एफ एंड ए), डॉ आशुतोष कर्नाटक, निदेशक (परियोजना), डॉ अजय माथुर, डीजी (ऊर्जा दक्षता ब्यूरो), श्री प्रभात सिंह, निदेशक (विपणन), श्री एम रवींद्रन, निदेशक (मानव संसाधन) श्री ए. के. मनचंदा, कार्यकारी निदेशक (विपणन–जेवी और आईजीएस), श्री एन. के. नागपाल, महाप्रबंधक (एफ एंड ए और सीएसटी), श्री एस. सी. हटवाल, कार्यकारी निदेशक (सी एंड पी)

बनाने के लिए गेल की एलएनजी टर्मिनल फ्लोटिंग स्टोरेज और पुनः गैसीकरण यूनिट स्थापित करने की योजना है और यह मौजूदा तथा अन्य कम्पनियों द्वारा स्थापित किए जा रहे नए टर्मिनलों में पुनः गैसीकरण क्षमता भी बुक करा रही है। दाभोल एलएनजी टर्मिनल को शुरू करने के बाद गेल का उद्देश्य नई ब्रेकवाटर सुविधाओं का निर्माण करके इस टर्मिनल की पूर्ण क्षमता प्राप्त करना है। गेल ने दाहेज एलएनजी टर्मिनल के लिए पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल) के साथ पुनः गैसीकरण की अतिरिक्त क्षमता के लिए समझौता किया है। इसके अतिरिक्त एलएनजी स्रोत प्रयासों के अनुरूप कम्पनी ने अधिक उपभोक्ताओं को आकर्षित करने तथा उन्हें बनाए रखने के लिए देश में अपने गैस बाजार विकास प्रयासों को गहन किया है।

देश की प्राकृतिक गैस की मांग–आपूर्ति के अंतर को पाटने और ऊर्जा सुरक्षा आवश्यकताओं का समाधान करने के लिए गेल अंतर्राष्ट्रीय पाइपलाइन परियोजना, तुर्कमेनिस्तान–अफगानिस्तान–पाकिस्तान–भारत (टीएपीआई) के संबंध में सक्रिय कार्रवाई कर रही है। इस पाइपलाइन के माध्यम से देश में 38 एमएमएससीएमडी का आयात करने के लिए पहले ही जीएसपीए पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अतिरिक्त टीएपीआई पाइपलाइन कम्पनी को इस्ले ऑफ मैन में विशेष उद्देश्य साधन के रूप में शामिल किया गया है।

मिडस्ट्रीम में गेल पाइपलाइन नेटवर्क का सतत् रूप से अखिल भारत विस्तार करके अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखने की इच्छुक है। इस समय देश में कम्पनी का लगभग कुल 11000 कि.मी. पाइपलाइन नेटवर्क है। इसके अतिरिक्त गेल ने लगभग 2600 कि.मी. की जगदीशपुर–हल्दिया पाइपलाइन का निर्माण करने के लिए परियोजना–पूर्व कार्यकलाप शुरू कर दिए हैं। वास्तविक निर्माण इस पाइपलाइन नेटवर्क के साथ–साथ प्रमुख उपभोक्ताओं की तैयारी के साथ तालमेल करके शुरू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बढ़ती मांग को पूरा करने और भौगोलिक पहुंच में वृद्धि करने के लिए विभिन्न अन्य पाइपलाइन परियोजनाएं निष्पादन के विभिन्न चरणों में है जिससे यह नेटवर्क लगभग 15000 कि.मी. हो जाएगा।

डाऊनस्ट्रीम में गेल विपणन के लिए उत्पाद ऑफ–टेक अधिकारों के साथ–साथ मौजूदा क्षमताओं का विस्तार करके, नए संयंत्रों की स्थापना करके, भावी परियोजनाओं में इक्विटी हिस्सेदारी प्राप्त करके देश का उच्च पेट्रोकेमिकल कारोबारी बनने की इच्छुक है। कम्पनी पाता में अपनी मौजूदा पेट्रोकेमिकल क्षमता को दुगुनी कर रही है और इससे संबंधित परियोजना कमीशनिंग चरण में है। इसकी सहायक कम्पनी ब्रह्मपुत्र क्रैकर और पॉलीमर लिमिटेड (बीपीसीएल) के माध्यम से असम में एक ग्रीनफील्ड पेट्रोकेमिकल भी स्थापित किया जा रहा है। एक संयुक्त उद्यम, ओएनजीसी पेट्रो–एडिशन लिमिटेड (ओपीएएल) के माध्यम से दाहेज में एक अन्य पेट्रोकेमिकल संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। वर्ष 2016 तक कम्पनी के पास 1.7 एमएमटीपीए पालीमर क्षमता होने की आशा है।

फुटकर कारोबार के क्षेत्र में गेल ने अगले कुछ वर्षों में शहर गैस वितरण (सीजीडी) के लिए अपनी आनुषंगी कम्पनियों तथा संयुक्त उद्यमों के माध्यम से और 40–50 शहरों/भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) का लक्ष्य निर्धारित किया है। गेल की पूर्णः स्वामित्व वाली आनुषंगी कम्पनी गेल गैस लिमिटेड कोटा, देवास, मेरठ और सोनीपत शहरों में सीजीडी परियोजनाओं के संबंध में प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हैं। इसके अतिरिक्त गेल गैस लिमिटेड बैंगलुरू शहर के लिए चौथी पीएनजीआरबी सीजीडी बोली जाती है।

कार्यनीतिक लक्ष्यों को कारगर ढंग से और समयबद्ध तरीके से हासिल करने के लिए मानव संसाधन की क्षमताओं को सुदृढ़ करने और इनमें वृद्धि करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। तदनुसार भर्ती, प्रशिक्षण तथा विकास कार्यकलापों को कार्यनीतिक उद्देश्यों के साथ यथा–उपयुक्त रूप से सम्बद्ध किया जा रहा है ताकि गेल वर्ष 2020 तक अपने कार्यनीतिक लक्ष्यों को कार्यान्वित करने तथा हासिल करने में सक्षम हो सके।

सतत् विकास कार्यनीति

जी4–ईएन5, जी4–ईएन18

भारत के यंगेस्ट महारत्न उद्यम के रूप में गेल कल के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत के बेहतर भविष्य के लिए हमारी प्रतिबद्धता हमारे स्वच्छ ऊर्जा कारोबार तक ही सीमित नहीं है अपितु हमें इससे भी आगे जाना है। हम पर्यावरण और समाज पर अपने प्रचालनों के पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए कठोर कार्रवाई कर रहे हैं। इसमें कार्यनीतिक पहल करना तथा पवन और सौर ऊर्जा जैसी स्वच्छ ऊर्जा पहल करना शामिल है। वित्त वर्ष 2014–15 में गेल ने 108.37 मिलियन केडब्ल्यूएच पवन ऊर्जा और 1.24 मिलियन केडब्ल्यूएच सौर ऊर्जा का उत्पादन किया है। प्रचालन के स्तर पर हमने इस वर्ष के दौरान अनेक ऊर्जा संरक्षण पहल कार्यान्वित की हैं जिनके परिणामस्वरूप सामूहिक रूप से 2.65 मिलियन केडब्ल्यूएच ऊर्जा की बचत हुई है। हमने गेल की उत्कृष्ट पहल जो अभी तक हमारी अग्रणी कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल बनी हुई है, को कार्यान्वित करके अपने समुदायों के लिए अपनी प्रतिबद्धता का नवीकरण किया है। इसके अतिरिक्त हमारे कुछ अन्य सीएसआर कार्यकलाप जैसे गेल कौशल (जीवन–यापन करने तथा कौशल विकास), सशक्त (महिला सशक्तीकरण पहल) और सक्षम (वरिष्ठ नागरिकों तथा विभिन्न प्रकार के विकलांगों की देखभाल) भी इस वर्ष कार्यान्वित किए गए।

हमने सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में सुदृढ़ उपाय किए हैं जिससे भविष्य में कोई दुर्घटना न हो। इस प्रकार की पहल में मासिक सुरक्षा दिवस मनाना, निदेशक (मानव संसाधन) और निदेशक (परियोजना) द्वारा मासिक समीक्षा करना, संशोधित घटना रिपोर्टिंग प्रणाली, कर्मचारियों को महिलाओं के प्रति संवेदनशील बनाना, मौजूदा आपदा प्रबंधन प्रणाली और आपातकाल प्रत्युत्तर तथा योजना की समीक्षा करना तथा इसमें सुधार करना, सुरक्षा सूची की बजाय सुरक्षा स्कोर (अधिक विस्तृत सुरक्षा निष्पादन निगरानी प्रणाली) शुरू करना, एसएपी घटना/दुर्घटना लॉग को कार्यान्वित करना और सुरक्षा नेतृत्व के संबंध में एचएसई कार्यशाला शामिल है।

गेल अपने सतत् विकास कार्य–निष्पादन में सुधार करने के लक्ष्य स्वैच्छिक रूप से निर्धारित करने वाली भारत की अग्रणी तेल तथा गैस कम्पनियों में शामिल है। इस स्थिति में और सुधार करने का प्रयास करने के लिए हमने वर्ष 2020 की अपनी सतत् विकास अपेक्षाओं को संशोधित किया है।

एक प्रमुख ऊर्जा कम्पनी के रूप में हमारा उत्तरदायित्व केवल राष्ट्र को ऊर्जा की वहनीय कीमत पर उपलब्ध कराने तथा सुलभ कराने का कार्य सुनिश्चित करने तक ही सीमित नहीं है अपितु कम ऊर्जा घनत्व उपयोग के उद्देश्य से अपने प्रचालनों तथा प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करना भी है। वर्ष 2020 की हमारी अपेक्षाएं इस दिशा में उठाया गया एक कदम है। अपने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में इन स्वैच्छिक लक्ष्यों के माध्यम से न केवल आंतरिक दबाव उत्पन्न हुआ है अपितु हमने इन्हें आम जनता की पहुंच में रखने के लिए कड़ा कदम भी उठाया है।

*–निदेशक (मानव संसाधन)**

(* व्यवसाय विकास से संबंधित कार्यकलापों के लिए)

वर्ष 2020 की सतत् विकास अपेक्षाएं

विशेष महत्व के क्षेत्र	वर्ष 2020 की अपेक्षाएं (आधार वर्ष 2010–11)
सीएचजी उत्सर्जन (क्षेत्र I और II)	▸▸ जीएचजी उत्सर्जन घनत्व में 33 प्रतिशत कमी करना। ▸▸ विनिर्दिष्ट जीएचजी उत्सर्जन (अतिरिक्त कारपोरेट स्तर लक्ष्य) में 5 प्रतिशत कमी करना।
विनिर्दिष्ट ऊर्जा उपभोग	▸▸ एलएचसी और पीसी उत्पाद में विनिर्दिष्ट ऊर्जा में 5 प्रतिशत कमील करना। ▸▸ विनिर्दिष्ट ऊर्जा उपभोग (अतिरिक्त कारपोरेट स्तर लक्ष्य) में 5 प्रतिशत कमी करना।
जल उपभोग	▸▸ जल उपभोग घनत्व में 45 प्रतिशत कमी करना। ▸▸ विनिर्दिष्ट ताजा पानी उपभोग (अतिरिक्त कारपोरेट स्तर लक्ष्य) में 15 प्रतिशत कमी करना।
बेकार पानी रीसाइकल करना	▸▸ 5 प्रतिशत वृद्धि करना। ▸▸ पाता और विजयपुर में जीरो डिस्चार्ज (अतिरिक्त कारपोरेट स्तर लक्ष्य)।
सतत् विकास के संबंध में प्रशिक्षण/जागरूकता अभियान	▸▸ हमारे 100 प्रतिशत कर्मचारी प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम में जागरूकता प्राप्त हैं तथा कार्यभार ग्रहण करने वाले नए कर्मचारियों को कार्यभार ग्रहण करने के एक वर्ष के भीतर इसी तरह तैयार किया जाता है।

सतत् विकास अपेक्षाओं के बारे में हमारी प्रगति

वित्त वर्ष 2014–15 तक गेल के 40 प्रतिशत कर्मचारियों को सतत् विकास प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

जीएचजी घनत्व (कुल कार्बन डाइ ऑक्साइड उत्सर्जन/करोड़)

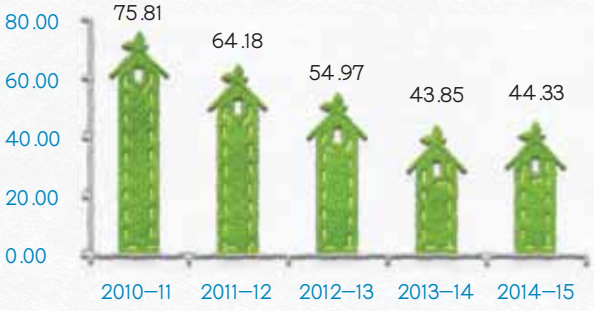

एलएचसी और पीसी उत्पाद का विनिर्दिष्ट ऊर्जा उपभोग जीजे/मीट्रिक टन*

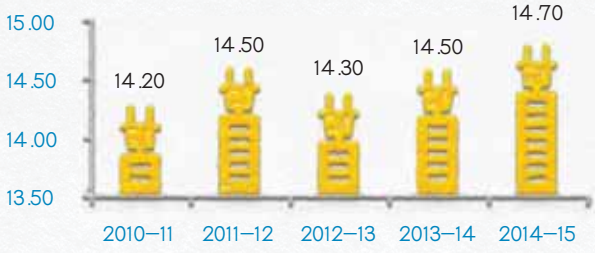

जल उपभोग घनत्व (घन मीटर/करोड़)

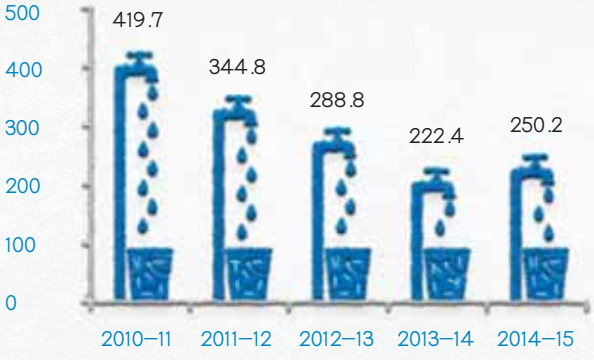

बेकार पानी रिसाइकल (उत्पन्न होने वाले बेकार पानी का प्रतिशत)*

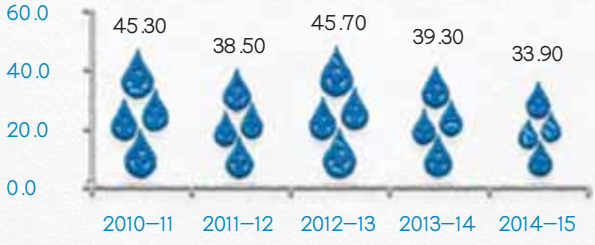

* निम्नलिखित क्षेत्रों में निष्पादन लक्ष्य से हट रहा है

- विशिष्ट ऊर्जा खपत – कुछ संयंत्रों की क्षमता के कम उपयोग के कारण
- अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण – विशेषकर गेल पाता और विजयपुर संयंत्र में चल रहे स्थापना–पूर्व और स्थापना कार्यकलापों के कारण।

शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व

प्रत्येक को शामिल करना

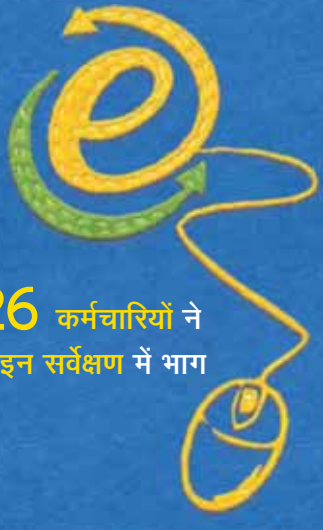

1026 कर्मचारियों ने ऑनलाइन सर्वेक्षण में भाग लिया

क्या मायने रखता है और यह कहां मायने रखता है : हमारा सारगर्भित केन्द्रित दृष्टिकोण

आज के परिवर्तनशील कारोबार परिदृश्य में किसी कम्पनी के निष्पादन को परम्परागत वित्तीय उपलब्धियों के अतिरिक्त वह कम्पनी अपने शेयरधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन के लिए किस प्रकार आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरण तथा नैतिक पहलुओं का प्रबंधन करती है, के माध्यम से भी निर्धारित किया जाता है। गेल में हम पारदर्शी तथा समन्वित तरीके से विकास करने के उद्देश्य के साथ अपने शेयरधारकों के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं। अपने शेयरधारकों के सम्पर्क में रहकर आर्थिक प्रक्रियाओं पर ध्यान देने से हमें मुद्दों पर ध्यान देने में सहायता मिलती है ताकि सतत् विकास को अपनी नीति–निर्माण प्रक्रिया की मुख्य धारा में लाया जा सके।

शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व (जारी)

गेल में शेयरधारकों को उनके साथ कुशल तथा सक्षम तरीके से सहभागिता करने के लिए शामिल किया जाता है। इससे न केवल हमें अवसरों को निर्धारित करने में सहायता मिलती है अपितु उन भावी जोखिम का भी मूल्यांकन करने में सहायता मिलती है जिनमें भविष्य में किसी स्तर पर काफी वृद्धि हो सकती है।

इस प्रकार के शेयरधारकों में ऐसे व्यक्ति, समूह और संगठन शामिल हैं जो हमारे कारोबार को प्रभावित करते हैं अथवा इससे प्रभावित होते हैं। विभिन्न प्रकार के विभागों से विचार–विमर्श करने के बाद प्राथमिक और गौण शेयरधारकों का एक नक्शा तैयार किया गया था। इस नक्शे को प्रस्तुत किया गया है। जी4–24, जी4–25, जी4–26, जी4–27

शेयरधारक व्यवसाय सत्र

पिछले कुछ वर्षों में हम अपने सुशासन, संगठन कार्यनीति और प्रबंधन में शेयरधारकों को सकारात्मक रूप से शामिल करने में सफल रहे हैं। विभिन्न प्रकार के विभागों और बाह्य अभिकरणों की सहायता से इन्हें शामिल करने का कार्य किया जाता है। इस प्रकार के कार्य नियमित अंतराल (उपभोक्ता और कार्मिक संतुष्टि सर्वेक्षण) पर किए जाते हैं जबकि कुछ आवश्यकता आधारित (जैसे आवश्यकता और प्रभाव मूल्यांकन सर्वेक्षण) होते हैं। शेयरधारकों को शामिल करने के परिणामों को वरिष्ठ प्रबंधन को सूचित किया जाता है तथा समीक्षा की जाती है।

इस प्रकार की रिपोर्टिंग के दौरान 10 स्थानों के छह शेयरधारक समूहों के साथ समर्पित शेयरधारकों को शामिल करने का कार्य किया गया। इसमें आर्थिक, पर्यावरण, सामाजिक तथा सुशासन आयामों को शामिल करके 20 मुद्दों की सूची पर शेयरधारकों का प्रत्युत्तर मांगा गया था। इन्हें शामिल करने के माध्यम में शेयरधारकों के साथ विशेष सामूहिक चर्चा, प्रश्नावली सर्वेक्षण और आमने–सामने बातचीत शामिल की गई। डाटा संग्रह करने के लिए गुणवत्तामूलक और मात्रात्मक दोनों प्रकार की तकनीक का उपयोग किया गया। अभिनिर्धारित किए गए मुद्दों में से चुने गए मुद्दों के आधार पर प्रश्नावली तैयार की गई। इस कार्य के भाग के रूप में 28 उपभोक्ताओं, 7 गैर–सरकारी संगठनों, 25 संविदाकारों/विक्रेताओं, स्थानीय समुदायों के 16 प्रतिनिधियों से परामर्श किया गया। इसके अतिरिक्त इस कार्य में कार्य स्थलों पर बातचीत के माध्यम से 195 कार्मिकों ने भाग लिया और ऑनलाइन सर्वेक्षण में 1026 कर्मचारियों ने सहभागिता की।

शेयरधारकों को शामिल करने के कार्य के परिणामस्वरूप उभरे 5 अन्य मुद्दों को नीचे प्रस्तुत किया गया है : –

संविदाकार/विक्रेता

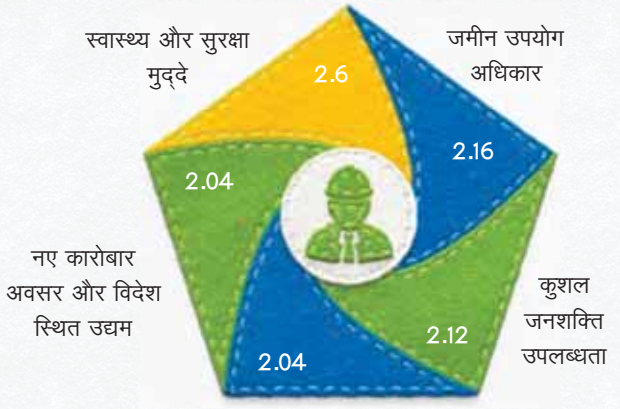

गैस और पेट्रो–रसायन विपणन

ग्राहक

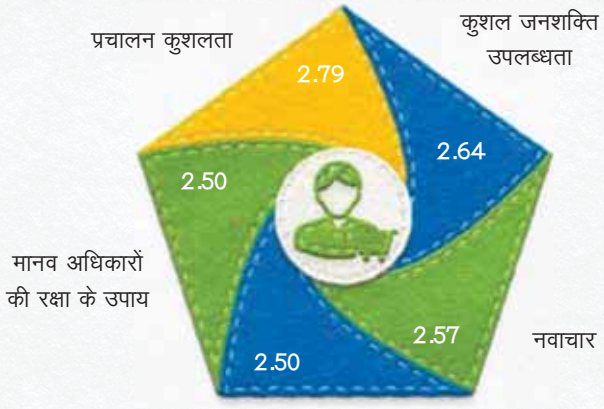

गैर और पेट्रो–रसायन विपणन

गैर–सरकारी संगठन

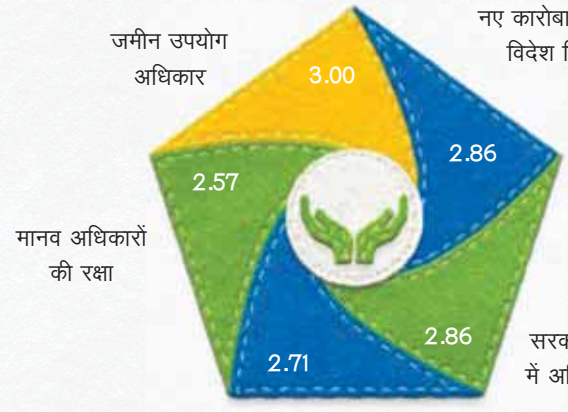

गैस और पेट्रो–रसायन विपणन

समुदाय

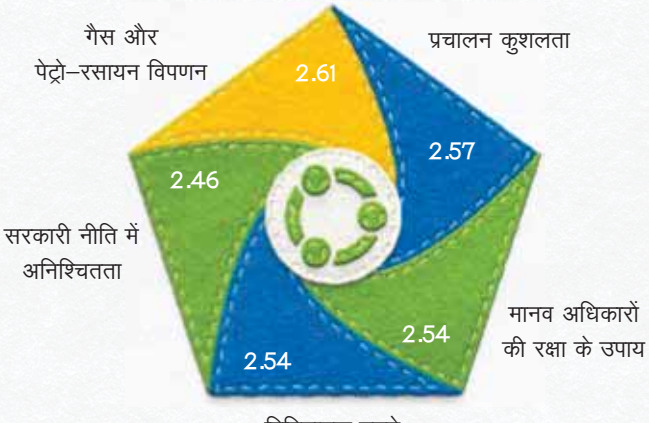

विनियामक मुद्दे

नियमित कार्मिक

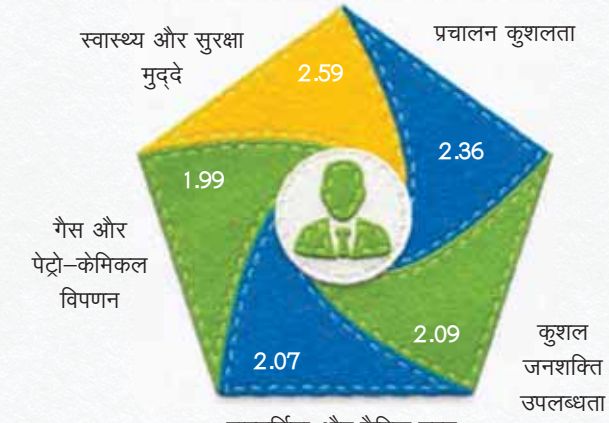

पारदर्शिता और नैतिक मूल्य

शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व (जारी)

कार्मिक

1. स्वास्थ्य और सुरक्षा
2. प्रचालन उत्कृष्टता
3. गैस और पेट्रोकेमिकल विपणन
4. कुशल जनशक्ति उपलब्धता
5. पारदर्शिता और नीति मूल्य

उपभोक्ता

1. प्रचालन उत्कृष्टता
2. कुशल जनशक्ति उपलब्धता
3. नवाचार
4. गैस और पेट्रोकेमिकल विपणन
5. मानव अधिकारों की रक्षा के उपाय

समुदाय

1. गैस और पेट्रोकेमिकल विपणन
2. प्रचालन उत्कृष्टता
3. मानव अधिकारों की रक्षा के उपाय
4. विनियामक मुद्दे
5. सरकारी नीति में अनिश्चितता

गैर सरकारी संगठन

1. जमीन उपयोग अधिकार
2. नए कारोबार अवसर और विदेश स्थित उद्यम
3. सरकारी नीति में अनिश्चितता
4. गैस और पेट्रोकेमिकल विपणन
5. मानव अधिकारों की रक्षा के उपाय

संविदाकार/विक्रेता

1. स्वास्थ्य और सुरक्षा
2. जमीन उपयोग अधिकार
3. कुशल जनशक्ति उपलब्धता
4. नए कारोबार अवसर और विदेश स्थित उद्यम
5. गैस और पेट्रोकेमिकल विपणन

शेयरधारकों को शामिल करने की कार्यनीति का सारांश नीचे दिया गया है :–

कार्मिक

शेयरधारक समूह का महत्व	हम अपने कर्मचारियों को महान सम्पत्ति समझते हैं और उत्कृष्ट परिणामों के लिए उनके साथ सतत् रूप से बातचीत करते हैं
कार्य–दल	मानव संसाधन विभाग, मानव संसाधन–कर्मचारी संबंध और नीति, कारपोरेट प्रचालन और अनुरक्षण, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण विभाग, कारपोरेट सतत् विकास दल
शामिल करने का अंतराल	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक
शामिल करने का तरीका	संतुष्टि सर्वेक्षण, शिकायत निवारण, सुझाव स्कीम, सीएमडी के साथ खुली चर्चा, सतत् विकास सर्वेक्षण, विभिन्न समितियां, ई–मेल, पत्र–पत्रिका, कर्मचारी संघों तथा यूनियनों के साथ बैठकें (गेल दिवस समारोह, खेलकूद प्रतियोगिता, स्वास्थ्य अभियान इत्यादि सहित विभिन्न प्रकार के कार्यकलाप
चिंताओं, अवधारणाओं, सुझाव और सलाह से संबंधित प्रमुख पहल	▸▸ गेल के कारोबार लक्ष्यों, मूल्यों और सिद्धांतों के संबंध में बातचीत ▸▸ प्रमुख परियोजनाओं की कार्य–योजना ▸▸ सर्वोत्तम प्रक्रिया–विधियों का कार्यान्वयन ▸▸ अध्ययन और विकास को सुकर बनाना ▸▸ पिछले प्रमुख कार्य–निष्पादन संकेतक और कार्य–योजना ▸▸ चिंताओं की समझबूझ और उनका समाधान ▸▸ विचार तैयार करना, साझा करना तथा सीखना

आपूर्तिकर्ता

शेयरधारक समूह का महत्व	गेल का प्राथमिक कारोबार गैस पारेषण है जिससे सतत् आधार पर आपूर्तिकर्ताओं को कार्य पर रखना कम्पनी के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। आपूर्तिकर्ताओं के साथ परिवहन संबंध रखने से कम्पनी को जोखिम कम करने और नए अवसरों का पता लगाने में सहायता मिलती है। इससे हमें अपनी आपूर्ति श्रृंखला तथा योजना में सुधार करने में भी सहायता मिलती है।
कार्य–दल	संविदाकार, प्रापण विभाग, परियोजना विभाग
शामिल करने का अंतराल	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक
शामिल करने का तरीका	आपूर्तिकर्ता बैठक, ई–मेल, बैठकें
चिंताओं, अवधारणाओं, सुझाव और सलाह से संबंधित प्रमुख पहल	▸▸ सत्यनिष्ठा समझौता तंत्र ▸▸ निविदा–पूर्व और बोली–पूर्व बैठक ▸▸ निपटान सलाहकार समिति के माध्यम से मिलान ▸▸ प्रति–बोली ▸▸ बिल निगरानी प्रणाली ▸▸ फाइल संचालन प्रणाली ▸▸ ई–निविदा प्रक्रिया

शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व (जारी)

शेयरधारक समूह का महत्व	गेल अपने ग्राहकों को विकास में भागीदार मानती है और सेवा तथा उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करती है। कम्पनी ने ग्राहकों की चिंता का कारगर ढंग से समाधान करने के लिए ऑनलाइन ग्राहक सुझाव प्रणाली भी तैयार की है
कार्य–दल	विपणन विभाग, कुल गुणवत्ता प्रबंधन विभाग
शामिल करने का अंतराल	वार्षिक, तिमाही
शामिल करने का तरीका	उपभोक्ता बातचीत बैठक, उपभोक्ता बैठक
चिंताओं, अवधारणाओं, सुझाव और सलाह से संबंधित प्रमुख पहल	▸▸ ग्राहक सुझाव बॉक्स : ग्राहक की अपेक्षाओं को समझना, प्रचालन चिंताओं का समाधान करना और नए उत्पाद तैयार करने के संबंध में फीडबैक प्राप्त करना ▸▸ ग्राहक संतुष्टि सूची : उनके संतुष्टि स्तर को समझना ▸▸ ग्राहक खाता : पारदर्शी लेन–देन के लिए

शेयरधारक समूह का महत्व	समुदाय हमारे लिए महत्वपूर्ण शेयरधारक है क्योंकि ये समुदाय हमें प्रचालन करने का सामाजिक लाइसेंस प्रदान करते हैं। हमने कारगर सामुदायिक विकास के लिए सीएसआर नीति भी तैयार की है
कार्य–दल	कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग
शामिल करने का अंतराल	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक, आवश्यकता–आधारित
शामिल करने का तरीका	सामुदायिक बैठक, परियोजना बैठक, वार्षिक समीक्षा
चिंताओं, अवधारणाओं, सुझाव और सलाह से संबंधित प्रमुख पहल	▸▸ सामाजिक उत्तरदायित्व पहल/परियोजनाओं को निष्पादित करना ▸▸ अत्यधिक महत्वपूर्ण दुर्घटना के संबंध में उनकी चिंताओं को समझना तथा उनका समाधान करना

शेयरधारक समूह का महत्व	निवेशक कम्पनी के प्रचालनों का वित्तपोषण करके कम्पनी में प्राथमिक भूमिका निभाते हैं और इस प्रकार "भाग स्वामित्व" प्राप्त करते हैं। इस प्रकार के सर्वाधिक महत्वपूर्ण शेयरधारक बन जाते हैं। गेल इन निवेशकों के अधिकारों का सम्मान करती है और विभिन्न चैनलों से उन्हें सूचना प्रदान करती है। इस प्रकार चैनल कम्पनी की वेबसाइट है जिसमें अनन्य रूप से निवेशकों को समर्पित एक खण्ड है
कार्य–दल	सांस्थानिक निवेशकों और विश्लेषकों के लिए : वित्त और लेखा फुटकर निवेशकों के लिए : कम्पनी सचिव
शामिल करने का अंतराल	वार्षिक/तिमाही/जब भी आवश्यकता हो
शामिल करने का तरीका	वार्षिक आम बैठक, निवेशक बैठक, निवेशक सम्मेलन, सम्मेलन आयोजन, वित्तीय सूचना को वेबसाइट पर उपलब्ध कराना
चिंताओं, अवधारणाओं, सुझाव और सलाह से संबंधित प्रमुख पहल	▸▸ कम्पनी के मूल्यों, कारोबार योजना, कार्यनीति, जोखिम, विकास परिप्रेक्ष्य इत्यादि के बारे में स्पष्ट रूप से सूचित करना ▸▸ पिछली अवधियों की तुलना में कम्पनी के निष्पादन की प्रमुख विशेषताएं ▸▸ भावी चुनौतियों के संदर्भ में निवेशकों की चिंताओं का समाधान करना

मीडिया

शेयरधारक समूह का महत्व	आज के सुव्यवस्थित रूप से जुड़े विश्व में मीडिया समाज में अवधारणा निर्माता की भूमिका निभाता है। इसके अतिरिक्त मीडिया विभिन्न चैनलों के माध्यम से अन्य शेयरधारकों के साथ बातचीत करने में भी सहायता प्रदान करता है
कार्य–दल	कारपोरेट संचार विभाग
शामिल करने का अंतराल	आवश्यकता आधारित
शामिल करने का तरीका	प्रेस के साथ बैठक, साक्षात्कार
चिंताओं, अवधारणाओं, सुझाव और सलाह से संबंधित प्रमुख पहल	▸▸ संबंध निर्माण ▸▸ निष्पादन विशेषताओं के बारे में सम्पर्क करना ▸▸ प्रमुख क्षेत्र विकास आधारित कार्यकलापों के बारे में दृष्टिकोण

उद्योग संघ[जी4–15]

शेयरधारक समूह का महत्व	उद्योग संघ संबंधित कारोबार को संबंधित चिंताएं प्रस्तुत करने, सर्वोत्तम प्रक्रिया–विधि प्रस्तुत करने, ज्ञान को साझा करने एवं एक–दूसरे के साथ सहयोग करने का अवसर प्रदान करते हैं। गेल इस संबंध में पेट्रोफेड, स्कोप सीआईआई, एफआईसीसीआई, पीएचडी चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, जीआरआई फोकल प्वाइंट इंडिया, टीईआरआई–बीसीएसडी इत्यादि जैसे प्रमुख उद्योग संघों का सदस्य रहा है
कार्य–दल	कारपोरेट योजना, विपणन, कारोबार विकास, टीक्यूएम, एचएसई, आंतरिक लेखा परीक्षा, परियोजना जैसे विभिन्न विभाग
शामिल करने का अंतराल	आवश्यकता आधारित
शामिल करने का तरीका	सेमिनार, सम्मेलन, उद्योग एक्सपो
चिंताओं, अवधारणाओं, सुझाव और सलाह से संबंधित प्रमुख पहल	▸▸ कार्य–निष्पादन डाटा को साझा करना ▸▸ प्रमुख निर्णयों तथा परियोजनाओं के संबंध में सूचित करना ▸▸ सम्मेलन और संगोष्ठियों में सहभागिता करना ▸▸ सार्वजनिक नीति के समर्थन में शामिल करना

सरकारी और विनियामक अभिकरण

शेयरधारक समूह का महत्व	सरकारी और विनियामक अभिकरण पूरे विश्व में कारोबार कैसे किया जाए, के बारे में अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह कर, विनियामक और अन्य नीतियों, कारोबार के लिए समान अवसर सृजित करने, पूंजी की सुलभता और अन्य सम्बद्ध कार्यों के रूप में होते हैं। गेल इस प्रकार के सभी कानूनों तथा विनियमों के अनुपालन को उच्च प्राथमिकता देती है।
कार्य–दल	विनियामक कार्य विभाग, विधि विभाग, कारपोरेट योजना विभाग, सम्पर्क और संसदीय कार्य विभाग, कम्पनी सचिवालय
शामिल करने का अंतराल	वार्षिक, तिमाही
शामिल करने का तरीका	समझौता ज्ञापन, क्यूपीआर, खुली चर्चा सत्र, सुनवाई तथा अन्य प्रकार की बैठक, पीएनजीआरबी द्वारा यथा–अपेक्षित विभिन्न प्रकार के विनियामक मामलों पर पीएनजीआरबी को लिखित विचार/टिप्पणियां भेजना
चिंताओं, अवधारणाओं, सुझाव और सलाह से संबंधित प्रमुख पहल	▸▸ संबंध निर्माण ▸▸ समझौता ज्ञापन के अनुसार कार्य–निष्पादन ▸▸ प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना ▸▸ प्रमुख निवेश योजनाओं पर विचार–विमर्श

अन्य शेयरधारकों को शामिल करना जी4–15, जी4–16

हम अपने शेयरधारकों के साथ मूल्यों का आदान–प्रदान करते हैं और उनके साथ मिलकर विकास करते हैं। इसके अलावा, उनकी समस्याओं की ऊपर उल्लिखित अनुसार विभिन्न चैनलों और कार्य प्रणाली के जरिए पहचान की गई है जो हमारे व्यवसाय की निरंतरता के लिए महत्वपूर्ण है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख विभागों की विशिष्ट भूमिका और जिम्मेदारियों को परिभाषित किया है कि समस्याओं का समय पर और प्रभावी ढंग से समाधान हो जाए।

उपर्युक्त उल्लिखित शेयरधारक समूहों को शामिल करने के अतिरिक्त गेल विभिन्न प्रकार के व्यापार और चैम्बर/संघों की सदस्य है। इस प्रकार के संघ अपने मंच के माध्यम से हमें अपने विचार तथा राय से विभिन्न अन्य शेयरधारकों को अवगत कराने में सहायता प्रदान करते हैं। इनमें से कुछ संघों का विवरण नीचे दिया गया है :–

कार्य की व्यापक श्रेणी	व्यापार और चैम्बर / एसोसिएशन
स्थायित्व	भारतीय ग्लोबल रिपोर्टिंग पहल प्राइवेट लिमिटेड
	ग्लोबल काम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (यूएनजीसी का भारतीय अध्याय)
	टीईआरआई–बीसीएसडी (ऊर्जा और संसाधन संस्थान–सतत् विकास कारोबार परिषद)
	भारत जीएचजी कार्यक्रम
	विश्व पर्यावरण फाउंडेशन
अन्य व्यवसाय संबंधी कार्य	परियोजना प्रबंधन सहयोग
	अंतर्राष्ट्रीय बाजार मूल्यांकन सीईओ मंच
	भारत सीएफओ मंच–आईएमए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
	आंतरिक लेखा परीक्षक संस्थान, अमेरिका
	तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी)
	भारतीय पेट्रोलियम परिसंघ (पेट्रोफेड)
	अंतर्राष्ट्रीय गैस यूनियन (आईजीयू)
	अंतर्राष्ट्रीय कोरोजन इंजीनियर का राष्ट्रीय संस्थान, अमेरिका (एनएसीई)
	ब्रिटिश सुरक्षा परिषद (बीएससी)
	अंतर्राष्ट्रीय द्रवित प्राकृतिक गैस आयातक समूह (जीआईआईजीएनएल)
	संयुक्त राष्ट्र आर्थिक यूरोप आयोग (यूएनईसीई) गैस केन्द्र
	भारतीय विश्व ऊर्जा परिषद
	अंतर्राष्ट्रीय केमिकल एंड पेट्रोकेमिकल्स मैनुफैक्चरर एसोसिएशन (सीपीएमए) इंटरनेशनल
	भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)
	स्थाई सार्वजनिक उद्यम संघ (एससीओपीई)
	भारतीय उद्योग और वाणिज्य मंडल परिसंघ (फिक्की)
	पीएचडी वाणिज्य और उद्योग चैम्बर
	भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई)

महत्व

हमने अपने सतत् विकास आचरण में महत्व मूल्यांकन को अत्यधिक स्थान दिए जाने के बावजूद इस पर नए तरीके से और ध्यान दिया है क्योंकि गेल की इस प्रथम सतत् विकास रिपोर्ट जीआरआई जी4 दिशा–निर्देशों के अनुसार तैयार की गई है। इन नए दिशा–निर्देशों के तहत इस प्रकार के महत्व पर और अधिक ध्यान दिया गया है क्योंकि यह रिपोर्ट अभिनिर्धारित किए गए इन प्रमुख महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में होगी।

जी4–24, जी4–26, जी4–27 इस प्रकार के महत्व के संबंध में हमारा दृष्टिकोण सतत् विकास के ऐसे मुद्दों पर आधारित रहा है जो हमें प्रभावित करते हैं और भविष्य में हमारे विकास के वाहक होंगे। आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरण, अभिशासन और अन्य क्षेत्रों के 57 मुद्दों वाली समावेशी सूची में से 20 मुद्दों की संक्षिप्त सूची तैयार की गई है। इन मुद्दों को शेयरधारकों को उनके विचार प्राप्त करने के लिए भेजा गया था। छह शेयरधारक समूहों से 1300 प्रत्युत्तर प्राप्त हुए जिनका उपयोग अपने छह सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दों का चयन करने के लिए किया। हमारा विश्वास है कि इस प्रकार के विस्तृत प्रत्युत्तर से हमारे कारोबार और शेयरधारकों के मध्य संबंधित क्षेत्रों को अभिनिर्धारित करने का कार्य ''उत्तरदायी विकास'' का मार्ग प्रशस्त करने का आधार है। गेल सतत् विकास के अत्यधिक महत्वपूर्ण मुद्दों को अभिनिर्धारित करने के लिए पिछले पांच वर्षों से महत्व मूल्यांकन कर रही है। कम्पनी के लिए केन्द्रित सतत् विकास कार्यनीति तैयार करने में यह अनिवार्य है। इस वर्ष हम जीआरआई जी3.1 रिपोर्टिंग दिशा–निर्देशों से जीआरआई जी4 रिपोर्टिंग दिशा–निर्देशों की ओर अंतरित हुए हैं, हमने अपने महत्व निर्धारण कार्य को संशोधित किया है ताकि हम 57 मुद्दों की समावेशी सूची में छह प्रमुख महत्वपूर्ण मुद्दों का चयन कर सकें। जी4–2

गेल का महत्व मूल्यांकन दृष्टिकोण जी4–18

चरण : 1

सतत् विकास के संदर्भ में गेल से संबंधित प्रमुख मुद्दों को निर्धारित करना

चरण : 2

परामर्श किए जाने वाले शेयरधारकों को निर्धारित करना

चरण : 4

शेयरधारकों से प्राप्त फीडबैक का मिलान करना और अत्यधिक महत्वपूर्ण मुद्दों को निर्धारित करना

चरण : 3

शेयरधारक प्रत्युत्तर प्राप्त करना/ डाटा संग्रह करना

शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व (जारी)

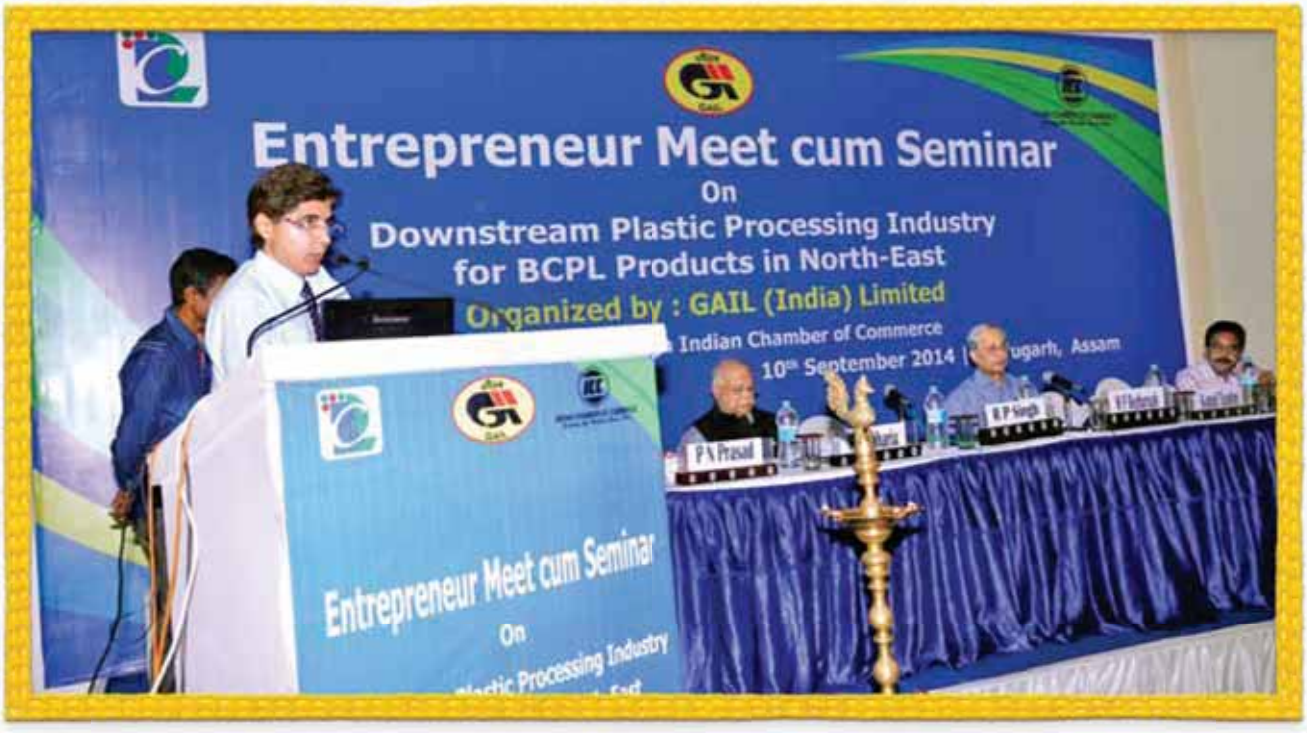

जी4–19 इस वर्ष इस प्रकार के महत्व मूल्यांकन में अनुसंधान का ब्यौरेवार विवरण निहित रहा है। इसे शुरू करने के लिए हमने अपनी प्राथमिक सफलता अर्थात् जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण, कारोबार–कार्य–निष्पादन और कार्यनीति तथा अन्य आंतरिक दस्तावेजों की समीक्षा की है। इसके साथ–साथ तेल और गैस क्षेत्र इत्यादि से संबंधित मीडिया रिपोर्ट, प्रेस विज्ञप्ति, अन्य मुद्दों जैसे गौण संसाधनों की भी समीक्षा की गई है। इस अनुसंधान के आधार पर 57 मुद्दों की समावेशी सूची तैयार की गई और उस पर विचार–विमर्श किया गया। विभिन्न विभागों (कारोबार विभाग, प्रचालन और अनुरक्षण, कम्पनी सचिवालय, कारपोरेट संचार, वित्त और लेखा, मानव संसाधन, सुरक्षा, विधि, विपणन, संसदीय कार्य, परियोजना विकास, कारोबार सूचना प्रणाली, आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग, गेल के प्रशिक्षण संस्थान और अन्वेषण तथा उत्पादन विभाग सहित) ने इस विचार–विमर्श में भाग लिया। इस आंतरिक विचार–विमर्श के आधार पर 20 मुद्दों की संक्षिप्त सूची तैयार की गई जिसे मूल्यांकन के लिए शेयरधारक समूहों को प्रस्तुत किया गया।

इस प्रक्रिया का अनुसरण करके प्राथमिक और गौण शेयरधारकों सहित विभिन्न प्रकार के शेयरधारकों को निर्धारित किया गया था। इसमें 11 शेयरधारकों को अभिनिर्धारित किया गया था। प्राथमिक शेयरधारकों को ऐसे शेयरधारकों के रूप में अभिनिर्धारित किया गया जो शेयरधारकों और निवेशकों, कर्मचारियों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं तथा कम्पनी के प्रचालन से संबंधित समुदायों के निवासियों सहित कम्पनी की सम्पत्ति से प्रत्यक्ष रूप से सम्बद्ध हित रखते हैं जबकि गौण शेयरधारकों को ऐसे शेयरधारकों के रूप में निर्धारित किया गया जो किसी संगठन पर अप्रत्यक्ष प्रभाव रखते हैं अथवा इसके कार्यकलापों से प्रत्यक्ष रूप से कम प्रभावित होते हैं। इनमें ऐसे मीडिया और दबाव समूह तथा अन्य समूह शामिल हैं जो संगठन के कारोबार और सामाजिक नेटवर्क से सम्बद्ध हैं।

शेयरधारकों के छह ऐसे समूह बनाए गए हैं जिनसे विशेष महत्वपूर्ण समूह विचार–विमर्श, प्रश्नावली सर्वेक्षण और आमने–सामने बातचीत के माध्यम से प्रत्युत्तर मांगा गया था। इस संबंध में 10 कार्यस्थलों पर ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से की गई बातचीत से लगभग 1300 प्रत्युत्तर प्राप्त किए गए। इस प्रकार के प्रत्युत्तर में मुद्दों को अधिक, मध्यम अथवा कम महत्व का बताया गया। इस प्रकार की बातचीत से ऐसे गुणात्मक और मात्रात्मक डाटा का समृद्ध संग्रह तैयार करने का मार्ग प्रशस्त हुआ जिसका उपयोग सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दों का आकलन करने के लिए किया गया। शेयरधारकों से प्राप्त इस प्रकार के विवरण का स्थल पर जाकर और स्थल से बाहर विश्लेषण किया गया। गेल के वरिष्ठ प्रबंधन के साथ इनके परिणाम पर विचार–विमर्श किया गया जिनके प्रत्युत्तर को अंतिम महत्वपूर्ण ब्यौरा तैयार करते समय ध्यान में रखा गया।

इसके अतिरिक्त ऑनलाइन सर्वेक्षण में और प्रबंधन विचार–विमर्श के दौरान प्राप्त फीडबैक के आधार पर अंतिम रूप से महत्वपूर्ण ब्यौरा तैयार किया गया। इस विश्लेषण के बाद तैयार किए गए महत्वपूर्ण ब्यौरे को नीचे प्रस्तुत किया गया है :–
जी 4–27

वर्ष 14–15 हेतु गेल के लिए महत्वपूर्ण मुद्दे

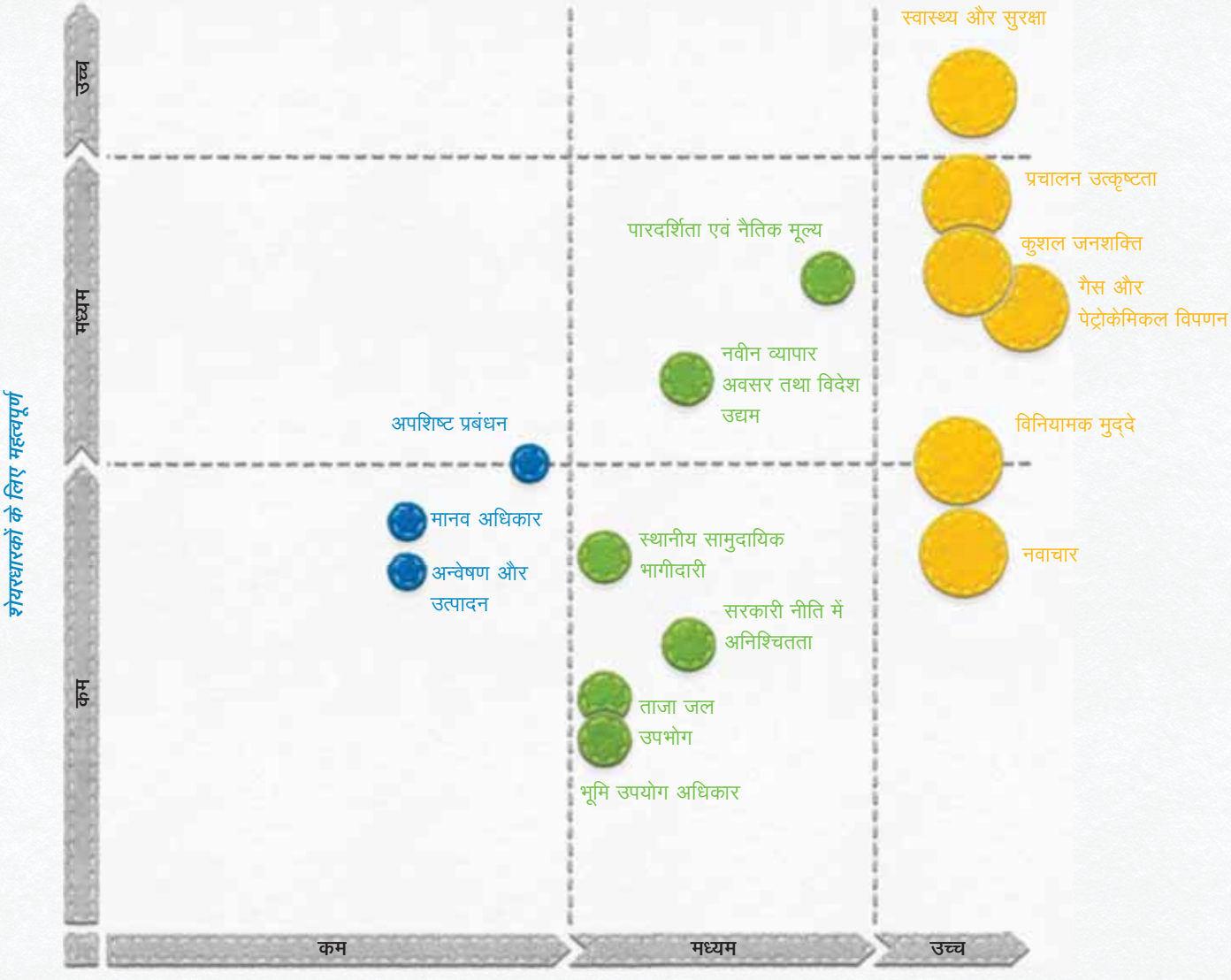

गेल प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण

महत्वपूर्ण मुद्दों के संबंध में दृष्टिकोण जी4–20, जी4–21, जी4–23

इस कार्य के माध्यम से निर्धारित किए गए महत्वपूर्ण मुद्दे i) स्वास्थ्य और सुरक्षा ii) प्रचालन उत्कृष्टता iii) कुशल जनशक्ति iv) गैस और पेट्रोकेमिकल विपणन v) विनियामक मुद्दे और vi) नवाचार हैं।

इस रिपोर्ट में हमने ऐसे अभिनिर्धारित मुद्दों और कम्पनी विर्दिष्ट पहलुओं का ब्यौरेवार विशेष रूप से उल्लेख किया है जिनका गेल के सतत् विकास कार्य–निष्पादन के साथ प्रत्यक्ष संबंध है। इसके साथ–साथ निर्धारित महत्वपूर्ण मुद्दों के आधार पर जीआरआई से संबंधित पहलुओं को निर्धारित किया गया है और इस रिपोर्ट के अगले खण्ड में इनके कार्य–निष्पादन का विवरण दिया गया है।

शेयरधारकों को शामिल करना और उनका महत्व (जारी)

महत्वपूर्ण मुद्दे, सीमा, पहलू और मुख्य शेयरधारक प्रभाव जी4–19

महत्वपूर्ण मुद्दे	पहलू	सीमा	रिपोर्ट अनुभाग	प्रमुख स्टेकधारक
स्वास्थ्य और सुरक्षा	▸▸ व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा ▸▸ परिसम्पत्ति एकीकरण तथा सुरक्षा प्रक्रिया	गेल के भीतर	▸▸ सुरक्षा : विकास से संबंधित हमारे प्रत्येक प्रयास में ▸▸ कर्मचारी ▸▸ समुदाय	▸▸ कार्मिक ▸▸ समुदाय
प्रचालन उत्कृष्टता	▸▸ परिसम्पत्ति उत्पादन* ▸▸ सामग्री ▸▸ ऊर्जा ▸▸ पानी ▸▸ उत्सर्जन ▸▸ प्रवाह और कचरा ▸▸ समग्र ▸▸ प्रापण प्रक्रिया ▸▸ आर्थिक कार्य–निष्पादन ▸▸ अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव ▸▸ पर्यावरण शिकायत निवारण तंत्र ▸▸ भ्रष्टाचार विरोधी ▸▸ समाज पर पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में शिकायत निवारण तंत्र ▸▸ स्थानीय समुदाय ▸▸ अनुपालन	गेल के भीतर	▸▸ कारपोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन ▸▸ उत्कृष्टता की ओर प्रयास : वह उपाय जिससे हम विकास करने का प्रयास करें ▸▸ निवेशक ▸▸ आपूर्तिकर्ता ▸▸ समुदाय ▸▸ कर्मचारी	▸▸ शेयरधारक और निवेशक ▸▸ कार्मिक ▸▸ समुदाय

महत्वपूर्ण मुद्दे	पहलू	सीमा	रिपोर्ट अनुभाग	प्रमुख स्टेकधारक
मानव पूंजी	▸▸ रोजगार ▸▸ श्रमिक/प्रबंधन संबंध ▸▸ प्रतिभा को बनाए रखना तथा कर्मचारी संबंध*, ▸▸ विविधता तथा समान अवसर ▸▸ महिला–पुरूष के लिए समान पारिश्रमिक ▸▸ प्रशिक्षण और शिक्षा ▸▸ समानता आधारित ▸▸ संघ बनाने और सामूहिक समझौता करने की स्वतंत्रता ▸▸ बाल श्रम ▸▸ बलात् अथवा अनिवार्य श्रम ▸▸ मानव अधिकार शिकायत निवारण ▸▸ तंत्र ▸▸ सुरक्षा प्रक्रिया–विधि ▸▸ श्रमिक शिकायत निवारण तंत्र	गेल के भीतर	▸▸ मानव पूंजी : हमारे विकास का प्रमुख पक्ष ▸▸ कर्मचारी ▸▸ कारपोरेट सुशासन और जोखिम प्रबंधन	▸▸ कर्मचारी
गैस और पेट्रो–रसायन विपणन	▸▸ उत्पाद और सेवाओं का विपणन* ▸▸ विपणन संचार ▸▸ उत्पाद तथा सेवा लेबलिंग ▸▸ ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा ▸▸ अनुपालन	गेल के भीतर	▸▸ अपने कारोबार दृष्टिकोण में परिवर्तन : हमारे विकास के सुरक्षा उपाय ▸▸ ग्राहक	▸▸ ग्राहक
विनियामक मुद्दे	▸▸ अनुपालन ▸▸ सार्वजनिक नीति ▸▸ प्रतिस्पर्धा–रोधी व्यवहार	गेल के भीतर और बाहर	▸▸ गतिशील विनियामक परिदृश्य: विकास के लिए अवसरों को बेहतर बनाना	▸▸ सरकारी और विनियामक अभिकरण
नवाचार	▸▸ गेल में नवाचार* ▸▸ अनुसंधान और विकास*	गेल के भीतर	▸▸ नवाचार वाहक : अपने विकास को पुनः परिभाषित करना	▸▸ शेयरधारक/ निवेशक ▸▸ कर्मचारी ▸▸ ग्राहक ▸▸ आपूर्तिकर्ता

* इन पहलुओं को जीआरआई जी4 पहलुओं में शामिल नहीं किया गया है किन्तु पता लगाए गए महत्वपूर्ण मुद्दों को समग्र स्वरूप प्रदान करने के लिए इन्हें इस रिपोर्ट में शामिल किया गया है।

सुरक्षा : विकास करते हुए हमारे हर प्रयास में शामिल

पूरे गेल प्रतिष्ठानों में
व्यवहार आधारित सुरक्षा
(बीबीएस) का कार्यान्वयन

सम्पूर्ण भारत में शुभारम्भ

टॉल फ्री
Call 15101

गेल की गैस पाइपलाइन संबंधित घटना की रिपोर्टिंग के लिए

चरण–I में

1100 किमी लंबी

पाइपलाइन के लिए समेकित पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन प्रणाली

गेल ने स्वास्थ्य और सुरक्षा को अत्यधिक प्राथमिकता प्रदान की है। एक कम्पनी के रूप में हम यथा–उपयुक्त सुरक्षा उपायों के साथ कारोबार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे सभी कर्मचारी यथा–संभव सर्वोत्तम तरीके से प्रशिक्षित हैं और सुरक्षा उपायों तथा गैजेट को ध्यान में रखकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। किसी संगठन की सुरक्षा के लिए तैयारी, बचाव तथा संरक्षण तीन प्रमुख तत्व हैं। पिछले वर्ष हमने और अधिक सार्थक और दूरगामी दृष्टिकोण अपनाया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे समुदाय भी सुरक्षित रहें। कम्पनी वास्तविक रूप से यह विश्वास करती है कि उत्तरदायी विकास करने के लिए स्वस्थ और सुरक्षित कार्यस्थल तथा समुदाय की व्यवस्था करना इसका अनिवार्य भाग है।

सुरक्षा : विकास करते हुए हमारे हर प्रयास में शामिल (जारी)

चालन दशाओं के कारण तेल और गैस उद्योग के प्रचालनों का अत्यधिक महत्वपूर्ण घटक सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रबंधन है। हाइड्रोकार्बन तथा अन्य सम्बद्ध रसायन कर्मचारियों के समक्ष गंभीर सुरक्षा तथा स्वास्थ्य चुनौतियां प्रस्तुत करते हैं। उद्योग सर्वेक्षणों से यह पता चला है कि स्वास्थ्य, सुरक्षा दुर्घटना एक प्रकार से सर्वाधिक उद्योग दुर्घटना है। इस स्थिति में कर्मचारियों, स्थानीय समुदायों का संरक्षण और सामाजिक तथा पर्यावरण प्रभाव को कम से कम करना सदैव महत्वपूर्ण है, इस क्षेत्र में जरा सी असावधानी के भयंकर परिणाम होते हैं और उत्तरदायी संगठन की अवधारणा कभी भी ध्वस्त हो सकती है।

गेल में 'सुरक्षा पहले' सदैव हमारा उद्देश्य रहा है और अपने शेयरधारकों का स्वास्थ्य तथा सुरक्षा हमारे प्रबंधन की कार्यसूची में आज भी उच्च स्थान पर है। हाल ही में किए गए महत्व आधारित सर्वेक्षण में भी गेल को अपनी तैयारी के स्तर को निरंतर अद्यतन करने तथा अपने सुरक्षा कार्य–निष्पादन में सुधार करने की आवश्यकता से अवगत कराया गया है।

यद्यपि सुरक्षा से संबंधित विध्वंस होने की संभावना काफी कम है तथापि गेल सदैव इस ओर विशेष ध्यान देती है और हम सदैव इस प्रकार के जोखिम से संबंधित ऐसे मुख्य घटकों का मूल्यांकन करते हैं जो परिस्थिति को परिवर्तित कर सकते हैं। सुरक्षा के संबंध में प्रत्येक समय हमारे प्रयास सही रहे हैं क्योंकि एक दुर्घटना से भी कम्पनी और इसके शेयरधारकों को भारी क्षति हो सकती है। इस वर्ष घटित हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का उल्लेख किया गया है ताकि पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनसे संबंधित तंत्र को सुदृढ़ किया जा सके।

गेल में कार्य संस्कृति[जी4–डीएमए]

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित गेल की कारपोरेट स्वास्थ्य, सुरक्षा और प्रबंधन (एचएसई) नीति में कम्पनी के कारोबार के अभिन्न भाग के रूप में एचएसई उत्कृष्टता की संगठनात्मक संस्कृति को हासिल करने के लिए सर्वाधिक प्राथमिकता प्रदान की गई है, जो समर्पित नीतियों तथा प्रक्रिया–विधियों से निर्धारित की जाती है। इस संबंध में समय–समय पर विभिन्न दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। नियमित निगरानी और लेखा परीक्षा प्रणाली से गेल के पूरे प्रचालन में सांविधिक विनियमों और मानकों सहित नीतियों तथा दिशा–निर्देशों का कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाता है। गेल में एचएसई का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कर्मचारियों के स्वास्थ्य तथा सुरक्षा से संबंधित जोखिम को यथा–उपयुक्त रूप से नियंत्रित कर लिया गया है। निगमित उत्तरदायित्व के भाग के रूप में प्रबंधन दुर्घटना, क्षति और बीमारी संबंधी घटनाओं में कमी करने के लिए (कर्मचारियों, संविदाकारों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं तथा समुदायों की सुरक्षा को सुरक्षित करने के लिए तीव्र तथा सार्थक उपाय करने के बारे में सभी यूनिटों को प्रोत्साहित करता है। प्रबंधन इस संबंध में बोर्ड स्तर पर सुरक्षा और स्वास्थ्य मुद्दों के महत्व को प्रदर्शित करके संगठन में व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण पहलुओं/मुद्दों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उच्च स्तर पर बोर्ड की सतत् विकास समिति जिसके अध्यक्ष निदेशक (परियोजना) होते हैं तथा सदस्य सभी कार्यात्मक निदेशक होते हैं, द्वारा एचएसई की समीक्षा की जाती है। गेल में हम प्रतिवर्ष 'किसी दुर्घटना की सूचना नहीं' स्थिति से प्रेरित होते हैं।

प्रबंधन प्रणाली[जी4–डीएमए]

गेल में सुसज्जित स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (एचएसईएमएस) हैं जो पेट्रोलियम उद्योग में सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) दिशा–निर्देशों पर आधारित है। इसके साथ–साथ गेल पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के निदेशों का भी अनुपालन करती है। देश के सभी विभिन्न गेल स्थानों पर कार्यान्वित की गई सुव्यवस्थित तथा विस्तृत एचएसई प्रबंधन प्रणाली के आधार पर गेल में सुरक्षा उपाय निर्धारित किए जाते हैं। बोर्ड की प्रत्येक बैठक में पूरे प्रचालन में एचएसई कार्य–निष्पादन की समीक्षा की जाती है। इस प्रकार के कार्य–निष्पादन की निगरानी के अतिरिक्त बोर्ड की उप–समिति में आपातकालीन

तैयारी की भी समीक्षा की जाती है।

हमारी स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली में पूरे कारोबार प्रचालनों तथा जोखिम विवरण को शामिल करके 18 प्रमुख तत्वों को शामिल किया गया है।

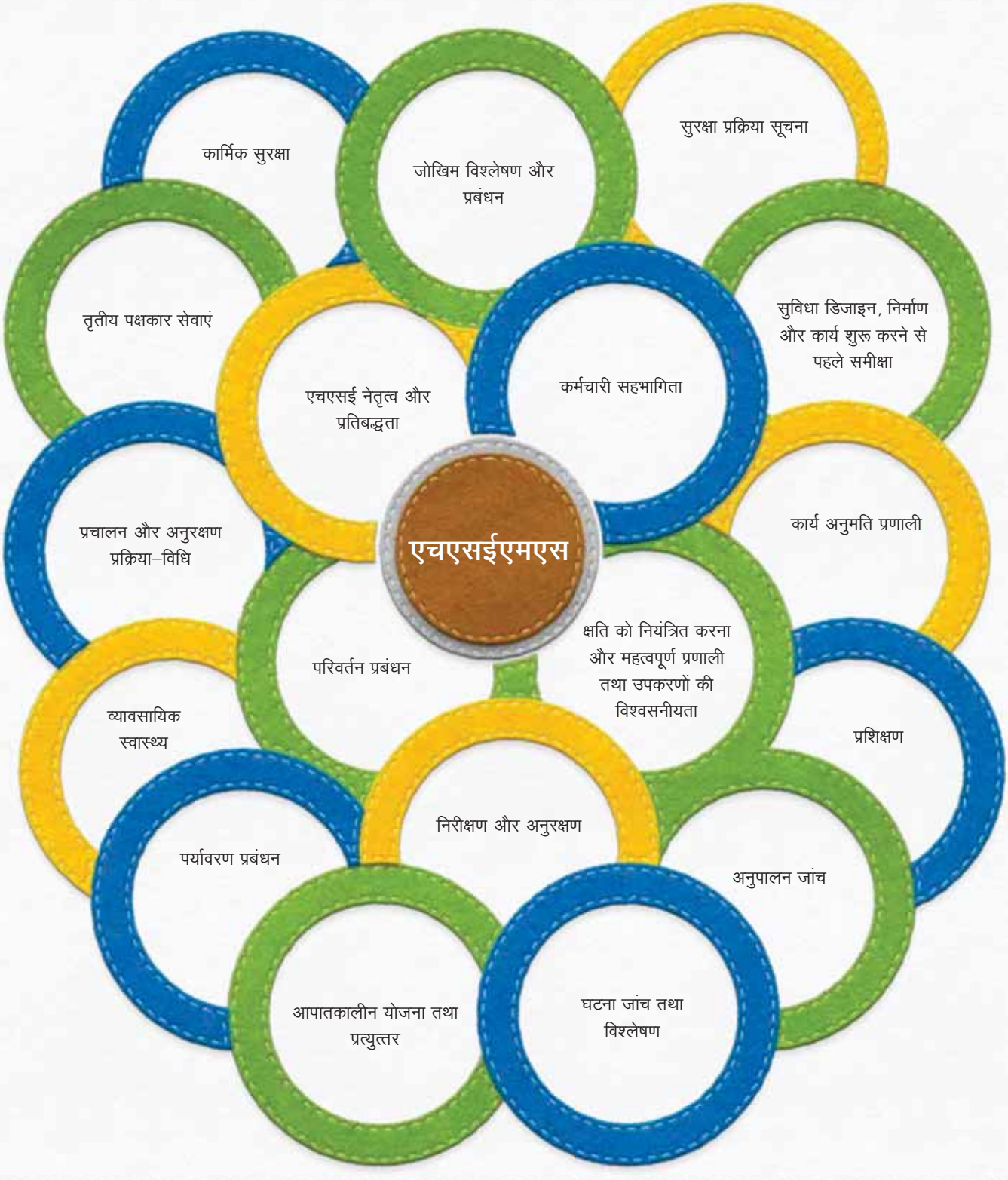

सुरक्षा : विकास करते हुए हमारे हर प्रयास में शामिल (जारी)

निगमित एचएसई नीति इस प्रणाली का सर्वाधिक महत्वपूर्ण दस्तावेज है तथा इसे अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने अनुमोदित किया है तथा इस पर हस्ताक्षर किए हैं। कार्यान्वित की गई प्रणाली की क्षमता भी विख्यात राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों की जांच की शर्त के अधीन है। इस प्रकार की जांच के दौरान अभिनिर्धारित किए अंतराल को समाप्त करने के लिए समयबद्ध रूप से यथा–उपयुक्त सुधारात्मक उपाय किए जाते हैं।

एचएसई नीति का कारगर कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए हमारे कर्मचारियों तथा संविदा आधारित कामगारों को सुरक्षित कार्य–संस्कृति अपनाने और व्यवहार करने के लिए अत्यधिक प्रोत्साहित किया जाता है। कामगार श्रेणी के सभी कर्मचारियों के लिए कम्पनी ने इस प्रकार के स्थाई आदेश जारी किए हैं जिनके अनुसार यह प्रावधान किया गया है कि कम्पनी के परिसर अथवा इसकी सीमा के भीतर इस प्रकार का कोई आचरण जिससे किसी व्यक्ति की सुरक्षा अथवा जीवन को खतरा उत्पन्न होने की संभावना है, दुर्व्यवहार माना जाता है। जबकि कामगार राज्य कर्मचारी बीमा अधिनियम, 1948 अथवा कामगार प्रतिपूर्ति अधिनियम, 1923 के तहत उपचार कराने तथा लाभ प्राप्त करने का पात्र है तथापि कम्पनी तदनुसार उपचार तथा प्रतिपूर्ति की व्यवस्था करेगी।

गेल में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्यस्थल पर सुरक्षित प्रक्रिया–विधि का उपयोग करने के बारे में अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना कार्यनीति का अभिन्न भाग है। इसे गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) के आंतरिक समझौता ज्ञापन का भी पैरामीटर बनाया गया है। इस संबंध में स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा पर्यावरण से संबंधित कार्यक्रमों के बारे में 300 कार्य–दिवसों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

"विगत की हाल ही की घटनाओं जिन्होंने कम्पनी को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, को ध्यान में रखते हुए हमने अतीत के अनुभव से सीखा है और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचने के लिए अपनी प्रणाली तथा प्रक्रिया–विधि को सुदृढ़ करने का हमारा सदैव प्रयास रहता है। हमने पूरे संगठन में व्यवहार आधारित सुरक्षा कार्यक्रम शुरू किया है ताकि अत्यधिक सुरक्षा मानकों को बनाए रखने का व्यवहार सुनिश्चित किया जा सके।"

–निदेशक (मानव संसाधन)*

(* व्यवसाय विकास से संबंधित कार्यकलापों के लिए)

गेल में व्यवहार आधारित सुरक्षा (बीबीएस)

बीबीएस उन सभी कार्मिकों के व्यवहार पर ध्यान देने तथा समाधान करने का कार्य तथा तंत्र है जो व्यक्तियों, उपस्कर, संयंत्र और समुदाय की सुरक्षा में वृद्धि करने से संबंधित कार्य करते हैं।

पूरे भारत में गेल की स्थापनाओं में सुरक्षा के निश्चित स्तर की व्यवस्था की गई है जो अग्निशमन उपकरण, प्रक्रिया–विधि, साइनेज, संबंधित विभाग इत्यादि में अर्हक व्यक्तियों की व्यवस्था की दृष्टि से पूरी तरह पर्याप्त है। सर्वोत्तम सुरक्षा प्रक्रिया–विधि की ओर अग्रसर होने के लिए इस समय कठिन कार्य उन सभी कार्यों में सुरक्षा सुनिश्चित करना है जिन्हें हम सोचते हैं तथा करते हैं। गेल के सभी स्थानों पर केन्द्रित बीबीएस व्यवस्था से हमें अपने सुरक्षा संबंधी सभी मापदण्डों में सुधार करने में सहायता मिलेगी। इन सभी मापदण्डों में सुधार करने से भी कोई दुर्घटना नहीं के अपने समग्र लक्ष्य की ओर हमारा अगला कदम सुनिश्चित होगा।

इस संबंध में यह महसूस किया गया कि सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति की व्यवस्था करने के लिए संगठन के सभी कार्यकलापों में डिजाइन स्तर से लेकर निर्माण, शुरूआत, प्रचालन और अनुरक्षण तक सुरक्षा की भावना पैदा करने की आवश्यकता है। दुर्घटना को समाप्त करने की प्रबल इच्छा से गेल ने मानव तत्व का समाधान करने और मौजूदा प्रक्रियाओं में सुधार करने के लिए बीबीएस उपाय पर विशेष ध्यान दिया है।

उपर्युक्त के मद्देनजर बीबीएस उपाय वर्ष 2013 में शुरू किया गया था। बीबीएस के कार्यान्वयन पर नजर रखने के लिए निगमित स्तर पर निगमित मार्गदर्शन समिति और कार्यबल गठित किए गए तथा गेल के संबंधित स्थलों पर बीबीएस को और सुदृढ़ बनाने के लिए स्थल मार्गदर्शन कार्यात्मक समितियां गठित की गई। तदनुसार मार्च 2015 में गेल की स्थापनाओं में बीबीएस उपाय सफलतापूर्वक शुरू कर दिया गया है।

बीबीएस को लागू करने के संभावित लाभ

- सुरक्षित कार्य–पद्धति को लागू करने और व्यवहार जोखिम को कम करके दुर्घटनाओं में कमी तथा कर्मचारियों के व्यवहार में सुधार होगा।
- लागत आधारित दुर्घटनाओं तथा क्षति में कमी होगी।
- संचार कौशल का विकास होगा।
- संगठन में सुरक्षा संस्कृति विकसित होगी।
- कर्मचारियों में सुरक्षा का प्रमुख दायित्व स्वीकार करने की भावना पैदा होगी।
- समग्र सुरक्षा जागरूकता में वृद्धि होगी।
- नेतृत्व कौशल विकसित होंगे।
- सुरक्षा के लिए प्रबंधन की प्रतिबद्धता का प्रचार–प्रसार होगा।
- क्षति संबंधी अनुपस्थिति तथा बीमारी में कमी आने के कारण उत्पादन क्षमता बढ़ेगी।
- कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं/क्षति से बचने के लिए सकारात्मक प्रवर्तन विकसित होगा।

संविदा आधारित कर्मचारियों की सुरक्षा

"सुरक्षा पहले, सुरक्षा दिल से, के उद्देश्य से हम प्रचालन करते हैं। इसलिए, संगठन में कार्य–संस्कृति के अभिन्न भाग के रूप में सुरक्षा को निर्धारित करने के लिए "व्यवहार आधारित सुरक्षा" शुरू की गई है।

हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि उस उद्देश्य जिसके संबंध में सभी प्रचालन एवं अनुरक्षण स्थलों पर "जन–जागरूकता कार्यक्रम" के रूप में व्यापक अभियान शुरू कर दिया गया है, को हासिल करने के लिए बाह्य शेयरधारक स्तर पर भी (अर्थात प्राधिकारी, आम जनता इत्यादि) सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाना अपेक्षित है। इसके माध्यम से बाह्य शेयरधारकों के बीच जागरूकता पैदा की जा रही है।''

–निदेशक (परियोजना)

गेल स्थायी और संविदा आधारित कर्मचारियों के लिए समान सुरक्षा नीति का अनुसरण करता है। संविदा आधारित सभी कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रयास किए जाते हैं। सभी स्थापनाओं में अग्निशमन और सुरक्षा विभाग नियमित निगरानी और औचक निरीक्षण के माध्यम से यह सुनिश्चित करते हैं कि संविदा आधारित सभी कर्मचारी यथा–उपयुक्त वैयक्तिक सुरक्षा उपकरण (पीपीई) का उपयोग करें। इसके अतिरिक्त निगमित एचएसई विभाग आवधिक सुरक्षा जांच करता है तथा संविदा आधारित कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी मुद्दों का भी समाधान किया जाता है।

सुरक्षा कर्मचारियों के लिए आग और सुरक्षा प्रशिक्षण

एक प्रमुख आदर्श नियोक्ता के रूप में गेल संविदा प्रदान करते समय संविदाकार के साथ बातचीत करके संविदा आधारित कर्मचारियों के लिए सुरक्षा किट और वर्दी के प्रावधान को सुनिश्चित करती है।

संविदा आधारित कर्मचारियों के लिए गेल द्वारा विशेष रूप से की गई कुछ अन्य पहल में निम्नलिखित शामिल हैं:–

प्रशिक्षण

प्रत्येक संविदा आधारित कर्मचारी के प्रथम प्रवेश के पहले प्रारंभिक और मासिक पुनश्चर्या तथा समय–समय पर नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा तथा जोखिम जागरूकता प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाती है। किसी कार्य को शुरू करने से पहले गेल कार्यकारियों द्वारा टूल बॉक्स बातचीत की जाती है (इस प्रकार की टूल बॉक्स बातचीत के दौरान कार्य से संबंधित सभी जोखिम तथा उन्हें कम करने के उपायों के बारे में कर्मचारियों को सूचना प्रदान की जा रही है। प्रबंधन ने सुरक्षा प्रशिक्षण केलैंडर के अनुसार संविदा आधारित कर्मचारियों के लिए नियमित आधार पर सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किए हैं।

सुरक्षा : विकास करते हुए हमारे हर प्रयास में शामिल (जारी)

स्वास्थ्य जांच

कर्मचारियों को कार्य पर रखने से पहले फैक्ट्री अधिनियम के अनुसार पंजीकृत चिकित्सा अधिकारियों द्वारा संविदा आधारित कर्मचारियों के लिए उपयुक्त स्वास्थ्य जांच की गई।

पिछले पांच वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान हुई दुर्घटना/मृत्यु की संख्या

	विवरण	2014–15	2013–14	2012–13	2011–12	2010–11
प्रचालन एवं अनुरक्षण	दुर्घटना (अग्नि/लीकेज से भिन्न)	–	–	–	–	1
	अग्नि/लीकेज	2	3	–	–	2
	घातक घटनाओं (ऊपर शामिल न की गई) की संख्या	1	–	–	–	2
	मौतों की संख्या	22	–	–	–	2
	क्षति (उपर्युक्त सभी घटनाओं में)	18	8	–	–	1

निगरानी:

सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर विचार करने के लिए संविदा आधारित कर्मचारियों के प्रतिनिधियों को शामिल करके गठित की गई संयंत्र सुरक्षा समिति तिमाही आधार पर उच्च प्रबंधन के साथ इन पर विचार–विमर्श करती है।

मानक प्रचालन प्रक्रिया–विधि (एसओपी):

संबंधित कार्यों को निष्पदित करने के दौरान बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित क्षेत्र प्रचालकों को मानक प्रचालन प्रक्रिया–विधि उपलब्ध कराई गई है। अनुरक्षण संबंधी कार्य को सौंपने से पहले प्रभारी इंजीनियर उस कार्य के बारे में संबंधित कर्मचारियों को संक्षिप्त विवरण देते हैं। इसके साथ–साथ हम स्थानीय भाषा में प्रक्रिया/संभालने/स्टोरेज क्षेत्र और कार्यनीतिक स्थानों के आस–पास एमएसडीएस बोर्ड लगाना भी सुनिश्चित करते हैं। इसके अतिरिक्त प्रक्रिया, स्टोरेज तथा रसायन संभालने वाले क्षेत्रों में क्या करें तथा क्या न करें और सुरक्षा निर्देश प्रदर्शित किए गए हैं।

कार्य परमिट प्रणाली:

सभी कार्य ओआईएसडी–105 के अनुसार किए जाते हैं तथा गेल के कर्मचारी इनका पर्यवेक्षण करते हैं ताकि कार्य को सुरक्षित रूप से निष्पादित करना सुनिश्चित किया जा सके।

पिछली रिपोर्टिंग अवधि के दौरान हमने जीवन को चुनौती देने वाली घटनाओं के प्रमुख कारणों से बचने के लिए ''जीवन रक्षक स्कीम'' शुरू करके और तृतीय पक्षकार सुरक्षा जांच करके एक मॉडल फिल्म के माध्यम से जीपीयू तथा पेट्रो–रसायन संयंत्र में बीबीएस दृष्टिकोण को कार्यान्वित करने, मानक प्रचालन प्रक्रिया–विधियों की जानकारी प्रदान करने जैसी प्रमुख सुरक्षा संबंधी पहल की है। इस प्रकार के सुव्यवस्थित दृष्टिकोण के बावजूद इस वर्ष के दौरान पीएनजीआरबी के ईआरडीएमपी विनियम के अनुसार पीएनजीआरबी को स्तर I की 07 घटनाओं और स्तर III की 03 घटनाओं की जानकारी दी गई थी। इन घटनाओं में से दो घटनाओं में मौत हुई थी जो रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान हुई थी। भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति से बचना सुनिश्चित करने के लिए गेल ने अनेक उपाय किए हैं।

आपूर्ति श्रृंखला में सुरक्षा

गेल के पूरे प्रचालन में यह विश्वास करते हैं कि कारोबार में न केवल अपने प्रचालनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने अपितु अपने शेयरधारकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करने की भावना होनी चाहिए। इस दर्शन के आधार पर वस्तु और सेवाओं के प्रापण की निविदा प्रक्रिया के दौरान स्वास्थ्य, पर्यावरण तथा सुरक्षा को निविदा दस्तावेज का अभिन्न भाग बनाया गया है। इसके अतिरिक्त संयंत्र के परिसर के भीतर आपूर्तिकर्ताओं तथा ग्राहकों द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यकलापों के संबंध में सुरक्षा अनुमति, कार्य अनुमति, आगंतुक प्रवेश प्रणाली का अनुपालन किया जा रहा है। संयंत्र में आने वाले सभी आपूर्तिकर्ताओं तथा ग्राहकों को सुरक्षा जानकारी प्रदान की जाती है। आगंतुकों को किसी आपातकालीन परिस्थिति के मामले में अपनाए जाने वाले निर्देशों के साथ–साथ जोखिम के स्वरूप से संबंधित प्रारंभिक सुरक्षा विवरण, प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रसंस्करण संयंत्रों और पूरे देश में फैली पाइपलाइनों को सर्वोत्तम भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार डिजाइन किया गया है। न्यूनतम जोखिम खतरा अभिनिर्धारित करने के लिए डिजाइन चरण के दौरान एचएजेडओपी अध्ययन और जोखिम विश्लेषण किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नियमित अंतराल पर भी एचएजेडओपी अध्ययन तथा जोखिम विश्लेषण किया जाता है और इन्हें न्यूनतम करने के लिए यथा–उपयुक्त उपाय किए जाते हैं। अनुरक्षण कार्यों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारी सभी स्थापनाओं में कार्य करने की अनुमति प्रणाली अपनाई जाती है। आपातकालीन कार्य का अभ्यास करने के लिए तथा किसी प्रकार की आपातकालीन स्थिति से निपटने के सभी अपेक्षित संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन प्रत्युत्तर तथा आपदा प्रबंधन योजना तैयार की जाती है और तिमाही मॉक ड्रिल की जाती है। आग को इसके प्रारंभिक स्तर पर ही तत्काल बुझाने के लिए नियंत्रण कक्षों के लिए गैस शमन प्रणाली, पम्प तथा पम्पिंग क्षेत्रों के लिए पानी स्प्रे प्रणाली इत्यादि जैसी स्वचालित अग्नि सुरक्षा प्रणाली की व्यवस्था की गई है।

प्रथम चरण में 4100 कि.मी. पाइपलाइन के लिए केन्द्रीकृत पाइपलाइन एकीकरण प्रबंधन प्रणाली (सीपीआईएमएस) के रूप में उद्यम आधारित विश्लेषण सॉफ्टवेयर और अद्यतन विशेषज्ञता युक्त आईटी सक्षम प्रणाली सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग शुरू किया गया है। इस प्रकार की सीपीआईएमएस प्रणाली विभिन्न प्रकार के मॉड्यूल अर्थात डाटा आधारित मॉड्यूल, चुनौती और जोखिम मूल्यांकन मॉड्यूल, कार्य प्रबंधन, रिपोर्टिंग मॉड्यूल, प्रबंधन डेशबोर्ड शामिल होते हैं जिनसे एकीकृत और विस्तृत स्वास्थ्य स्थिति तथा विश्लेषण का कार्य सुविधाजनक बन जाएगा।

पाइपलाइन के मार्ग के आस–पास के ग्रामीणों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया है और उन्हें आरओयू में कोई खुदाई/उत्खनन कार्य न करने, गैस लीक करने की स्थिति में गेल को सूचित करने तथा पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस लीक होने की स्थिति में की जाने वाली कार्रवाई के बारे में स्पष्ट किया जाता है।

परिवहन सुरक्षा

गेल ने हाइड्रोकार्बन की लोडिंग से पहले टैंकर और वैगन की सुरक्षा जांच के जांच–बिंदु सहित प्रक्रिया–विधि निर्धारित की है। टैंकर के सभी चालकों को परिवहन आपातकाल (टर्म) कार्ड भी प्रदान किए गए हैं जिनमें आपातकाल की स्थिति में की जाने वाली कार्रवाई का ब्यौरा दिया गया है। सभी चालकों तथा उनके सहायकों को भी हाइड्रोकार्बन के परिवहन के दौरान क्या करें और क्या न करें सहित सुरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

प्राकृतिक गैस कच्चा माल है जिसको भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से गंधार, वाघोडिया और विजयपुर स्थित संयंत्रों में प्रसंस्करण के लिए भेजा जाता है। इन पाइपलाइनों का प्रचालन तथा अनुरक्षण गेल के अलग प्रचालन और अनुरक्षण दल द्वारा किया जाता है। पाइपलाइन की मजबूती को बनाए रखने के लिए मानक आवृत्ति के अनुसार कैथोडिक संरक्षण निगरानी (जिससे पाइपलाइन को नुकसान से बचाने में सहायता मिलती है) और बुद्धिमतापूर्ण पिगिंग की जाती है। पाइपलाइन की बाह्य परत की मजबूती और बेहतर स्थिति की पुष्टि करने के लिए प्रत्यक्ष अवधि क्षमता लोगिंग (सीआईपीएल)/प्रत्यक्ष करंट वोल्टेज ग्रेडियंट (डीसीवीजी) सर्वेक्षण किए जाते हैं। पाइपलाइन के पास किसी प्रभाव/तृतीय पक्षकार कार्यकलाप की निगरानी करने के लिए गश्त लगाई जाती है।

ड्राइवरों के लिए आग और सुरक्षा प्रशिक्षण

एलपीजी, प्रोपेन, पेन्टेन और नाफ्था जैसे उत्पादों को ले जाने के लिए सड़क परिवहन का उपयोग किया जाता है। गेल के यथा–निर्धारित अग्नि और सुरक्षा (एफ और एस) कर्मचारी केन्द्रीय मोटर वाहन नियमों (सीएमवीआर) 1989, स्थिर और सचल वाहन नियमों के दिशा–निर्देशों के अनुसार इन सड़क परिवहन टैंकर की जांच करते हैं। इन सड़क परिवहन टैंकर की भौतिक जांच करने के बाद टैंकर सुरक्षा जांच से संबंधित डाटा एसएपी प्रणाली में दर्ज किया जाता है। सुरक्षित प्रचालन के लिए उत्पाद भरने हेतु सुव्यवस्थित लोडिंग आटोमेशन/नियंत्रण प्रणाली और टर्मिनल आटोमेशन प्रणाली (टीएएस) उपलब्ध है और सुरक्षित लोडिंग कार्यकलापों के लिए एसओपी उपलब्ध है।

गंधार और विजयपुर स्थित ओएमसी बॉटलिंग संयंत्र के पास एलपीजी भेजी जा रही है (नियमित अंतराल पर पाइपलाइन के पास पैदल गश्त लगाई जा रही है। सभी टैंकर यह सुनिश्चित करने के बाद भरे जाते हैं कि वे आपातकालीन प्रत्युत्तर किटों में एलपीजी ले जा रहे हैं।

सुरक्षा : विकास करते हुए हमारे हर प्रयास में शामिल (जारी)

केजी बेसिन पश्चात

गेल के पास 18'' (46 से.मी.) की भूमिगत पाइपलाइन है जिससे ओएनजीसी के ततिपका तेल शोधक कारखाने से विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश के निकट लैंको के 1,466 मेगावाट कोन्डापल्ली विद्युत संयंत्र को गैस भेजी जाती है। यह 205 कि.मी. लम्बी पाइपलाइन है जिससे प्रतिदिन 0.5 मिलियन मानक घनमीटर गैस की आपूर्ति की जा रही है और यह नगरम के पास से गुजरती है जो हैदराबाद से लगभग 560 कि.मी. दूर आंध्र प्रदेश के पूर्वी गुंटूर जिले का एक ग्राम है।

दिनांक 27 जून, 2014 की सुबह निकटवर्ती चाय विक्रेता के स्टोव में आग लग जाने से दुर्घटना हुई जिसमें 22 व्यक्तियों की जान चली गई और 18 लोग घायल हुए थे।

तत्काल कार्रवाई

इसमें गेल की ओर से तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की गई ताकि और नुकसान होने से बचाने के लिए आग को फैलने से रोका जा सके।

इसमें तत्काल संबंधित पाइपलाइन खण्ड (17 कि.मी.) को अलग किया गया और 1.5 मीटर लम्बी पाइपलाइन की क्षति की प्रारंभिक रिपोर्ट भेजी गई। इस घटना के तत्काल बाद गेल के अध्यक्ष और उच्च अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे। ततिपाका अग्नि कांड की सूचना प्राप्त होने के तत्काल बाद गेल के आपदा प्रबंधन समूह ने कार्रवाई की।

ततिपका–डिंडी खण्ड को तत्काल अलग किया गया तथा अग्निशमन वाहन की सहायता से आग को नियंत्रित किया गया।

इस संबंध में तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की गई और घायलों को आसपास के अस्पतालों – केआईएमएस (अमलापुरम), अपोलो (काकीनाडा) और बोलीनेनी (राजमुंद्री) में उपचार के लिए ले जाया गया।

सरकार और गेल ने इसकी जांच भी की थी। गेल ने कार्यकारी निदेशक (प्रचालन और अनुरक्षण) की अध्यक्षता में आंतरिक जांच की। राहत और पुनर्वास उपायों का समन्वय करने और स्थानीय प्राधिकरणों, सरकार तथा ग्रामीणों के साथ प्रत्यक्ष रूप से कार्य करने के लिए गेल ने कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया। गेल ने अपने पाइपलाइन नेटवर्क के प्रत्येक इंच की पैदल गश्त करने के लिए भी एक बहु–स्तरीय दल भेजा।

इसके साथ–साथ गेल ने अपनी पाइपलाइन सुरक्षा प्रणाली और अन्य हाइड्रोकार्बन स्थापनाओं की तृतीय पक्षकार जांच करने के लिए विख्यात अंतर्राष्ट्रीय परामर्शदाता की सहायता ली।

दुर्घटना पश्चात् चिंतन

नगरम ग्राम में इस घटना के बाद गेल ने प्रभावित व्यक्तियों को राहत और पुनर्वास सहायता प्रदान करने तथा केजी बेसिन में पाइपलाइन नेटवर्क को सुदृढ़ करने का कार्य सुनिश्चित करने के संबंध में अनेक उपाय करने का आश्वासन दिया है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना को होने से रोका जा सके।

प्रत्येक मृतक के आश्रितों को 25 लाख रुपए (गेल की ओर से 20 लाख रुपए, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए, राज्य सरकार की ओर से 3 लाख रुपए) की प्रतिपूर्ति प्रदान की।

इसके अतिरिक्त, प्रत्येक घायल व्यक्ति के लिए 5.5 लाख रुपए (गेल की ओर से 5 लाख रुपए और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 50,000 रुपए) की एकमुश्त राशि प्रदान की गई। सभी घायल व्यक्तियों के चिकित्सा व्यय को गेल ने वहन किया और गेल ने यथा–संभव सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कीं। काकीनाडा के अपोलो अस्पताल और ट्रस्ट अस्पताल में, अमलापुरम के केआईएमएस अस्पताल तथा राजमुंद्री के बालवोलिनी अस्पताल जहां घायल व्यक्तियों का उपचार किया जा रहा था, में हेल्प डेस्क स्थापित की गई। इन अस्पतालों में घायल व्यक्तियों के परिवारों को सभी सुविधाएं प्रदान की गई।

गेल ने इन क्षति के संबंध में सहायता और पुनर्वास उपाय करने तथा प्रतिपूर्ति प्रदान करने के लिए लगभग 10 करोड़ रुपए की एकमुश्त राशि वहन की है/के बारे में प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

गेल ने पाइपलाइन मार्ग के साथ रहने वाले ग्रामों और आग लगने की घटना से प्रभावित परिवारों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए प्रभावित परिवारों के लिए शेल्टर प्रदान करने, गेल की सीएसआर पहल–कौशल के तहत नगरम में कौशल विकास केन्द्र स्थापित करने, नगरम, ममिदीकुदुरू मंडल के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी) तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) को चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति करने और नगरम/राजमुंद्री में सचल चिकित्सा सुविधा का प्रावधान करने सहित अपनी कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के भाग के रूप में अनेक कल्याणकारी उपाय किए हैं।

इस प्रभावित क्षेत्र में हमारे कार्यकलाप केवल प्रभावित स्थानों तक ही सीमित नहीं रहे अपितु इनका विस्तार आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले तथा पश्चिमी गोदावरी जिले के अन्य ग्रामों तक भी किया गया है। इस प्रकार के कार्यकलापों में राष्ट्रीय विकलांग वित्त और विकास निगम, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की भागीदारी में 525 विद्यालयों के प्रसाधन कक्षों की मरम्मत तथा पुनरूद्धार और रनिंग पानी सुविधाएं प्रदान करने, विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए कौशल प्रशिक्षण आयोजित करने जैसे कार्य शामिल हैं।

आंतरिक प्रोटोकाल की समीक्षा

इस प्रकार की घटना से हमें यह आत्मविश्लेषण करने की आवश्यकता होती है कि क्या हम इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति से बचना सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रणाली और सुदृढ़ कर सकते हैं। इस घटना के बाद गेल ने इस मामले की जांच करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की आंतरिक समिति गठित की है और इसके समांतर बाह्य अभिकरणों – इंजीनियर्स इण्डिया लिमिटेड, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियर कम्पनी और मैसर्स वेलोसी प्रमाणन सेवा (इण्डिया) लिमिटेड, विख्यात तृतीय पक्षकार जांच अभिकरण को इस मामले की स्वतंत्र जांच करने का कार्य सौंपा है। इसके बाद इस मामले में असफलता का कारण गैस की खराब गुणवत्ता के कारण जंग लगना माना गया।

केजी बेसिन में पाइपलाइन नेटवर्क का उन्नयन और सुदृढ़ करना :

इस घटना के बाद से गेल ने पाइपलाइन नेटवर्क का उन्नयन तथा सुदृढ़ करने के लिए अनेक उपाय किए हैं। केजी बेसिन क्षेत्र में किए गए कुछ उपाय इस प्रकार हैं :

इंटेलीजेंट पिगिंग :

ईआईएल द्वारा यथा–संस्तुत दाब जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है, के अनुसार प्रचालन शुरू करने के बाद पुनः सभी लाइनों में इंटेलीजेंट पिगिंग की गई है।

पाइपलाइन दाब में कमी :

सर्वेक्षण कार्यों के परिणाम के आधार पर मरम्मत कार्य किए गए हैं और कुछ लाइनों में प्रचालन दाब को और कम किया गया है।

ऑन–लाइन विश्लेषक की स्थापना :

इस घटना के बाद गेल में लिए गए नीतिगत–निर्णय के अनुसार शुष्क गैस के मामले में 1 एमएमएससीएमडी से अधिक और गीली गैस के मामले में 0.2 एमएमएससीएमडी से अधिक गैस प्रवाह की स्थिति में ऑन–लाइन विश्लेषक स्थापित किए जाने की आवश्यकता है। पोर्टेबल विश्लेषक/प्रयोगशाला जांच के माध्यम से अन्य स्थानों पर विश्लेषण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ऑन–लाइन नमी और हाइड्रोजन सल्फेट विश्लेषक को स्थापित करने के लिए 11 स्रोत स्थानों को अभिनिर्धारित किया गया है। इन विश्लेषकों की खरीद संबंधी कार्यवाही की जा रही है तथा अक्तूबर, 2015 तक इनकी खरीद किए जाने की संभावना है।

इसी बीच सभी स्रोत स्थानों पर पोर्टेबल विश्लेषक के माध्यम से पाक्षिक विश्लेषण किया जा रहा है और स्वीकार्य सीमाओं से अधिक नमी/क्षरण घटकों पर सुधारात्मक उपायों के आपूर्तिकर्ताओं के साथ नियमित रूप से ध्यान दिया जा रहा है।

ग्रामीणों को शामिल करने के लिए गेल की सहयोगी स्कीम कार्यान्वित करना :

इस स्कीम का उद्देश्य पाइपलाइन सुरक्षा, आरओयू के भीतर अनधिकृत कार्य, किसी चोरी–उठाईगिरी के प्रयास इत्यादि के बारे में सूचित करने के लिए ग्रामीणों की सेवाओं को किराए पर लेना है। इस स्कीम को विभिन्न ग्रामों के लगभग 50 व्यक्तियों को किराए पर लेकर कार्यान्वित किया गया है और उन्हें प्रतिदिन पैदल चलकर 12 कि.मी. लाइन की जांच करने का कार्य सौंपा गया है।

तातिपका पाइपलाइन में और इसके आस–पास सुरक्षा के बारे में संवेदनशील बनाने हेतु जन–जागरूकता कार्यक्रम :

जिला/राजस्व अधिकारियों के लिए सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम – पूर्वी गोदावरी, पश्चिमी गोदावरी और कृष्णा जिले के राजस्व अधिकारियों के लिए जुलाई, 2014 में राजमुंद्री, काकीनाडा, तनकू, विजयवाडा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

बुर्रा कथा के माध्यम से ग्रामीणों के लिए सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम – इन पहलों के तहत लगभग 80 ग्रामों को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, पाइपलाइन आरओयू में सुरक्षा कैलेण्डर तथा क्या करें और क्या न करें से संबंधित सामग्री मुद्रित की गई तथा सरकारी कार्यालयों, पुलिस स्टेशन, अग्निशमन केन्द्रों, राजस्व कार्यालयों तथा आम जनता को वितरित की गई।

सुरक्षा उत्कृष्टता के लिए अखिल भारत आधार पर की गई प्रमुख पहल

परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, मजबूती तथा स्वरूप में सुधार करने के लिए सतत् रूप से सुधार करने की ओर अग्रसर संगठन के रूप में गेल का शुरू से ही अद्यतन प्रौद्योगिकी कार्यकलापों को अपनाने तथा कार्यान्वित करने का प्रयास रहा है। गेल के प्रचालनों में अखिल भारत आधार पर मजबूती तथा सुरक्षा में वृद्धि करने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं। इनमें निम्नलिखित के माध्यम से सुरक्षा संस्कृति सृजित करना शामिल है :–

1. मासिक सुरक्षा दिवस मनाना : सभी स्थलों के ओआईसी को प्रत्येक माह की 10 तारीख को सुरक्षा दिवस मनाने और ओआईसी स्तर पर सुरक्षा से संबंधित सभी मुद्दों की समग्र समीक्षा करने के निदेश दिए गए हैं। इसमें ओआईएसडी, पीएनजीआरबी टी4एस जैसी जांच, अन्य बाह्य तथा आंतरिक जांच से संबंधित सभी बिन्दुओं की समीक्षा की जाए तथा इन बिन्दुओं पर तीव्र कारगर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।
2. निदेशक (मानव संसाधन) और निदेशक (परियोजना) द्वारा मासिक सुरक्षा समीक्षा।
3. घटना की सूचना देने वाली व्यवस्था में सुधार करने के लिए घटना रिपोर्टिंग प्रणाली को संशोधित किया गया है और इसमें मंत्रालय के विभिन्न संचार को शामिल किया गया है।
4. मौजूदा आपदा प्रबंधन प्रणाली और आपातकाल प्रत्युत्तर तथा आपदा प्रबंधन योजना (ईआरडीएमपी) की समीक्षा और सुधार तथा सभी संबंधितों को इसकी जानकारी प्रदान करना।
5. संकट सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली में सुधार – किसी प्रकार के संकट से कुशलता और कारगर ढंग से निपटने के लिए संकट सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की समीक्षा की गई है और किसी आपातकालीन परिस्थिति में सभी संबंधित समूहों तथा उच्च प्रबंधन को तीव्र और वास्तविक जानकारी प्रदान करने के लिए इसे उन्नत बनाया गया है। इस उद्देश्यार्थ समूह एसएमएस और वायस संदेश सेवा शुरू की गई है। किसी संकट की स्थिति में यथा–समय संचार सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय गैस प्रबंधन केन्द्र (आरजीएमसी) और राष्ट्रीय गैस प्रबंधन केन्द्र (एनजीएमसी) को उत्तरदायी बनाया गया है।
6. विशेष रूप से एनजीएमसी/आरजीएमसी में तैनात किए गए कर्मचारियों को घटना की सूचना देने के बारे में संवेदनशील बनाना।
7. अखिल भारत टोल फ्री नम्बर चालू करना – किसी घटना की सूचना देने के लिए पूर्ववर्ती 11 अंक के नम्बर के स्थान पर पूरे भारत में 5 अंक वाला नम्बर (15101) चालू किया गया है ताकि इसे आसानी से याद रखा जा सके। इस नम्बर (15101) पर की गई काल संबंधित क्षेत्र के आरजीएमसी अथवा एनजीएमसी पर चली जाएगी।
8. "सुरक्षा–अंक" – अधिक विस्तृत सुरक्षा निष्पादन निगरानी प्रणाली शुरू की गई है। इसे पूर्ववर्ती एचएसई सूची के स्थान पर शुरू किया गया है।
9. एसएपी घटना/दुर्घटना लॉक कार्यान्वित करना।

10. केन्द्रीकृत एकीकृत निगरानी समूह (सीआईएमजी) का गठन – अखिल भारत पाइपलाइन की मजबूती और बेहतर स्वरूप की केन्द्रीकृत निगरानी करने और डाटा बेस रखने के लिए सीआईएमजी का गठन किया गया। प्रथम चरण में 4100 कि.मी. पाइपलाइन के लिए केन्द्रीकृत पाइपलाइन मजबूती और बेहतर स्वरूप प्रबंधन प्रणाली (सीपीआईएमएस) के रूप में उद्यम–व्यापी जोखिम आधारित विश्लेषण सॉफ्टवेयर और अद्यतन विशेषज्ञता युक्त आईटी सक्षम प्रणाली साफ्टवेयर अनुप्रयोग शुरू किया गया है।

इस सीपीआईएमएस में विभिन्न प्रकार के मॉड्यूल अर्थात डाटा बेस मॉड्यूल, चुनौती और जोखिम मूल्यांकन मॉड्यूल, क्षति विश्लेषक, कैथोडिक संरक्षण विश्लेषक, भू–स्थिति विश्लेषक, दाब जांच मॉड्यूल, कार्य प्रबंधक, रिपोर्टिंग मॉड्यूल, प्रबंधन डैशबोर्ड शामिल हैं जिनसे एकीकृत और विस्तृत मजबूती स्थिति तथा विश्लेषण का कार्य सुविधाजनक होगा। सीपीआईएमएस अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य डाटाबेस प्रणाली अर्थात सभी प्रकार के पाइपलाइन डाटा का प्रबंधन करने के लिए पाइपलाइन ओपन डाटाबेस (पीओडीएस) प्रणाली है।

उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम : विकास के हमारे प्रयास का तरीका

105 गुणवत्ता मंडल परियोजनाओं द्वारा बचत

₹ 2.78 करोड़

ISO

आईएसओ 50001
ऊर्जा प्रबंधन

चरणबद्ध तरीके से गेल में

गेल के प्रचालन में हम यह विश्वास करते हैं कि अतीत में हमारे द्वारा निर्धारित किए गए मानकों को लागू करना और विकसित करना हमारे सतत् सुधार तथा उन्नयन के लिए अनिवार्य है। प्रचालन उत्कृष्टता के संबंध में हमारा दृष्टिकोण केवल प्रक्रिया सुधार, लागत कमी, बेहतर परिसम्पत्ति उत्पादन क्षमता तक ही सीमित नहीं है अपितु इसका विस्तार उत्तरदायी संसाधन प्रबंधन तक किया गया है। आज हम अपने संसाधनों का जितना अधिक इष्टतम उपयोग करेंगे उतने ही अधिक संसाधन हम अपनी भावी पीढ़ी को प्रदान करेंगे। इस प्रकार भविष्य अधिक सतत् विकास करने वाला होगा।

उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम : विकास के हमारे प्रयास का तरीका (जारी)

तेल और गैस[जी4–डीएमए] क्षेत्र की कम्पनियां वैश्विक स्तर पर अस्थिर अर्थव्यवस्था, कड़ी प्रतिस्पर्धा और ऊर्जा तथा सामग्री की लागत में वृद्धि की चुनौतियों का सामना कर रही है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा ने शेयरधारकों की मांग की लागत, गुणवत्ता और प्रत्युत्तर क्षमता को बड़ी चुनौती दी है। इस समय प्रचालन कुशलता में सुधार करना न केवल अल्पकालिक कारोबार लाभ प्राप्त करने के लिए अनिवार्य बन गया है अपितु यह दीर्घकालिक सफलता के लिए भी अनिवार्य है। लागत में कमी करना, विभिन्न प्रकार की कारोबार प्रक्रिया की गुणवत्ता तथा उत्पादन क्षमता में सुधार करना प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त करने के प्रमुख घटक बन गए हैं। किसी कारोबार को उस तरीके से करने का आधार प्रचालन उत्कृष्टता है जिससे प्रतिस्पर्धी श्रेष्ठता हासिल करने के लिए वस्तु और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होता है, लागत में कमी आती है, गति बढ़ती है तथा लचीलेपन में वृद्धि होती है। गेल का विश्वास है कि प्रचालन उत्कृष्टता इस संबंध में सुदृढ़ता, सुरक्षा और पर्यावरण, जनता, प्रणाली, प्रक्रिया, परिसम्पत्ति और आपूर्ति श्रृंखला की विश्वसनीयता और कार्य–कुशलता का आधार है।

सतत् रूप से विकास करने वाले संगठन के रूप में हमारा यह विश्वास है कि हम अपने कार्य–निष्पादन स्तरों की उपलब्धि में वृद्धि करें। इस उद्देश्यार्थ सुव्यवस्थित सुधार के लिए वर्ष 2014–15 के दौरान अनेक पहल की गई हैं जिनका विवरण नीचे दिया गया है :

- कार्य–निष्पादन संकेतों का मानक निर्धारित करना : परियोजना के निष्पादन, प्रचालन और अनुरक्षण, निविदा, आदेश तथा संविदा प्रबंधन के लिए समकालीन अंतर्राष्ट्रीय बैंचमार्क निर्धारित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात परामर्शदाता के माध्यम से बैंचमार्क निर्धारण अध्ययन किया जा रहा है। अगले तीन वर्षों के दौरान इसे कार्य–निष्पादन मानदण्ड के रूप में निर्धारित किया जाएगा।
- आधारभूत नियम : कार्य–निष्पादन में अनुकूलता, कार्य–कुशलता और कारगरता सुनिश्चित करने के लिए आधारभूत नियमों के माध्यम से प्रमुख विभागों के लिए अनुमानित आधारभूत कार्य–निष्पादन निर्धारित किया गया है।
- प्रणाली और प्रक्रिया–विधि तैयार करना : प्रणाली–उन्मुख कार्यकरण की संस्कृति को पोषित करने के लिए नियमित आधार पर किए जाने वाले प्रत्येक कार्यकलाप के लिए प्रणाली और प्रक्रिया–विधि तथा मानक प्रचालन प्रक्रिया–विधि (एसओपी) तैयार करने के लिए व्यापक कार्य किया गया है। इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय विख्यात परामर्शदाता द्वारा इन प्रणाली/प्रक्रिया–विधि/एसओपी की जांच की जाती है ताकि इन्हें सर्वोत्तम वैश्विक पद्धतियों से सम्बद्ध किया जा सके।
- (एसओएमईएस) टीई – पाइपलाइन के सुदृढ़ प्रबंधन के लिए उन्नत सिद्धांत : पूरे देश की पाइपलाइनों का सुदृढ़ प्रबंधन केवल अनुरक्षण कार्यकलाप तक सीमित नहीं है। इसमें उन विभिन्न घटकों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है क्योंकि इनका सुदृढ़ प्रबंधन पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार (एसओएमईएस) टीई ऐसी तकनीक है जो सुरक्षा, प्रचालन, अनुरक्षण, पर्यावरण, शेयरधारकों, प्रौद्योगिकी तथा शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए तैयार की गई है।

- एमसीआरएए – कार्यात्मक उत्कृष्टता की आधारशिला : निगरानी, नियंत्रण, रिपोर्टिंग, विश्लेषण और सुधार जांच एक ऐसा दर्शन है जो कार्यात्मक उत्कृष्टता की आधारशिला है तथा हम इस ओर प्रयासरत हैं। इस समय किए जा रहे सभी कार्यकलापों को यथा–समय पूरा करने के लिए इनकी निगरानी तथा नियंत्रण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार की प्रवृत्तियों/मुद्दों इत्यादि को अभिनिर्धारित करने के लिए आवधिक रिपोर्ट तथा विश्लेषण के माध्यम से इन्हें प्रबंधन के यथा–उपयुक्त अवसरों पर सूचित किया जाएगा। इसके साथ–साथ सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए कमियों/विचलन को अभिनिर्धारित करने के लिए स्वयं के सदस्यों के दल के द्वारा सुधार जांच की जाएगी ताकि संबंधित सांविधिक/बाह्य अभिकरणों द्वारा जांच किए जाने के दौरान स्पष्ट न्यूनतम अवलोकन किया जाएगा।

- क्षमता विकास : शिक्षा और अनुभव एक–दूसरे के पूरक हैं तथा शिक्षा से अनुभव में वृद्धि होती है। सतत् विकास निष्पादन, विकास और प्रतिस्पर्धा की भावना के लिए कार्यकारियों में यथा–अपेक्षित क्षमता विकास अनिवार्य है। इसलिए उपयुक्त प्रशिक्षण/प्रमाणन पाठ्यक्रम/क्षेत्रीय दौरों के माध्यम से क्षमता विकास को उच्च प्राथमिकता दी गई है। क्षमता विकास कार्यक्रम को तीन चरणों में कार्यान्वित किया जा रहा है। विभिन्न स्तरों/पदों (अर्थात अभियांत्रिक इंजीनियरों के लिए एएसएमई प्रमाणन पाठ्यक्रम, कोरोजन इंजीनियरों इत्यादि के लिए एनएसीई प्रमाणन पाठ्यक्रम) के लिए स्तर–1 पर आधारभूत शिक्षा अपेक्षित होती है, स्तर–2 पर निर्दिष्ट कार्य अपेक्षा के लिए विशेषज्ञता आधारित शिक्षा अपेक्षित होती है और आईएलआई, सीपी, एचडीडी इत्यादि जैसे विशेषज्ञता आधारित कार्यों के लिए स्तर–3 पर संवर्ग विकास के लिए उच्च शिक्षा अपेक्षित होती है।

- एबीसीडीई – पांच आधार दृष्टिकोण – हमारा यह विश्वास है कि प्रवृत्ति, व्यवहार, प्रतिबद्धता, अनुशासन, कार्य–कुशलता परिवर्तन के कारक हैं और हम इस दृष्टिकोण के माध्यम से अपनी प्रणाली, प्रक्रिया–विधि, कार्य–पद्धति, नीतियों तथा कार्यनीतियों में उत्कृष्टता लाने के लिए प्रयासरत हैं।

- एसएलआईसीई पोर्टल के माध्यम से मुक्त संचार को प्रोत्साहन : किसी कार्य में कर्मचारी को शामिल करने और इस प्रकार कार्य–निष्पादन उत्कृष्टता के लिए कर्मचारियों तथा प्रबंधन के मध्य मुक्त संचार एक अनिवार्य पैरामीटर है। इसलिए कर्मचारियों को बिना संकोच के अपने विचार प्रबंधन के साथ साझा करने में प्रोत्साहित करने के लिए एक वेब पोर्टल अर्थात एसएलआईसीई (सुझाव–प्राप्त किया गया अनुभव – पहल और नवाचार – मामला अध्ययन–असाधारण प्रयास) तैयार किया गया है तथा कार्यान्वित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त सभी संचार की वरिष्ठ स्तरीय समिति द्वारा मासिक आधार पर समीक्षा की जाती है और इस समिति की सिफारिशों के आधार पर यथा–उपयुक्त कार्रवाई की जाती है।

- लाभ को अधिकतम करना : बेकार के व्यय को कम करके, प्रचालनों और सक्षम ऊर्जा प्रक्रिया–विधि का इष्टतम उपयोग करके परियोजनाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के विचार से पिछले वर्ष अधिकतम परियोजना लाभ कार्यक्रम शुरू किया गया है और गेल के विभिन्न कार्य–स्थलों पर इस समय अध्ययन किया जा रहा है। इस अध्ययन और इसकी सिफारिशों को कार्यान्वित करने का कार्य वर्ष 2016–17 तक पूरा किया जाएगा।

–निदेशक (परियोजना)

स्वास्थ्य और सुरक्षा

गेल में हम अपने कार्यबल, प्रक्रिया और परिसम्पत्तियों के सुदृढ़ीकरण तथा सुरक्षा को सर्वाधिक प्राथमिकता देते हैं। वित्त वर्ष 2014–15 में स्वास्थ्य और सुरक्षा को अत्यधिक महत्वपूर्ण मुद्दा माना गया और इसे विस्तृत रूप से अलग से शामिल किया गया है।

परिसम्पत्ति की उत्पादकता[जी4–डीएमए]

परिसम्पत्तियों के प्रचालन और अनुरक्षण में उत्कृष्टता हासिल करने और उसे बनाए रखना निगमित दर्शन का प्राथमिक उद्देश्य है। परिसम्पत्तियों की निगरानी और अनुरक्षण में गुणवत्ता के उच्च मानक, वर्तमान प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग और अत्यधिक सावधानी सफल ओ एंड एम कार्यनीति के कुछ प्रमुख तत्व हैं। गेल संबंधित प्रणाली की उपलब्धता तथा विश्वसनीयता के उच्च स्तरों पर नए सिरे से ध्यान देकर इनमें सतत् सुधार कर रही है। इस प्रयास में यह सुनिश्चित करने की भी परिकल्पना की गई है कि विभिन्न प्रकार की कार्य पद्धतियों तथा प्रक्रिया–विधियों को पूरी कम्पनी की प्रासंगिकता तथा अनुकूलता के साथ इन्हें सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया जाए।

चूंकि गेल प्राकृतिक गैस का पारेषण और आपूर्ति करती है इसलिए इनमें अनेक अनिश्चितताओं सहित अत्यधिक जोखिमपूर्ण कार्यकलाप निहित होते हैं जो कम्पनी के कारोबार पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकार के जोखिम को न्यूनतम करने के लिए हमने अपने निवेश से बेहतर लाभ प्राप्त करने के साथ–साथ परिसम्पत्तियों के कार्य–निष्पादन को अधिकतम करने का प्रयास किया है। गेल के पास सुदृढ़ परिसम्पत्ति एकीकरण, निगरानी और अनुरक्षण कार्यक्रम है।

गैस और पाइपलाइन परिसम्पत्ति प्रबंधन में विभिन्न प्रकार के उपकरणों के आपस में एक–दूसरे से जुड़े असंख्य भाग वाले व्यापक रेखीय नेटवर्क की आवश्यकता होती है जो इस प्रणाली में विभिन्न प्रकार के जियो–स्पेशियल विचारों का उपयोग करके भौगोलिक तरीके से इधर–उधर के स्थानों पर रखे जाते हैं, इनका प्रबंधन किया जाता है तथा स्थापना की जाती है। डाटा एकीकरण महत्वपूर्ण है और कम्पनी की आधारभूत आवश्यकता के लिए इनका डाउनस्ट्रीम अथवा एक्रास स्ट्रीम एकीकरण अनिवार्य है। गेल की प्राकृतिक गैस पाइपलाइन अवसंरचना की आधारभूत विशेषता एक सतत मॉडल में सभी प्राकृतिक गैस पारेषण और वितरण परिसम्पत्तियों (अर्थात पाइपलाइन, कम्प्रैशर स्टेशन, वाल्व, मार्ग अधिकार इत्यादि) के लिए एकल, पता लगाने योग्य, जियो–स्पेटियल नेटवर्क परिसम्पत्ति डाटा बेस है। इस बेमिसाल विशेषता से वास्तविक उद्यम डाटा शेयरिंग के लिए अन्य कारपोरेट प्रणालियों के साथ एकीकरण की व्यवस्था करके समग्र प्राकृतिक गैस पारेषण तथा वितरण अवसंरचना के सम्बद्ध नेटवर्क मॉडल की सुविधा प्राप्त होती है।

राष्ट्रीय गैस प्रबंधन केन्द्र जो भारत में गैस कारोबार करने के लिए अपनी तरह का एकमात्र केन्द्र है, जो सभी प्रमुख ग्राहक टर्मिनलों पर पाइपलाइन मापदण्डों की निगरानी करने, प्रदायगी दशाओं, गैस का मिलान तथा पूरे गैस कारोबार के लेखांकन के लिए केन्द्रीय स्थान पर सजीव डाटा की उपलब्धता से पूरे भारत में गेल के समग्र गैस व्यापार, परिवहन और एलपीजी पारेषण कारोबार का प्रबंधन करता है। इसके साथ–साथ महाराष्ट्र के लिए मुम्बई, गुजरात के लिए बडौदा, आंध्र प्रदेश के लिए राजमंड्री, तमिलनाडु के लिए पांडिचेरी, आगरा–फिरोजाबाद नेटवर्क के लिए आगरा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए एनसीआर ओ एंड एम तथा त्रिपुरा के लिए अगरतला स्थित सात क्षेत्रीय गैस प्रबंधन केन्द्र (आरजीएमसी) सतत् रूप से गैस आपूर्ति की मात्रा, गुणवत्ता और पाइपलाइन के प्रचालन तथा सुरक्षा पहलुओं की निगरानी करते हैं तथा नियंत्रित रखते हैं। ये क्षेत्रीय केन्द्र संबंधित ग्राहक टर्मिनलों को सुदूरवर्ती सुलभता प्रदान करते हैं तथा सुदूरवर्ती निर्धारण, नियंत्रण कर सकते हैं और विभिन्न प्रकार के ग्राहकों की प्रवाह दर तथा मात्रा की निगरानी कर सकते हैं।

कारगर वास्तविक समय प्रबंधन तथा गैस नामांकन, सही–सही गैस मिलान के साथ प्रदायगी और आबंटन सुनिश्चित करने के लिए एनजीएमसी में भी एक गैस प्रबंधन प्रणाली (जीएमएस) उपलब्ध है। यह जीएमएस वेब आधारित प्रणाली है जो गैस परिवहन कारोबार में बेहतर समन्वय तथा पारदर्शिता लाने के लिए गैस के सभी शिपर्स, आपूर्तिकर्ताओं, ग्राहकों तथा ट्रांसपोर्टर्स के साथ बातचीत करती है।

जी4–डीएमए एनजीएमसी को गेल की एलपीजी पारेषण पाइपलाइनों अर्थात् जेएलपीएल और वीएसपीएल के सजीव डाटा से भी सुसज्जित किया गया है जिससे एलपीजी आफ–टेक दरों और विभिन्न भागों पर पाइपलाइन मापदण्डों की स्थिति की निगरानी के संबंध में तेल विपणन कम्पनियों के साथ बेहतर समन्वयन सुविधाजनक होता है।

अपने सभी प्रचालनों तथा कार्यकलापों में अद्यतन विशेषज्ञता युक्त प्रौद्योगिकी के साथ वास्तविक रूप से वैश्विक कम्पनी बनने के अपने प्रयास के तहत गेल ने प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता तंत्र–केन्द्र स्थापित किया है जो इसकी सभी कारोबार आवश्यकताओं को पूरी करेगा। इसमें नेटवर्क प्रबंधन केन्द्र (एनएमसी), गेल पॉलीमर प्रौद्योगिकी केन्द्र (जीपीटीसी), गीगालिंक (आईटी और ईआरपी डाटा केन्द्र) शामिल हैं।

गेल की गैस पाइपलाइन प्रणाली को एएसएमई, ओआईएसडी, पीएनजीआरबी मानकों के अनुसार डिजाइन किया गया है। इसके साथ–साथ एपीआई, डीआईएन, बीएस, कनाडाई मानकों, एनएसीई, एनएफपीए इत्यादि के तहत विभिन्न दिशा–निर्देशों का अनुसरण किया जाता है।

गेल भारत में पाइपलाइन सुदृढ़ीकरण के लिए अद्यतन विशेषज्ञता से युक्त केन्द्रीय पाइपलाइन सुदृढ़ीकरण प्रबंधन प्रणाली (सीपीआईएमएस) तैयार करने वाली अग्रणी कम्पनी है। सीपीआईएमएस किसी पाइपलाइन प्रणाली को सुदृढ़ रखने का प्रबंधन करने वाली सुव्यवस्थित व्यवस्था है। इस केन्द्रीकृत, उद्यम–व्यापी और कम्प्यूटर आधारित आईएमएस का उद्देश्य सुदृढ़ीकरण प्रबंधन कार्यक्रम जिसमें डाटा जियो–स्पेशियल तथा अस्थाई स्वरूप में होता है और ऑनलाइन जीआईएस आधारित होता है, की कारगरता में सुधार करना है। यह प्रणाली कम्पनी के विभिन्न स्थानों से जुड़ी है, अद्यतन है तथा इसका उपयोग किया जाता है। सीपीआईएमएस गेल की निम्नलिखित के संबंध में सहायता करती है :

- प्रत्येक पाइपलाइन की ऑनलाइन सुदृढ़ीकरण स्थिति की जानकारी
- पाइपलाइन को वर्तमान चुनौती और जोखिम की स्थिति की ऑनलाइन जानकारी
- असफलता की संभावना और असफलता के परिणामों की स्थिति की ऑनलाइन जानकारी

- डिजाइन, निर्माण, मूल्यांकन के लिए पाइपलाइन डाटा ऑनलाइन उपलब्ध होता है।
- सुदृढ़ीकरण मूल्यांकन प्रक्रियाओं का मानकीकरण होता है।
- सांविधिक विनियमों का अनुपालन होता है।

पीआईएमएस के प्रमुख लाभ इस प्रकार हैं :

- असफलता के जोखिम और सम्बद्ध लागत में कमी
- डाउनटाइम में कमी होने से परिसम्पत्ति उपयोग में वृद्धि
- बीमा लागत में कमी
- पाइपलाइन की आर्थिक अवधि बढ़ने से राजस्व में वृद्धि
- पर्यावरण, जनता तथा सम्पत्ति की सुरक्षा के लिए विनियामक अनुपालन

पाइपलाइन इंटीग्रिटी प्रबंधन प्रणाली :

अत्यधिक महत्वपूर्ण परिसम्पत्तियों का अधिक प्रत्यक्ष प्रबंधन करके, इन प्रणालियों से राजस्व अर्जित करने वाली परिसम्पत्तियों में अपटाइप में सुधार करने (इन्हें प्राप्त करने, बनाए रखने की लागत को कम करने तथा परिसम्पत्तियों का निपटान करने और अंततः शेयरधारक के मूल्य में वृद्धि करने में सहायता प्राप्त हो रही है।

प्रक्रिया संयंत्रों की जटिलताओं और बेहतर संगठित तथा सुविधाजनक उत्पादन तथा अनुरक्षण प्रक्रिया–विधियों की आवश्यकता के कारण गेल सदैव अपनी परिसम्पत्तियों की उपलब्धता, विश्वसनीयता और सुरक्षा बढ़ाने के साथ–साथ उत्पादन क्षमता एवं परिसम्पत्ति कार्य–कुशलता को बढ़ाने का प्रयास करती है। इन मांग को पूरी करने, समुन्नत कारोबार प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने और मूल्य वृद्धि प्रदायगी के संबंध में कार्य कुशल परिसम्पत्ति निष्पादन प्रबंधन से सदैव सहायता प्राप्त होती है।

कुछ ऐसे पहलू जिनके संबंध में गेल ने वित्त वर्ष 2014–15 के समझौता ज्ञापन तथा 1 समझौता ज्ञापन में क्रमशः बाह्य और आंतरिक लक्ष्य निर्धारित किए हैं, को नीचे दर्शाया गया है। कम्पनी लक्ष्य मापदण्डों की उपलब्धियों के संबंध में निगरानी करती है और इस संबंध में अभिनिर्धारित किए गए किसी विचलन के संबंध में प्रबंधन कार्यनीति में तत्काल कार्रवाई की जाती है।

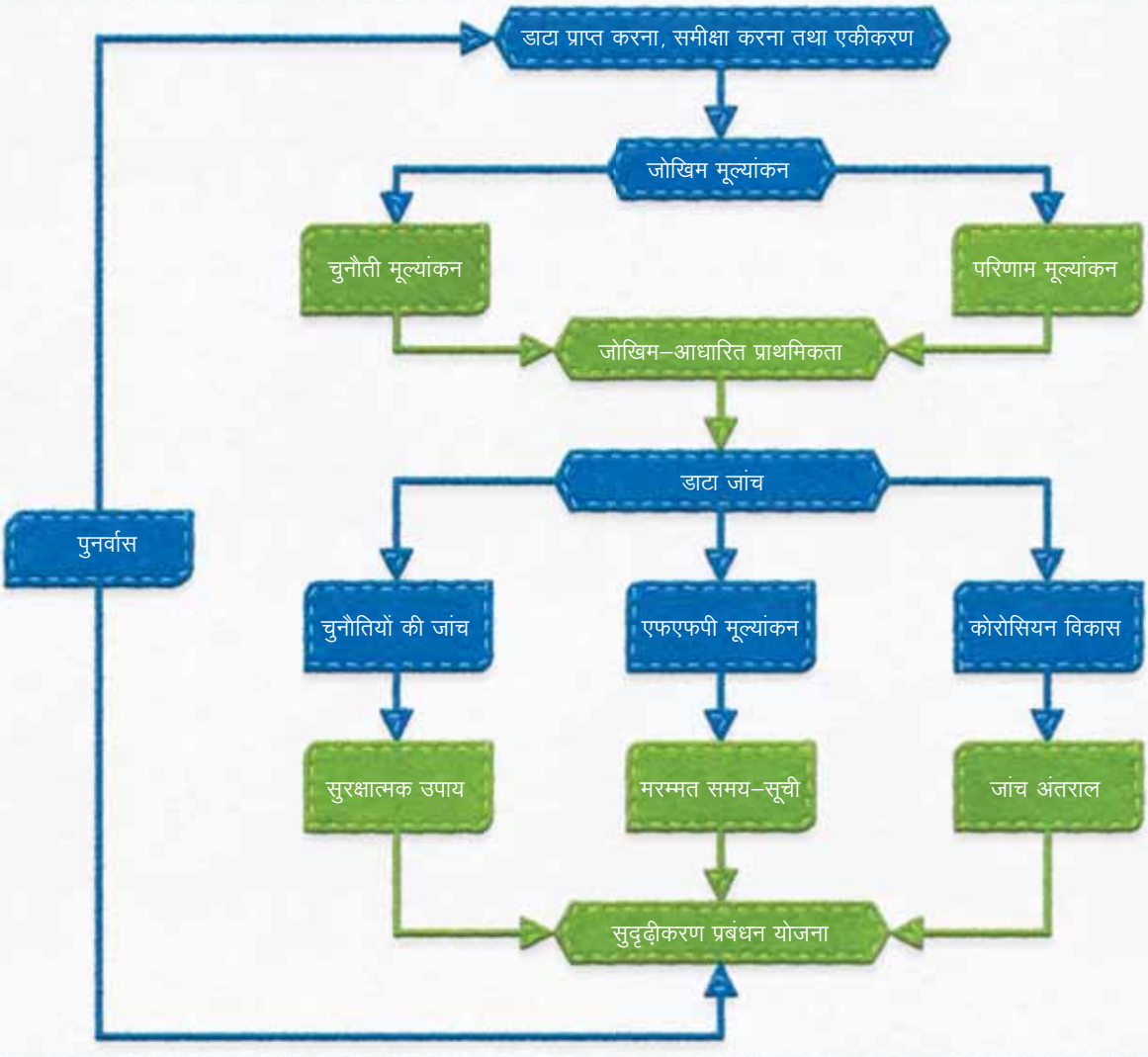

पेट्रो–रसायन संयंत्र उपलब्धता (घण्टे)	वर्ष 2014–15 में लक्ष्य	वर्ष 2014–15 में उपलब्धि
सीपीयू	8000	8598
जीसीयू	8000	8560
एचडीपीई–1	7500	8433
एचडीपीई–2	7500	8754
एलएलडीपीई	7500	8077

पेट्रो–रसायन संयंत्र क्षमता उपयोग (प्रतिशत)	वर्ष 2014–15 में लक्ष्य	वर्ष 2014–15 में उपलब्धि
सीपीयू	108	113
जीसीयू	99	103
एचडीपीई–1	107.5	116
एचडीपीई–2	107.5	119.5
एलएलडीपीई	102.4	101

प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (घण्टे)	वर्ष 2014–15 में लक्ष्य	वर्ष 2014–15 में उपलब्धि
एचवीजे/डीवीपीएल एनजी पाइपलाइन प्रणाली की निर्बाध उपलब्धता	8751	8759.97
एचवीजे एनजी पाइपलाइन प्रणाली की निर्बाध उपलब्धता	8751	8759.99

एलपीजी पाइपलाइन (घण्टे)	वर्ष 2014–15 में लक्ष्य	वर्ष 2014–15 में उपलब्धि
जेएलपीएल एलपीजी पाइपलाइन प्रणाली की निर्बाध उपलब्धता	8672	8760
वीएसपीएल एलपीजी पाइपलाइन प्रणाली की निर्बाध उपलब्धता	8672	8708.59

जयपुर में एलपीजी पाइपलाइनों के लिए क्षेत्रीय गैस प्रबंधन केंद्र

प्रक्रिया सुधार

संबंधित प्रक्रियाओं का इष्टतम उपयोग करने, प्राप्ति में वृद्धि करने और अंतर में कमी करने के लिए गेल ने सदैव अपनी प्रक्रियाओं का इष्टतम उपयोग करने, बेकार के सभी क्षेत्रों को अभिनिर्धारित करने, संसाधनों को सुरक्षित रखने, सुधार उपायों को परिभाषित करने का प्रयास किया है और कार्य–निष्पादन को जारी रखने तथा बनाए रखने के लिए नियंत्रण प्रणाली स्थापित की है। इससे परिणाम में वृद्धि करने, संसाधन उपभोग में पर्याप्त कमी करने तथा गुणवत्ता और अनुकूलता में वृद्धि करने में सहायता मिलती है। हमने अपनी विभिन्न यूनिटों से सतत् विकास डाटा एकत्र तथा उसका प्रबंधन करने के लिए ई–सतत् विकास मॉड्यूल तैयार किया है।

व्यवसाय सूचना प्रणाली – डिजिटल भविष्य की ओर

गेल डिजीटल इंडिया के शुरू होने से काफी पहले नीतिगत मामले के रूप में प्रणाली को डिजीटल बनाने का हर संभव प्रयास कर रहा है। ई–निविदा प्रक्रिया अपनाना, ई–दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली की शुरुआत, ई–नोटशीट, समूह कॉल और एसएमएस, ई–लॉगबुक शुरू करना, सरलीकरण तथा सैप मॉड्यूल का व्यापक प्रयोग विद्यमान है।

ई–शासन @ गेल

- **ई–बैंकिंग:** विक्रेता, ग्राहकों, कर्मचारियों, सरकारी एजेंसियों आदि से ई–मेल सूचना सहित भुगतान / प्राप्तियों का इलेक्ट्रॉनिक अंतरण।
- **रिवर्स नीलामी सहित ई–निविदा:** गेल और एनआईसी पोर्टलों पर निविदाएं डाली जाती हैं। ई–निविदा के जरिए वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए विक्रेता कोटेशनों / प्रस्तावों की इलेक्ट्रॉनिक प्राप्ति। रिवर्स नीलामी पात्र निविदाओं के लिए भी की जाती है।
- **ई–बिल ट्रैकिंग:** विक्रेता गेल वेबसाइट के जरिए गेल द्वारा बिल प्राप्ति से लेकर भुगतान के जारी होने तक की स्थिति को देख सकता है।
- **ग्राहक के लिए ई–खाता:** पॉलीमर और एलएचसी ग्राहक गेल वेबसाइट के जरिए अपने ऑनलाइन खाता विवरण की जांच कर सकता है।
- **गैस ग्राहक पोर्टल:** ग्राहक अपने संयुक्त टिकटों / बीजकों को देख /डाउनलोड कर सकता है तथा दैनिक नामांकन को अपलोड कर सकता है।
- **ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण:** ग्राहक गेल से खरीदे गए उत्पादों (पॉलीमर, एलएचसी और गैस) पर अपनी फीडबैक और संतुष्टि स्तर दे सकता है।
- **कर्मचारी स्वयं सेवा पोर्टल:** विभिन्न दावों को देखने, छुट्टियों का आवेदन करने, वेतन, पीएफ और पेंशन कार्डो, ऋण एवं अग्रिम, निष्पादन योजना और मूल्यांकन के लिए कर्मचारी स्वयं सेवा पोर्टल।
- **ई–स्थिरता मॉड्यूल:** ई–स्थिरता मॉड्यूल निगरानी, विश्लेषण की सुविधा प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है और इसलिए यह गेल के सतत् आंकड़ा निष्पादन में सुधार करने के लिए उपाय कर रहा है। प्रविष्टि, समीक्षा और अनुसंधान हेतु आंकड़ों की निगरानी को बनाए रखने के लिए प्रणाली में तीन स्तरीय प्राधिकार प्रणाली दी गई है।
- **ई–व्यवसाय उत्तरदायित्व रिपोर्टिंग (बीआरआर) मॉड्यूल:** ई–बीआरआर मॉड्यूल को सूचना एकत्र करने, जीआरआई, सीडीपी, डीजेएसआई, एनवीजी आदि जैसे दिशानिर्देशों / ढांचे / प्रश्नावली की आवश्यकता को पूरा करने के लिए मामला अध्ययन किए गए हैं।
- **गेल सतत् रिपोर्ट वित्त वर्ष 13–14 का डिजिटल पाठ (वेबसाइट):** गेल ने पहली बार अपनी 'गेल सतत् रिपोर्ट वित्त वर्ष 13–14 के लिए एक समर्पित वेबसाइट विकसित की है (gailsustainabilityreport.com)।
- **ईआरपी पैकेज पर चल रहा उद्यम व्यवसाय अनुप्रयोग (सैप):** प्रमुख व्यवसाय प्रक्रिया वित्तीय, संभार–तंत्र (बिक्री और खरीद), रखरखाव, वेतन–पत्रक सहित मानव संसाधन सैप–ईआरपी पैकेज पर प्रचालन कर रहे हैं।
- **ईआरपी पैकेज (सैप) पर गैस प्रबंधन प्रणाली:** गैस व्यवसाय के लिए आद्योपांत प्रक्रिया को स्वचालित बनाया गया है जिससे पारदर्शिता आई है और मैनुअल हस्तक्षेप से बचा गया है। बीजक को डिजीटल हस्ताक्षर द्वारा बनाया जाता है।
- **ई–डिजीटलीकरण प्रक्रिया (ई–दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली):** दक्ष भंडारण और बहाली के लिए भौतिक दस्तावेजों को डिजीटल बनाने हेतु एक केन्द्रीयकृत समाधान किया गया है।
- **पाइपलाइन निगरानी की जीपीएस आधारित ट्रैकिंग:** केवल वांछित पाइपलाइन आरओयू कोरिडोर में लाइन वॉक सुनिश्चित करने के लिए एक स्वचालित जीपीएस और जीएसएम आधारित प्रणाली को कार्यान्वित किया जा रहा है। अनधिकृत रुकावट, पूर्व–परिभाषित मार्ग से विचलन को एसएमएस, ई–मेल एलर्ट के इस्तेमाल द्वारा दर्शाया जाता है।

समग्र गुणवत्ता प्रबंधन

गेल में एकीकृत प्रबंधन दर्शन के रूप में समग्र गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम) दृष्टिकोण अपनाया गया है जिसका उद्देश्य ग्राहक संतुष्टि हासिल करने के लिए उत्पादों और प्रक्रियाओं की गुणवत्ता में सतत् सुधार करना है। कारपोरेट स्तर पर समग्र गुणवत्ता प्रबंधन समूह गुणवत्ता तथा निष्पादन सुधार कार्यकलापों पर नजर रखते हैं तथा इन्हें समेकित करते हैं। प्रमुख कार्यकलाप इस प्रकार हैं :

"हम यह समझते हैं कि ऊर्जा की वहनीयता और सुलभता सुनिश्चित करते हुए अपने ग्राहकों के लिए इसकी आपूर्ति करने पर सदैव ध्यान दिया जाए।"

–निदेशक (विपणन)

उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम : विकास के हमारे प्रयास का तरीका (जारी)

ग्राहक संतुष्टि और ग्राहक मूल्य प्रबंधन:

ग्राहकों के फीडबैक के लिए पारदर्शी और कारगर प्रणाली प्रदान करने के विचार से और सतत् सुधार के लिए गेल के उत्पादों तथा सेवाओं का मूल्यांकन करने के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड अर्ध–वार्षिक आधार पर ग्राहक संतुष्टि सूची की निगरानी करती है। अपने ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण समझे जाने वाले प्रत्येक क्षेत्र के सभी कार्य–निष्पादन मापदण्डों को शामिल करने के लिए ऑनलाइन फीडबैक प्रणाली तैयार की गई है। वर्ष 2014–15 के दौरान 89 प्रतिशत की तुलना में ग्राहक संतुष्टि सूची 90 प्रतिशत थी। ग्राहक मूल्य प्रबंधन के भाग के रूप में अपने बहुमूल्य ग्राहकों के साथ प्रत्यक्ष रूप से बातचीत करने और गेल के उत्पादों तथा सेवाओं के संबंध में फीड बैक प्राप्त करने के लिए 75 दौरे किए गए।

गुणवत्ता सर्कल परियोजना

वित्त वर्ष 2014–15 में गुणवत्ता सर्कल परियोजनाएं पूरी की गई जिससे 2.78 करोड़ रुपए की बचत हुई। वर्ष 2014–15 के दौरान पूरी की गई कुछ प्रमुख गुणवत्ता सुनिश्चय परियोजनाएं इस प्रकार हैं :

- लगभग 2700 एस घनमीटर की ईंधन बचत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिबियापुर कम्प्रैशर केन्द्र पर स्टेशन पाइप व्यवस्था में सुधार किया गया जिसके परिणामस्वरूप 1.0 करोड़ रुपए वार्षिक की बचत हुई।
- वाघोडिया में एचआरएसजी ड्रम स्तर नियंत्रण जिससे 42 लाख रुपए वार्षिक की बचत हुई।
- जीआरईपी–वाघोडिया में स्थापित एचआरएसजी प्रणाली के लिए बायलर फीड पम्प के प्रचालन में लागत का इष्टतम उपयोग करने से 65 लाख रुपए की वार्षिक बचत हुई।
- संविदा आधारित मांग के भीतर केवीए मांग को नियंत्रित करने के लिए मांग नियंत्रक संस्थापित किया गया जिससे हजीरा में 0.5 लाख के निवेश पर 3.25 लाख रुपए की बचत हुई।

प्रत्येक वर्ष तीन सर्वोत्तम गुणवत्ता सर्कल परियोजनाओं का चयन किया जाता है तथा प्रस्तावक को यथा–उपयुक्त पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली:

गेल में वर्ष 2013–14 में चरणबद्ध रूप से आईएसओ 50001 ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली पहल का कार्यान्वयन शुरू किया गया। गेल गंधार यूनिट ने वर्ष 2013–14 में आईएसओ 50001:2011 प्रमाणन प्राप्त किया तथा गेल वाघोडिया यूनिट की वर्ष 2014–15 में द्वितीय स्तरीय प्रमाणन के लिए सिफारिश की गई।

गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली:

आंतरिक जांच, प्रमाणन जांच, निगरानी जांच को यथा–समय पूरी करने और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के कारगर कार्यान्वयन के लिए टीक्यूएम विभाग इस संबंध में दिल्ली, नोएडा के 28 विभागों तथा क्षेत्रीय विपणन कार्यालयों के साथ समन्वय करता है। हमारी सभी प्रमुख यूनिट एकीकृत प्रबंधन प्रणाली दर्शन के अनुसार प्रचालन कार्य करती है और आईएसओ 9001, आईएसओ 14001 और ओएचएसएएस 18001 प्रमाणित हैं।

ऊर्जा की खपत (मिलियन जीजे)

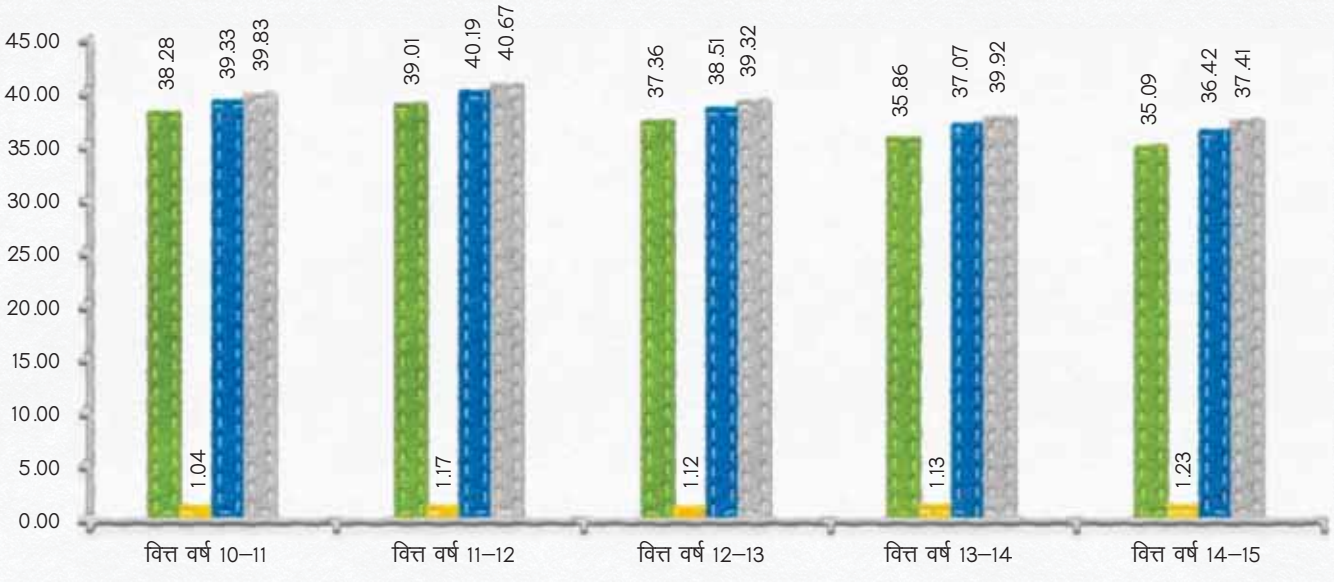

- कुल प्रत्यक्ष ऊर्जा की खपत
- कुल अप्रत्यक्ष ऊर्जा की खपत
- कुल ऊर्जा खपत (फ्लेरिंग और वेंटिंग रहित)
- कुल ऊर्जा खपत (फ्लेरिंग और वेंटिंग सहित)

ऊर्जा का कुशल उपयोग

जी4–डीएमए

गेल में ऊर्जा के कुशल उपयोग को सर्वाधिक प्राथमिकता दी जाती है। यह हमारी सतत् विकास नीति में परिलक्षित होती है जिसमें सभी प्रचालनों में ऊर्जा के कुशल उपयोग में सुधार करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। हम जहां संभव होता है ऊर्जा की बचत करने और कार्य–कुशलता में सुधार करने का प्रयास करते हैं। चूंकि हम सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल तरीके से ऊर्जा की आपूर्ति सुनिश्चित करने के अपने उत्तरदायित्व को भलीभांति समझते हैं इसलिए हम अपने समग्र ऊर्जा उपभोग की समग्र ऊर्जा व्यवस्था में स्वच्छ ऊर्जा बढ़ाने के लिए कार्य करते हैं।

सभी उपभोक्ताओं को स्वच्छ और वहनीय ऊर्जा स्रोत उपलब्ध कराने के लिए हम मुख्य रूप से अवसंरचना के विस्तार पर ध्यान दे रहे हैं। हमने अद्यतन विशेषज्ञता से युक्त प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपने संसाधन मूल्य को अधिकतम किया है, प्रचालन के प्रत्येक स्तर पर ऊर्जा के कुशल उपयोग का प्रयास किया है तथा सतत् रूप से सर्वोत्तम कार्य–निष्पादन किया है।

गेल में ऊर्जा संरक्षण को प्रचालन और अनुरक्षण के अभिन्न भाग के रूप में अपनाया गया है। प्रचालन और अनुरक्षण में कुशल प्रचालन तथा गुणवत्ता अनुरक्षण का अनुपालन करने से ऊर्जा का इष्टतम उपभोग किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रचालन तथा अनुरक्षण के तहत इस क्षेत्र में इसके सतत् सुधार का प्रयास किया जाता है। संयंत्र के कार्य–निष्पादन के महत्वपूर्ण मापदण्डों में विनिर्दिष्ट ऊर्जा उपभोग को शामिल किया गया है।

ऊर्जा उपभोग और आंतरिक उपभोग में कमी करने में योगदान करने वाले महत्वपूर्ण घटक इस प्रकार हैं :

- संयंत्र और उपस्कर की सुदृढ़ स्थिति की निगरानी करने के लिए बेहतर अनुरक्षण तकनीक जिसके परिणामस्वरूप असफलता के मध्य न्यूनतम समय (एमटीबीएफ) में वृद्धि हुई है।

- कूलर के बाद प्रोसेस गैस के प्रचालन को कम करके विद्युत ऊर्जा की बचत।
- आर.आर. केन्द्रों पर केवल जब आवश्यक हो हीटर (जीएफएच) और वैकल्पिक क्लोज्ड सर्किट वेपर टरबाइन (सीसीवीटी) का उपयोग करके गैस उपभोग में बचत।
- कूलिंग वाटर हैडर में संशोधन करना।
- आर.जी. कम्प्रैसर भार को इष्टतम करना।
- गैस थ्रूपुट तथा एलपीजी प्राप्ति को अधिकतम करना।
- अनिवार्य भार के लिए जीटीजी से विद्युत की यथा–उपयुक्त व्यवस्था करके विद्युत बाधा के कारण संयंत्र में आने वाले व्यवधान की संख्या को कम करना। जीटीजी विश्वसनीयता से संयंत्र की विश्वसनीयता और कार्य–निष्पादन में पर्याप्त सुधार हुआ है।

इसके साथ–साथ हम स्वयं के लिए निर्धारित किए गए स्वैच्छिक ऊर्जा उपभोग कमी के लक्ष्यों से आगे बढ़े हैं। हम वर्ष 2020 तक अपने विनिर्दिष्ट ऊर्जा उपभोग 5 प्रतिशत कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए ऊर्जा जांच करके, इसकी प्रक्रिया–विधियों को सुदृढ़ करके तथा अन्य तकनीकी उपाय करके एक एकीकृत प्रबंधन प्रणाली की सहायता से संगठन व्यापी योजना तैयार की गई है।

एलएचसी प्रापण (मीट्रिक टन/एमएमएससीएम)

उत्तर प्रदेश में दिबियापुर कंप्रेसर स्टेशन पर सौर ऊर्जा द्वारा प्रतिस्थापित प्राकृतिक गैस आधारित क्लोज सर्किट वाष्प टरबाइन

गेल में किए गए कुछ अन्य ऊर्जा संरक्षण उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं :–

- कैप्टिव विद्युत के स्थान पर ग्रिड विद्युत का इष्टतम उपयोग करना
- सीसीवीटी विद्युत से ग्रिड/सौर विद्युत की ओर अग्रसर होना
- प्राथमिक कम्प्रैसर डिस्चार्ज की प्रदायगी में सुधार करना
- आरजी हीटर में पीएलसी आधारित बर्नर प्रबंधन प्रणाली
- फ्लेयर की ओर पर्ज प्रवाह को इष्टतम करना
- प्रकाश व्यवस्था में सुधार करना

प्रत्येक वर्ष हम पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन सम्पन्न करते हैं जिसमें हमारे अगले वर्ष के कार्य–निष्पादन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आंतरिक कार्यनीति के अनुसार तैयार किए गए लक्ष्यों के आधार पर रूपरेखा तथा प्रणाली के भीतर किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रक्रिया सुधारों की आवश्यकता का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाता है।

गैस प्रसंस्करण यूनिट	वर्ष 2014–15 में लक्ष्य	वर्ष 2014–15 में उपलब्धि
जीपीयू विजयपुर, गंधार और वाघोदिया की अधिमानतः औसत प्रचालन कार्य–कुशलता	87.0	88.81

हमारी पहल

गेल, विजयपुर

- मौजूदा एयर कंडीशनरों को 5 स्टार बीईई सुविधा मशीन से प्रतिस्थापित करना।
- वीडीपीएल उप–केन्द्र में विद्युत वितरण फीडर और मोटर स्टार्टर फीडर के दोष को ठीक किया गया है और प्रत्येक फीडर से प्रतिवर्ष लगभग 260 कि.वाट.एच की बचत हुई है। इससे कुल 74784 रुपए की बचत हुई है।
- 37 वाट प्रति लैम्प ऊर्जा बचत करने के लिए 80 वाट के एचएसपीवी लैम्पों को अनुरक्षण युक्त 43 वाट की एलईडी से प्रतिस्थापित किया गया है।

गेल, डिबियापुर

- लगभग 2702 एससीएम ईंधन की प्रतिदिन बचत करने के लिए जीटीसी (प्राथमिक) की कम्प्रैसर स्टेशन पाइपिंग में संशोधन किया गया है जिसके परिणामस्वरूप लगभग 1 करोड़ रुपए की वार्षिक बचत हुई।
- पाइपलाइन प्रणाली में 5 आरआर केन्द्रों पर सीसीटीवी को प्रतिस्थापित करने के लिए प्रत्येक 10 कि.वा. रेटिंग वाली सौर ऊर्जा प्रणाली।
- नियंत्रण और प्रशासनिक भवन में प्रकाश प्रणाली में ऊर्जा बचत पहल शुरू की गई तथा पूरी परम्परागत ट्यूबलाइट फिटिंग को एलईडी आधारित प्रकाश व्यवस्था से बदला गया जिसके परिणामस्वरूप लगभग 3754 कि.वा.एच. ऊर्जा की बचत हुई।

गेल, वाघोडिया

- मात्रा के स्थान पर द्रव्यमान पर विचार करके एचएसआरजी ड्रम स्तरीय नियंत्रक में ऊर्जा नियंत्रण में परिवर्तन। इसके परिणामस्वरूप बिना निवेश किए 42.30 लाख रुपए की बचत हुई।
- जीआरईपी–वाघोडिया में संस्थापित किए गए परिचालन लाइन नियंत्रण वाल्व को समायोजित करके एचआरएसजी प्रणाली के बायलर फीड पम्प के लिए लागत इष्टतम की गई। इसके परिणामस्वरूप बिना कोई निवेश किए 65.0 लाख रुपए की बचत हुई।

गेल, हजीरा

- केवीए मांग को संविदा आधारित मांग तक सीमित करने के लिए मांग नियंत्रक संस्थापित किया गया जिसके परिणामस्वरूप 0.5 लाख रुपए की बचत हुई।

उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम : विकास के हमारे प्रयास का तरीका (जारी)

गैस पाइपलाइन स्टेशनों के लिए ऊर्जा दक्षता भवनों का निर्माण

पृष्ठभूमि: गेल (इंडिया) लिमिटेड ने अपने विजन के अनुसार आईआईटी दिल्ली से अनुबंध किया है और गैस पाइपलाइन स्टेशनों के लिए ऊर्जा दक्षता भवनों के निर्माण पर अध्ययन कार्य प्रारंभ किया है। वर्तमान में पारंपरिक डिजाइन और निर्माण दृष्टिकोण ने विलंब के कारणों और अन्य व्यर्थ सामग्री के उपयोग पर ध्यान केन्द्रित किया है जो कंपनी के उल्लिखित लक्ष्यों और उद्देश्यों के सर्वथा विपरीत है। इसके अलावा, भवनों के डिजाइन और निर्माण के लिए नई प्रौद्योगिकियों पर विचार करने का निर्णय लिया गया था, जिससे ये ऊर्जा दक्ष बन जाएं। अनुसंधान दल ने परियोजनाओं के लिए ऑफ साइट प्रौद्योगिकियों के प्रयोग की परिकल्पना की है अर्थात् जिसमें निर्माण के रूप में प्रयासों को पुनः निर्धारित करने की प्रवृत्ति होती है जो निर्माण स्थल पर निर्माण से लेकर विनिर्माण यूनिट की नियंत्रित स्थापना तक होते हैं।

उद्देश्य: परियोजना के उद्देश्य गेल के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप हैं अर्थात् पूरे भारत में हरित ऊर्जा उपलब्ध कराना। जेनेरिक भवन डिजाइन की मॉडलिंग और अनुकरण का इस्तेमाल करके तथा गेल से प्राप्त आदान के आधार पर आईआईटी, दिल्ली टीम द्वारा डिजाइन, निर्माण और प्रचालन मापदंडों का एक विस्तृत विश्लेषण किया गया था।

इस अध्ययन का उद्देश्य उन्नत ऊर्जा दक्षता (जल सहित) के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी सलाह उपलब्ध कराना था तथा प्रेषण टर्मिनल (डीटी), प्राप्ति टर्मिनल (आरटी), मध्यवर्ती पिगिंग स्टेशनों (आईपी) तथा गेल के लिए खंड आधारित वाल्व स्टेशनों (एसवी) की निर्माण अवधि को कम करना था।

अनुसंधान पद्धति और कार्यक्षेत्र: पाइपलाइन स्टेशन भवनों के लिए उपयुक्त नई प्रौद्योगिकियों का डाटाबेस विकसित करने के लिए एक विस्तृत आंकड़ा एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। पारंपरिक भार उठाने वाली दीवार के निर्माण में ईंटों के इस्तेमाल की तकनीक की तुलना में जिन पांच चयनित प्रौद्योगिकियों का अध्ययन किया गया वे हैं: (क) एएसी ब्लॉक; (ख) ईपीएस पैनल; (ग) शुष्क दीवार; (घ) ठोस दीवार पैनल; और (ड.) रेपिड वॉल।

इन निर्माण तकनीकों का उपयोग करने पर ये निर्माण प्रक्रिया में काफी तेजी ला सकती हैं और इसलिए भवनों का निर्माण करते समय आने वाली कमियों से निपटने के लिए प्रभावी पद्धति उपलब्ध करा सकती हैं। साइट से दूर निर्माण करने के कई अन्य फायदे होते हैं जैसे बेहतर फिनिश गुणवत्ता, उन्नत निर्माण अनुसूची, बेहतर मजदूर स्वास्थ्य और सुरक्षा आदि।

निष्कर्ष: भवन सूचना मॉडलिंग मॉडल आधारित निर्माण योग्यता अध्ययन अर्थात् विभिन्न शेयरधारकों और ग्राहकों द्वारा समृद्ध और अधिक तथा संगत सूचना उपलब्ध कराने के प्रयोग से काफी कम समय, ऊर्जा विश्लेषण विनिर्माताओं के साथ चर्चा, स्थल दौरा, यात्रा और लागत गणना, विशेषज्ञों के साथ परामर्श, तथा अन्य डिजाइन अध्ययन प्रौद्योगिकियों की विस्तृत तुलना हो सकेगी।

अध्ययन ने अनेक ऑफ–साइट प्रौद्योगिकियों के पक्ष और विपक्ष पर विचार करते हुए तथा ऊपर उल्लिखित अप–तटीय तकनीकों, रेपिड वॉल प्रौद्योगिकी के बीच व्यवस्थित तुलना करने के बाद फाइबर से निर्मित जिप्सम पैनलों को मकान के डिजाइन के अनुसार पहले ही काट लिया जाता है ताकि उन्हें स्थल पर केवल जोड़ा जाए, जो विद्यमान स्थितियों के अनुसार अत्यधिक पारिस्थितिकी अनुकूल, स्थायी, किफायती और शीघ्र निर्माण होने वाला पाया गया है।

गेल विनिर्माता और डिजाइन परामर्शदाता को उनकी प्रायोगिक परियोजना द्वारा सुझाए गए अनुसार डिजाइन, निर्माण और गुणवत्ता मानदंडों के लिए इस अध्ययन के निष्कर्षों को प्रोत्साहित करेगा ताकि वह ऊर्जा दक्ष कंपनियों में एक अग्रणी कंपनी बन सके।

उत्सर्जन प्रबंधन जी4–डीएमए, जी4–ईएन30

जलवायु परिवर्तन[जी4–ईसी2] हमारी वर्ष 2020 की सतत् विकास अपेक्षाओं का अभिन्न भाग है और हम अपने उत्सर्जन का प्रबंधन करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं तथा अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। कम्पनी अपने कारोबार पर जलवायु परिवर्तन के महत्व को स्वीकार करती है और जलवायु परिवर्तन के बारे में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विनियमों तथा प्रोटोकाल से उत्पन्न होने वाले अवसरों तथा कारोबार जोखिम की निगरानी करती है। अपने स्वयं प्रचालनों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने तथा अन्य प्रचालनों के लिए इसे उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह हमारे सुदृढ़ पवन ऊर्जा पोर्टफोलियो तथा बढ़ते सौर ऊर्जा पोर्टफोलियो से सिद्ध होता है।

हमने जीएचजी उत्सर्जन को न्यूनतम करने के लिए इससे संबंधित मीथेन उत्सर्जन को नियंत्रित तथा समाप्त करने के लिए दिल्ली में गाजीपुर लैंडफिल पर प्रायोगिक परियोजना की भी व्यवस्था की है। कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए इस परियोजना को सफलतापूर्वक यूएनएफसीसीसी से पंजीकृत भी कराया गया है। इसके अतिरिक्त गेल कार्बन डाइआक्साइड को परिवर्तित करने/उपयोग करने से संबंधित विभिन्न प्रकार की अनुसंधान तथा विकास परियोजनाओं पर भी काम कर रही है।

गेल आरएंडडी उपयोगी उत्पादों में परिवर्तन के लिए इसका उपयोग करके सीओ$_2$ के उत्सर्जन को कम करने के लिए परियोजनाएं भी चला रहा है। शुष्क, त्रि–सुधार और आंशिक ऑक्सीडेशन मार्ग के जरिए सीओ$_2$ और मिथेन से साईन गैस का उत्पादन करने हेतु कैटेलिस्ट का विकास करने के लिए तीन परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। इन परियोजनाओं में विकसित कैटेलिस्टों से 90% से अधिक सीओ$_2$ परिवर्तित हो रहा है। बेंच–स्तर पर इन कैटेलिस्टों का विस्तृत विश्लेषण करने की योजना है ताकि परिणामों और कैटेलिस्ट निष्पादन को वैध बनाया जा सके। शैवाल प्रजातियां, जो सीओ$_2$ को मूल्य वर्धित उत्पादों में परिवर्तित कर सकती हैं, का पता लगाने के लिए एक अन्य परियोजना चलाई जा रही है।

इन प्रौद्योगिकियों के सफल विकास और अपनाने से सीओ$_2$ उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी।

न्यून कार्बन प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करना

हाइड्रोजन एक अत्यधिक स्वच्छ ईंधन है और इसके व्यापक उपयोग से कार्बन के उत्सर्जन में कमी आएगी। तथापि, हाइड्रोजन के मितव्ययता की खोज से उसके विभिन्न पहलुओं अर्थात् उत्पादन, परिवहन और भण्डारण में प्रौद्योगिकी विकास प्रयासों की आवश्यकता होगी ताकि इसे किफायती, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाया जा सके। गेल आरएंडडी ने 30 बॉर पर हाइड्रोजन का 6% से अधिक भंडारण करने के लिए एक नई नैनो–मिश्रित सामग्री विकसित की है। हाइड्रोजन की वांछित मात्रा का भंडारण और आपूर्ति करने की सामग्री की वैधता का अब पीईएम ईंधन सेल के साथ जोड़कर अध्ययन किया जा रहा है।

पृथक विद्युत उपलब्ध कराने के लिए एक हाइब्रिड प्रणाली में पीवी सेल, इलेक्ट्रोलाइजर, हाइड्रोजन भंडारण और पीईएम ईंधन सेल शामिल है। विभिन्न घटकों का संयोजन और जांच चल रही है।

जलवायु परिवर्तन अनुकूलता तथा इसे कम करने को भी कम्पनी के दर्शन में समाहित किया गया है, यह गेल की सतत् विकास नीति का अभिन्न भाग है। गेल की ईआरएम कार्य–संरचना में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण से संबंधित जोखिमों को शामिल किया गया है। हमने विनियम, भौतिक जलवायु पैरामीटर और अन्य जलवायु–संबंधी कार्यकलापों में परिवर्तन से संबंधित जलवायु परिवर्तन जोखिम के महत्व को स्वीकार किया है। प्रत्येक वर्ष हम अपने संगठन में उत्पन्न होने वाले पर्यावरण संबंधी विभिन्न मुद्दों के प्रबंधन और निवेश की लागत का आकलन करते हैं तथा प्रत्येक वर्ष पर्यावरण संरक्षण पर पर्याप्त व्यय किया जाता है। गेल ने नवीकरणीय ऊर्जा का पोर्टफोलियो स्थापित किया है। स्वच्छ विकास तंत्र के तहत परियोजनाओं को गेल में जलवायु परिवर्तन अवसर के रूप में माना जाता है। हम इस समय जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में होने वाले विकास अर्थात राष्ट्रीय उद्देश्य निर्धारण योगदान (आईएनडीसी), राष्ट्रीय विनियमन जैसे एनएपीसीसी इत्यादि पर प्रत्यक्ष नजर रख रहे हैं और इसके वित्तीय निहितार्थ का आकलन किया जाएगा तथा यदि यह महत्वपूर्ण होगा तो आगामी वर्षों में इस पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

गेल ने वातावरण प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से अद्यतन विशेषज्ञता वाले यथा–उपयुक्त प्रदूषण नियंत्रण उपकरण संस्थापित किए हैं। वायु उत्सर्जन को कम करने के लिए भी हमारी सभी प्रचालन यूनिटों पर विभिन्न प्रौद्योगिक उपाय स्थापित किए गए हैं। सतत् आधार पर एनओएक्स, एसओएक्स, हाइड्रोकार्बन, कार्बन मोनो ऑक्साइड और शोर प्रदूषण की निगरानी करने के लिए पाटा यूनिट में तीन सतत् एम्बीयंट वायु गुणवत्ता निगरानी केन्द्र स्थापित किए गए हैं। इन सभी केन्द्रों पर डाटा की सतत् निगरानी की जाती है। सभी उत्सर्जन पैरामीटर पूरी तरह से अनुमत्य सीमा में हैं।

गेल को सीडीपी की इंडिया लीडर्स 2014 जलवायु परिवर्तन जानकारी प्रदान करने वाली अग्रणी कम्पनियों की सूची में अग्रणी कम्पनी के रूप में स्वीकार किया गया है। केवल गेल ऐसी कम्पनी है जिसे 22 भारतीय अग्रणी कम्पनियों की यूटिलिटी श्रेणी में शामिल किया गया है। इसमें किसी संगठन से कम्पनी के कार्बन फुट प्रिंट, ऊर्जा उपयोग और जलवायु परिवर्तन कार्यनीतियों से संबंधित डाटा की जानकारी प्रदान करने की अपेक्षा की जाती है जिससे शेयरधारक किसी कम्पनी के संबंध में जलवायु परिवर्तन से प्रस्तुत किए गए वित्तीय जोखिम का आसानी से मूल्यांकन करने में सक्षम होते हैं। इससे हमारे उत्सर्जन पोर्टफोलियो का कारगर ढंग से प्रबंधन करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है।

- गेल, हजीरा इस संबंध में कांडला, गुजरात में उत्पादित पवन ऊर्जा का उपयोग करने की कार्यवाही कर रही है।
- जीटीसी में सील से गैस निकासी को रोकने के लिए स्किड की संस्थापना तथा गेल, विजयपुर के लिए इंफ्रारेड कैमरे की खरीद की जा रही है।
- गेल, विजयपुर में एफ और एस प्रणाली में सीएफसी को एरागोनाइट से प्रतिस्थापित किया जा रहा है।

जीएचजी उत्सर्जन (एमटीसीओ$_2$ई)

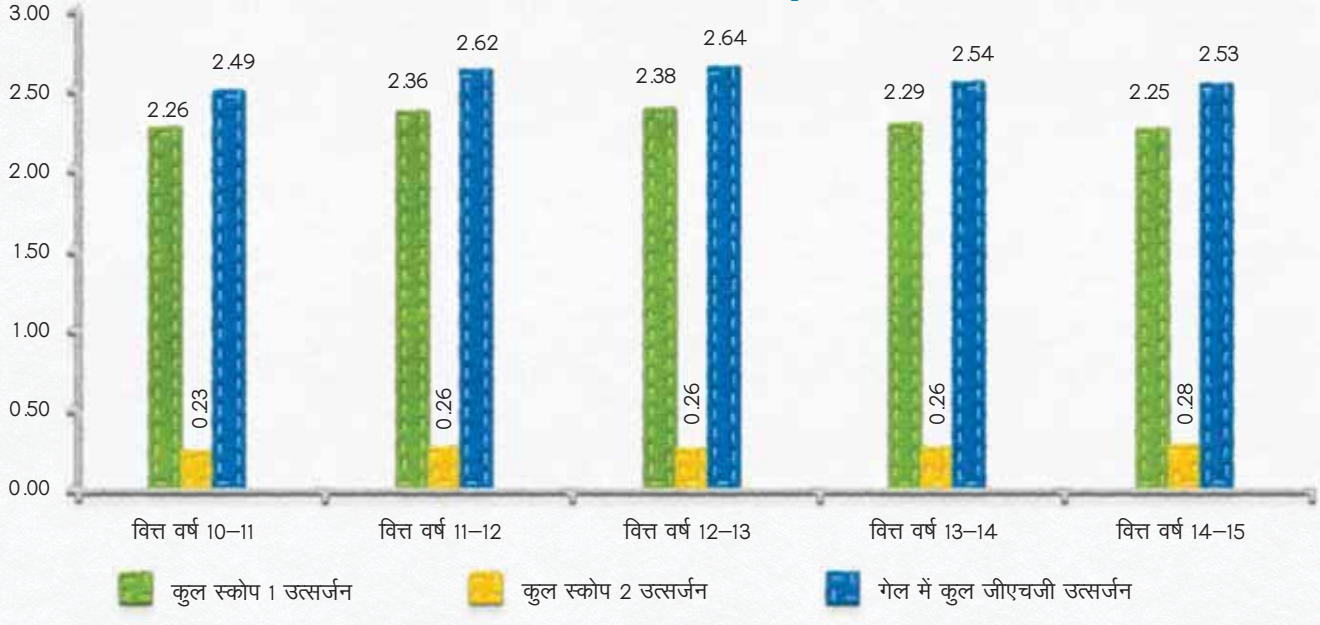

नवीकरणीय ऊर्जा

गेल कैप्टिव विद्युत उत्पादन करने वाली कम्पनी से वाणिज्यिक ऊर्जा उत्पादन करने वाली कम्पनी की ओर अग्रसर हुई है। गेल की वर्ष 2020 की पहल के भाग के रूप में वर्ष 2020 तक 500 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य की तुलना में कम्पनी ने गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्यों में 118 मेगावाट पवन ऊर्जा की परियोजनाएं सफलतापूर्वक स्थापित की हैं।

इसके अतिरिक्त, विशेष उद्देश्य साधन (एसपीवी) के माध्यम से सौर, पवन, बायो–मास, छोटी जल तथा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा (हाइब्रिड सहित) परियोजनाओं के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए एमएनआरई और पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मध्य समझौता ज्ञापन सम्पन्न किया गया है। गेल इस विशेष उद्देश्य साधन जो ग्रिड सम्बद्ध नवीकरणीय ऊर्जा विद्युत परियोजनाओं की व्यवस्था कर रहा है, में शेयरधारक है। यह विशेष उद्देश्य साधन अगले पांच वर्षों में प्रत्येक वर्ष 1000 मेगावाट की पवन और सौर ग्रिड सम्बद्ध नवीकरणीय ऊर्जा विद्युत परियोजनाओं की व्यवस्था करेगा।

गेल ने राजस्थान में जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय सौर ऊर्जा मिशन के तहत 5 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना करने की बोली को प्राप्त करके सौर विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में प्रवेश किया है। यह परियोजना वर्ष 2013 में शुरू की गई थी। गेल ने प्रचालन उत्कृष्टता के लिए भी सौर ऊर्जा से संबंधित विभिन्न नई और नवाचारी परियोजनाओं को हाथ में लिया है।

कम्पनी ने तमिलनाडु डब्ल्यूईजी परियोजनाओं के लिए नवीकरणीय ऊर्जा व्यापार प्रमाणन (आरईसी) के कारोबार में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है जिसमें हमने 10646 आरईसी का सफलतापूर्वक विक्रय किया और 1.57 करोड़ रुपए का निवल राजस्व अर्जित किया। इन प्रमाण–पत्रों का पांच स्थानों के नवीकरणीय विद्युत दायित्वों का क्रय करने के लिए उपयोग किया गया है। इसके साथ–साथ 1.54 करोड़ रुपए के 10257 गैर–सौर ऊर्जा प्रमाण–पत्र अपने पास रखे गए हैं। हम इसे नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण उपलब्धि मानते हैं।

इसके अलावा, सोलर विकासकर्ता के साथ पाटा और विजयपुर में सोलर फार्म की स्थापना करने का प्रस्ताव है जिससे ऊर्जा लागत में कमी आएगी। इसे ऊर्जा सेवा कंपनी (ईएससीओ) के जरिए विकसित किया जाएगा।

हमारी 'वर्ष 2020 की स्वैच्छिक अपेक्षाएं' विनिर्दिष्ट ऊर्जा उपभोग और जीएचजी उत्सर्जन घनत्व को कम करने के लिए निर्धारित की गई हैं। वर्ष 2010–11 को आधार वर्ष मानकर हमारे समग्र प्रचालन में 5 प्रतिशत विनिर्दिष्ट जीएचजी उत्सर्जन को कम करने के लिए संशोधित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं तथा इनकी नियमित निगरानी की जा रही है। प्रबंधन ने इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्य–योजना पर ध्यान केन्द्रित किया है। हमारे पास सुव्यवस्थित पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियां हैं जो अनुपालन स्तर से आगे जाकर कार्य करने के लिए समर्पित हैं।

जी4–ईएन4, जी4–ईएन17 हमने अपनी कारोबार व्यवस्था के लिए अपने क्षेत्र 3 कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन का आकलन किया है जो क्षेत्र 1 और 2 कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन की तुलना में नगण्य सिद्ध हुआ है। अपने क्षेत्र 3 उत्सर्जन को और कम करने के लिए वित्त वर्ष 2014–15 में कुल 437 घण्टे की वीडियो कान्फ्रेंसिंग की गई। उत्पाद डिस्पैच के कारण प्रत्यक्ष जीएचजी उत्सर्जन का आकलन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन किया गया है और वित्त वर्ष 2014–15 के लिए ~0.12 टी कार्बन डाइऑक्साइड परिणाम प्राप्त हुआ है।

कुल ग्रिड बिजली उपभोग के प्रतिशत के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन

जल प्रबंधन जी4–डीएमए

गेल की सतत् विकास नीति में जल संरक्षण और प्रबंधन का महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उल्लेख किया गया है। ताजे पानी के उपभोग को कम करने के लिए हमने उपयोग किए जाने के योग्य पानी को रीसाइकल करने का प्रयास किया है। हमारे प्रयासों के परिणामस्वरूप विजयपुर और गंधार यूनिटों में तथा एनजी कम्प्रैशन केन्द्रों, एलपीजी पम्पिंग केन्द्रों में अब 'शून्य पानी डिस्चार्ज' की स्थिति प्राप्त कर ली गई है।

जल घनत्व और ताजे पानी के उपभोग में कमी तथा रिसाइकल पानी में वृद्धि को 'वर्ष 2020 की सतत् विकास अपेक्षाओं' के महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाया गया है। गेल द्वारा निर्धारित किए गए संशोधित लक्ष्यों के अनुसार हमने ताजे पानी उपभोग घनत्व में 15 प्रतिशत कमी हासिल की है। वित्त वर्ष 2017 तक पाटा में 'शून्य पानी डिस्चार्ज' उपलब्धि हासिल करने का लक्ष्य बनाया गया है। इस उद्देश्य को 'वर्षा जल संचय' को प्रोत्साहित करके, यूनिट परिसरों में शोधित एफ्ल्यूएंट का उपयोग करके और पानी की हानि तथा लीकेज में कमी करके प्राप्त किया जाएगा।

गेल, झाबुआ में पानी की कमी के कारण ग्रीष्म मौसम के दौरान पर्याप्त हरित क्षेत्र बनाए रखने में चुनौती का सामना करना पड़ा। इस चुनौती का समाधान करने के लिए वर्षा का पानी एकत्र करने, स्टोर करने तथा बागवानी उद्देश्य के लिए इसका उपयोग करने हेतु 'जलाशय' परियोजना बनाई गई। यह सतत् विकास के तहत एक पहल थी जो अगस्त 2014 में सफलतापूर्वक पूरी की गई। इस परियोजना में 0.83 मिलियन लीटर वर्षा के पानी को स्टोर करने के तीन खण्ड हैं जो गेल की टाउनशिप में पौधों और वृक्षों को 90 दिन तक पानी देने के लिए पर्याप्त हैं। इसके साथ–साथ पौधों को पानी देने की यह छिड़काव वाली व्यवस्था थी जिससे 70 प्रतिशत पानी की बचत हुई। एसटीपी पानी जिसका पहले बागवानी के लिए उपयोग किया जा रहा था, को भी वर्षा के पानी के उपयोग की तरह सुरक्षित रखा जाएगा जिससे बिजली की बचत होगी तथा इसके परिणामस्वरूप अंततः भूमिगत जल रिचार्ज की व्यवस्था होगी।

विभिन्न उपभोग स्थलों पर पानी की आपूर्ति तथा उपभोग की बेहतर निगरानी करने के लिए कार्य न कर रहे प्रवाह मीटरों के स्थान पर नए प्रवाह मीटर संस्थापित किए गए तथा तदनुसार पानी की बचत करने के लिए भावी कार्रवाई की जाती है।

इसके अतिरिक्त, गेल ने विजयपुर में वाष्पीकरण हानि को रोकने के लिए तथा पानी की बचत करने के लिए 'बहती धारा' परियोजना शुरू की है।

कुल जल खपत (मिलियन एम³)

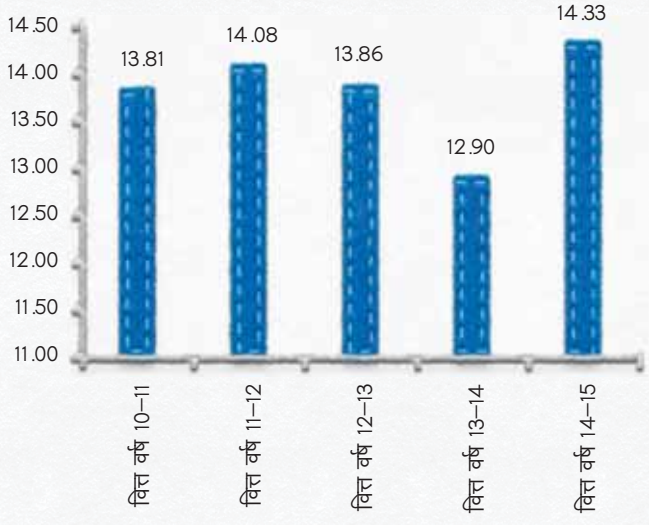

अपशिष्ट जल निष्पादन वित्तीय वर्ष 14–15 (मिलियन एम³)

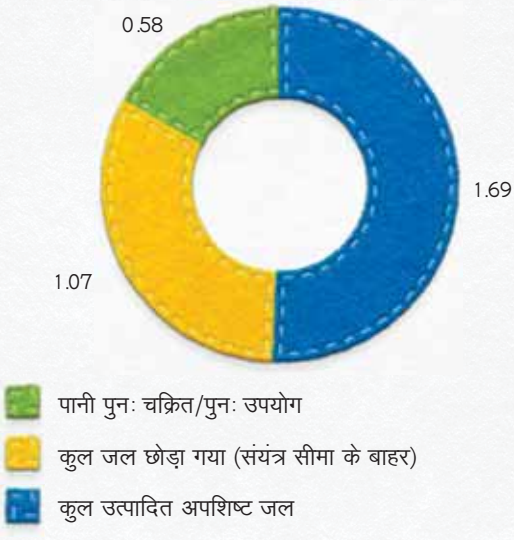

वित्तीय वर्ष 14–15 में स्रोत से हमारी जल खपत

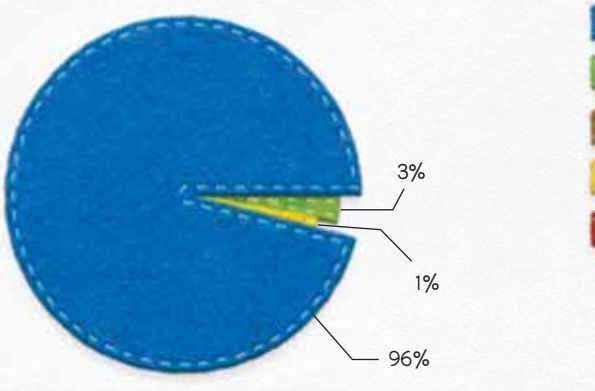

मौजूदा सीवेज शोधन संयंत्र (एसटीपी), गेल गांव टाउनशिप का संवर्धन करना

गेल गांव टाउनशिप में मेम्ब्रेन बायो रिएक्टर टेक्नोलॉजी (एमबीआर) से सीवेज तरल पदार्थो का तृतीय स्तर का शोधन किया जाता है। इससे विवेकानंद खेल परिसर और हरित पट्टी गेल गांव में बागवानी उद्देश्यों के लिए पानी का पूरा उपयोग करने में सहायता मिलती है। इस संयंत्र में प्रतिदिन 1 एमएलडी सीवेज का शोधन करने की क्षमता है।

कचरा प्रबंधन जी4–डीएमए, जी4–ईएन23

गेल की सतत् विकास नीति जिसमें सभी प्रचालनों में कचरा प्रबंधन प्रक्रिया–विधि में सुधार करने पर अत्यधिक ध्यान दिया जाता है, में इसकी कचरा प्रबंधन के लिए प्रतिबद्धता झलकती है। हम संबंधित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से सभी सांविधिक अनुपालना और पर्यावरण मंजूरी का अनुसरण करते हैं और खतरनाक कचरे के संबंध में प्रचालन करने के लिए प्राधिकार सहमति का नियमित नवीकरण कराया जाता है। तथापि हमारे पास सुव्यवस्थित पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली भी है जो अनुपालन स्तर से आगे जाकर कार्य करने के लिए समर्पित है। गेल का फिक्की पर्यावरण समिति में भी प्रतिनिधित्व है जो नगर–निगम, इलेक्ट्रॉनिकी और खतरनाक कचरा प्रबंधन, कारपोरेट सतत् विकास, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, पर्यावरण तथा वन जैसे पर्यावरण संबंधी मुद्दों की व्यापक व्यवस्था के संबंध में कार्य करती है। हम प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं को आयोजित करने में टीईआरआई जैसे बाह्य पक्षकारों के ज्ञान का भी उपयोग करते हैं तथा उनसे सहायता प्राप्त करते हैं और कचरा प्रबंधन जैसी परियोजनाएं पूरी करते हैं।

ई–अपशिष्ट प्रबंधन

गेल ई–अपशिष्ट (प्रबंधन एवं रखरखाव) नियम, 2011 पर्यावरण और वन मंत्रालय एवं जलवायु परिवर्तन के अनुपालन के लिए थोक उपभोक्ताओं की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस संबंध में, गेल में एक व्यवस्थित प्रक्रिया कार्यान्वित की गई है।

i. सभी संबंधित विभाग स्थल / विभाग में सृजित ई–अपशिष्ट का रिकार्ड रखते हैं।

ii. विभिन्न विभागों द्वारा सृजित ई–अपशिष्ट को निर्धारित स्थलों पर रखा जाता है तथा ई–अपशिष्ट की मांग–सूची को ई–अपशिष्ट नियम के अनुसार बनाए रखा जाता है।

iii. ई–अपशिष्ट का निपटान निम्न द्वारा पूरा किया जाता है।

   क. नए इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की आपूर्ति के खिलाफ ई–अपशिष्ट को पुनः खरीदना।

   ख. ई–अपशिष्ट को संबंधित उत्पादकों को लौटाना।

   ग. एमओईएफसीसी, सीपीसीबी / एसपीसीबी अधिकृत रिसाइक्लरों को बिक्री करना।

iv. ई–अपशिष्ट प्रबंधन सुरक्षा / पर्यावरणीय लेखापरीक्षा का हिस्सा बन गया है।

गेल विजयपुर ने सर्वोत्तम औद्योगिकरण प्रथाओं के अनुसार ठोस जोखिमी अपशिष्ट के लिए पीतमपुर (मध्य प्रदेश) में स्थानीय उपचार, भंडारण और निपटान की सेवाओं को प्राप्त किया। ऐसे अपशिष्ट के लिए अस्थायी भंडार स्थल को भी स्पष्ट रूप से चिन्हित किया गया है। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंध नियमों के तहत, गेल विजयपुर ने अपनी सुविधा के साथ–साथ अपने नगर में 40 माइक्रोन से कम के प्लास्टिक कैरी बैग को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित कर दिया है। इसके अलावा, इसकी प्रभावकता को देखने के लिए प्लास्टिक अपशिष्ट समिति गठित की गई है और इसे उन खुदरा व्यापारियों/संविदाकारों, जिन्हें इस विशेष प्रतिबंध की अवज्ञा करते हुए पकड़ा जाएगा, पर जुर्माना लगाने का अधिकार प्राप्त है।

स्थानों के बीच हम परिवहन करने, आयात करने, निर्यात करने या बेसल अभिसमय के तहत माने गए जोखिमी अपशिष्ट के उपचार से संबंधित किसी गतिविधि में शामिल नहीं हैं। जी4–ईएन25

तैलीय गाद प्रबंधन

गेल पर्यावरण और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के भाग के रूप में अपशिष्ट को कम करने के दृष्टिकोण का पालन करता है। अपशिष्ट प्रबंधन एक महत्वपूर्ण मुद्दे के रूप में उभरा है जो पर्यावरण पर दीर्घकालिक प्रभाव को प्रस्तुत करता है। जोखिम अपशिष्ट (प्रबंध, संभालना और सीमा–पार संचलन) नियम, 2008 की अनुसूची–। में जोखिम अपशिष्ट श्रेणीकरण भी स्पष्ट रूप से बताता है कि तैलीय गाद इमल्शन और अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र से गंदला तेल किसी पेट्रो–रसायन उद्योग का एक जोखिम अपशिष्ट है।

पाता संयंत्र में डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी है जो औद्योगिक जल का इस प्रकार उपचार करता है ताकि यह कानूनी प्राधिकारों के अनुसार विनिर्दिष्ट सीमाओं के भीतर सामग्री प्राप्त कर सके। यह संयंत्र सभी यूनिटों से उत्पन्न होने वाले औद्योगिक अपशिष्ट जल का उपचार करता है और नदी में बहिःस्राव को छोड़े जाने से पहले प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा यथा निर्धारित विशिष्टियों को बनाए रखता है।

पृष्ठभूमि – पालीमर उत्पादन की वृद्धि के साथ–साथ अपशिष्ट जल भी बढ़ा है। यह बढ़ा हुआ अपशिष्ट जल और संयंत्र आवाह क्षेत्र के विभिन्न भागों से निकलने वाला वर्षा का गंदा पानी एमआरएस के जरिए तैलीय जल गाद (ओडब्ल्यूएस) के माध्यम से प्रवाह तालाब में एकत्रित किया जा रहा है। तत्पश्चात् बहिःस्राव जल के इस भाग का डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी के आर्द्र मौसम प्रवाह (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) में धीरे–धीरे और उपयुक्त रूप से उपचार किया जाता है।

इस प्रणाली की सहायता से गाद सहित, तेल मुक्त बड़ी मात्रा में जल को तब तक तालाब में जमा किया जाता है जब तक उच्च क्षमता का स्क्रू पम्प को रूक–रूक कर चलाते हुए एमआरएस से अनिवार्य तैलीय जल कीचड़ अलग नहीं हो जाता। तथापि, तेल और गाद अपशिष्ट के रूप में तालाब में फंसा/जमा रहता है। इसके फलस्वरूप पिछले वर्षो के दौरान खतरनाक अपशिष्ट जमा हुआ है।

समाधान – इस समस्या के समाधान के लिए सरल प्रौद्योगिकीय उपचार किया गया था। सक्शन की प्राइमिंग व्यवस्था सहित एक समस्तर सेंट्रीफ्यूगल पम्प लगाया गया था ताकि प्रस्तावित पम्प का सक्शन इतना नीचे हो कि उससे केवल पानी ही लिया जा सके जबकि मौजूदा स्क्रू पम्प अपनी प्रवाह प्रणाली में पानी के साथ अधिकतम तेल को पृथक करे। प्रस्तावित पम्प के प्रवाह को आर्द्र मौसम प्रणाली (डब्ल्यूडब्ल्यूएस) की ट्रेन में भेजा जाता है। इस सुधार से सर्ज तालाब को सफाई के लिए बचाया जा सकता है।

परिणाम – रिपोर्ट की अवधि के दौरान वर्ष में 5508 मीट्रिक टन तैलीय कीचड़ निकाला गया।

वित्त वर्ष 14–15 में निपटान विधि द्वारा ठोस अपशिष्ट की संख्या में

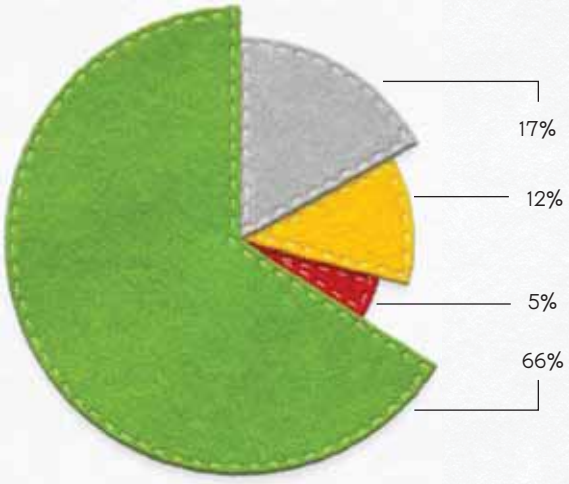

वित्त वर्ष 14–15 में निपटान विधि द्वारा ठोस अपशिष्ट

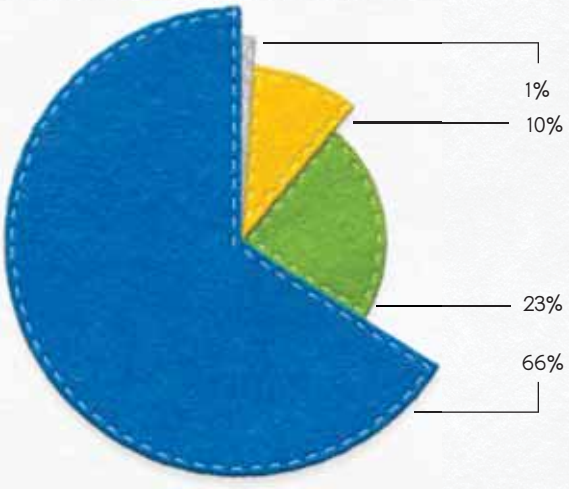

वित्त वर्ष 14–15 में निपटान विधि द्वारा तरल अपशिष्ट

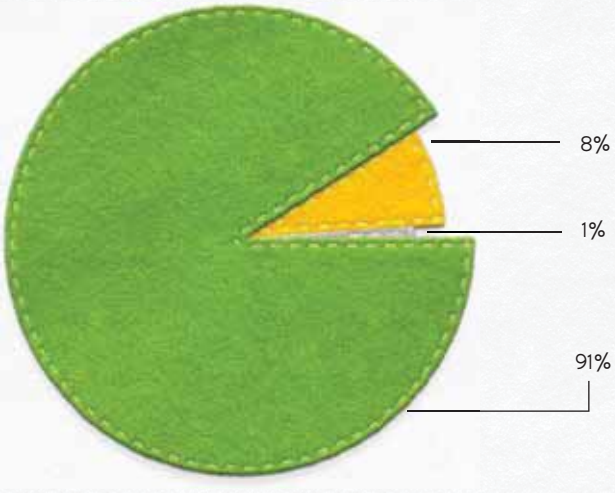

- गहरा कूप इंजेक्शन
- दहन
- लैंडफिल
- ऑनसाइट भंडारण
- अन्य
- रिसाइकलिंग
- पुनः उपयोग

अपने कारोबारी दृष्टिकोण में परिवर्तन : अपने विकास को सुरक्षित करना

23 एलएनजी
कार्गो का आयात

गेल देश में विक्रय की जाने वाली

प्राकृतिक गैस

में से लगभग 67% का विक्रय करता है

देश का आर्थिक विकास ऊर्जा की मांग के लिए परस्पर गहराई से जुड़ा है। भारत परिवर्तन काल के दौर से गुज़र रहा है। यह व्यापक केन्द्रीय नियंत्रण सहित नियोजित अर्थव्यवस्था से लगातार बाजार ताकतों के प्रचालन की ओर बढ़ रहा है। भारत में गैस क्षेत्र में अग्रणी कारोबार के रूप में गेल देश में तेजी से बढ़ते ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की बेहतर स्थिति में है।

भारत विश्व में तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है जिसमें ऊर्जा क्षेत्र देश के आर्थिक विकास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। वर्ष 2025 तक आशा है कि चीन और भारत संयुक्त राष्ट्र के पश्चात सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ताओं के रूप में उभरेंगे। तेजी से बढ़ता औद्योगिक आधार, शहरीकरण के साथ–साथ रहन–सहन के स्तर में सुधार ने ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर को बढ़ा दिया है।

प्राकृतिक गैस परिदृश्य और गेल के लिए चुनौतियां

भारत अपनी प्राकृतिक गैस की आवश्यकता को घरेलू प्राकृतिक गैस और आयातित पुनः गैसीकृत तरलीकृत प्राकृतिक गैस (आर–एलएनजी) के माध्यम से पूरा करता है। देश में प्राकृतिक गैस की कमी को देखते हुए घरेलू गैस समय–समय पर सरकार द्वारा जारी नीति दिशा–निर्देशों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों को आबंटित की जाती है। आयातित गैस के मामले में बिक्रीकर्ता एलएनजी का आयात करने और आर–एलएनजी को ग्राहकों को बेचने के लिए स्वतंत्र हैं। हाल के वर्षो में भारतीय प्राकृतिक गैस क्षेत्र ने घरेलू गैस की कम उपलब्धता के कारण काफी अधिक मंदी का सामना किया है। हाल के बीपी आंकड़ों के अनुसार भारत ने पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2014 में गैस उत्पादन में 5.9 प्रतिशत और गैस की खपत में 1.5 प्रतिशत की कमी दर्शायी है। वर्ष 2014 के लिए भारत का प्राकृतिक गैस का उत्पादन और उपभोग क्रमशः 31.7 और 50.6 बीसीएम रहा। भारत की प्राकृतिक गैस की खपत घरेलू उत्पादन की तुलना में लगातार बढ़ी है। मंद घरेलू उत्पादन और लगातार मांग में वृद्धि से भारत लगातार एलएनजी से आयातों पर निर्भर कर रहा है। ऐतिहासिक रूप से एलएनजी के आयातों ने बढ़ती हुई मांग और आपूर्ति के अंतर को पूरा करने में सहायता की है। वर्ष 2014 के लिए भारत ने घरेलू खपत के लिए अपनी प्राकृतिक गैस का 37.41 प्रतिशत का आयात किया।

भारत का ऊर्जा क्षेत्र नाजुक दौर से गुजर रहा है और यह बहुत सी चुनौतियों का सामना कर रहा है। उद्योग और कुल मिलाकर देश को महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे घटते–बढ़ते मूल्य, कच्ची सामग्री के मूल्यों का वैश्विक लिंकेज, घरेलू गैस की सीमित उपलब्धता, भारतीय बाजार के लिए सहन किए जाने योग्य मूल्यों पर उपलब्धता सहित एलएनजी बाजार उतार–चढ़ाव, मूल्य श्रृंखला में कुशलता का महत्व, वैकल्पिक ऊर्जा घटनाक्रम, विनियामक ढांचे को विकसित करना और नीति दिशानिर्देश, डाउनस्ट्रीम बाजार सुधार, बदलता हुआ भूदृश्य आदि को सम्बोधित करने के लिए चयन करने की जरूरत होगी। वैश्वीकरण का अर्थ यह भी है कि हमारे ऊर्जा बाजार अधिक से अधिक वैश्विक बाजारों से सम्बद्ध हों। तेल और गैस क्षेत्र में ऐसे कारकों द्वारा हुई अनिश्चितता नई चुनौतियां प्रस्तुत करना जारी रखेगी। इसके लिए सक्षमताओं को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाना अपेक्षित होगा और उसे प्रभावी तथा लम्बे समय तक बने रहने वाले ढंग में करना गेल के लिए एक और महत्वपूर्ण चुनौती होगी।

अपेक्षाकृत रूप से स्थिरता के तीन वर्षो के पश्चात तेल की कीमतें वर्ष 2014 के मध्य से तेजी से गिरी हैं। तेल कीमतों में गिरावट आने से वैश्विक प्राकृतिक गैस बाजारों ने पहले ही कुछ संघात महसूस किया है। गैस की कीमतें कुछ बाजारों में संविदात्मक रूप से तेल की कीमतों से जुड़ी हैं।

गैस स्रोत और क्षेत्रवार आपूर्ति

प्रतिशत (%) क्षेत्रनुसार

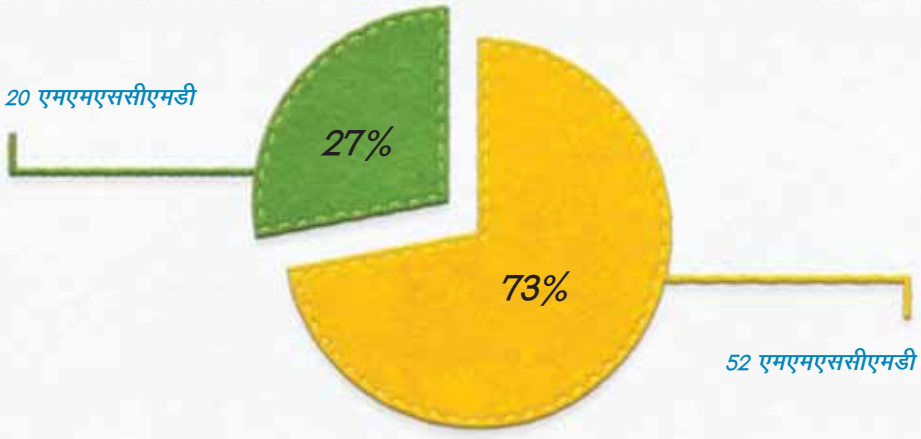

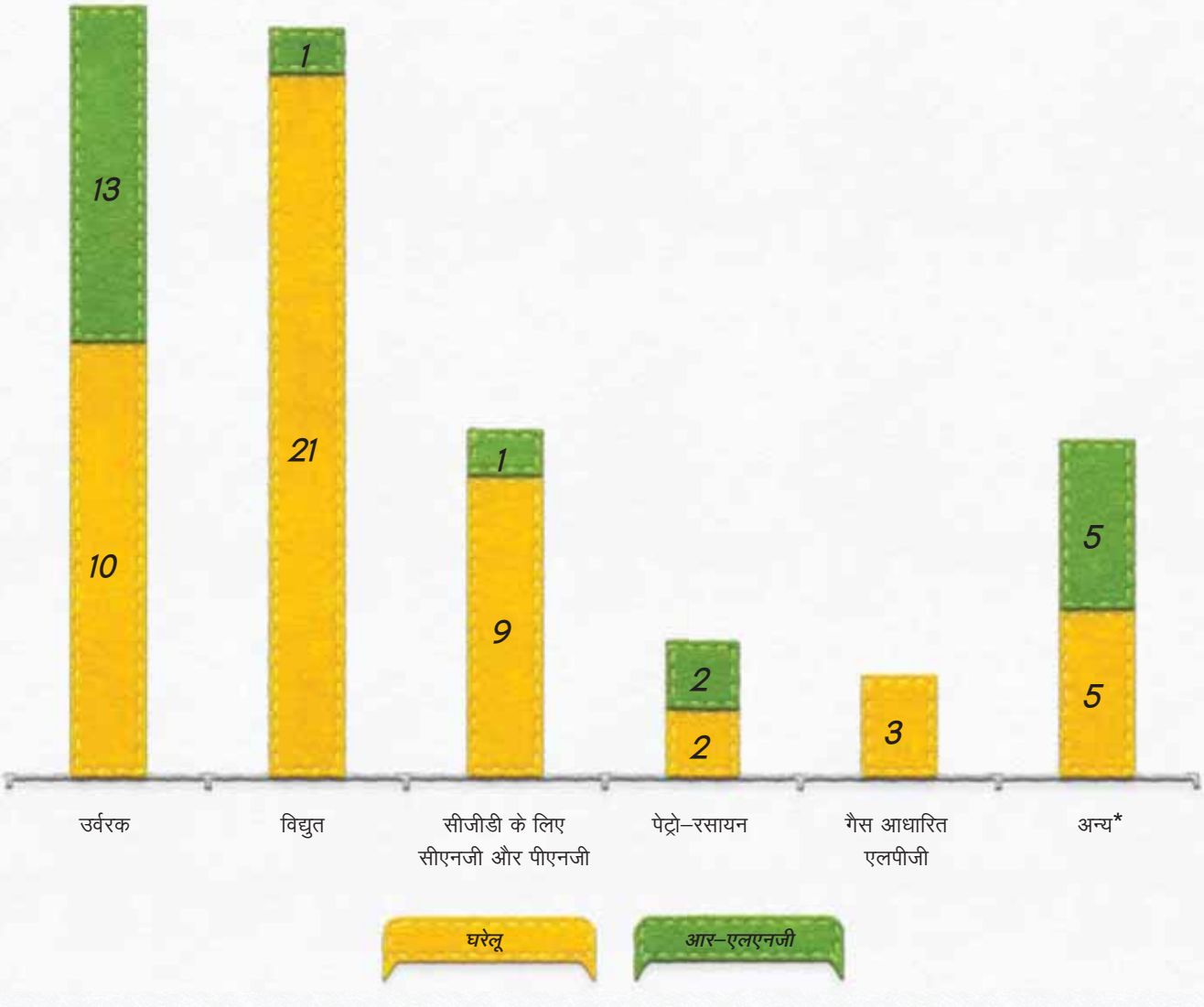

(*अन्य में इस्पात, रिफाइनरी, स्पोंज ऑयरन आदि जैसे क्षेत्र शामिल है)

अपने कारोबारी दृष्टिकोण में परिवर्तन : अपने विकास को सुरक्षित करना (जारी)

भारत सीमित घरेलू उत्पादन को देखते हुए अपनी मांग को पूरा करने के लिए आयात पर अत्यधिक निर्भर रहता है। आपूर्ति की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अधिकांश एशियाई खरीददार मुख्य रूप से दीर्घकालीन संविदाओं पर निर्भर रहे, जो मुख्यतः तेल कीमतों के प्रति क्रमबद्ध हैं। तेल की कीमतों में हाल की कमी प्रत्यक्ष रूप से एशियाई गैस की कीमत को प्रभावित करती है, जो इसे उल्लेखनीय रूप से नीचे ले जाती है। ऐसे परिदृश्य में दीर्घकालीन संविदा गैर–प्रतिस्पर्धी हो जाती हैं जबकि स्पॉट बाजार एलएनजी की स्पॉट कीमतों में कमी के कारण आकर्षक बन जाती हैं। गेल, वर्तमान में राजस्व और लाभप्रदता में 910 करोड़ रूपयों की कमी दर्ज की गई है।

कम्पनी घरेलू गैस में अत्यधिक कमी, उच्च कीमत के कारण आर–एलएनजी की कम निकासी और अन्य मुद्दों में एलएनजी पुनः गैसीकरण अवसंरचना बाधाओं के कारण ट्रेडिंग और संचरण परिमाणों के विकास के अनुसार विपरीत परिस्थितियों का भी सामना कर रही है। निकट भविष्य में घरेलू गैस परिमाण की उपलब्धता में वृद्धि भी दिखाई नहीं देती। पीएनजीआरबी द्वारा भौगोलिक क्षेत्रों की घोषणा के कारण गेल विभिन्न क्षेत्रों में अंतिम मील सम्बद्धता/सीजीडी सम्बद्धताओं का विस्तार करने में असमर्थ है। पीएनजीआरबी द्वारा पिछले आधार पर किए गए टैरिफ संशोधन से गेल पर 440 करोड़ रूपए का बोझ पड़ा है।

प्राकृतिक गैस विपणन हेतु हमारी पहलें

गेल लगातार जोखिम का प्रबंध करने और अंतर्राष्ट्रीय बाजार की अनिश्चितताओं का दोहन करने के अपने प्रयासों पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है। गेल ने 24 एमएमटीपीए का दीर्घकालीन आयात पोर्टफोलियो विकसित किया है। वर्ष 2011–15 के दौरान 75 स्पॉट/मध्यावधि कार्गो का आयात किया गया है। प्राकृतिक गैस की बढ़ती हुई मांग–आपूर्ति के अंतर को कम करने के लिए गेल ने बहुत से दीर्घावधि एलएनजी संविदा पर भी हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें उल्लेखनीय रूप से सबाइन पास, यूएसए से 3.5 एमएमटीपीए हेनरी हब लिंक्ड एलएनजी और डोमिनियन कोव प्वाइंट टर्मिनल से 2.3 एमएमटीपीए क्षमता का अनुबंध शामिल है। गेल ने गेजप्रोम–रूस से 2.5 एमएमटीपीए एलएनजी के लिए भी अनुबंध किया है और टीएपीआई पाइपलाइन परियोजना में सक्रिय साझेदार है, जिसमें इसने पहले ही तुर्कमेनिस्तान से 38 एमएमएसएमसीएमडी गैस आयात करने के लिए तुर्कमेनगेज के साथ जीएसपीए पर हस्ताक्षर किए हैं। गेल ने ''स्वामियों का इंजीनियर'' के रूप में 5 एमएमटीपीए दाभोल एलएनजी टर्मिनल भी चालू किया है। इसके अलावा, ओडिशा में धायरा बंदरगाह में प्रस्तावित पुनः गैसीकरण टर्मिनल में इक्विटी सहभागिता और क्षमता को बुक करने के लिए मैसर्स अदानी पोर्ट एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) के साथ चर्चा जारी है।

गेल वैश्वीकरण की आकांक्षाओं के अनुरूप अपनी सिंगापुर की सहायक कम्पनी के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अपने एलएनजी पोर्टफोलियो का कुछ व्यापार भी करती रही है। हम गैस परिसंपत्तियों, तरलीकरण सुविधाओं और एलएनजी नौवहन में अपस्ट्रीम निवेशों पर भी ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं ताकि सम्पूर्ण एलएनजी मूल्य श्रृंखला में उपस्थिति बनाई जा सके। हमने तत्काल घरेलू गैस की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अल्पावधि के साथ–साथ स्पॉट आधार पर विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से इस वर्ष के दौरान 23 एलएनजी कार्गो का आयात किया।

इसके अलावा, सरकार द्वारा जीसीडी क्षेत्र को दिए गए अधिक बल से हम हमारे जीसीडी और पीएनजी नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं ताकि घरेलू उपभोक्ताओं, सार्वजनिक परिवहन और वाणिज्यिक/औद्योगिक जगत के लिए गैस की आपूर्ति करने वाले विभिन्न शहरों को कवर किया जा सके।

भारत के अग्रणी प्राकृतिक गैस प्रमुख के रूप में गेल देश में प्राकृतिक गैस के विकास में सहायक रही है। आज गेल भारत की प्रमुख प्राकृतिक गैस कंपनी है जोकि देश में बेची गई प्राकृतिक गैस की 67 प्रतिशत से अधिक की बिक्री करती है। गेल भारत में उपभोक्ताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करती है। गेल ने आपूर्ति के बहु–स्रोतों को संभालने और गैस की सह–मिश्रित रूप में डिलीवरी के लिए गैस प्रबंध प्रणाली अपनाई है तथा शिपरों, उपभोक्ताओं, परिवाहकों और आपूर्तिकर्ताओं के बीच निरंतर परस्पर सम्पर्क प्रदान किया है।

गेल की घरेलू गैस बिक्री 2014–15 (प्रतिशत)

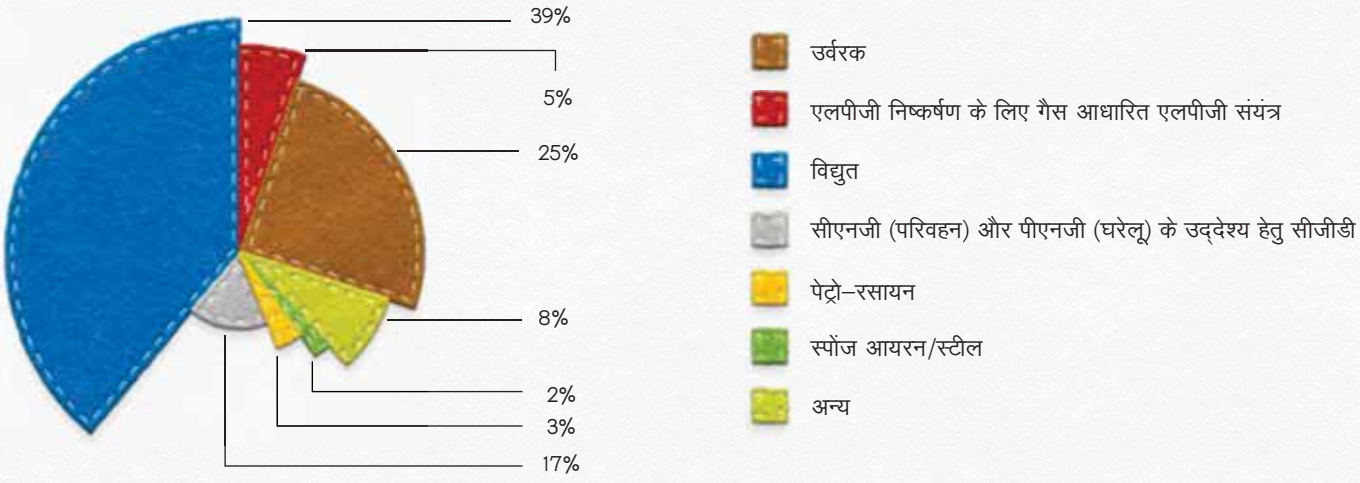

गेल की आयातित गैस बिक्री 2014–15 (प्रतिशत)

भारत में प्राकृतिक गैस बाजार के विकास के लिए संभावना काफी अधिक है। तथापि, यह एक बहुत मूल्य संवेदी बाजार है क्योंकि उपभोक्ताओं की भुगतान करने की क्षमता क्षेत्रों के बीच भिन्न–भिन्न है। विद्युत उत्पादन और उर्वरक क्षेत्र मुख्य उपभोक्ता है। उर्वरक उत्पादकों को सरकार से आर्थिक सहायता मिलती है और उनकी ऊंचे मूल्यों को अवशोषित करने की योग्यता सीमित होती है। विद्युत उत्पादन क्षेत्र में गैस को बेस–लोड उत्पादन के लिए कोयले के विरूद्ध स्पर्धा करनी होती है। उर्वरक क्षेत्र में किसी परिवर्तन से विद्युत क्षेत्र या कोयला बाजारों में भविष्य की गैस मांग पर उल्लेखनीय प्रभाव होगा।

''बदलते व्यावसायिक उतार–चढ़ाव के साथ बढ़ती फायदेमंद चुनौतियों के लिए यह आवश्यक है कि उसके अंदर झांका जाए और प्रचालन लागत को कम करने तथा प्रणाली की कुशलता बढ़ाने के लिए अवसरों की तलाश की जाए। गैस की कम घरेलू उपलब्धता, गैर–संचरण परिमाण और टैरिफ में कटौती, तरल हाइड्रोकार्बन तथा पॉलीमर के वस्तु मूल्यों में कमी ने लाभप्रदता स्तरों में विकास को बनाए रखने में चुनौतियां प्रस्तुत की हैं। ऐसी स्थिति में, लाभ अधिकतम करने की परियोजना नामतः परियोजना संचय इस दिशा में एक कदम है जिसका लक्ष्य व्यवसाय खंडों में लाभप्रदता का सुधार करना है।''

–निदेशक (वित्त)

अपने कारोबारी दृष्टिकोण में परिवर्तन : अपने विकास को सुरक्षित करना (जारी)

पेट्रोरसायन – परिदृश्य और गेल के लिए चुनौतियां

प्लैट्स द्वारा हाल की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की पेट्रोरसायन मांग के विकास में अगले दस वर्षों के दौरान 7.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज करने की आशा है। तथापि, भारत में प्लास्टिक की प्रति व्यक्ति खपत केवल 9 कि.ग्रा. है जबकि वैश्विक औसत 30 कि.ग्रा. और चीन का औसत लगभग 40 कि.ग्रा. है। अतः यह आशा की जाती है कि भारत अगले चार–पांच वर्षों में प्लास्टिक की क्षमता और खपत में प्रमुख विस्तार देखेगा।

वैश्विक पालीमर उद्योग के समान, भारमीय पालीमर उद्योग में पोलीओलीफिन (पोलीएथीलीन–पीई और पोलीप्रोपीलीन–पीपी) का प्रभुत्व है जो भारत में कुल पॉलीमर क्षमता और उत्पादन के लगभग 65 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। एलएलडीपीई और एचडीपीई पीई खपत का लगभग 85 प्रतिशत गठित करता है और इस खंड में गेल उल्लेखनीय कारोबारी है। भारतीय एलएलडीपीई/एचडीपीई खण्ड मुख्यतः आयात प्रमुख है, जिसका कुल बाजार हिस्सा लगभग 30 प्रतिशत है। पीई खण्ड के विपरीत भारतीय पीपी खण्ड में अतिरिक्त क्षमता है और वर्तमान में लगभग 4,060 केटीए का उत्पादन करना है और अतिरिक्त मात्रा का निर्यात करता है।

वर्तमान में गेल अपने पाता पेट्रोकेमिकल संयंत्र की क्षमता को दुगुना करके 810 केटीए करने के प्रोसेस में है। इसके अलावा, ब्रह्मपुत्र क्रेकर एण्ड पॉलीमर लि0 (बीसीपीएल), गेल के बीच जेवी, नुमालीगढ़ रिफाइनरी लि0 (एनआरएल), ऑयल इंडिया लि0 (ओआईएल) और असम सरकार लीपेटकाटा, असम में संयंत्र स्थापित कर रही है जो पीई के 220 केटीए के साथ–साथ पीपी के 60 केटीए का उत्पादन करेगा। गेल गुजरात में दाहेज में स्थापित किए जा रहे ग्रीनफील्ड पेट्रोकेमिकल परियोजना ओपाल में भी संयुक्त उद्यम साझीदार है।

''वर्ष उद्योग के साथ–साथ कंपनी के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। घरेलू गैस की उपलब्धता में कमी से व्यवसाय का उतार–चढ़ाव बदला है जिसने उच्च मूल्य वाली आरएलएनजी पर निर्भरता को अधिक बढ़ाया है। उच्च फीडस्टॉक के साथ पॉलीमर की गिरती कीमतों ने पेट्रोरसायन खंड की लाभप्रदता को कम किया है। हम अपने को तैयार करने के लिए इस परीक्षा की घड़ी में हमारे हितधारकों का लगातार समर्थन और विश्वास की आशा करते हैं।''

–निदेशक (विपणन)

पेट्रोकेमिकल विपणन हेतु हमारी पहलें

हम प्रेषण स्टाकिस्ट के हमारे नेटवर्क को विकसित करने पर कार्य कर रहे हैं और अतिरिक्त क्षमताओं को अवशोषित करने के लिए बाजार उतार–चढ़ाव के प्रति तत्काल उत्तर के लिए जोनल कार्यालयों को अधिकार दे रहे हैं। इसके अलावा, गेल मौजूदा क्षमताओं के लिए उत्पाद विश्लेषण और लॉजिस्टिक्स को भी अधिकतम कर रहा है। हम इसके वितरण नेटवर्क को दुगुना कर रहे हैं, प्रमुख खपत केन्द्रों में फीडर वेयरहाउस बना रहे हैं, निर्यात और समुद्रपारीय थोक खरीददारों के साथ नियमित चर्चा के लिए तकनीकी विशेषज्ञता आदि के सहित मानव शक्ति को बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा, पॉलीमर उत्पादों के लिए लाभों को अधिकतम करने के लिए परियोजना संचय किया जा रहा है। टीम की क्षमताओं को विकसित करने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।

कच्चे तेल के मूल्य में कमी को देखते हुए सस्ती कच्ची सामग्री प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण होगा जिसके लिए गेल ने पहले ही कार्रवाई की है। गेल विभिन्न कार्रवाई कर रहा है नामतः सस्ती स्पॉट आर–एलएनजी प्राप्त करना और इसकी देखभाल के लिए ईथेन आयात के लिए दीर्घावधि सुनिश्चित करना। गेल अपने पॉलीमर उत्पादों का मूल्य निर्धारण उद्योग प्रथा के अनुरूप आयात समानता मूल्यों पर कर रहा है। पॉलीमर पर आयात शुल्क में वृद्धि घरेलू पॉलीमर उत्पादों और गेल पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

बढ़ती खपत पर विचार करते हुए सभी अंतर्ग्रस्त शेयरधारकों जैसे कि कच्ची सामग्री के विनिर्माताओं, प्रोसेसरों, आम जनता, नगर पालिकाओं और विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए प्लास्टिक अपशिष्ट का उचित निपटान भी अनिवार्य बनाया है। गेल सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण के सृजन, बनाए रखने और सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता वाला उत्पाद उत्पादित करने के प्रति प्रतिबद्ध है। गेल का पॉलीमर उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल है और पूर्णतः पुनःचक्र योग्य हैं। गेल अपने ग्राहकों को सुसंगत और विश्वसनीय गुणवत्ता के साथ ग्रेडों का व्यापक चयन प्रदान करती है। इसके विनिर्माण प्रोसेस और गुणवत्ता प्रणालियां सुनिश्चित करती हैं कि उत्पाद तकनीकी विनिर्देशनों के अनुरूप हों और ग्राहकों को पूर्ण संसाधन प्रदान करने के लिए उच्च गुणवत्ता की सेवाओं द्वारा समर्थित हो। गेल सरकार के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के अनुरूप जैसे कि जल की कमी के मुद्दे कृषि के लिए इसके महत्व को सम्बोधित करने के लिए पॉलीमर अनुप्रयोग से नए क्षेत्रों को विकसित करने का प्रयास करती है, गेल ने पॉलीमर विकसित करने पर ध्यान केन्द्रित किया है जिसका ड्रिप सिंचाई में प्रयोग किया जा सकता है। यह गेल पॉलीमर प्रौद्योगिकी केन्द्र में नए ग्रेडों को भी विकसित कर रहा है जो न केवल गेल के निष्कासन कोटिंग में एचडीपीई के बाजार शेयर को बढ़ाएंगे अपितु घरेलू बाजार में मौजूदा एचडीपीई रैफिया बाजार हिस्से को भी संरक्षित करेगा।

गेल सीआईपीईटी, भुवनेश्वर, अहमदाबाद, हैदराबाद और गुवाहाटी के माध्यम से रिहायशी प्रशिक्षण प्रदान करके कम सुविधाओं वाली पृष्ठभूमि से युवाओं का प्रशिक्षण शुरू कर रही है।

मानव पूंजी : हमारे विकास का प्रमुख पहलू

ई–लर्निंग पोर्टल:

हार्वर्ड मैनेज मेंटर के विशिष्ट रूप से निर्माण हेतु हार्वर्ड बिजनेस प्रकाशन के साथ संधि

GAIL (India) Limited

32nd Foundation Day

GAIL Utsav

गेल में हमारा मानना हैं कि कर्मचारी हमारे संगठन का गौरव और शक्ति हैं। कर्मचारी अपने अनथक समर्पण और निष्ठा के माध्यम से हमारे व्यवसाय के उद्देश्यों तथा उपलब्धियों को प्राप्त करने और विस्तार करने में सहायक रहे हैं।

मानव पूंजी : हमारे विकास का प्रमुख पहलू (जारी)

वर्तमान व्यवसाय के संदर्भ में मानव संसाधन चुनौतियां

भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा कार्यनीतिक प्राथमिकता बनी हुई है। पहले, वर्ष 2013 में पेट्रोलियम मंत्रालय ने वर्ष 2030 तक भारत को ऊर्जा स्वतंत्र बनाने के लिए अपनी योजना का अनावरण किया था। वर्तमान में, भारत 2.06 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ विश्व की नौवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। देश के तेल और गैस क्षेत्र ने भारत की जीडीपी में उल्लेखनीय योगदान दिया है और इस क्षेत्र में भारत के आर्थिक विकास के लगातार बढ़ने की आशा है। इस क्षेत्र में प्रत्याशित व्यवसाय विकास देश में कुशल मानवशक्ति की उपलब्धता के प्रति प्रासंगिक है। इस क्षेत्र में सेवानिवृत्ति, कंपनी छोड़कर जाने और व्यवसाय विकास के कारण अगले कुछ वर्षों में अधिक व्यावसायिकों की आवश्यकता होगी। प्रमुख कार्यों के लिए व्यापक मानवशक्ति की आवश्यकता होगी। अपस्ट्रीम क्षेत्र में अधिक मात्रा में सेवानिवृत्ति होने के कारण मानव संसाधन की अधिकतम कमी होने की संभावना है। डाउनस्ट्रीम क्षेत्र जैसे रिफाइनिंग और पेट्रो–रसायन क्षेत्र में व्यावसायिकों की काफी अधिक आवश्यकता होगी क्योंकि इन क्षेत्रों के पर्याप्त रूप से बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा, सीजीडी और विपणन क्षेत्र की पाइपलाइन अवसंरचना तथा नेटवर्क में अत्यधिक विकास के कारण अतिरिक्त मानवशक्ति की आवश्यकता होगी। तेल और गैस उद्योग के लिए मानवशक्ति का पूर्वानुमान अध्ययन भी निकट भविष्य में तेल और गैस के कुशल व्यावसायिकों की पर्याप्त आवश्यकता की जरूरत को दर्शाते हैं।

इस क्षेत्र को वर्तमान प्रचालनों को बनाए रखने और नियोजित विकास करने के लिए आकर्षित करने और बनाए रखने की चुनौतियों से पार पाना होगा। सक्षम कार्यबल की सतत् उपलब्धता के लिए योजना बनाना तेल और गैस मूल्य श्रृंखला के सभी क्षेत्रों द्वारा सामना की जा रही सार्वभौमिक चुनौती है। वर्तमान में अपस्ट्रीम क्षेत्र में प्रतिभा की कमी और पुराना कार्यबल वैश्विक के साथ–साथ भारतीय अपस्ट्रीम उद्योग द्वारा सामना किया जा रहा अहम मुद्दा है। यह उद्योग विशेष रूप से रिजर्वायर इंजीनियरी जैसे विशिष्ट कौशल अथवा अपारम्परिक गैस परिसंपत्तियों के विकास में अनुभव के साथ–साथ मानवशक्ति की कमी का भी सामना कर रहा है।

''तेल और गैस व्यवसाय में तत्काल प्रत्याशित चुनौतियों के साथ–साथ गेल में हमें यह देखने की जरूरत है कि हमारी मूल्यवान मानव पूंजी हमारे व्यवसाय विकास के मूल में हो। हमारे लिए यह और भी आवश्यक हो गया है कि हमारे चयनित व्यवसाय लक्ष्यों, उद्देश्यों तथा भावी नेतृत्व पदों के अनुरूप अपनी मानव पूंजी को किराए पर लिया जाए, उन्हें प्रशिक्षित और विकसित किया जाए। यह भी महत्वपूर्ण है कि उन्हें व्यवसाय की चुनौतियों, उभरते विनियामक मुद्दों, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में बदलाव और नए व्यवसाय खंडों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया जाए।''

–निदेशक (मानव संसाधन)

प्रतिभा प्रबंधन के प्रति बदलता दृष्टिकोण

जी4–डीएमए

गेल में मानव पूंजी को अत्यधिक मूल्यवान परिसंपत्ति माना जाता है जो संगठन की सफलता या असफलता का कारण बनता है। वित्तीय पूंजी, प्रौद्योगिकी या संगठन की प्रक्रियाओं से संगठनात्मक लक्ष्यों को स्वतः पूरा नहीं किया जा सकता क्योंकि ये संसाधन मानव संसाधनों पर निर्भर करते हैं।

कम्पनी ने अपने दोनों विकल्पों का प्रयोग करना जारी रखा है अर्थात् नए स्नातकों को हायर करना तथा उन्हें प्रशिक्षित करना तथा तत्काल क्षमता उपयोग के लिए अपेक्षित कौशल सेट के साथ अनुभवी लोगों को भाड़े पर लेना।

अन्वेषण और उत्पादन में अपारम्परिक तरीकों में उछाल आने से नई क्षमताओं की आवश्यकता पैदा हो गई है और इसने पारम्परिक तरीकों की तुलना में श्रेष्ठता हासिल की है। शेल गैस की खोज और इसके विश्वव्यापी उत्पादन से, विशेष रूप से संयुक्त राज्य में ये अपारम्परिक क्षमताएं संगठन के लिए वास्तविक प्रेरणा बन गई हैं।

कम्पनी अपेक्षित मानवशक्ति का नियमित रूप से निर्धारण कर रही है और तदनुसार सोर्सिंग, विलयों और अधिग्रहण, ट्रेडिंग, विद्युत, शेल गैस, नौवहन आदि क्षेत्र में विविध व्यावसायिक जरूरतों से निपटने के लिए विशिष्ट क्षेत्रों में क्षमता और योग्यताओं को लगातार बना रही है। इसके अलावा, अपस्ट्रीम, संविदा, परियोजना, विनियामक और जोखिम प्रबंधन आदि में मौजूदा क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए भी कार्रवाई की जा रही है। उन क्षेत्रों, जिनमें बहु कौशल सेट अपेक्षित हैं, के लिए क्रास कार्यात्मक टीम बनाने पर बल दिया गया है। कम्पनी ने क्षमता मानचित्रण से बैंचमार्क और उन्नत निष्पादन मानक तैयार किए हैं। मौजूदा क्षेत्रों में क्षमता निर्माण के लिए केन्द्रित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। रणनीतिक व्यवसाय क्षेत्रों में कार्यपालकों के चुनिंदा समूह के लिए उच्च प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गेल द्वारा अपनी ज्ञान प्रबंध प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए बहुत सी पहल की गई हैं।

सही प्रतिभा की भर्ती करना

गेल की मानव संसाधन कार्यनीति प्रमुख व्यवसाय उद्देश्यों के अनुरूप है। क्षेत्र में प्रतिभा की कमी के कारण मानव संसाधन कार्मिकों की भूमिका लगातार चुनौतीपूर्ण हो रही है। गेल मानव संसाधन ने रोटेशनल कार्यक्रम लागू किया है जिसमें नेतृत्व भूमिकाओं के लिए पर्याप्त प्रतिभा पूल की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न नियुक्तियां करना शामिल हैं। केन्द्रित और गहन आंतरिक प्रशिक्षण प्रणाली के अलावा कम्पनी नई क्षमताओं को हासिल करने के लिए विदेशों की भी मदद ले रही है।

मेरिट के आधार पर पारदर्शी चयन करना कम्पनी की भर्ती नीति का हिस्सा है। कम्पनी की भर्ती नीति के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

- मानवशक्ति की आवश्यकता की योजना बनाना और आवश्यक योग्यताओं, कौशल, अभिरूचि तथा अनुभव आदि के साथ अपेक्षित मानव संसाधनों की आवश्यकता तैयार करना।
- कम्पनी में उपयुक्त मानव संसाधनों को विनियमित करने और भर्ती तथा चयन को सरल बनाना।
- नौकरियों में कर्मचारियों की उचित प्लेसमेंट पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए, जिसके लिए वे उनकी योग्यता/अनुभव और अभिरूचि आदि को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम रूप से अनुकूल हैं।

कम्पनी में निगमित और यूनिट स्तर दोनों पर मानव संसाधन योजना (एचआरपी) की सुनियोजित प्रणाली है। गैर–प्रबंधकीय और गैर–पर्यावेक्षी पद सामान्यतः यूनिट स्तर पर भरे जाते हैं जबकि कार्यकारी स्तर के पद केन्द्रीय रूप से भरे जाते हैं। वर्तमान में ई–भर्ती प्रणाली का पालन किया जा रहा है जिसमें पदों का विज्ञापन कम्पनी की वेबसाइट पर दिया जाता है और उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर रहे हैं। इसके अलावा, सही प्रतिभा को भर्ती करना विभिन्न माध्यमों जैसे खुली भर्ती, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भाड़े पर लेना, विशेषज्ञों/सलाहकारों की नियुक्ति, स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति आदि मानव संसाधन योजना के अनुरूप की जा रही है। मध्य और वरिष्ठ स्तर पदों के लिए अनुभवी प्रतिभा को आंशिक रूप से भाड़े पर लेने का लक्ष्य रखा गया है।

वर्ष 2014–15 में हायर की गई जनशक्ति जी4–एलए1

	पुरूष	महिला	कुल
वर्ष 2014–15 में हायर की गई जनशक्ति	300	14	314

प्रतिभा को बनाए रखना

मानव संसाधन विभाग कर्मचारियों के साथ औपचारिक और अनौपचारिक माध्यमों से लगातार जुड़ा रहता है। कम्पनी का मानवशक्ति के इष्टतम उपयोग के सिद्धांत में आस्था है और मानव संसाधन योजना (एचआरपी) पर अत्यधिक ध्यान दिया जाता है। कम्पनी स्वस्थ कार्य परिवेश भी सुनिश्चित करती है। कुल गुणवत्ता प्रबंध (टीक्यूएम) के सिद्धांतों को कम्पनी की सभी प्रक्रियाओं में लागू किया जाता है जिसमें मानव संसाधन प्रबंधन (एचआरएम) भी शामिल है।

कर्मचारी को बनाए रखने को बढ़ावा देने के लिए गेल द्वारा की गई कुछ महत्वपूर्ण पहलों में सीएमडी ओपनहाउस, ऑनलाइन शिकायत समाधान तंत्र, सुझाव स्कीम जैसे बहुत से संचार चैनलों के माध्यम से सोच और विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता; दीर्घ सेवा और महिला कर्मचारी पुरस्कारों को यथोचित मान्यता तथा प्रतिस्पर्धात्मक मुआवजा और लाभ आदि देना शामिल हैं। हमारा लक्ष्य अपने पूरे कार्यबल में विविध मूल्यों और समग्रता को बढ़ावा देना है। हमारी मानव संसाधन नीतियों की संपूर्ण सफलता को कंपनी छोड़कर जाने वाली जनशक्ति की दरों से देखा जा सकता है।

वर्ष 2014–15 में कर्मचारी स्थिति जी4–एलए1

	पुरूष	महिला	कुल	
विलगित कर्मचारी	66	3	69	
विलगित कर्मचारियों की आयु	<30	30–50	>50	कुल
	34	9	26	69

पैतृक अवकाश के पश्चात कार्य पर लौटे कर्मचारी (वित्त वर्ष 2014–15 के लिए) जी4–एलए3

	महिला–पुरूष	संख्या
पैतृक अवकाश के लिए पात्र कर्मचारियों की संख्या	पुरूष	4010
	महिला	255
उन कर्मचारियों की संख्या जिन्होंने पैतृक अवकाश लिया	पुरूष	117
	महिला	14
कर्मचारियों की संख्या जो पैतृक अवकाश की समाप्ति पर काम पर लौटे	पुरूष	117
	महिला	14
पैतृक अवकाश की समाप्ति पर लौटे कर्मचारियों की संख्या जो अपनी वापसी के पश्चात 12 माह से नियोजित थे	पुरूष	133
	महिला	11
पैतृक अवकाश की समाप्ति के पश्चात काम पर लौटे कर्मचारियों की प्रतिधारण दर	पुरूष	100%
	महिला	93%

निष्पादन मूल्यांकन जी4–एलए11

गेल ने निष्पादन मूल्यांकन और विकास (पीएडी) रिपोर्टिंग की काफी तर्कसंगत प्रणाली तैयार की है। कम्पनी में खुली प्रणाली का पालन किया जाता है जिसमें कर्मचारी को स्व–मूल्यांकन और विकास का अवसर प्राप्त होता है। गेल में पदोन्नति प्रणाली ऐसी प्रणाली पर आधारित है जो मेरिटोक्रेसी तथा वरिष्ठता का मिश्रण है। नियमित कर्मचारियों का शत–प्रतिशत नियमित निष्पादन/ कैरियर विकास समीक्षा प्राप्त कर रहा है।

प्रशिक्षण और विकास

जी4–डीएमए, जी4–एलए10

गेल में मानव संसाधन का प्रशिक्षण और विकास कम्पनी के लिए प्राथमिक चिंता रहा है और वह इस मुद्दे पर पर्याप्त धन, समय और अन्य संसाधनों का निवेश करता है। कारपोरेट अभिशासन के प्रमुख क्षेत्र जिसे कम्पनी आधुनिक व्यवसाय परिवेश में लागू करने का इरादा रखती है, में इसके कर्मचारियों का कठोर, नियोजित और अनुसूचित प्रशिक्षण शामिल है।

गेल का मानना है कि कर्मचारियों के ज्ञान और कौशल उन्नयन के लिए प्रशिक्षण और विकास आवश्यक है। यह नई चीजों को सीखने और पुरानी को ताजा करने का अवसर प्रदान करता है। कम्पनी का कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और विकास के लिए व्यवस्थित प्रक्रिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कार्यबल ज्ञान, कौशल, अभिरूचि और उच्च विशिष्ट नौकरियों के लिए उपयुक्त व्यावहारिक अनुभव रखता हो। नोएडा में वर्ष 1997 में स्थापित हमारा गेल प्रशिक्षण संस्थान आईएसओ 9001 प्रमाणित है जो हमारे कर्मचारियों के लिए सभी प्रकार के प्रशिक्षण के लिए संसाधन और सुविधाएं प्रदान करता है। इस प्रक्रिया द्वारा अधिकतम कर्मचारियों की जरूरतों का पूरा करने के लिए हमने वर्ष 2005 में जयपुर में एक अन्य जीटीआई की स्थापना करके अपनी अवसंरचना का विस्तार किया है।

वित्त वर्ष 2014–15 में	घंटे
प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी प्रशिक्षण के औसत घंटे – पुरूष	41
प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी प्रशिक्षण के औसत घंटे – महिला	38

अन्य प्रशिक्षण भी गेल में चलाए जा रहे हैं जिनमें सुलभ कौशल, प्रोत्साहन, कार्यात्मक पहलू, स्वास्थ्य, सुरक्षा, पर्यावरण, मानव अधिकार आदि पर प्रशिक्षण शामिल हैं। संगठन की स्वास्थ्य और सुरक्षा नीतियों तथा प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण जीटीआई के आंतरिक मापदण्डों में एक था और जीटीआई में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से संबंधित स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण पर प्रशिक्षण तथा भारत के भीतर बाह्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रदान करने के लिए 300 मानव दिवस समर्पित किए गए थे। पर्यावरणीय शिक्षा के संबंध में प्रशिक्षण के लिए लगभग 8.5 लाख रुपए खर्च किए गए थे।

वित्त वर्ष 2014–15 में कर्मचारी जिन्होंने सुरक्षा और कौशल उन्नयन पर प्रशिक्षण प्राप्त किया	
स्थायी कर्मचारी (कुल)	94.5%
स्थायी कर्मचारी (पुरूष)	95%
स्थायी कर्मचारी (महिला)	96%
अनियमित/अस्थायी/संविदा कर्मचारी	25%
विकलांग कर्मचारी	91%

इन अनुसूचित प्रशिक्षणों के अलावा, कर्मचारियों को ई–ज्ञान साझा करने के कार्यक्रम, ऑनलाइन क्विज और विभिन्न अवसरों पर आयोजित प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यात्मक क्षेत्रों तथा व्यावहारिक पहलुओं में सुरक्षा एवं कौशल उन्नयन के संबंध में जानकारी भी प्रदान की जाती है।

औपचारिक और ढांचागत प्रशिक्षण के अलावा, हम अपने कार्यबल को सेवाकालीन प्रशिक्षण देते हैं जो उनको बेहतर निष्पादन के लिए प्रेरित करता है तथा उनकी सफलता और हमारे विकास में योगदान देता है। यह हमारे प्रतिभावान व्यावसायिकों को लम्बी अवधि तक बनाए रखने में प्रमुख कारक है। गेल मानव संसाधन टीम ने नई भर्ती अर्थात् कार्यकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए कड़ी और प्रभावी प्रवेश–सह–अभिमुखता प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया है।

कौशल प्रबंध और आजीवन सीखते रहने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जो कर्मचारियों को निरंतर रोजगार प्रदान करता है, को गेल में आयोजित किया जाता है। कौशल बढ़ाने और क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन शीर्ष प्रबंधन के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है। कर्मचारियों के विभिन्न स्तरों के लिए तैयार किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उनका कौशल और तेज किया जाता है। इसके अलावा, सामान्य तौर पर विभिन्न कार्यात्मक प्रशिक्षण भी आयोजित किए जाते हैं जिनमें विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों से प्रतिभागियों को अन्य कार्यात्मक क्षेत्रों के बुनियादी ज्ञान की जानकारी दी जाती है। इसके अलावा, नए व्यवसाय क्षेत्रों के लिए ई एंड पी कार्यकलाप, प्रतिरक्षा, अन्य क्षेत्रों में नौवहन पर ध्यान केन्द्रित करके प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए हैं।

हम भविष्य के लिए खुद को तैयार करने की जरूरत को भी समझते हैं और लगातार अपनी उत्तराधिकार योजना बना रहे हैं। नेतृत्व विकसित करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ स्तर पर कार्यपालकों के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वरिष्ठ स्तर पर प्रतिभा पूल का आकलन करने के उद्देश्य से कार्यपालकों को विकास केन्द्रों में प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रक्रिया द्वारा पता लगाए गए विकास अंतर को कार्यकारी विकास कार्यक्रमों, जॉब रोटेशन और उच्च जिम्मेदारियों के माध्यम से कम किया जाता है।

मानव पूंजी : हमारे विकास का प्रमुख पहलू (जारी)

प्रशिक्षण के औसत घण्टे

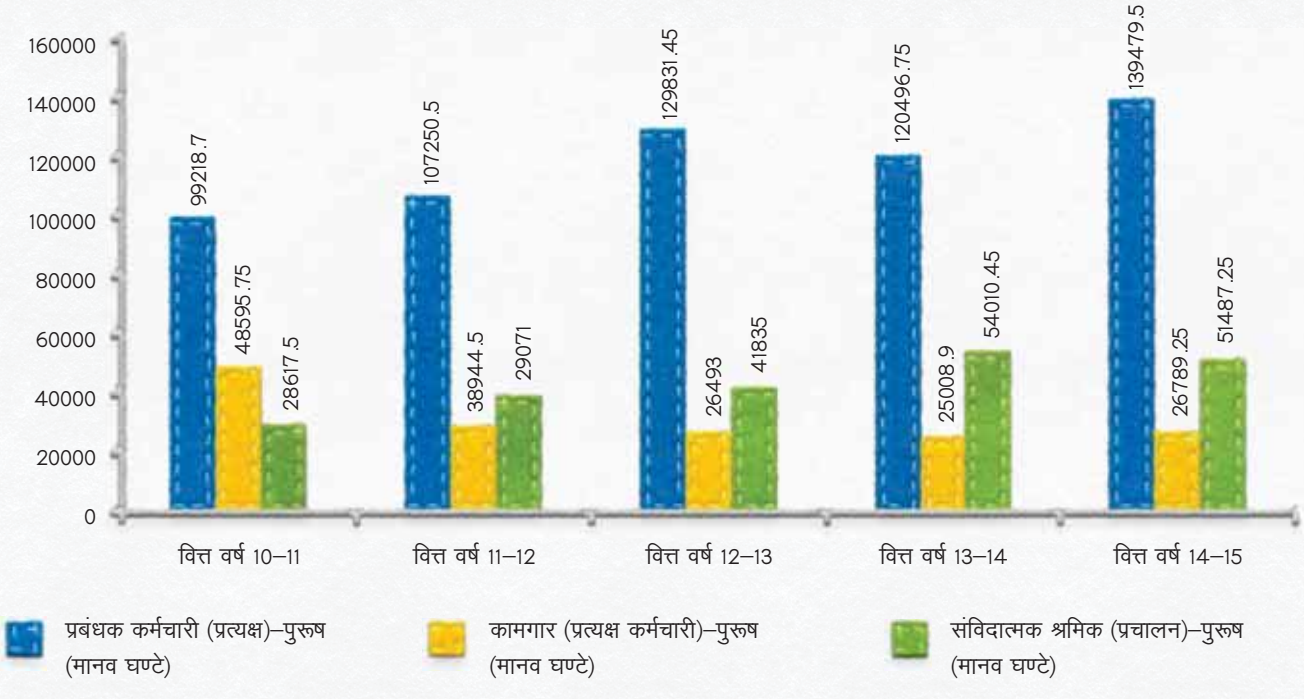

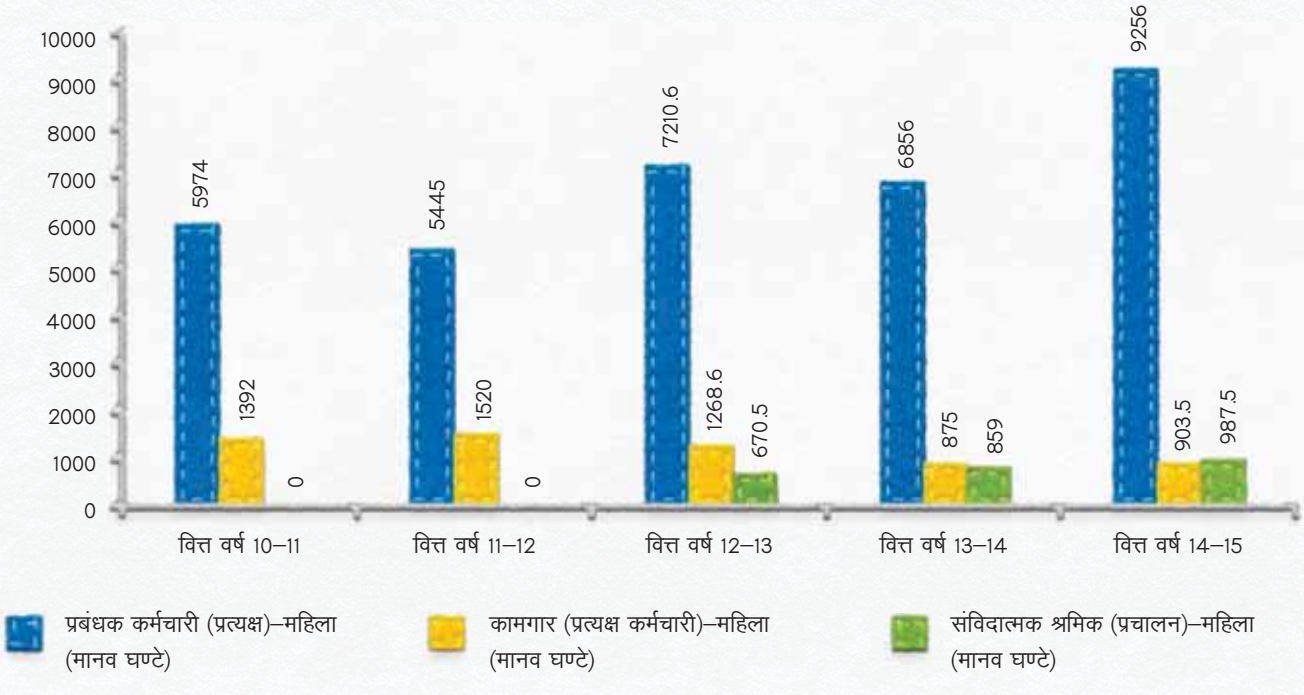

वर्ष 2014–15 में हमारी कंपनी द्वारा मानव संसाधन विकास के लिए की गई कुछ उल्लेखनीय पहलों में निम्न शामिल हैं :

गेल में ई–शिक्षा पहल

गेल में शुरू की गई ई–शिक्षा पहल एक अत्यधिक नवीन प्रशिक्षण और विकास पहल है। ये हमारे कर्मचारियों के तीन रूपों में उपलब्ध हैं:–

1. ई–शिक्षा पोर्टल (ई–ज्ञान प्रवाह): यह पोर्टल हार्वर्ड व्यवसाय प्रकाशन के सहयोग से विकसित किया गया है और वरिष्ठ प्रबंध विकास केन्द्र अभ्यास के दौरान पहचान किए गए विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर आधारित हार्वर्ड प्रबंध परामर्शदाता का विशेष रूप से निर्माण करना है।
2. सीएनजी व्यवसाय सिंहावलोकन पर ई–शिक्षा मॉड्यूल: यह ई–शिक्षा मॉड्यूल एक घंटे की अवधि का है और परस्पर रूप के प्लेटफार्म का प्रयोग करता है तथा मॉड्यूल को दिलचस्प रखने के लिए एनिमेशन हैं। मॉड्यूल के अंतर में प्रतिभागी को मूल्यांकन अभ्यास प्रस्तुत किया जाता है।
3. कार्यकारी प्रशिक्षणार्थी (ईटी) ऑनलाइन मॉनीटरिंग और मूल्यांकन प्रणाली : इसका कार्यकारी प्रशिक्षणार्थी द्वारा की गई प्रगति की निगरानी करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

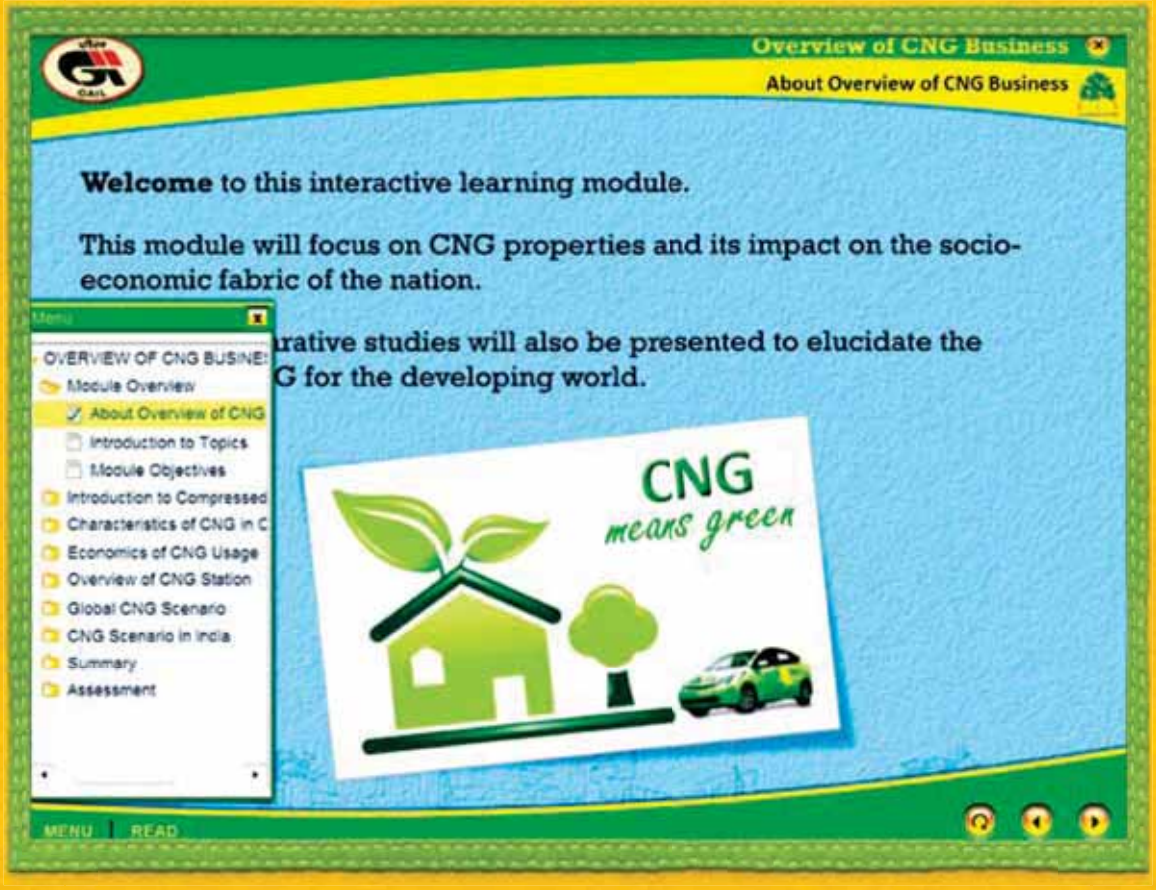

गतिशील विनियामक परिदृश्य : विकास के लिए अवसरों को बेहतर बनाना

गत 3 वर्षों
में सांविधिक विनियमन का अनुपालन

गेल निगमित कार्यालय में शीर्ष प्रबंधन के साथ वार्तालाप करते श्री के. डी. त्रिपाठी, सचिव, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

क्षेत्रों के व्यापक स्पैक्ट्रम में संगठन आज पहले की अपेक्षा अधिक विनियामक दायरे के तहत आ रहे हैं। नए कानून, विनियम और सार्वजनिक आशाओं ने अभिशासन एवं अनुपालन को संगठन के एजेंडे में ऊपर उठा दिया है। हम पहले से अनुमान लगाए गए विनियामक वातावरण, बढ़ते हुए हमारी प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए स्वयं को अनुकूल बनाने में विश्वास रखते हैं।

गतिशील विनियामक परिदृश्य : विकास के लिए अवसरों को बेहतर बनाना (जारी)

एक सहायक विनियामक परिवेश लागत और समय प्रभाविता को सुनिश्चित करते हुए और सभी शेयरधारकों को अधिकतम लाभ देने के उद्देश्य से किसी क्षेत्र का विकास महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रतिस्पर्धी प्राकृतिक गैस बाजारों का विकास और अवसंरचना के विकास में निवेश को आकर्षित करने में उपयुक्त विनियामक ढांचा अपेक्षित है जो बाजार विकास का समर्थन करता हो। हमारा प्रभावी और सुदृढ़ अभिशासन तथा संगठन में विश्वसनीय अनुपालन साधन बदलते विनियामक परिदृश्य से अवसरों का दोहन सुनिश्चित करता है।

पीएनजीआरबी विनियामक ढांचे से संबंधित पहलू

विनियामक दृष्टिकोण से प्राकृतिक गैस क्षेत्र के कार्यकलापों को मौटे तौर पर 'वाहक' और 'सामग्री' खण्डों वर्गीकृत किया गया है। यद्यपि 'सामग्री' खण्ड माल अर्थात् प्राकृतिक गैस का 'विपणन और बिक्री' के कार्यकलापों को कवर करता है, फिर भी 'वाहक' खण्ड नगर गैस वितरण नेटवर्क सहित पारेषण पाइपलाइन और गैस वितरण नेटवर्क के माध्यम से गैस के परिवहन से संबंधित होता है।

'सामग्री' खंड में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के उद्देश्य से 'वाहक' सामान्यतः गहन विनियामक निगरानी के तहत तृतीय पक्ष के लिए खुली पहुंच के अधीन होता है, जिसमें परिवहन दरों/टैरिफ का निर्धारण शामिल है। यह पहलू प्राकृतिक गैस क्षेत्र के विनियमन के लिए अति महत्वपूर्ण दृष्टिकोण का आधार होता है।

उपर्युक्त पहलू भारत सरकार के नीतिगत दस्तावेज (प्राकृतिक गैस पाइपलाइन और शहर या स्थानीय प्राकृतिक गैस वितरण नेटवर्क, 2006) में व्यक्त किया गया है, खंड संख्या 1.1 निम्नानुसार हैः

1.1 ''विनियामक सुधार, प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए बाजार ताकतों को अनुमति देते है और प्रोत्साहित करते हैं तथा अधिक प्रतिस्पर्धी तथा कुशल उद्योग ढांचा पैदा करते हैं।

जगदीशपुर हल्दिया गैस पाइपलाइन की उद्घाटन गतिविधियों के दौरान भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी।

यद्यपि यह व्यापक तौर पर स्वीकार किया जा रहा है कि प्रतिस्पर्धा विनियम की आवश्यकता को कम कर सकती है, बहुत से क्षेत्रों में एकाधिकार के कुछ क्षेत्र मौजूद होते हैं जहां विनियमन के लाभ संभवतः लागत को बढ़ाते हैं। प्राकृतिक गैस पाइपलाइन अवसंरचना और शहर या स्थानीय प्राकृतिक गैस वितरण नेटवर्क (सीजीडी नेटवर्क) इस श्रेणी में आते हैं।''

इस प्रकार पाइपलाइन विनियमन प्रतिस्पर्धी वातावरण बढ़ाने के लिए समान अवसर सुनिश्चित करता है। पाइपलाइन अवसंरचना को बढ़ाने, नगर गैस वितरण और पाइप द्वारा प्राकृतिक गैस नेटवर्क पर अधिक बल देने से एक विनियामक ढांचा उद्योग को बढ़ने तथा फलने–फूलने के लिए सहायक भूमिका पैदा करता है।

केन्द्र सरकार द्वारा पीएनजीआरबी अधिनियम, 2006 के विभिन्न प्रावधानों को लागू करने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) स्थापित किया गया है। पीएनजीआरबी अधिनियम रिफाइनिंग, प्रोसेसिंग, भंडारण, परिवहन, वितरण, विपणन और पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस की बिक्री को विनियमित करने का प्रावधान करता है परंतु इसमें कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन के कार्यकलाप शामिल नहीं हैं, ताकि इन कार्यकलापों में संलग्न उपभोक्ताओं और कम्पनियों के हितों की रक्षा की जा सके। इसके अलावा, सभी कारोबारियों के लिए बिना कोई भेदभाव के खुले बाजार तक पहुंच के गैस ग्रिड की स्थापना सहित भारत में गैस क्षेत्र के विकास के लिए, पीएनजीआरबी को तकनीकी अपेक्षाओं और सुरक्षा मानकों तथा गैस ग्रिड सम्बद्धता के मानक सहित व्यापक सेट विकसित करने का अध्यादेश दिया गया है ताकि प्रचालनात्मक अनुरूपता को सुनिश्चित किया जा सके। ऐसे मानकों और कोड का अनुपालन करना गैस पाइपलाइनों के साथ–साथ नगर या स्थानीय प्राकृतिक गैस वितरण नेटवर्कों के लिए प्राधिकार की अभिन्न शर्त है।

हम पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस से संबंधित प्रयोज्य कार्यकलापों के संबंध में अधिसूचित पीएनजीआरबी विनियामककारी ढांचे का अनुपालन करते हैं। पीएनजीआरबी के विनियम/संशोधन/अनुमोदन/आदेश/निर्णय की पीएनजीआरबी न्यायपीठ/अपीलीय अधिकरण/न्यायालयों के समक्ष अपील की जा सकती है और तदनुसार गेल से संबंधित उनमें से कुछ अपीलें विभिन्न चरणों में हैं। गेल से संबंधित ऐसे कुछ क्षेत्रों में पाइपलाइन अनुमोदन, सामान्य वाहक, टैरिफ, गैस परिवहन और गैस विपणन कार्यकलापों को अलग करना शामिल है।

विनियामक द्वारा बनाए गए विनियमों में समय और सामग्री में कोई अंतिम परिवर्तन व्यक्तिगत कंपनियों के नियंत्रण में नहीं होता। तथापि, विनियामक बोर्ड द्वारा आयोजित की गई सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया में नियमित भागीदारी और विनियामक को लिखित में प्रस्तुति करना हमें विनियमों में किसी अचानक या अप्रत्याशित परिवर्तनों से जुड़े हमारे जोखिमों को न्यूनतम करने या उनका पूर्वानुमान लगाने में मदद करता है।

''गेल बढ़ते विनियामक दबावों से विपरीत परिस्थितियों का अनुभव कर रहा है, जो मौजूदा व्यवसाय के लिए जोखिम से भरे हैं। जीसीडी क्षेत्र की धीमी शुरुआत और मौजूदा पाइपलाइन नेटवर्क पर टैरिफ कटौती गैस पारेषण क्षेत्र को अव्यवहारिक बना रहे हैं तथा प्रस्तावित राष्ट्रीय गैस ग्रिड के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।

हम जिम्मेदार विकास में विश्वास रखते हैं, जो सुदृढ़ प्रणालियां विकसित करते समय सतत् विकास और प्रतिस्पर्धी बने रहना एक पूर्वापेक्षा है।''

–निदेशक (विपणन)

गतिशील विनियामक परिदृश्य : विकास के लिए अवसरों को बेहतर बनाना (जारी)

उपयोग का अधिकार (आरओयू) में प्रतिरोध और सांविधिक स्वीकृतियों में विलंब प्राकृतिक गैस अवसंरचना विकास में बाधा पहुंचा रही है। पाइपलाइन परियोजनाओं में विलंब हो रहा है और आरओयू तथा कई बार भूमि अधिग्रहण प्रतिरोधों और स्वीकृतियों एवं अनुमतियों में देरी के कारण रद्द हो रहा है। देरी से परियोजनाओं की लागत बढ़ जाती है, जो कई बार उनको अव्यवहार्य बना देता है। इसके अलावा, यह महत्वपूर्ण है कि पाइपलाइन बिछाने के कार्य का डाउनस्ट्रीम उपभोक्ता की तैयारी के साथ सामंजस्य बैठाया जाए। उदाहरण के लिए, जगदीशपुर–हल्दिया पाइपलाइन के मामले में, परियोजना शुरू करने के लिए परिमाण का निश्चित अनुबंध होना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, एलएनजी रिगैस अवसंरचना बाधाएं आरएलएनजी बिक्री को सीमित कर रही हैं। उपर्युक्त कारकों ने गेल के वित्तीय निष्पादन पर असर डाला है।

जी4–डीएमए केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम (सीपीएसई) होने के कारण गेल अपने निष्पादन और व्यवसाय उद्देश्यों को पूरा करने के लिए भारत सरकार के प्रति प्रत्यक्ष रूप से जवाबदेह है। हम हमारे अन्वेषण और उत्पादन कार्यकलापों, जो राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देते हैं, के लिए हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय से भी जुड़े हुए हैं। अन्वेषण और उत्पादन ब्लाकों, जिनमें गेल प्रचालक है, के लिए खान अधिनियम, विस्फोटक अधिनियम एवं नियम, पर्यावरण से सम्बद्ध अधिनियम तथा नियम, जोखिम अपशिष्ट (प्रबंधन, रखरखाव और सीमा–पार संचलन) अधिनियम और नियम तथा जोखिमपूर्ण रसायनों का निर्माण, भंडारण और आयात नियमों से संबंधित विभिन्न सांविधिक विनियमों के संबंध में सभी अनुपालनों का पालन किया गया। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार और अन्य मेजबान सरकारों के साथ उत्पादन साझा करने संबंधी संविदा प्रावधानों पर हस्ताक्षर किए गए, उनका अनुपालन किया गया जिसके लिए हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय से आवश्यक समन्वय बनाए रखा गया। पर्यावरण स्वीकृतियां समय पर प्राप्त करने से संबंधित चुनौतियों का समाधान विभिन्न एजेंसियों और विनियामक निकायों के साथ परस्पर चर्चा के माध्यम से तथा उत्पादन साझा करने की संविदाओं के प्रावधानों के अनुसार कार्यकलापों को पूरा करने के लिए समय का विस्तार करके किया गया।

हम समझते हैं कि विनियामक अनुपालन लगातार जटिल व्यवसाय चुनौती बना हुआ है। चूंकि नए कानून और विनियमन लागू किए जाते हैं, इसलिए उनकी अपेक्षाएं पारदर्शिता, वस्तुपरकता और व्यावसायिकता के व्यापक स्तरों पर हमें चुनौती देती हैं। बढ़ती जवाबदेही और देनदारी के प्रति संभावित प्रकटन से हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि विनियामक मानकों को स्पष्ट रूप से समझा जाए तथा उनका सुदृढ़ अनुपालन किया जाए। इसलिए, हम सरकार और अन्य विनियामक एजेंसियों को अहम समझते हैं कि विश्वभर में व्यवसाय को कैसे प्रभावित किया जाता है। यह करों, विनियामक और अन्य नीतियों तथा साधनों, पूंजी और अन्य संबंधित कार्यों तक पहुंच प्रदान करने के रूप में होता है। हम कभी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विनियमों का अनुपालन करने के लिए प्रयास करते हैं और इसे उच्चतम प्राथमिकता देते हैं।

हमारे पास यह सुनिश्चित करने के लिए प्रणाली है कि तकनीकी और सुरक्षा मानकों को अधिकतम प्राथमिकता दी जाए। पीएनजीआरबी के आदेशों के अलावा, हम ओआईएसडी मानकों का पालन करते हैं। एक विकसित ढांचा सभी प्रयोज्य कानूनों के प्रावधानों के साथ अनुपालन सुनिश्चित करता है और ऐसे ढांचे पर्याप्त तथा प्रभावशाली प्रचालन कर रहे हैं। हमारी जोखिम प्रबंधन नीति और प्रक्रिया संरक्षित करती है तथा हमारे संघटन और शेयरधारकों के लिए मूल्य को बढ़ाती है ताकि वे सम्बद्ध कानूनी तथा विनियामक संबंधी अपेक्षाओं और अंतर्राष्ट्रीय मानदण्डों के अनुपालन में समर्थ हो सकें। हम अन्य पहलुओं के अलावा, ऑनलाइन जोखिम रजिस्टर के माध्यम से स्थलों के बीच हमारे कानूनी तथा विनियामक संबंधी जोखिमों का नियमित रूप से मानचित्र बनाते हैं। गैस आबंटन नीति, गैस मूल्य निर्धारण नीति, पीएनजीआरबी से संबंधित विनियमों, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण से संबंधित कानून/विनियम तथा अन्य प्रासंगिक मुद्दों में विनियमों और सतत् विकास से संबंधित जोखिम को भी शामिल किया गया है। विनियामक से संबंधित मुद्दों के लिए हम सरकार और विनियामक एजेंसियों के साथ व्यापक रूप से जुड़े रहते हैं। इसके अतिरिक्त, हमारी अपने वित्तीय निष्पादन, गैस आबंटन और उपयोग, गैस का मूल्य निर्धारण, प्राकृतिक गैस की पूलिंग एवं अदला–बदली प्रणाली, ऊर्जा सुरक्षा, परियोजना आयोजना, सतर्कता मुद्दे, रक्षा एवं सुरक्षा, विस्तार तथा विविधीकरण योजनाओं के संबंध में मंत्रालय और अन्य सरकारी निकायों के साथ नियमित अंतरालों पर नियमित चर्चा होती है।

हमें हमारे प्रचालनों से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव की भी जानकारी है, इसलिए हम उत्सर्जनों, बहिःस्राव और उत्पादित अपशिष्ट को कम करने के लिए लगातार कार्य करते हैं। हमारे पास सुस्थापित पर्यावरण प्रबंध प्रणालियां हैं जो अनुपालन स्तरों से इतर कार्य करने के लिए समर्पित हैं। निवारक अनुरक्षण अनुसूची और संबंधित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से पर्यावरणीय स्वीकृतियों के संबंध में सभी सांविधिक अनुपालन यथा समय ले लिए जाते हैं और साथ ही इसके अनुपालनों के लिए अलग बजट का सृजन किया जाता है। स्क्रबर प्रणाली, बहिःस्राव उपचार संयंत्र वायु उत्सर्जनों को नियंत्रित करने और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निर्धारित सीमाओं से कम पानी छोड़ने जैसे प्रौद्योगिकियां और उपस्कर यूनिटों में लगाए गए हैं। हमारे सुविधा केन्द्रों से निकलने वाले हानिकारक ठोस अपशिष्ट का विद्यमान विनियमों का अनुपालन करते हुए सर्वोत्तम उपलब्ध पर्यावरण परिपाटियों के अनुसार भंडारण और निपटान किया जाता है।

हमारी पाइपलाइनों का डिजाइन, निर्माण और रखरखाव एएसएमई, एपीआई, डीआईएन, आईएसओ जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों और ओआईएसडी की अपेक्षाओं के अनुरूप राष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनाया गया है। पाइपलाइन नेटवर्क को विस्तृत पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय से अनेक अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात तैयार किया जाता है। पाइपलाइन की संरेखण का चयन इस ढंग से किया जाता है कि उसमें पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील और संरक्षित क्षेत्र/भौगोलिक रूप से अस्थिर क्षेत्र/कम बाधाएं जैसे राजमार्ग / राज्यमार्ग / रेलवे, प्रतिबंधित/आरक्षित वन क्षेत्र/तटीय विनियम क्षेत्र (सीआरजेड) न हों। पाइपलाइन बिछाने के प्रचालनों में लगे सभी ठेकेदारों को अपने कार्यकलापों को केवल अनुमोदित मार्ग अधिकार के भीतर ही सीमित रखने का आदेश दिया गया है। हम पुनर्स्थापन और पुनर्वास पर भारतीय विनियम का पालन करते हैं तथापि, हमने इस वर्ष अपनी परियोजनाओं और प्रचालनों के भीतर किसी पुनर्स्थापन और पुनर्वास की परिकल्पना नहीं की है।

हम कानूनों और विनियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए बहुत से अन्य विनियामक प्राधिकारियों के साथ भी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। हमारी विनियामक अपेक्षाओं, जिसमें वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना और सूचीकरण करार के अनुसार सांविधिक दाखिल करना, स्थल निरीक्षणों को आयोजित करना तथा प्राधिकारियों को अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करना शामिल हैं,

को पूरा करने के अलावा हम भारतीय तेल और गैस उद्योग के लिए नीतियां/विनियम विकसित करने में भी सम्मिलित हैं।

हम विनियामकों के साथ रचनात्मक बातचीत करने का प्रयास करते हैं। हम क्षेत्रों की चिंताओं को प्रस्तुत करने के लिए उद्योग निकायों से भी जुड़े रहते हैं तथा सामूहिक और समग्र नीति विकास को समर्थन देते हैं। हम ऊर्जा क्षेत्र में विभिन्न मुद्दों पर उद्योग संघों जैसे फिक्की, सीआईआई, अंतर्राष्ट्रीय गैस यूनियन, पेट्रोफेड, विश्व ऊर्जा परिषद, टीईआरआई के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। हमने ग्लोबल मीथेन पहल के लिए यूएस ईपीए के साथ सहयोग किया है ताकि प्राकृतिक गैस के परिवहन में फ्यूजिटिव उत्सर्जन की चुनौती पर कार्य किया जा सके। इसके अलावा, हमने सतत् विकास आकांक्षाओं, 2020 के माध्यम से स्वैच्छिक लक्ष्य भी शुरू किए हैं। इसका ब्यौरा इस रिपोर्ट के स्थायी कार्यनीतिक खंड में दर्शाया गया है।

संगठन विश्वास कायम करके और विनियामकों के साथ दीर्घकालीन सहयोग बढ़ाकर न केवल व्यक्तिगत स्तर की चिंताओं पर अपितु बड़े सामाजिक–राजनीतिक प्रभाव वाले व्यापक मुद्दों पर भी रणनीतिक रूप से और युक्तिसंगत ढंग से काफी लाभ लेते हैं। जहां विश्वास कायम रहता है वहां विनियम उद्योग–व्यापी – यहां तक कि वैश्विक–सहयोग – के लिए एक प्रणाली बन जाता है जिसमें वित्तीय समझ से लेकर तकनीकी खोज और जलवायु परिवर्तन के मुद्दे शामिल होते हैं। विनियामक अनुपालन की ऐसी ठोस बुनियाद पर ही हम विश्वास से यह घोषणा कर सकते हैं कि पिछले 3 वर्षों में पूंजी बाजार से संबंधित कोई मामला स्टॉक एक्सचेंज, सेबी में अनुपालन न करने का कोई मामला सामने नहीं आया है।

हम सदैव अपने ''प्रचालन के लिए सामाजिक लाइसेंस'' को बनाए रखने के लिए सार्थक शेयरधारक संबंध स्थापित करने का लक्ष्य रखते हैं। इसलिए, हम अपने सीएसआर कार्यकलापों की योजना सोच–समझकर बनाते हैं और सामाजिक रूप से तथा पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार निगमित नागरिक के रूप में क्षेत्र, जहां हम प्रचालन करते हैं, की सामाजिक स्थिति में सुधार करने के लिए कार्य करते हैं। वित्त वर्ष 2013–14 में कारपोरेट सामाजिक दायित्व अर्थात् कम्पनी अधिनियम, 2013 का महत्वपूर्ण विधान पारित हुआ। गेल उक्त धारा 135 और संलग्न नियमों के प्रावधानों के अनुपालन के उद्देश्य से वर्तमान में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी नीति पर पुनर्विचार करते हुए उसकी रूपरेखा फिर से बना रहा है तथा मौजूदा अनुमोदन प्रक्रिया, ढांचे और वित्त वर्ष 2014–15 से आगे आबंटन में संशोधन भी कर रहा है।

विज्ञापन, संवर्धन और परिणामों के आधार पर प्रायोजकता सहित विनियमों और स्वैच्छिक कोड का उनके जीवन चक्र, विपणन, संचार के दौरान उत्पादों और सेवाओं के स्वास्थ्य तथा सुरक्षा प्रभावों से संबंधित अनुपालन न करने का कोई मामला सामने नहीं आया है।

प्रतिस्पर्धा रोधी व्यवहार:

जी4–डीएमए ,जी4–एसओ7

गेल भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस कम्पनी है और जिम्मेदार ढंग से कार्य करने की जिम्मेदारी को समझती है। जिसके अनुपालन में गेल का लक्ष्य प्रतिस्पर्धा–रोधी और नीतिपरक व्यवहार वाले कानूनों एवं विनियमों सहित उनके अनुसार सख्ती से कार्य करना है। गेल भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के दायरे के तहत कार्य करता है और उच्च नीतिपरक तथा नैतिक मानकों के साथ और बाजार में किसी प्रतिस्पर्धा के अवरोध की प्रथाओं के किसी रूप में लिप्त हुए बिना कार्य करती है।

गेल के विरूद्ध अनुचित व्यापार प्रथा, प्रतिबंधित व्यापार प्रथाओं और एकाधिकार के दुरुपयोग के संबंध में छह मामले दायर किए गए हैं। पांच मामले पीएनजीआरबी के समक्ष दायर किए गए और एक मामला भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के समक्ष दायर किया गया है। प्रतिस्पर्धा आयोग ने गेल के पक्ष में निर्णय दिया। पीएनजीआरबी ने 4 मामलों में गेल के विरुद्ध निर्णय दिया जो वर्तमान में न्याय–निर्णय के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित हैं। पीएनजीआरबी द्वारा निर्णित चार मामलों में से एक मामले में बोर्ड ने गेल के विरुद्ध 1 लाख रुपए का दंड लगाया। पीएनजीआरबी ने गेल के पक्ष में एक मामले में निर्णय दिया। एक मामले को छोड़कर ऐसा कोई मामला नहीं है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय घोषणाओं/कंवेशन/संधियों और राष्ट्रीय, उप–राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय विनियमों और संगठन के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय विवाद तंत्र या सरकारी प्राधिकारियों द्वारा पर्यावेक्षित राष्ट्रीय विवाद तंत्र के माध्यम से प्रस्तुत मामले शामिल हों, कानूनों या विनियमों का अनुपालन करने में विफल रहने का ऐसा कोई मामला नहीं है जिसमें संगठन के विरुद्ध प्रशासनिक या न्यायिक प्रतिबंध लगाया गया हो।

नई खोज हेतु प्रेरणा : अपने विकास को पुन: परिभाषित करते हुए

अनुसंधान एवं विकास
पर 50 करोड़ रुपए खर्च

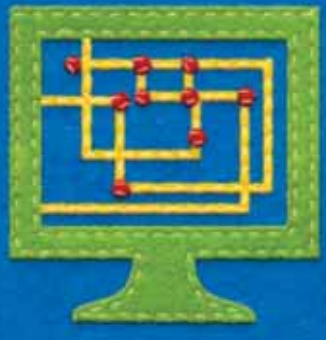

पाइपलाइनों और प्रचालनों
हेतु सुरक्षा बढ़ाई गई

पूर्ण विकसित अनुसंधान एवं
विकास केंद्र प्रस्तावित

खोज व्यक्तिगत और संगठनात्मक निष्पादन के सुधार में महत्वपूर्ण घटक होती है। चुनौतीपूर्ण समय के दौरान हम सोचते हैं कि आमूल–चूल परिवर्तन करने की आवश्यकता है, जिसके लिए हमें लीक से अलग हटकर सोचना होगा। नई खोज की प्रेरणा सामान्यतः परिवर्तन लाने की जरूरत से ही पैदा होती है; लोग ऐसे परिवर्तन को अंत तक किस तरह समझेंगे; और महसूस करेंगे और ऐसे परिवर्तन को साकार करने के लिए अनुकूल परिवेश कैसे पैदा होगा। ऐसा केवल नई खोज से ही हो सकता है कि हम ऐसा अप्रत्याशित परिवर्तन ला सकें।

नई खोज के लिए प्रेरणा : अपने विकास को पुनः परिभाषित करते हुए (जारी)

बढ़ती अर्थव्यवस्था और बढ़ती जनसंख्या के फलस्वरूप भारत में प्राथमिक ऊर्जा संसाधनों जैसे कि कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस की खपत में वृद्धि हुई है। भारत में ऊर्जा की खपत पिछले 20 वर्षों के दौरान लगभग तिगुनी हो गई है और इसके अगले 20 वर्षों के दौरान दुगुने से अधिक होने की संभावना है। तेल और गैस उद्योग के कारोबारी इसके विकास और पैमाने को बढ़ाने, मध्य से दीर्घकालीन व्यवसाय के अवसरों को ग्रहण करने, बाजार के उतार–चढ़ाव से निपटने और बदलती व्यवसाय जरूरतों पर चुनौतियों का सामना करते हैं। प्रौद्योगिकी चुनौतियां सदैव उपस्थित रहती हैं क्योंकि संसाधन कम हो जाते हैं, वसूली बढ़ जाती है और संसाधनों की तलाश करना कठिन हो जाता है जिसमें सीमित पहुंच तथा नई उत्पादन प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता शामिल होती है।

गेल गैस बाजार में प्रमुख कारोबारी रहा है। इसे प्रायः अन्य कारोबारियों से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, जिसने हमारे लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि हम व्यवसाय जोखिमों को न्यूनतम करने के लिए नए मॉडल विकसित करें तथा प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में विकास करें। हमारा मानना है कि नई खोज और प्रतिस्पर्धात्मकता का गतिशील उपं परस्पर संबंध है। प्रतिस्पर्धी परिवेश में समृद्ध होने के उद्देश्य से हमने अहम मापदंड के रूप में हमेशा नई खोज पर विश्वास किया है जिससे न केवल मांग और पूर्ति के बीच में अंतर को कम होगा अपितु अर्थव्यवस्था में आर्थिक मूल्य, नई नौकरियां और उद्यमिता की संस्कृति भी पैदा होगी।

हमारा प्राकृतिक गैस पाइललाइन का प्रमुख कारोबार कम उपयोग के कारण चुनौती का सामना कर रहा है, घरेलू गैस की कमी और विस्तार में बाधाओं से हम अपना ध्यान नगर गैस वितरण तथा संपीड़ित प्राकृतिक गैस वितरण केन्द्रों के लिए लिंकेज प्रदान करने के लिए अंतिम–मील दूरी कनेक्टिविटी (एलएमसी) बढ़ाने के लिए बदल रहे हैं। हमारा इरादा यह भी है कि निकट से मध्यावधि में अपनी ट्रंक पाइपलाइन और 40–60 शहरों के बीच सम्बद्धता स्थापित करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाए। अपने क्षेत्र में संभावित अवसरों को देखते हुए कुछ प्रमुख पहलें जिन्हें नई खोज प्रबंध के भाग के रूप में शुरू किया गया है, में लैंडफिल गैस (एलएफजी) वसूली पर प्रायोगिक परियोजना, पाइपलाइन अनुचित संस्थापना और रिसाव पता लगाने की प्रणाली (पीआईडी), अपशिष्ट प्लास्टिक से हाइड्रोकार्बन का बैंच पैमाने का अध्ययन, नए पालीमर विकास, ई–निविदा और विपरीत नीलामी स्कीमें, अक्षय ऊर्जा अपनाना, स्वच्छ प्रौद्योगिकी में निवेश आदि शामिल हैं।

परिचालन नवाचार

नई खोज ने सदैव व्यवसायों के विकास में निश्चित सफलता की कुंजी के रूप में कार्य किया है। इसका महत्व उद्योग में मौजूद कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। इसलिए, हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि अनिश्चित समय में चुनौतीपूर्ण व्यवसाय परिवेश का सामना करने के लिए हमारे कर्मचारियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित किया जाए।

भारत सरकार ने नई खोज को 21वीं सदी में समृद्धि और प्रतिस्पर्धात्मकता के विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रेरक माना है तथा भारत के माननीय राष्ट्रपति ने वर्ष 2011–21 को "नई खोज का दशक" घोषित किया था। नवाचार के महत्व का संज्ञान में लेते हुए भूतपूर्व प्रधानमंत्री ने चर्चा, विश्लेषण और भारत में समावेशी नवाचार के लिए रणनीतियों के क्रियान्वयन में मदद और वर्ष 2010–2020 नवाचार के लिए रूपरेखा तैयार करने हेतु राष्ट्रीय नवाचार परिषद (एनइनसी) की स्थापना की थी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से और निष्पादन तथा क्रियान्वयन योग्य नीतिगत जानकारी और पहलें प्रदान करने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र के लिए एसआईसी हेतु तीन उप–समूह बनाए गए हैं अर्थात् अपनी संबंधित स्ट्रीम में नवाचार के लिए रूपरेखा तैयार करने हेतु संबंधित संयुक्त सचिव (एमओपी एण्ड एनजी) की अध्यक्षता में अपस्ट्रीम, डाउनस्ट्रीम और मिडस्ट्रीम बनाए गए हैं।

गेल में नई खोज प्रक्रिया

''हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में क्षेत्रीय नवाचार परिषद के लिए पथ–प्रदर्शक के रूप में हम विश्वास करते हैं कि नवाचार न केवल व्यक्तियों को लीक से हटकर सोचने की प्रेरणा देता है अपितु इसके परिणाम स्वरूप ऐसे समाधान निकलते हैं जो आर्थिक विकास को नए आयाम पर ले जाते हैं।''

*–निदेशक (मानव संसाधन)**

(*व्यवसाय विकास संबंधित गतिविधियों हेतु)

इस पहल को लागू करने के लिए हमें इस क्षेत्र में नई खोज करने हेतु देश में मिडस्ट्रीम क्षेत्र में एसआईसी की सिफारिश के कार्यान्वयन हेतु प्रमुख शेयरधारक माना गया है। हम नवाचार के महत्व को पहचानते हैं और इसके लिए हम पूरी निष्ठा से अपने प्रयासों को जारी रखेंगे। क्षेत्रीय नवाचार कार्यकलापों के लिए हमारी कम्पनी से आर एण्ड डी और कारपोरेट योजना वाली टीम नामित की गई थी। कम्पनी में सर्वप्रथम नवाचार कार्यकलापों को लागू करने के लिए रिपोर्टिंग अवधि के दौरान नवाचार कार्यशालाएं आयोजित की गई।

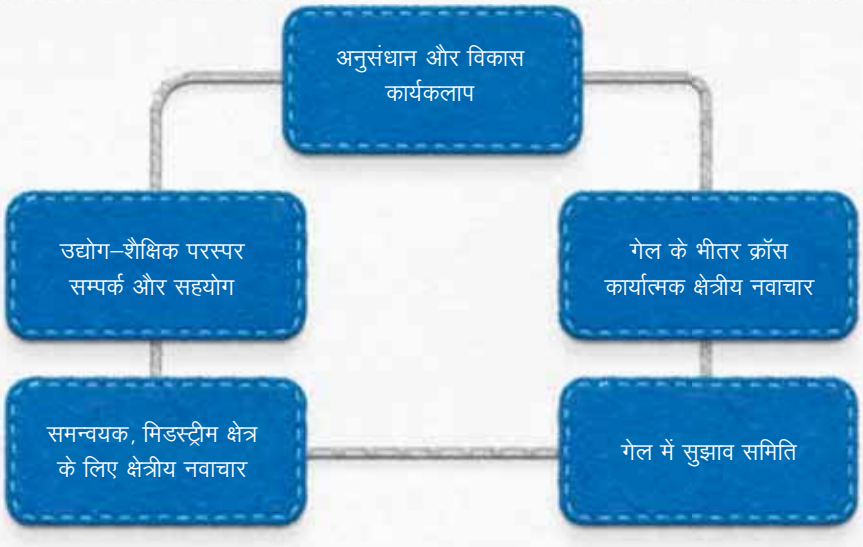

गेल में अनुसंधान और विकास

हमने अनुसंधान और विकास (आर एण्ड डी) कार्यकलापों पर अधिक जोर देना शुरू किया है और आर एण्ड डी नीति की स्थापना की है।

विज़न

प्राकृतिक गैस, इसके यौगिक और इतर, में अग्रणी आर एण्ड डी स्थापना बनने के लिए नवाचार, सत्यनिष्ठा, ग्राहक केन्द्रीयता के साथ प्रौद्योगिकी समावेश और प्रतिभा विकसित करने पर ध्यान केन्द्रित करना।

मिशन

गेल की व्यवसाय अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए नवीकरण को विकसित और समावेश करने तथा अग्रणी अवस्था की प्रौद्योगिकियों के लिए प्रयास करना।

नीति वक्तव्य

आर एण्ड डी विभाग नई या उन्नत सामग्रियों, ईंधनों, उत्पादों, प्रोसेसों, प्रणालियों या अनुसंधान निष्कर्षों के माध्यम से युक्तियों के लिए प्रतिबद्ध है। प्रायोगिक और मॉडलों के माध्यम से डिजाइन, निर्माण और जांच से उनके वाणिज्यिकरण से पहले नई प्रौद्योगिकियां। इसके सभी व्यवसाय में गेल की प्रौद्योगिकी तीव्रता को बनाए रखने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी उन्नति पर सूचना प्रदान करना।

अनुसंधान और विकास पर हमारा कुल व्यय (करोड़ रुपए में)

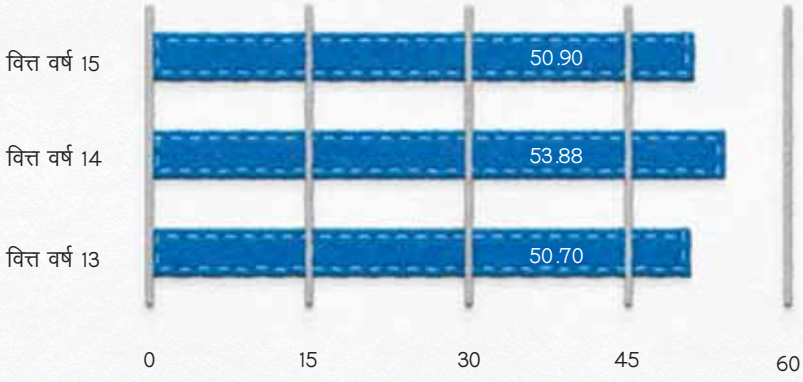

नीति तथा नियम पुस्तिका तैयार की है जो आर एण्ड डी परियोजनाओं के चयन, अवार्ड और मानीटरिंग को सरल तथा कारगर बनाती है। हम प्रौद्योगिकी में आगे रहने के लिए आर एण्ड डी के महत्व को पहचानते हैं, अतः हमने प्रत्येक वर्ष आर एण्ड डी पर पिछले वर्ष के पीएटी का न्यूनतम 1 प्रतिशत खर्च करने का लक्ष्य तय किया है। डीपीई ने सभी पीएसयू को आदेश दिया है कि आर एण्ड डी कार्यकलापों पर पीएटी के 1 प्रतिशत से अधिक को खर्च करें। तदनुसार, गेल का वित्त वर्ष 2014–15 में आर एण्ड डी व्यय 43.47 करोड़ रुपए होना अपेक्षित था। गेल ने वित्त वर्ष 2014–15 में 50 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किया है जो कि दिए गए आदेश मूल्य की तुलना में काफी अधिक है।

हमारे सरल और कारगर नवाचार प्रोसेस के माध्यम से हमने चयनित ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्रों में विभिन्न आर एण्ड डी परियोजनाओं को आगे बढ़ाया है जिसका लक्ष्य उच्च–प्रभाव वाली नई खोज की प्रौद्योगिकियां विकसित करना है जो नए ऊर्जा स्रोतों को उजागर करें, मौजूदा प्रचालनों की कुशलता में सुधार करें और उत्पादों का मूल्य वर्धन करें। हमारे आर एण्ड डी पोर्टफोलियो के विवेकपूर्ण मिश्रण में विभिन्न बुनियादी/ व्यावहारिक/ प्रायोगिक और प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाएं शामिल हैं जो प्राकृतिक गैस की मूल्य श्रृंखला के आस–पास की हैं।

हमने इंट्रानेट आर एण्ड डी पोर्टल भी तैनात किया है जहां अपनी आर एण्ड डी परियोजनाओं पर विस्तृत सूचना प्रचारित की जाती है। कर्मचारी और अन्य शेयरधारक आर एण्ड डी परियोजनाओं पर सुझाव तथा फीडबैक प्रदान कर सकते हैं ताकि कोई सुधार या मध्यावधि संशोधन किया जा सके। इसके अलावा, हमारे बाह्य शेयरधारक अपने सुझाव, नए विचार भी प्रस्तुत कर सकते हैं जिनको आर एण्ड डी के रूप में आगे बढ़ाया जाना चाहिए। सुझाव हमारी वेबसाइट http://gailonline.com/final_site/R&D-12/Suggestion.html के माध्यम से प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

हमारे प्रयास

गेल का यह पक्का विश्वास है कि नई खोज संगठन को अनेक प्रकार से लाभ पहुंचा सकती है, इसलिए हमें ऐसी संस्कृति बनाने का प्रयास करना चाहिए जो इसके सभी व्यवसाय क्षेत्रों में नई खोज का समर्थन करे।

स्लाइस पोर्टल के जरिए खुले संचार हेतु प्रोत्साहन

कर्मचारी और प्रबंधन के बीच खुला संवाद कर्मचारी को तैनात करने के अनिवार्य मापदंडों में से एक है और जिससे निष्पादन में उत्कृष्टता आती है। अतः कर्मचारियों को अपने विचारों का आदान–प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु स्लाइस (सुझाव – सीखे गए सबक – पहल और अभिनवता – मामला अध्ययन – असाधारण प्रयास) नामक एक वेब पोर्टल बिना किसी रोक–टोक के विकसित और कार्यान्वित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य सभी स्तरों पर टीमवर्क, स्वामित्व और जवाबदेही को कार्यस्थल में सुधार के लिए प्रोत्साहित करना तथा रचनात्मक स्लाइस से कर्मचारियों की पहचान करना है तथा उन्हें संगठन के विकास और समृद्धि में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करना है। स्लाइस की संख्या की कोई सीमा नहीं है जिसे कोई कर्मचारी दे सकता है।

उपर्युक्त की सुविधा प्रदान करने के लिए एक एप्लीकेशन (स्लाइस) विकसित करके उसे स्लाइस प्रस्तुत करने के लिए गेल इट्रानेट के मुख्य पृष्ठ पर डाला गया है। इस पोर्टल के जरिए प्राप्त सभी संचारों की वरिष्ठ स्तरीय समिति द्वारा मासिक आधार पर समीक्षा की जाती है तथा तत्पश्चात् इस समिति की सिफारिशों पर आधारित उपयुक्त कार्रवाई की जाती है।

हमने विकास के सबंध में नई खोज के लिए संगठन–व्यापी विचार पैदा करने को प्रोत्साहित करने के लिए कर्मचारियों के लिए पुरस्कार–आधारित सुझाव स्कीम भी शुरू एवं क्रियान्वित किए हैं। ऐसी स्कीम सकारात्मक सोच और हमारे कर्मचारियों में सृजनता की प्रेरणा के लिए उपयुक्त परिवेश प्रदान करती है ताकि वे अधिक किफायत, कुशलता और प्रभाविता लाने के लिए नवीन सुझावों के साथ आगे आएं – '3ई' उदारीकृत बाजार परिदृश्य में कम्पनी के बने रहने और विकास के लिए अनिवार्य है। कार्यान्वयन के लिए सुझावों का समयबद्ध ढंग से मूल्यांकन किया जाता है और सर्वोत्तम सुझाव को सीएमडी ट्रॉफी दी जाती है।

नई खोज के लिए प्रेरणा : अपने विकास को पुनः परिभाषित करते हुए (जारी)

संशोधित सुझाव स्कीम

उपर्युक्त जो कुछ भी कहा गया है, के आलोक में, और यह तथ्य कि मौजूदा सुझाव स्कीम को कथित रूप से पर्याप्त संवेदनशील नहीं माना गया है जो कम्पनी की कार्य प्रणाली में मूर्त सुधार लाने के लिए कर्मचारियों से गुणात्मक सुझाव प्राप्त कर सके, गेल में प्रचलित सुझाव स्कीम की समीक्षा करने की आवश्यकता समझी जाती है और इसे अधिक प्रभावी बनाने तथा भारत में प्रचलित सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप व्यापक आधार वाला बनाया जा सके ताकि कंपनी के सभी कर्मचारियों को गेल में कार्य के सभी क्षेत्रों में सुधारों के लिए सुझाव देने के लिए प्रेरित किया जा सके और सक्रिय सहयोग से कम्पनी के उद्देश्यों तथा लक्ष्यों के अनुरूप भावना पैदा की जा सके।

तदनुसार, संशोधित और अधिक व्यापक सुझाव स्कीम तैयार की गई है जिससे यह कर्मचारियों को तत्काल प्रेरित करेगी और उन्हें सोचने पर विवश करेगी और वे कम से कम समय में कंपनी के चहुंमुखी विकास तथा प्रगति के लिए सुझाव दे सकेंगे।

संशोधित स्कीम, जैसाकि बाद के पैराग्राफ में बताया गया है, में अन्यों के साथ–साथ निम्नलिखित सम्मिलित हैं :–

- गेल के इंट्रानेट के माध्यम से सुझावों को सीधे प्रस्तुत करना;
- अधिक पारदर्शिता लाने के लिए वैश्विक प्रदर्शन;
- 2000 रुपए का तत्काल मौद्रिक पुरस्कार और सुझाव को स्वीकार करने पर प्रशस्ति–पत्र;
- समयबद्ध सुझावों का मूल्यांकन और परिणामों की घोषणा;
- उदार मौद्रिक पुरस्कार जहां मूर्त मौद्रिक बचतें प्रमाणित होती हैं और स्वीकार की जाती हैं – पुरस्कार की राशि की अधिकतम सीमा को 1,00,000 रुपए तक बढ़ाना;
- चेक, सीएमडी ट्रॉफी और सर्वोत्तम सुझावों के लिए मेरिट प्रमाण–पत्र समारोह में देना; और
- संबंधित वर्ष के लिए कर्मचारी की व्यक्तिगत फाइल और एसीआर में मेरिट प्रमाण–पत्र की प्रति को पृष्ठांकित करना।

कम्पनी के भीतर नवाचार कार्यकलापों को बढ़ाने के लिए, हमने एक कार्यशाला का आयोजन किया ताकि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए एक मंच उपलब्ध हो सके, जिसमें ज्ञान मंच, नवीन संस्कृति विकसित करना, समर्पित समूह/विभाग आदि शामिल हैं। विभिन्न विभागों जैसे – व्यवसाय सूचना प्रणाली, संविदा और खरीद, कारपोरेट योजना, कारपोरेट संचार, अन्वेषण तथा उत्पादन, गेल प्रशिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण, परियोजना विकास, परियोजना प्रचालन एवं प्रबंधन (पाता और एनसीआर), पालीमर विपणन, अनुसंधान और विकास तथा विभिन्न नवीन पहलें या तो क्रियान्वित की गई/क्रियान्वित की जा रही हैं अथवा गेल के व्यवसाय प्रबंध से 15 प्रस्तुतीकरण आयोजित किए गए। इसमें वरिष्ठ अधिकारियों, क्रास कार्यात्मक टीम के सदस्यों और प्रस्तुतकर्त्ताओं ने भाग लिया, जिन्होंने क्रियान्वित हो चुकी हैं/क्रियान्वित की जा रही विभिन्न नई खोज पहलों या गेल के व्यवसाय क्षेत्रों में कार्यान्वयन के लिए संभावना है, पर विचार–विमर्श, चर्चा और बहस की।

हॉट जॉब करने के लिए एसएपी के माध्यम से ओआईएसडी 105 के अनुसार हमारी ऑनलाइन हॉट कार्य प्रणाली क्रियान्वित की जाती है। इसमें किए जाने वाले कार्य के ब्यौरे, कार्य अनुमोदन की समयावधि जांच सूची जारीकर्त्ता द्वारा भरी जाती है, जिसमें व्याख्यात्मक नोट, सामान्य अनुदेश और आवश्यक अभियुक्ति आदि होते हैं। जब भी अपेक्षित होता है अतिरिक्त नए सुधार भी शुरू किए जाते हैं/एचडब्ल्यूपी प्रणाली की प्रभाविकता को बढ़ाया जाता है।

हमने प्रचालन स्थिति की ऑनलाइन मॉनीटरिंग के लिए एससीएडीए प्रणाली सहित हमारी पाइपलाइन के लिए सुरक्षा ट्रैकिंग प्रणाली भी क्रियान्वित की है। यह पाइपलाइन गैस परिवहन प्रणाली का स्वास्थ्य भी सुनिश्चित करती है : गैस प्रबंधन केन्द्र में मौजूदा एससीएडीए के माध्यम से मॉनीटरिंग प्रणाली द्वारा लाइन पैक, दबाव, तापमान, प्रवाह, कैथोडिक संरक्षण स्थिति आदि ऑनलाइन मॉनीटर किए जाते हैं। मौजूदा प्रणाली को नए एससीएडीए के लिए अपग्रेड किया गया है जो पाइपलाइनों के लिए ऑनलाइन रिसाव पता लगाने की प्रणाली सुदृढ़ होगी।

हमारी परियोजना टीआरएएनएससीएपी के तहत हमने ऑनलाइन डाटा अधिग्रहण के लिए एक वेब प्लेटफार्म तैनात किया है और प्रणाली को सशक्त बनाया है जो न केवल डाटा को मिलाने तथा अनुवर्ती कार्रवाई को सुगम बनाता है अपितु उपयोगकर्त्ता को अधिसूचनाओं के माध्यम से सतर्क भी करता है। इसके फलस्वरूप, मैनुअल हस्तक्षेप को कम किया गया है और इससे डाटा प्रबंध आसान हुआ है।

अपशिष्ट प्लास्टिक को डीजल में बदलने के लिए पहल के रूप में गेल ने सीएसआईआर–आईआईपी (वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद – भारतीय पेट्रोलियम संस्थान) के साथ सहयोग किया है और वह पोलीओलिफिन उत्पादों को स्वच्छतम ग्रेड के डीजल में परिवर्तित करने में समर्थ हुआ है। हम पहली कंपनी हैं जिन्होंने 1 टन प्लास्टिक और अन्य पोलीओलिफिन उत्पादों को 850 लीटर डीजल को सबसे स्वच्छ ग्रेड में बदला है।

गेल ने गाजीपुर लैंडफिल स्थल में प्रायोगिक लैंडफिल गैस (एलएफजी) परियोजना क्रियान्वित की है। वर्तमान में एलएफजी के 125 घनमीटर/घंटे के साथ लगभग 25 आयतन प्रतिशत की मीथेन मात्रा को ग्रहण किया जा रहा है और सुरक्षित रूप से बंद फ्लेयर प्रणाली में नष्ट किया जा रहा है। मीथेन एक जीएचजी है और ग्लोबल वार्मिंग करने में कार्बन डाइऑक्साइड से अधिक सक्षम है। इसलिए मीथेन को नष्ट करने से जीएचजी उत्सर्जनों को कम करने के प्रयासों में मदद मिलती है। तदनुसार, एलएफजी परियोजना को सफलतापूर्वक वैध बनाया गया है और सीडीएम तंत्र के तहत कार्बन क्रेडिट का लाभ लेने के लिए सितम्बर, 2014 में यूएनएफसीसीसी में पंजीकृत किया गया है। वर्ष 2014–15 में फ्यूजिटिव मीथेन उत्सर्जनों के लगभग 200 मिट्रिक टन को वायुमंडल में जाने से रोककर नष्ट किया गया है जो कार्बन डाइऑक्साइड के 5000 टन की कटौती के बराबर है।

वर्तमान में, गेल भारत में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों और प्रयोगशालाओं में प्रायोजित एवं सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास कार्य को प्रोत्साहित कर रहा है। इन अनुसंधान और विकास परियोजनाओं में से कुछ ने नई प्रक्रियाओं का सृजन किया है। गेल ने ऐसी परियोजनाओं में बौद्धिक सम्पत्ति प्राप्त करने के लिए पेटेंटों हेतु दावा किया है।

भावी योजनाएं

हमने अपने व्यवसाय क्षेत्रों के अनुरूप अनुसंधान और विकास पर ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्रों की पहचान भी की है और इन क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास परियोजनाएं शुरू करने के लिए केन्द्रित नीति का अनुपालन किया है। ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्रों में ऊर्जा कुशलता, नए उत्प्रेरकों और नए पालीमर ग्रेडों का विकास, कार्बन डाइऑक्साइड रूपांतरण, माइक्रो और नैनो सामग्री/ईंधन सेल, नवीकरणीय ऊर्जा तथा ऊर्जा के अपारम्परिक स्रोत शामिल हैं। हम संभावित वाणिज्यिक–पैमाने के प्रचालनों के लिए बैंच–पैमाने के परिणामों को वैध करने के लिए 'अपशिष्ट प्लास्टिक से हाइड्रोकार्बन' पर प्रायोगिक परियोजना स्थापित करने की योजना भी बना रहे हैं। आगामी वर्षों के लिए हमारी कुछ विचाराधीन योजनाबद्ध पहलों में राष्ट्रीय गैस प्रबंध और नियंत्रण प्रणालियां, गैस स्वीटनिंग के लिए नए विलायकों का विकास, सीएनजी/पीएनजी आदि के लिए निम्न लागत के सैंसर का विकास शामिल हैं।

हाल ही में आयातित पुनर्गैसीकृत तरलीकृत प्राकृतिक गैस (आरएलएनजी) की आपूर्ति करके देश में स्ट्रेंडिड गैस आधारित विद्युत उत्पादन क्षमता के पुनरूद्धार और उपयोग में सुधार के लिए नवीन तंत्र के नीतिगत अनुमोदन में प्रमुख महत्वपूर्ण खोज हुई है। ऐसी प्रणाली से कोयला की तुलना में पर्यावरण अनुकूल विद्युत उत्पादन सुनिश्चित होगा और देश में गैस अवसंरचना जैसे गैस पाइपलाइन तथा पुनः गैसीकरण क्षमताओं, जिनका वर्तमान में न्यून प्रयोग होता है, के इष्टतम उपयोग के लिए पर्याप्त अवसर भी प्रदान करेगा।

इसके अतिरिक्त, हम आने वाले क्षेत्रों जैसे भूमिगत कोयला गैसीकरण, ईंधन सेल, हाइड्रोजन और गैस हाइड्रेट्स में वर्ष 2020 तक एकीकृत हाइड्रोकार्बन प्रमुख के रूप में उभरने की कम्पनी की आकांक्षाओं के अनुरूप परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रतीक्षा भी कर रहे हैं।

इन सभी क्षेत्रों में बहुत सी परियोजनाएं शुरू की गई हैं और गेल सक्रिय रूप से संस्थानों जैसे आईआईटी, सीएसआईआर प्रयोगशाला आदि के साथ सहयोगात्मक एवं प्रायोजित अनुसंधान और विकास कार्य को आगे बढ़ा रहा है। गेल अहम क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास शुरू करने के लिए विश्व विख्यात संस्थाओं के साथ सहयोग प्राप्त कर रहा है। तदनुसार, पूर्ण अनुसंधान और विकास केन्द्र की स्थापना के लिए प्रस्ताव किया गया है। आने वाले दशक में गेल के पास हमारे प्रमुख और उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करने के लिए समर्पित अनुसंधान और विकास केन्द्र होगा ताकि सुरक्षित, प्रचुर, विश्वसनीय, नवीकरणीय तथा वहनीय ऊर्जा में योग्य होने के लिए राष्ट्र की ऊर्जा और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान किया जा सके।

हमारे शेयरधारक

118 मेगावाट पवन और 5 मेगावाट सौर ऊर्जा के क्षेत्र में

700

करोड़ रुपए का निवेश

CSR

कुल प्रतिबद्धता
118.07 करोड़ रुपए

90%

ग्राहक संतुष्टि

अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखते हुए –
हमारा शेयरधारक केन्द्रित दृष्टिकोण

किसी भी प्रकार के संगठन के लिए शेयरधारकों की वचनबद्धता प्राप्त करना संगत होता है, विशेषकर जब संगठन को जिम्मेदार ढंग से चलाना हो। शेयरधारकों का विश्वास कायम रखना, उनके दृष्टिकोण और उनकी मंशा को समझना बहुत महत्वपूर्ण होता है। शेयरधारकों की वचनबद्धता प्राप्त करने से संभावित समस्याओं का समाधान करने, या बदलाव करने और उसे समझने में मदद मिलती है। इन कारणों से कंपनियों के लिए यह महत्वपूर्ण होता है कि उनके सभी शेयरधारकों की वचनबद्धता प्राप्त करने के उपाय खोजें।

शेयरधारक / निवेशक

हमारे शेयरधारक (जारी)

हम अपने व्यवसाय की दीर्घावधि लाभप्रदता सुनिश्चित करने और हमारे शेयरधारकों एवं निवेशकों की संपत्ति में योगदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण गेल भारत सरकार, जो हमारा प्रमुख शेयरधारक है, के प्रति जिम्मेदार है।

गेल का शेयरधारक पैटर्न

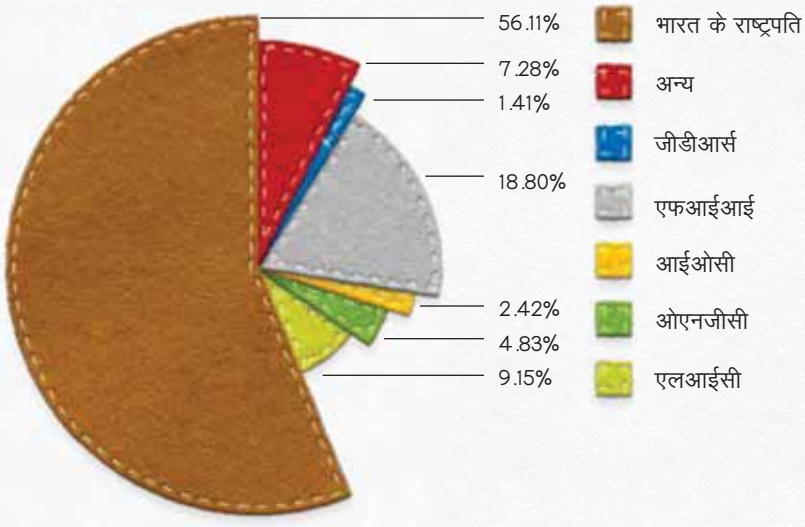

शेयरधारकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए एक समर्पित शेयरधारक अनुभाग स्थापित किया गया है।

जी4–डीएमए ठोस मूल्य निर्धारित करने की हमारा विश्वास और हमारे सभी शेयरधारकों के लिए पारदर्शिता का उच्च स्तर बनाए रखने का निर्देश हमारे विजन विवरण में दिया गया है।

''प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन कंपनी'' के रूप में प्रसिद्ध गेल ने काफी लम्बा सफर तय किया है और अब यह आने वाली पीढ़ी के लिए ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करने के अपने विजन का अनुसरण कर रहा है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय गैस ग्रिड का सृजन करने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप और स्वच्छ जीवाश्म ईंधन के रूप में प्राकृतिक गैस उपलब्ध कराने के लिए हमने अपनी व्यवसाय कार्यनीति के भाग के रूप में नए भावी निवेश से संबंधित क्षेत्रों का चयन किया है। ये क्षेत्र आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने के हमारे लक्ष्य के रूप में कार्य करेंगे जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- पूरे भारत में अपनी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क उपस्थिति बढ़ाना।
- संयुक्त उद्यमों/सहायक कंपनियों के जरिए नगर गैस वितरण (सीजीडी) का 40–60 नगरों में विस्तार करना।
- पेट्रोरसायन उत्पादन और विपणन क्षमता को पर्याप्त रूप से बढ़ाना।
- एलएनजी आयात के जरिए गैस स्रोत तथा सीमा पार पाइपलाइन नेटवर्क में सुधार करना।
- ईएण्डपी प्रचालनों में अपनी पैठ बनाना तथा हाइड्रोकार्बन परिसंपत्तियां प्राप्त करना।
- एलएनजी पुनः गैसीकरण टर्मिनलों की स्थापना करना तथा पुनः गैस क्षमताओं को बुक करना।
- ग्राहक क्षेत्रों में मांग को पूरा करना।
- अंतिम मील दूरी पर ध्यान केन्द्रित करना।

निवेशक प्रबंधन और वचनबद्धता

''हम अपने निवेशकों और विश्लेषकों के साथ पारदर्शी और दीर्घावधि संबंध बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। निवेशकों की बैठक का आयोजन करने और उसमें भाग लेने के अलावा, इस वर्ष हमने निवेशक संबंध प्रबंधन के लिए सक्रिय दृष्टिकोण के रूप में निवेशक संबंध सर्वेक्षण का भी आयोजन किया है।''

– निदेशक (वित्त)

हम अपने निवेशकों को नियमित आधार पर अपने सभी प्रयासों और उपलब्धियों के बारे में बताते रहते हैं। अपने निवेशकों को हमारे व्यवसाय, अभिशासन, वित्तीय/गैर–वित्तीय निष्पादन तथा संभावनाओं के बारे में जानकारी देना पारदर्शिता और सूचना का आदान–प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण होता है।

गेल अपने शीर्ष प्रबंधन और निवेशक संबंध कार्य के माध्यम से अपने निवेशकों के साथ जुड़ा हुआ है। ये संवाद समाचार रिलीज, वरिष्ठ प्रबंधक की प्रेस बैठकों, वार्षिक रिपोर्ट और वेबसाइट जैसे विभिन्न चैनलों के माध्यम से किया जाता है।

वर्ष 2014–15 के दौरान, निवेशकों के साथ प्रभावी संवाद करने के उददेश्य को प्रोत्साहित करने के लिए गेल ने सितंबर 14 को समाप्त अर्द्ध–वार्षिक तथा दिसंबर 14 को समाप्त तिमाही के वार्षिक और तिमाही वित्तीय परिणामों की घोषणा के तत्काल बाद विश्लेषकों की बैठक और सम्मेलन बुलाया था।

निवेशकों के साथ आमने–सामने बैठकर नियमित बैठकों का आयोजन करने के अलावा, हम निवेशकों के साथ सार्वजनिक मंचों के जरिए निवेशक सम्मेलनों और बैठकों का आयोजन करते हैं। साइट कार्यालयों से कार्यपालकों के अलावा वित्त, विपणन और व्यवसाय विकास तथा परियोजनाओं से शीर्ष प्रबंधन/वरिष्ठ कार्यपालकों ने देश के शीर्ष ब्रोकरेज घरानों द्वारा आयोजित 4 घरेलू निवेशक सम्मेलनों तथा हांग–कांग और सिंगापुर में एक–एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में भाग लिया।

इसके अलावा, गेल ने निवेशकों और विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की (निवेशक संबंधों (आईआर) के अनुसार कंपनी से उनकी अपेक्षाओं का पता लगाने तथा गेल में आईआर प्रबंधन में सुधार करने के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए निवेशक संबंध सर्वेक्षण का भी आयोजन किया गया। विश्लेषकों ने सर्वेक्षण में गेल द्वारा आईआर प्रबंधन में किए गए सुधारों की सराहना की है और गेल में निवेशक के संबंधों में सुधार करने के लिए कुछ बहुमूल्य सुझाव दिए हैं।

कंपनी सही समय पर और सही लोगों से निवेशकों और विश्लेषकों को सूचना का प्रचार–प्रसार करने में सर्वोत्तम संभव निवेशक संबंध सेवाएं उपलब्ध कराना जारी रखेगी। उपर्युक्त को देखते हुए, कॉर्पोरेट वेबसाइट के निवेशक जोन की वित्तीय वर्ष 14–15 के दौरान समीक्षा की गई और इसे और अधिक सूचनापरक और निवेशक अनुकूल बनाया गया है।

इसके अलावा, रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट के संबंध में निवेशकों की शिकायतों और मामलों को देखने के लिए शेयरधारक/निवेशक निवारण समिति का गठन किया गया है।

गेल के आर्थिक निष्पादन का सिंहावलोकन

जी4–ईसी8 वित्तीय वर्ष 2014–15 में, गेल (इंडिया) लिमिटेड ने पिछले वित्तीय वर्ष में 57,245 करोड़ रुपए की तुलना में 56,569 करोड़ रुपए का कारोबार (उत्पाद शुल्क का निवल) दर्ज किया है। वर्ष 2014–15 के दौरान सकल मार्जिन पिछले वर्ष के 7,599 करोड़ रुपए की तुलना में 5,557 करोड़ रुपए रहा। वर्ष के दौरान कर पूर्व लाभ पिछले वर्ष के 6,402 करोड़ रुपए की तुलना में 4,284 करोड़ रुपए था। वर्ष 2014–15 में कर उपरांत लाभ 3,039 करोड़ रुपए था जबकि पिछले वर्ष यह 4,375 करोड़ रुपए था।

वित्तीय निष्पादन (पृथक)

बिक्री (ईडी का निवल, करोड़ रुपए में)

सकल मार्जिन (पीबीडीआईटी, करोड़ रुपए में)

कर पूर्व लाभ (करोड़ रुपए में)

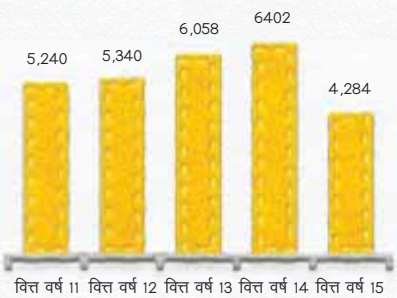

कर पश्चात् लाभ (करोड़ रुपए में)

हमारे शेयरधारक (जारी)

सृजित आर्थिक मूल्य[जी4–ईसी 1]

(भारतीय रुपए मिलियन में)

मापदंड	वित्त वर्ष 2010–11	वित्त वर्ष 2011–12	वित्त वर्ष 2012–13	वित्त वर्ष 2013–14	2014–15
राजस्व [जी4–9]	3,29,837	4,11,745	4,83,572	5,88,153	5,78,555

वितरित आर्थिक मूल्य

मापदंड	वित्त वर्ष 2010–11	वित्त वर्ष 2011–12	वित्त वर्ष 2012–13	वित्त वर्ष 2013–14	2014–15
प्रचालन लागत	2,70,115	3,54,441	4,10,649	5,17,214	5,18,284
कर्मचारी मजदूरी और लाभ	7,527	7,208	10,674	9,082	10,608
पूंजी प्रदायकों को भुगतान	10,700	14,352	17,240	20,368	14,983
सरकार को भुगतान	18,342	18,652	22,386	22,513	13,988

[जी4–ईसी4,जी4–एसओ6] वित्तीय वर्ष 14–15 में भारत सरकार से कोई वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं हुई। गेल ने राजनीतिक दलों, राजनीतिज्ञों या संबंधित संस्थानों को वित्तीय या वस्तु के रूप में कोई अंशदान नहीं दिया।

वित्तीय वर्ष 14–15 में गेल की लाभप्रदता वित्तीय वर्ष 13–14 की तुलना में 31% घट गई। इस कमी के मुख्य कारण नीचे दिए गए हैं:

प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों का अल्प क्षमता उपयोग

वित्तीय वर्ष 2014 में घरेलू गैस के 66 एमएमएससीएमडी से घटकर वित्तीय वर्ष 2015 में 59 एमएमएससीएमडी होने के कारण कंपनी व्यापार और ट्रांसमिशन मात्रा के विकास में कठिनाइयों का सामना कर रही है। प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों का क्षमता उपयोग केवल 45% है। न्यून गैस ट्रांसमिशन/न्यून पाइपलाइन क्षमता उपयोग और इसके कारण प्राप्त अल्प राजस्व से मूल्य ह्रास और ब्याज जैसी निर्धारित लागत को पूरा नहीं किया जा सकता, जिससे दाभोल–बैंगलोर पाइपलाइन, दादरी–बवाना–नांगल पाइपलाइन, चैन्सा–झझर पाइपलाइन आदि जैसी नई पाइपलाइनों से कम प्रतिलाभ प्राप्त हुआ।

घरेलू गैस की उपलब्धता में कमी

हाल के वर्षों में पेट्रोरसायन उत्पादन के लिए घरेलू गैस की उपलब्धता में कमी के कारण वित्तीय वर्ष 2015 में कुल गैस खपत घटकर 17% रह गई जबकि वित्तीय वर्ष 2014 में यह 63% थी। पॉलीमर उत्पादन के लिए महंगी आयातित सीएनजी का काफी अधिक उपयोग किया जा रहा है। पेट्रोरसायनों के उत्पादन की गैस लागत बढ़ गई है। इसके कारण वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान पेट्रोरसायन व्यवसाय से लाभ अर्जित करने में कमी आई है।

कच्चे तेल के मूल्यों में तीव्र गिरावट

वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान कच्चे तेल के मूल्यों में तीव्र गिरावट के कारण तरल हाइड्रोकार्बन की बिक्री से औसत मूल्य प्राप्ति में 16% की व्यापक कमी हुई जिसका वित्तीय वर्ष 2015 में नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

आयातित एलएनजी का उच्च मूल्य

घरेलू गैस में कमी तथा विशेषकर बिजली और उर्वरक कंपनियों द्वारा उच्च मूल्य पर एलएनजी खरीदने के लिए उपभोक्ता के विरोध के कारण गैस विपणन मात्रा वित्तीय वर्ष 2014 की तुलना में घटकर 7 एमएमएससीएमडी (9% की कमी) रह गई।

टैरिफ में कमी

पीएनजीआरबी द्वारा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क टैरिफ में कमी के कारण वित्तीय वर्ष 2015 में लाभ 449 करोड़ रुपए कम हुआ।

व्यवसाय के विकास के लिए हमारी पहल

''ऊर्जा को आर्थिक विकास का उत्प्रेरक माना जाता है। जबकि भारत में हाइड्रोकार्बन ऊर्जा की तीन–चौथाई आवश्यकता को आयात के जरिए पूरा किया जाता है, हमारा प्रयास स्वच्छ, आसानी से उपलब्ध और सस्ती ऊर्जा सुनिश्चित करने के स्थायी अवसरों की खोज करना है ताकि देश के विकास में योगदान दिया जा सके।

*–निदेशक (एचआर)**

(*व्यवसाय विकास से संबंधित कार्यकलापों के लिए)

गेल अपने निवेशकों के लिए अधिकतम प्रतिलाभ अर्जित करने हेतु जोर–शोर से कार्य कर रहा है। यह स्थायी व्यवसाय विकास के जरिए ही संभव है। इनमें से कुछ पहलों पर नीचे चर्चा की गई है:–

गैस स्रोत और आपूर्ति

आज गेल गैस मूल्य श्रृंखला में अपनी उपस्थिति दर्ज करने के लिए दुनिया भर में नए व्यवसाय अवसरों का विकास करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है। अप्रैल, 2013 में, गेल ने अपनी अप्रत्यक्ष पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, नामतः गेल ग्लोबल (अमेरिका) एलएनजी एलएलसी (जीजीयूएलएल) ने मैरीलैण्ड में स्थित कोव प्वाइंट एलएनजी तरलीकरण टर्मिनल कोव प्वाइंट एलएनजी, एलपी के साथ एक टर्मिनल सर्विस करार (टीएसए) पर हस्ताक्षर किए थे। टर्मिनल को गैर–एफटीए प्राधिकार और एफईआरसी अनुमोदन दोनों प्राप्त हो गए हैं और वर्तमान में यह निर्माणाधीन है। आपूर्तियों के जनवरी 2018 में शुरू होने की संभावना है। कंपनी ने डब्ल्यूजीएल मिडस्ट्रीम इंक (डब्ल्यूजीएलएम) के साथ नवम्बर, 2014 में करार किया था। डब्ल्यूजीएलएम उस समूह का हिस्सा है जिसका मध्य–अटलांटिक क्षेत्र में प्राकृतिक गैस आपूर्ति व्यवसाय में 160 से अधिक वर्षों का समृद्ध इतिहास रहा है।

इस वर्ष हमने गेल (इंडिया) लिमिटेड, आईएसजीएस (पाकिस्तान), एजीई (अफगानिस्तान) और तुर्कमेन गैस (तुर्कमेनिस्तान) के साथ सफलतापूर्वक एसपीवी का निर्माण किया जिसमें 'इसले ऑफ मैन' शामिल था। इससे 1814 कि.मी. लम्बी टीएपीआई पाइपलाइन के जरिए तुर्कमेनिस्तान से भारत में 38 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस आएगी।

एलएनजी पुनर्गैसीकरण टर्मिनल और शिपिंग

गेल भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाकर तथा अपने ग्राहकों को बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने का दोहरा उद्देश्य प्राप्त करने के लिए संपूर्ण एलएनजी मूल्य श्रृंखला में उपस्थिति दर्ज करने के लिए गैस परिसंपत्तियों, तरलीकरण सुविधाओं और एलएनजी शिपिंग में निवेश करने पर भी ध्यान केन्द्रित कर रहा है। प्राकृतिक गैस की प्रमुख कंपनी होने के नाते गेल ने भारत में प्राकृतिक गैस की लगातार बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बहु एलएनजी और ट्रांसनेशनल पाइपलाइन सौदे के जरिए कतर, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, रूस और तुर्कमेनिस्तान से लगभग 86 एमएमएससीएमडी गैस के विविधिकृत दीर्घावधि आयात पोर्टफोलियो को लागू करने के लिए गैस आपूर्तियों के साथ करार किया है। ये करार भारतीय गैस बाजार का विकास करने तथा दीर्घावधि में ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने में भारत की मदद करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता के प्रयास हैं।

विविधिकृत गैस स्रोत

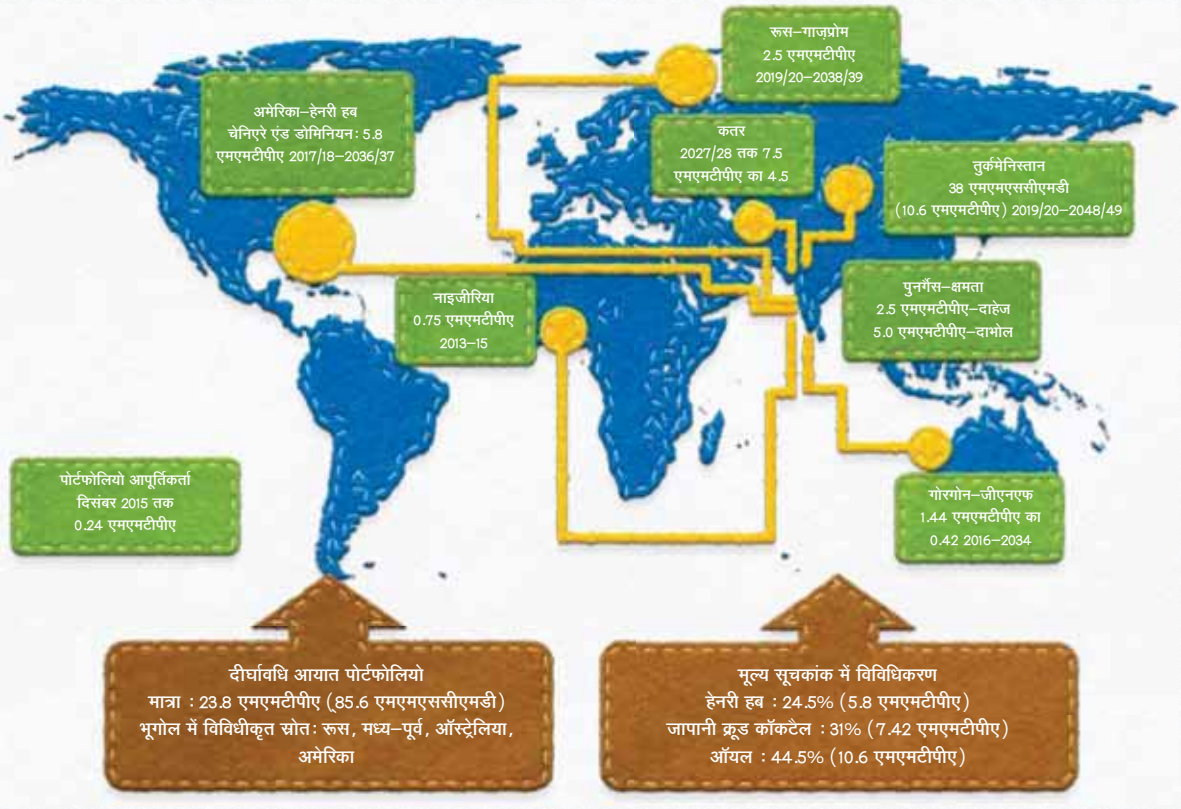

हमारे शेयरधारक (जारी)

पेट्रोरसायन और एलएचसी

गेल भारतीय पेट्रोरसायन बाजार में अग्रणी कंपनियों में से एक है जिसकी क्षमता 810 केटीए तथा बाजार शेयर 15% से अधिक है। इसके अलावा, गेल भारत में उत्पादित कुल एलपीजी (~1040 केटीए) के लगभग 10% तथा 240 केटीए अन्य तरल हाइड्रोकार्बन से अधिक का भी उत्पादन करता है।

एक अग्रणी पेट्रोरसायन क्षेत्र कंपनी बनने के उद्देश्य से हम अपनी मौजूदा क्षमता को बढ़ा रहे हैं, नए संयंत्रों की स्थापना कर रहे हैं, तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं में इक्विटी दावा प्राप्त कर रहे हैं।

प्राकृतिक गैस और एलपीजी पाइपलाइनें

प्रारंभ से ही गेल ने 11,000 कि.मी. से अधिक का प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क निर्धारित किया है जो भारत में प्राकृतिक ट्रांसमिशन का आधार है। गैस पाइपलाइन के अलावा, गेल ने एलपीजी का सुरक्षित, किफायती और सुलभ ट्रांसमिशन सुनिश्चित करने के लिए 2000 कि.मी. से अधिक की एलपीजी ट्रांसमिशन पाइपलाइनें भी बिछाई गई हैं। विगत सात वित्तीय वर्षों के दौरान पाइपलाइन अवसंरचना लगभग 5000 कि.मी. बढ़ गई है। वर्तमान में लगभग 5000 कि.मी. की प्राकृतिक गैस पाइपलाइनें बिछाने की परियोजनाएं चल रही हैं जिससे और अधिक ग्राहक और नए बाजारों की इन तक पहुंच स्थापित हो सकेगी।

नगर गैस वितरण

भारत में गेल, नगर गैस वितरण व्यवसाय में अग्रणी कंपनी है जिसके 8 संयुक्त उद्यम हैं, जिनमें आईजीएल दिल्ली और एमजीएल मुंबई प्रमुख हैं तथा एक सहायक कंपनी गेल गैस लिमिटेड है।

अक्षय ऊर्जा पर बल

गेल 2010 से अक्षम ऊर्जा व्यवसाय (सौर, पवन आदि) के पोर्टफोलियो का लगातार सृजन कर रहा है। वर्तमान में, गेल के अक्षय पोर्टफोलियो में 118 मेगावाट की पवन ऊर्जा और 5 मेगावाट की सोलर ऊर्जा शामिल है जिसमें लगभग 700 करोड़ रुपए का कुल निवेश किया गया है।

प्रमुख परियोजनाएं (चालू और निर्माणाधीन)

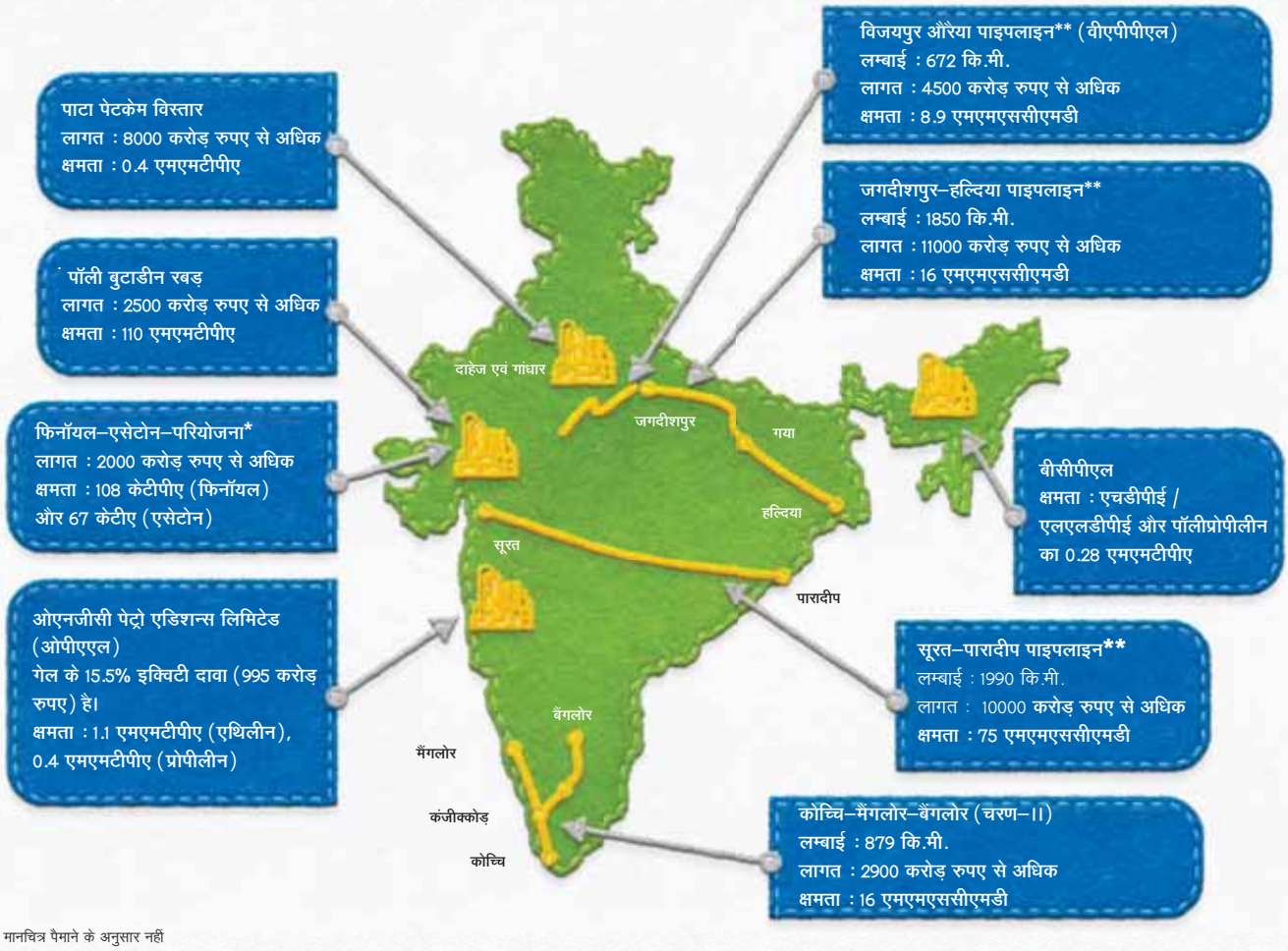

मानचित्र पैमाने के अनुसार नहीं

*फिनॉयल–एसेटोन–परियोजना, वीएपीपीएल विचाराधीन है

**एनकर लोड ग्राहकों से सामंजस्य करते हुए स्थापित किया जाए

अनुसंधान और विकास

गेल में अनुसंधान और नई खोज पर अधिक जोर दिया जाता है। गेल की आरएण्डडी के प्रमुख क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता और संरक्षण, नए उत्प्रेरकों का विकास, नए पोलीमर ग्रेडों का विकास, सीओ2 परिवर्तन/उपयोग, सूक्ष्म और नेनो–सामग्रियां/ ईंधन सेल, नवीकरणीय ऊर्जा और अपरंपरागत ऊर्जा स्रोत शामिल हैं। वर्तमान में, 25 आरएण्डडी परियोजनाओं को लागू किया जा रहा है तथा स्थलों पर कई विकास परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। हम अनुसंधान और खोज पर प्रतिवर्ष कर उपरांत लाभ का 1% खर्च भी करते हैं।

अनुपालन संबंधी घोषणा

जी4–ईएन29, जी4–डीएमए

हम सुनिश्चित करते हैं कि हमारा समस्त प्रचालन हमारे व्यवसाय लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ–साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विनियमों के अनुरूप हो। वर्ष के दौरान कंपनी पर कानूनों और विनियमों का अनुपालन न करने पर कोई महत्वपूर्ण जुर्माना या गैर–आर्थिक प्रतिबंध नहीं लगाया गया।

हमारा समझौता–ज्ञापन

सार्वजनिक क्षेत्र का केन्द्रीय उद्यम होने के कारण सरकार के साथ बाहरी समझौता–ज्ञापन (एमओयू) दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता–ज्ञापन में दोनों पक्षकारों की सहमति और बाध्यताओं के उद्देश्यों का उल्लेख किया गया है। इसने वित्तीय (50%) और गैर–वित्तीय मापदण्डों (50%) दोनों के लक्ष्यों पर परस्पर सहमति की है।

वित्तीय वर्ष 2014–15 में समझौता–ज्ञापन के कुछेक और गैर–वित्तीय मापदण्डों को नीचे दर्शाया गया है:

वित्तीय वर्ष 2014–15 में समझौता–ज्ञापन के कुछेक गैर–वित्तीय निष्पादन की रिपोर्ट यहां दर्शाई गई है:

मापदण्ड	इकाई	उत्कृष्ट लक्ष्य	उपलब्धि
प्रति कर्मचारी कर उपरांत लाभ	लाख रुपए में	92.78	71.22
3 स्थलों पर प्रोजेक्ट 'गेल–आईएल एंड एफएस दक्षता स्कूल' के अंतर्गत उपेक्षित ग्रामीण/अर्द्ध–ग्रामीण परिवारों के युवाओं को नौकरी से संबद्ध व्यावसायिक दक्षता प्रशिक्षण (सतत् अग्रणी कार्यक्रम)	प्रशिक्षित युवाओं की संख्या	2800	3382
परियोजना जलधारा–जिला झाबुआ, म.प्र. के गांवों में एकीकृत वॉटरशेड प्रबंधन परियोजना	प्राप्त उपलब्धियों की संख्या	छः उपलब्धियां	छः उपलब्धियां
भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में महिलाओं को रोजगार देने के लिए दक्षता प्रशिक्षण	संख्या	360	480
गैस स्वीटनिंग के लिए नए घोल का विकास	प्राप्त उपलब्धियों की संख्या	पांच उपलब्धियां	पांच उपलब्धियां
सीएनजी/पीएनजी के लिए धातु ऑक्साइड पतली फिल्म आधारित न्यून लागत सेंसर का विकास	प्राप्त उपलब्धियों की संख्या	सात उपलब्धियां	सात उपलब्धियां
भावी नेतृत्व भूमिका तथा आगामी योजना के लिए करियर विकास प्रशिक्षण में शामिल लक्षित वरिष्ठ स्तरीय कार्यपालकों को समर्थ बनाने के लिए उसका प्रतिशत।	लक्षित समूह का %	90	96.4
प्रति कर्मचारी प्रतिवर्ष प्रशिक्षण दिवस	प्रति कर्मचारी प्रशिक्षण दिवसों की संख्या	2	5.07

कार्मिक

हमारे शेयरधारक (जारी)

कार्मिक–हमारी मानव पूंजी हमारे व्यवसाय का प्रमुख आधार है। यह आधारशिला उच्च दक्षता विकास, कार्मिक दक्षता विकास, तथा नई खोज और सहयोग की संस्कृति पर आधारित है। हमारे कार्मिक सफलता के भावी मार्ग के हमारे आधार स्तंभों में से एक स्तंभ के रूप में कार्य करते हैं। हमारा मानना है कि हमारे कार्मिक संगठन के लिए अत्यधिक उत्पादक परिसंपत्तियां हैं और यह हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है कि उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की जाए और उनका ख्याल रखा जाए। इस कार्यनीति से, हमें विश्वास है कि हम जिम्मेदार विकास को बढ़ावा देने के लक्ष्य को प्राप्त कर पाएंगे।

गेल के कार्मिकों ने अपने अथक कड़े परिश्रम और समर्थन से संगठन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। गेल के मानव संसाधन (एचआर) ने परस्पर विश्वास और सम्मान के आधार पर हमारे कार्मिकों के साथ मजबूत रिश्ता बनाने की दिशा में कार्य किया है।

अपने मानव संसाधनों को तुरंत और प्रभावी ढंग से समर्थन देने के प्रयास में, गेल ने समय–समय पर अपनी मानव संसाधन नीतियों, प्रक्रियाओं को कार्यान्वित किया है तथा उनमें संशोधन किया है। समग्र मानव संसाधन कार्य की अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) द्वारा की जाती है और उसका कॉर्पोरेट और साइट स्थलों पर मानव संसाधनों दल द्वारा समर्थन किया जाता है। इन प्रणालियों के अलावा, हम पहली पीएसयू हैं जिन्होंने सैप कार्मिक स्वयं सेवा (ईएसएस) अनुप्रयोग सहित सैप ईआरपी मानव पूंजी प्रबंधन (एचसीएम) अनुप्रयोग को कार्यान्वित किया है।

''हमारी शक्ति हमारी सर्वाधिक मूल्यवान परिसंपत्ति अर्थात् हमारी मानव पूंजी में है। गेल में, मानव संसाधन प्रबंधन का मिशन संसाधन संपन्न परिवेश का सृजन करना है जो दल की उत्कृष्टता और कार्मिक विकास'' पर अधिक बल देने के साथ–साथ मानव संसाधन और प्रौद्योगिकी के सक्रिय विकास के जरिए संगठन का स्थायी विकास करता है।''

– निदेशक (मानव संसाधन)

कार्मिक संबंध और कल्याण जी4–ईसी3, जी4–एलए2

हमारा मानना है कि लोगों को शामिल करने और अधिकार देने से वे अधिक रचनात्मक और उत्पादन कर पाएंगे। हम अपने कार्मिकों की समस्याओं और उनके उत्प्रेरण स्तर को बढ़ाने के लिए उनकी अपेक्षाओं को समझने और उन्हें हर समय दक्ष बनाए रखने पर बल देते हैं।

संगठन का एक प्रमुख बल क्षेत्र अपने कार्मिकों को अनुकूल कार्य माहौल प्रदान करना है विशेषकर दूर–दराज के स्थलों में, जहां उच्च गुणवत्ता जीवन स्तर निम्न है। इसके लिए हमने ऐसे क्षेत्रों में आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों, खेल सुविधाओं, क्लबों, और स्कूलों और चिकित्सा सुविधाओं का विकास किया है।

हमने कार्मिकों और उनके परिवारों के लिए महत्वपूर्ण उत्सवों और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों के दौरान कार्यक्रमों और कार्यकलापों का आयोजन करके कार्मिकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए भी अनेक प्रयास किए हैं। अपनी प्रतिधारण कार्यनीति के भाग के रूप में गेल द्वारा शुरू की गई कुछ महत्वपूर्ण पहलों को नीचे प्रस्तुत किया गया है :

- **आकर्षक मुआवजा और लाभ पैकेज:** गेल अपने कार्मिकों को आकर्षक मुआवजा पैकेज देता है। हम गृह निर्माण अग्रिम, वाहन अग्रिम आदि जैसे अन्य अनेक लाभ भी प्रदान करते हैं। गेल महिला कार्मिकों को वेतन सहित दो वर्ष की शिशु देखभाल छुट्टी भी प्रदान करता है। इसके अलावा, गेल कार्मिकों को अन्य लाभ योजनाएं भी प्रदान करता है जिनमें उपदान, सेवा–निवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ, अर्जित अवकाश

स्वतंत्रता दिवस समारोह

लाभ, आवधिक लाभ, अर्द्ध–वार्षिक छुट्टी और दीर्घ सेवा को मान्यता देना भी शामिल है।

- **अधिवर्षिता लाभ:** गेल अधिवर्षिता लाभ के रूप में मूल वेतन का 30% और मंहगाई भत्ते का भी प्रावधान करता है जिसमें अंशदायी भविष्य निधि (सीपीएफ), उपदान, पेंशन और अधिवर्षिता उपरांत चिकित्सा लाभ शामिल हैं।
- **पुरस्कार और मान्यता:** चूंकि पुरस्कार और मान्यता कार्मिकों के प्रेरणा स्तर में सुधार करने में प्रमुख भूमिका निभाती है अतः गेल में यह सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत प्रणाली मौजूद है कि कार्मिकों को उनके अंशदान के लिए पर्याप्त रूप से मान्यता दी जाए। इनमें निम्नलिखित शामिल हैः
  - **सुझाव योजना:** सहभागिता कार्य संस्कृति का सृजन करने और नई खोज को प्रोत्साहित करने के लिए गेल ने ''सुझाव योजना'' प्रारंभ की है जिसके अंतर्गत कार्मिक गेल इंट्रानेट के जरिए अपने सुझाव सीधे दे सकते हैं।
  - **खेलों को बढ़ावा देना:** हम उन्हें खेल कार्यक्रमों जैसे अंतर–क्षेत्रीय खेल बैठक (आईआरएसएम) तथा पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।
  - **गुणवत्तापूर्ण जीवन:** गेल टाउनशिप में खेल क्लब, जिम, तरणताल, पुस्तकालय आदि जैसी सुविधाओं और उनके परिवार के सदस्यों के जीवन–स्तर में दूर–दराज के इलाकों, जहां ये सुविधाएं स्थित हैं, में भी सुधार करना है।
- **शिकायत निवारण:** कार्मिक की शिकायतों का शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने के लिए गेल ने ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली की स्थापना की है और इसकी कॉर्पोरेट मानव संसाधन द्वारा निगरानी की जाती है। पीड़ित कार्मिक प्रणाली में अपनी शिकायत दर्ज करता है और संबंधित एचआर–प्रभारी को निर्धारित समयावधि में शिकायत का समाधान करना होता है। प्रणाली में स्वतः अग्रेषित होने की विशेषता है और यदि शिकायत का निर्धारित समयावधि में समाधान नहीं होता है तो शिकायत एचआर–प्रभारी से बढ़कर महाप्रबंधन (एचआर), कॉर्पोरेट कार्यालय और अंततः निदेशक (मानव संसाधन) तक पहुंच जाती है। इसके अलावा, यदि पीड़ित कर्मचारी दिए गए उत्तर/राहत से संतुष्ट नहीं है तो प्रणाली में अगले स्तर पर अपील करने का भी प्रावधान है।

अभिनवता और सहयोग की संस्कृति विकसित करना

हमारा यह प्रयास है कि संगठन में भागीदारीपूर्ण कार्य संस्कृति बनाई जाए जो बदलते व्यवसाय परिदृश्य में संक्रमण काल के अनुकूल हो। कार्य आचार–नीति प्रत्येक कार्य में समानांतर सहयोग और ऊपर की ओर बढ़ते एकीकरण का समर्थन करती है।

पिछले कुछ वर्षों में हमारा व्यवसाय संदर्भ तेजी से विकसित हुआ है। अपने कार्मिकों को गतिशील परिवेश में बने रहने में मदद करने के लिए गेल का मानना है कि अभिनवता, रचनात्मकता और पहल करना अहम निर्धारक तत्व हैं और इन्हें उपयुक्त प्रोत्साहन देकर संगठित रूप में निर्देशित करने की आवश्यकता है ताकि प्रत्येक कार्मिक को प्रोत्साहन मिले और वह संगठनात्मक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपने सुझाव देने के लिए प्रेरित हो सके।

हमारी मानव पूंजी का विकास जी4–डीएमए

गेल द्वारा भर्ती किए गए कार्यपालक प्रशिक्षुओं को कड़ा और प्रभावी प्रवेश–सह–अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में भेजा जाता है। यह प्रशिक्षण ढाई महीने का होता है और इसे प्रशिक्षण योजना संचालन समिति के परामर्श से तैयार की जाती है। इसके अलावा, हमारे कर्मचारियों की विकास आवश्यकताओं के लिए वार्षिक प्रशिक्षण आवश्यकता आकलन प्रक्रिया आयोजित की जाती है। प्रशिक्षण योजना के ब्यौरे पर मानव पूंजी खण्ड में चर्चा की जाती है।

व्यावसायिक, स्वास्थ्य और सुरक्षा जी4–डीएमए, जी4–एलए5

गेल में, हमारा मानना है कि कार्मिक गेल परिवार का सबसे अहम हिस्सा हैं। हमारे लिए यह सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण होता है कि हमारे कार्मिकों का स्वास्थ्य उत्तम हो और वे सुरक्षित और संरक्षित हों। हमने अपने कार्मिकों और शेयरधारकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निवारक और सुरक्षात्मक उपाय किए हैं। स्वास्थ्य और सुरक्षा गेल के लिए सामग्री मुद्दे के रूप में भी उभरे हैं और इनका स्वास्थ्य और सुरक्षा में अलग–अलग समाधान किया जाता है। गेल का औपचारिक संयुक्त प्रबंधन – कामगार स्वास्थ्य और सुरक्षा समितियों में अपने कार्यबल का 100% प्रतिनिधित्व करता है जो व्यवसाय स्वास्थ्य और सुरक्षा कार्यक्रम पर निगरानी करने और सलाह देने में मदद करता है।

विविधता, सामान्य अवसर और भेदभाव रहित

जी4–डीएमए, जी4–एलए3, जी4–एचआर3

विविधता को प्रोत्साहित करने के दर्शनशास्त्र के अनुसार, गेल प्रबंधन ने गेल महिला कार्मिकों को संगठन के समग्र विकास में उनकी प्रशंसनीय सेवाओं और योगदान के लिए तीन पुरस्कार स्थापित किए हैं। पुरस्कार का उद्देश्य कार्यात्मक प्रबंधन, कॉर्पोरेट सामाजिक पहल तथा कॉर्पोरेट सांस्कृतिक पहल के क्षेत्र में गेल की उत्कृष्ट महिला कार्मिकों को उनकी सेवाओं के लिए मान्यता तथा प्रोत्साहन देना है।

गेल को समान अवसर नियोक्ता होने तथा कार्यस्थल पर विविधता और समग्रता को बढ़ावा देने पर गर्व है। वह अपने कार्मिकों के साथ लिंग, जाति, रंगभेद या धर्म या ऐसे किसी आधार पर भेदभाव नहीं करता और समान कार्य के लिए समान वेतन प्रदान करता है। गेल समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 का अनुपालन करता है और जेंडर के आधार पर मजदूरी में कोई भेदभाव नहीं करता। कंपनी यह भी सुनिश्चित करती है कि भर्ती/करियर विकास/मूल्यांकन प्रक्रिया और किसी कार्य केन्द्र में मुआवजे की प्रोसेसिंग के दौरान कोई भेदभाव न किया जाए। वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान भेदभाव की किसी घटना की कोई रिपोर्टिंग नहीं की गई है।

मानवाधिकार जी4–डीएमए, जी4–एचआर2

गेल न केवल भूमि के कानूनों (जैसे श्रम प्रथाएं, बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी, कार्य स्थितियां आदि) का पालन करता है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय विधेयकों और संधियों के अंतर्गत अन्य स्वैच्छिक करारों के लिए भी प्रतिबद्ध है। गेल ने संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कंपैक्ट पर भी हस्ताक्षर किए हैं जिसमें मानवाधिकार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मानवाधिकार के लिए गेल की इन नीतियों और स्वैच्छिक प्रतिबद्धता को सही भावना में बनाए रखा और कार्यान्वित किया जाता है। श्रम कानूनों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम और आउटसोर्स करना ऐसे कार्यक्रम हैं जिन्हें गेल प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित किया जाता है जो मानवाधिकार के लगभग अधिकांश पहलुओं को कवर करते हैं। ऐसे कार्यक्रमों को वार्षिक प्रशिक्षण योजना के रूप में आयोजित किया जाता है और आउटसोर्स के संविदा प्रभारियों को प्रतिवर्ष संबंधित पहलू पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के दौरान संबंधित विषय पर एक–दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के दौरान आयोजित किया गया और 27 (432 मानव घंटे) कार्यपालकों को श्रम कानूनों पर प्रशिक्षण दिया गया तथा मानवाधिकारों के तत्वों के साथ आउटसोर्सिंग की गई।

मानवाधिकार का मुद्दा अच्छी कॉर्पोरेट नागरिकता तथा ठोस बुनियादी स्तर पर केन्द्रित है। भर्ती के बाद सभी कार्मिकों को गेल के आचरण, अनुपालन और अपील (सीडीए) नियमावली के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है ताकि इन पहलुओं पर उनकी समझ विकसित हो सके।

गेल ने एक महिला प्रकोष्ठ का सृजन किया है जो नियोजित योजनाओं और महिला विकास पर केन्द्रित अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा करने के लिए जिम्मेदार है। गेल महिला प्रकोष्ठ राष्ट्रीय महिला आयोग तथा महिलाओं के विकास के लिए स्कोप और सार्वजनिक क्षेत्र में महिला (डब्ल्यूआईपीएस) मंचों के साथ भी संपर्क बनाता है। इसके अलावा, गेल की कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए एक सुपरिभाषित नीति है।

बाल श्रम, बलात मजदूरी और बंधुआ मजदूरी

जी4–डीएमए, जी4–एचआर5

जी4–एचआर6

गेल में बाल और बलात मजदूरी के किसी स्वरूप को लागू नहीं किया जाता तथा वह यह सुनिश्चित करता है कि ऐसा कोई रोजगार उसके किसी प्रचालन में न दिया जाए। इसकी गारंटी के लिए प्रत्येक नई भर्ती को अपनी आयु का प्रमाण देना होता है। इसके अलावा, कंपनी बच्चों की सामाजिक स्थिति में सुधार करने के लिए सक्रिय रूप से योगदान देकर बाल मजदूरी का उन्मूलन करने के लिए सक्रिय ढंग से कार्य के लिए प्रतिबद्ध है। इसे प्रोत्साहित करने के लिए, हम कोई बाल मजदूरी नहीं की नीति पर कार्य करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हैं। यद्यपि प्रचालनों का पता लगाने के लिए कोई औपचारिक/विशिष्ट पहल नहीं हुई है, जिसमें बाल मजदूरी या बलात मजदूरी और बंधुआ मजदूरी का सामना करना पड़ा हो, अतः रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान बाल मजदूरी या बलात मजदूरी या बंधुआ मजदूरी कराए जाने की किसी घटना की सूचना नहीं मिली है। इसका उन्मूलन करने के लिए प्रत्येक स्थान पर संबंधित कार्यपालक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है कि संगत सांविधिक नियमों का पालन किया जाए।

एसोसिएशन और सामूहिक बातचीत की स्वतंत्रता जी4–एलए4, जी4–डीएमए, जी4–एचआर4

कंपनी अपने संबंधित कामगारों/स्टॉफ के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली यूनियनों को मान्यता देती

है। गेल कर्मचारी एसोसिएशन (जीईए) कॉर्पोरेट कार्यालयों को छोड़कर देश भर में विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों/ संयंत्रों/ स्थापनाओं में तैनात गैर–कार्यपालकों का प्रतिनिधि निकाय हैं। कॉर्पोरेट कार्यालय में तैनात गैर–कार्यपालकों का प्रतिनिधित्व गेल कर्मचारी संघ (जीकेएस) द्वारा किया जाता है।

विभिन्न समूहों, कार्यों और कार्य केन्द्रों से नामित वरिष्ठ स्तरीय कार्यपालकों वाली एक समिति कॉर्पोरेट स्तर पर एसोसिएशन के विभिन्न मुद्दों को देखती है जबकि कार्य केन्द्र स्तर पर, समिति में प्रभारी अधिकारी, एचआर के प्रमुख तथा अन्य विभाग शामिल होते हैं। 100 प्रतिशत स्थायी गैर–कार्यपालक गेल कर्मचारी एसोसिएशन (जीईए) तथा गेल कर्मचारी संघ (जीकेएस) के सदस्य हैं जो सामूहिक बातचीत में शामिल होते हैं। कुल मिलाकर, 911 (अर्थात् कुल कार्मिकों का 21%) नियमित कार्मिक हैं जो इन मान्यताप्राप्त यूनियनों के सदस्य हैं। जी4–11

कार्य केन्द्र और कॉर्पोरेट स्तर दोनों पर मासिक/ पाक्षिक/तिमाही बैठकों के जरिए कार्मिकों के साथ चर्चा की जाती है। निदेशक (एचआर) द्वारा प्रभावी निगरानी के लिए मासिक आधार पर कॉर्पोरेट कार्यालय में विभिन्न कार्य केन्द्रों में हुई चर्चा की रिकार्ड की गई टिप्पणियों का मिलान किया जाता है। एसोसिएशन को स्वतंत्र रूप से कार्य करने और वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान सामूहिक बातचीत करने का अधिकार देने से संबंधित ऐसा कोई प्रचालन नहीं हुआ जो जोखिम से भरा हो।

हम महत्वपूर्ण प्रचालनात्मक परिवर्तनों के संबंध में नोटिस अवधि उपलब्ध कराने के लिए औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 और अनुसूची 4 की धारा 9क का पालन करते हैं। ऐसा कोई प्रचालन नहीं किया गया जिससे वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान एसोसिएशन की स्वतंत्रता और सामूहिक बातचीत करने के अधिकार के उल्लंघन से संबंधित जोखिम हुआ हो।

सुरक्षा पद्धतियां जी4–डीएमए, जी4–एचआर7, जी4–एचआर9

गेल की परिसंपत्तियां विरोध, तोड़फोड़ और संभावित आतंकी हमले का निशाना बन सकती हैं। ये परिसंपत्तियां राष्ट्रीय महत्व की हैं और इन परिसंपत्तियों से संबंधित किसी घटना का सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक सुधारों पर प्रभाव पड़ता है।

इस परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए गेल प्रबंधन इन खतरों के प्रति जागरूक है तथा उसने नीचे दी गई सूची के जरिए की गई पहलों के माध्यम से कार्रवाई की है:–

- वर्ष के दौरान सुरक्षा उल्लंघन का शून्य स्तर प्राप्त करना।
- गेल की स्थानाओं का दौरा करने के दौरान औद्योगिक सुरक्षा अन्वेषण ब्यूरों के दल द्वारा की गई 401 सिफारिशों में से 384 सिफारिशों को कार्यान्वित कर दिया गया है (95.76%) (जिनमें वे सिफारिशें भी शामिल हैं जिन्हें आईबी द्वारा त्याग दिया गया था तथा केवल 17 सिफारिशों को कार्यान्वित किया जा रहा है।
- सभी कार्यपालक निदेशकों (ओएण्डएम) तथा संबंधित प्रभारी अधिकारी को उनके क्षेत्राधिकार में सभी लंबित स्थापनाओं के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र की घोषणा में शीघ्रता लाने की सलाह दी गई है।
- संवेदनशीलता के आधार पर पैदल निगरानी की बारंबारता बढ़ा दी गई है।
- पैदल निगरानी भत्ता बढ़ा दिया गया है।
- प्रणाली में लगभग 5000 कि.मी. पाइपलाइन नेटवर्क का नक्शा बनाया गया है और ये प्रयोग में है।
- मुंबई, विजयपुर, जेएलपीएल, एनसीआर, लाकवा आदि में जीपीएस/जीआईएस आधारित पैदल निगरानी कार्यान्वित की गई है।
- पाइपलाइन पैदल निगरानी ''अपवाद रिपोर्ट'' तैयार की जा रही है और सभी संबंधितों को प्रेषित की जाएगी।
- तटीय सुरक्षा समन्वय समिति (ओएससीसी) की बैठकों में भाग लिया गया। ओएससीसी की बैठक के कार्यवृत्त का आदान–प्रदान किया गया, तथा उनकी कार्य केन्द्रों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई की गई।
- विभाग/गेल में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह, सुरक्षा आपात प्रतिक्रिया अभ्यास आदि जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

संयंत्रों, कंप्रेशर स्टेशनों, मध्यवर्ती पंपिंग स्टेशनों तथा गेल के स्वामित्व वाले कार्यालयों में बॉयोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल प्रणाली की स्थापना की गई है तथा पहचान–पत्र जारी करने तथा उनका डिस्पेच तथा प्राप्ति/लौटाए जाने की प्रक्रिया को कारगर बनाया गया है।

समुदाय / समाज

हमारे शेयरधारक (जारी)

हमारे प्रचालन अधिकतर दूर–दराज की बसावटों के आसपास स्थित हैं जहां मूल उपयोगिताओं और आधारभूत ढांचों का अभाव होता है। गेल आदान–प्रदान मूल्य की अवधारणा में विश्वास रखता है और उसने स्वयं अवसंरचना, आधुनिक सुविधाएं स्थापित करने, रोजगार योग्यता को बढ़ाने का कौशल उपलब्ध कराने और इन स्थानीय समुदायों में स्थानीय समृद्धि को प्रोत्साहित करना शुरू किया है। इन प्रयासों के जरिए हम अपने समुदायों के लिए अपने तरीके से जिम्मेदार विकास के लिए उत्तरदायी हैं।

गेल पाता में विद्यालय में स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय का पालन

भारतवर्ष में फैले 11,000 कि.मी. के प्राकृतिक गैस पाइपलाइन से हम देश के सबसे दूर–दराज के स्थलों में प्रचालन कर रहे हैं। हम जहां प्रचालन करते हैं, उन समुदायों के महत्व को समझते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए अपने उत्कृष्ट प्रयास करते हैं। अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायी कार्यक्रमों के जरिए समुदायों की आवश्यकताओं और समस्याओं का समाधान करने के लिए हमारे पास एक ढांचागत अवसंरचना है। इसमें हमारा नीतिगत दस्तावेज शामिल है जो हमारी सीएसआर पहलों के लिए प्रक्रिया और केन्द्रित क्षेत्र उपलब्ध कराता है।

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 और डीपीई दिशा–निर्देश, 2014 के अंतर्गत प्रावधानों के अनुसार हमारी सीएसआर नीति को संशोधित किया गया था। यह नीति सीएसआर व्यय हेतु तत्काल पूर्व तीन वित्तीय वर्षों के दौरान हुए औसत निवल लाभ के 2% का भी आवंटित करती है। निदेशक मण्डल ने एक निगमित सामाजिक उत्तरदायी (सीएसआर) समिति (बोर्ड की उप–समिति) का गठन किया है जिसमें हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंधन निदेशक समिति के अध्यक्ष हैं तथा निदेशक (एचआर) संयुक्त सचिव (एमओपीएनजी) समिति के सदस्य हैं। सीएसआर नीति पर हमारी वार्षिक रिपोर्ट तथा कार्यान्वित कार्यक्रमों को निदेशक मण्डल की रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा तथा गेल सीएसआर समिति पर सूचना को कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट और वेबसाइट में भी प्रकाशित किया जाएगा।

नई नीति के अनुसार, हमारी सभी सीएसआर पहलों के 75% को मुख्यतः दूर–दराज के क्षेत्रों में 100 कि.मी. के दायरे में 'स्थानीय क्षेत्रों' में और उसके आसपास कार्यान्वित किया जाएगा। इन स्थानीय समुदायों में हमारे प्रचालनों के आसपास स्थित आदिवासी लोग भी शामिल हैं। आदिवासी लोग मध्य प्रदेश राज्य में झाबुआ में रहते हैं लेकिन रिपोर्टिंग अवधि के दौरान किसी विवाद की कोई घटना सामने नहीं आई है। एक पीएसयू होने के कारण, हमारा मुख्य उद्देश्य लोगों की सेवा करना है और हम सभी शेयरधारकों के लिए हर हाल में लाभ कमाने की स्थितियों का सृजन करने के लिए इन स्थानीय और आदिवासी समुदायों के साथ भागीदारी करते हैं। इन समुदायों की आवश्यकताओं का मूल्यांकन करने तथा बुनियादी परिदृश्यों का आकलन करने के लिए भी आवश्यकता आकलन सर्वेक्षण किया जाता है। इन आकलनों के आधार पर समुदाय से संवाद के जरिए आंकड़े और सूचना एकत्र की जाती है तथा कार्यकलापों की योजना बनाकर उन्हें कार्यान्वित किया जाता है।

इन कार्यकलापों को आवश्यकता पड़ने पर पंजीकृत न्यासों, सोसायटियों, स्वायत्त निकायों, सरकारी विभागों, एनजीओ आदि की मदद से

स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय के तहत शौचालय का निर्माण

लागू किया जाएगा। पारदर्शिता और प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर समय–समय पर निगरानी उपलब्ध कराने के लिए कंपनी द्वारा एक ठोस निगरानी ढांचा स्थापित किया जाएगा।

हमारे सीएसआर सिद्धांत के प्रमुख कार्यक्रम 'हृदय' से, अब सामुदायिक परियोजनाओं को अलग से बनाया जाता है और उन्हें उस उद्देश्य का नाम दिया जाता है जिसे वे प्राप्त करना चाहते हैं। गेल सीएसआर कार्यक्रमों के अंतर्गत नीचे दर्शाए गए अनुसार प्रमुख क्षेत्रों पर कार्य कर रहा है:

- गेल आरोग्य – (वैलनेस) पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पेयजल
- गेल उज्ज्वल – (उज्ज्वल भविष्य के लिए) (शिक्षा पहलें)
- गेल कौशल – (स्किल) आजीविका सृजन और दक्षता विकास
- गेल उन्नति – (प्रोग्रेस) ग्रामीण विकास
- गेल सशक्त – महिला अधिकारिता पहलें
- गेल सक्षम – बुजुर्ग और विकलांगों की देखभाल
- गेल हरित – पर्यावरण केन्द्रित पहलें

इन बहु–आयामी सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के जरिए हम समुदायों का सामूहिक विकास सुनिश्चित करते हैं जिससे सीएसआर कार्यक्रमों का स्थायी आयाम सुनिश्चित होता है।

गेल में हमारा मानना है कि हमारे व्यवसाय विकास की स्थिरता लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने, समुदायों को लाभ पहुंचाने, हमारे पर्यावरण का संरक्षण करने तथा समुदाय के उपेक्षित वर्गों का उत्थान करने में निहित हैं। स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हमारे सीएसआर अभियान के भाग के रूप में गेल ''स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय'' कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 3500 शौचालयों के निर्माण में सहायता कर रहा है। संक्षेप में गेल के हस्तक्षेप से समग्र और समान सामाजिक विकास को व्यापक प्रोत्साहन मिला है।

– निदेशक (मानव संसाधन)

वित्तीय वर्ष 2014–15 में ध्यान दिया जाने वाला क्षेत्रवार सीएसआर व्यय

कंपनी के विजन के अनुरूप हमारे सीएसआर निष्पादन संकेतकों को एमओपीएनजी के साथ हस्ताक्षरित हमारे वार्षिक समझौता–ज्ञापन में भी शामिल किया जाता है। रिपोर्टिंग वर्ष के लिए समझौता–ज्ञापन मुख्यतः तीन कार्यक्रमों पर केन्द्रित है।

- गेल – आईएल एंड एफएस दक्षता स्कूल परियोजना (सतत् प्रमुख कार्यक्रम) के अंतर्गत उपेक्षित ग्रामीण/अर्द्ध–ग्रामीण परिवारों के अंतर्गत युवाओं को नौकरी से संबद्ध व्यावसायिक प्रशिक्षण।
- परियोजना जलधारा – जिला झाबुआ के गांवों में एकीकृत वॉटरशेड प्रबंधन परियोजना।
- भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में महिलाओं की रोजगार–योग्यता के लिए दक्षता प्रशिक्षण।

स्थानीय समुदायों को शामिल करना

समुदाय हमारे अत्यधिक महत्वपूर्ण शेयरधारक हैं और हम विभिन्न समुदाय विकास पहलों के जरिए उनके साथ लगातार संपर्क बनाए रखते हैं। हमारी सीएसआर नीति में प्रचालन का हमारा पूरा क्षेत्र शामिल होता है। सभी सामुदायिक विकास पहल में सामुदायिक भागीदारी/बातचीत, जागरूकता सृजन, नियुक्ति, शेयरधारक बातचीत और दक्षता निर्माण के विभिन्न आयामों को शामिल करने का प्रयास किया जाता है। इन पहलों को सहयोगात्मक प्रयास के जरिए शुरू किया जाता है तथा स्थानीय समुदाय के साथ संपर्क बनाया जाता है, जिसमें स्थानीय शासन ढांचे और संस्थान भी शामिल होते हैं। कंपनी समुदाय में चरणबद्ध ढंग से भाग लेने पर कार्यान्वयन एजेंसी बनाने तथा साथ ही कार्यक्रम को चलाने या स्वयं अपनी सेवा करने के लिए समुदाय को प्रोत्साहित करने और क्षमता निर्माण पर भी बल देती है। स्थानीय समुदायों के साथ प्रभावों, कार्यक्रमों और आकलनों पर हमारी बातचीत के दौरान क्षेत्र में हमारी उपस्थिति के कारण समुदाय पर कोई पर्याप्त नकारात्मक प्रभाव पड़ने की बात सामने नहीं आई है।

वर्ष 2014–15 में इन पहलों के लिए हमारी कुल प्रतिबद्धता 118.07 करोड़ रुपए है।

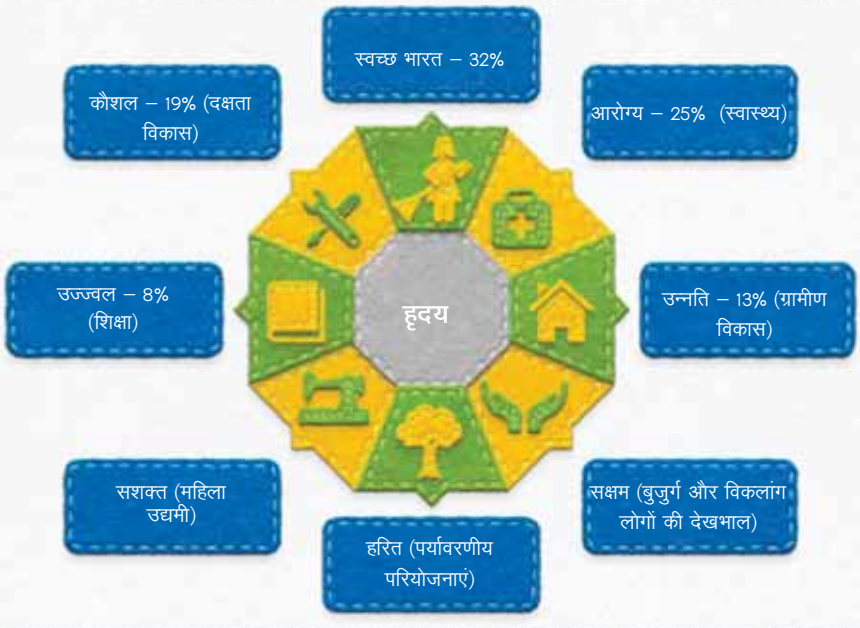

हमारे शेयरधारक (जारी)

गैर सरकारी संगठनों/ धर्मार्थ ट्रस्टों से संपर्क

अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता प्राप्त करने के प्रयास के रूप में गेल ने उभरती समस्याओं का पता लगाने, परियोजनाओं का विकास करने और चुनौतियों पर प्रभावी ढंग से कार्रवाई करने के लिए समुदायों, सरकारी और एनजीओ, शैक्षणिक संस्थानों और अन्यों के साथ सहयोग करके अपने कार्यक्रमों को लागू करने के लिए बहु–शेयरधारक दृष्टिकोण अपनाया है। कार्यक्रमों/पहलों की पहचान करने पर उनकी कार्पोरेट और साइट स्तर दोनों पर गेल के समर्पित सीएसआर व्यावसायिकों द्वारा इनकी गहन निगरानी की जाती है।

प्रभाव आकलन जी4–डीएमए, जी4–ईसी7, जी4–ईसी8, जी4–एसओ1, जी4–एसओ2

हम सीएसआर परियोजनाओं का तृतीय पक्ष प्रभाव आकलन अध्ययन करने के लिए वार्षिक अभियान चलाते हैं जिसे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ हस्ताक्षरित समझौता–ज्ञापन में शामिल किया जाता है। इन विशिष्ट अग्रणी दीर्घावधि परियोजनाओं के लिए इन वार्षिक अध्ययनों के अलावा, गेल ने विख्यात संस्थानों और परामर्शदाताओं से पिछले दशक में अपनी सीएसआर परियोजनाओं के लिए तीन स्वतंत्र प्रभाव आकलन अध्ययन आयोजित किए हैं जिनमें टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (मुंबई, महाराष्ट्र), साउल ऐस कंसल्टेंट्स (गुड़गांव, हरियाणा), दिल्ली सामाजिक कार्य स्कूल तथा जामिया मिलिया इस्लामिया (दिल्ली) शामिल है। सीएसआर परियोजनाओं का गेल के प्रत्येक कार्य केन्द्र में बनाई गई बहु–आयामी सीएसआर समिति द्वारा प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। परियोजना के अंत में कार्यान्वयन भागीदार द्वारा कार्यक्रम के प्रभाव से संबंधित एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है जिसमें विशेष रूप से प्राप्त परियोजना उपलब्धियों को उजागर किया जाता है तथा मात्रात्मक और गुणात्मक लाभ का सृजन किया जाता है।

हमारी कुछ सामुदायिक/ सामाजिक पहलों की विशेषताएं

1. गेल आरोग्य – पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पेयजल

परियोजना आरोग्य के अंतर्गत हमने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, उत्तराखण्ड, आंध्र प्रदेश और पंजाब राज्यों के लगभग 374 गांवों में 18 मोबाइल मेडिकल यूनिटें (एमएमयू) लगाई हैं जो लगभग 3,20,000 की आबादी को सेवा प्रदान कर रही हैं। इन एमएमयू द्वारा 'स्वास्थ्य जांच मशीन' के रूप में निःशुल्क दवाइयां और पैथोलॉजी सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। व्यवसाय प्रचालन को बढ़ावा देने में ट्रांसपोर्टरों/ड्राइवरों/ट्रकरों की भूमिका और महत्व को समझने तथा इस खण्ड से संबद्ध एचआईवी/एड्स की समस्या का समाधान करने के लिए गेल उत्तर प्रदेश में एसटीआई क्लिनिक चला रहा है।

'स्वच्छ भारत स्वच्छ विद्यालय'

गेल द्वारा स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वच्छ भारत अभियान की प्रतिबद्धता का समर्थन करने के लिए शुरू की गई यह एक अन्य पहल है। गेल वित्तीय वर्ष 2014–15 तथा वित्तीय वर्ष 2015–16 में 'स्वच्छ भारत स्वच्छ विद्यालय' कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 3500 शौचालयों का निर्माण कर रहा है, निर्माण में सहायता कर रहा है तथा ये कार्यरत हैं।

2. गेल उज्ज्वल (उज्ज्वल भविष्य के लिए) : शिक्षा पहलें

परियोजना उत्कर्ष

इस अग्रणी परियोजना में समस्त व्यय का भुगतान किया जाता है, विशिष्ट आवासीय कोचिंग दी जाती है/गहन निगरानी की जाती है ताकि उपेक्षित परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान संयुक्त प्रवेश परीक्षा (आईआईटी–जेईई) जैसी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकें। लाभार्थियों का चयन कड़ी लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। इन बच्चों द्वारा परीक्षा उत्तीर्ण करने पर गेल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के लिए उनके शैक्षणिक व्ययों के लिए भी सहायता देता है। इस प्रकार, गेल न केवल इन प्रतिभाशाली छात्रों का स्थायी व्यावसायिक और व्यक्तिगत सफलता के लिए मार्ग प्रशस्त करता है बल्कि देश के लिए मानव परिसंपत्तियों का भी सृजन करता है। इस अग्रणी कार्यक्रम ने आईआईटी मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने में उपेक्षित पृष्ठभूमि वाले रिकार्ड 92 छात्रों को सक्षम बनाया है तथा इनमें से 50 ने वर्ष 2014–15 में एडवांस लेवल को पार कर लिया था। पिछले वर्षों के दौरान 90% से अधिक लाभार्थियों ने भारत के शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेजों में सफलतापूर्वक प्रवेश प्राप्त किया है।

गेल ने मेरिट आधार पर जरूरतमंद बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए गेल धर्मार्थ और शिक्षा न्यास की भी स्थापना की है, जिनमें से कुछेक निम्न प्रकार हैं:

- परियोजना सहायता – इसमें राष्ट्रीय समुदाय सौहार्द फाउंडेशन की भागीदार से असम और जम्मू व कश्मीर के जिलों में हिंसा से प्रभावित 600 बच्चों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।
- वित्तीय वर्ष 2014–15 में पूरे भारत में विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश प्राप्त परियोजना उत्कर्ष के 281 लाभार्थियों को छात्रवृत्ति दी गई।
- गेल छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत गेल कार्य केन्द्रों में विभिन्न स्कूलों से 370 बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

3. गेल कौशल – आजीविका सृजन और दक्षता विकास

- परियोजना 'गेल आईएल एण्ड एफएस दक्षता स्कूल' के अंतर्गत विशेषाधिकार प्राप्त ग्रामीण/अर्द्ध–ग्रामीण परिवारों के युवाओं को नौकरी से जुड़ा व्यावसायिक दक्षता प्रशिक्षण गेल का सतत् अग्रणी कार्यक्रम है। चूंकि यह कार्यक्रम स्थायी नौकरी अवसरों का सृजन करके उपेक्षित परिवारों के युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण और आजीविका अवसर उपलब्ध कराने में काफी सफल रहा है अतः गेल ने इस कार्यक्रम को दीर्घावधि आधार पर कार्यान्वित करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम की रूपरेखा इस तरह से बनाई गई है कि यह लक्षित क्षेत्रों में पर्याप्त प्रभाव डालता है और निकासी स्थल पर इन कार्यक्रमों की आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास करता है। रिपोर्टिंग वर्ष के लिए इस कार्यक्रम का पूरे भारत में तीन क्षेत्रों में निम्नानुसार विकास किया गया था: ,
- गुना (मध्य प्रदेश), वित्तीय वर्ष 2014–15 में

881 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।

- देदियापाड़ा (नर्मदा, गुजरात), वित्तीय वर्ष 2014–15 में 1500 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।
- तंदूर (रंगारेड्डी, तेलंगाना), वित्तीय वर्ष 2014–15 में 1001 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।

सीपेट, अहमदाबाद से प्लास्टिक उद्योग संबंधी दक्षता में उपेक्षित समुदाय के 60 लाभार्थियों को आगे प्रशिक्षण दिया गया। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, देदियापाड़ा में परियोजना स्वाधीन के अंतर्गत राष्ट्रीय विकलांग वित्त और विकास निगम के सहयोग से 1500 विकलांग लोगों को प्रशिक्षण दिया गया।

4. गेल उन्नति : ग्रामीण विकास

परियोजना सृजन:

परियोजना सृजन में उत्तराखण्ड राज्य में विनाशकारी बाढ़ के बाद लगभग 1000 महिलाओं को वैकल्पिक आजीविका सृजन के लिए प्रशिक्षण दिया गया, राजमिस्त्रियों को आपदा से प्रभावित न होने वाला निर्माण करने का प्रशिक्षण दिया गया तथा 36 स्व–सहायता समूहों तथा किसान हित समूहों का गठन किया गया। क्षेत्र के लोगों के पुनर्वास के लिए आपदा प्रूफ प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल द्वारा घरों का निर्माण करने के प्रयास किए गए।

5. गेल सशक्त – महिला अधिकारिता पहलें

भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में महिलाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए दक्षता प्रशिक्षण

गेल और भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौता–ज्ञापन के अनुसार, दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम का डिजाइन असम और त्रिपुरा राज्यों को ध्यान में रखकर बनाया गया था जहां हमारी प्रचालन इकाइयां हैं। कार्यक्रम में बेरोजगार या अल्प रोजगार प्राप्त युवाओं को क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुसार सेवा क्षेत्र और अन्य पता लगाए गए व्यवसाय से संबंधित प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त और विकास निगम की भागीदारी से बीपीओ, व्यक्तित्व विकास, कला सेंटर से संबंधित दक्षता आदि में असम और त्रिपुरा से 480 सफाई कर्मचारी महिलाओं को प्रशिक्षण और नौकरी सहायता उपलब्ध कराई गई।

6. गेल सक्षम – बुजुर्ग और विकलांग लोगों की देखभाल

बुजुर्ग उत्पीड़न की समस्या का समाधान करने के लिए परियोजना रिटर्न ऑफ मिलियन स्माइल्स शुरू की गई जो एक सामूहिक मीडिया अभियान है जिसे युवा पीढ़ी में जागरूकता पैदा करने के लिए लक्षित किया गया है।

7. गेल हरित – पर्यावरण केन्द्रित पहलें

पर्यावरण के प्रति गेल की प्रतिबद्धता उसका विजन विवरण है तथा अपनी सीएसआर पहलों के जरिए उसने विशिष्ट पर्यावरण अनुकूल कार्यक्रमों के जरिए इस कारण को प्रोत्साहित किया है। वर्षा जल एकत्रीकरण, जल संभरण तथा भूजल पुनः प्रयोग प्रणाली से संबंधित परियोजनाओं को गेल द्वारा पूरा समर्थन दिया जाता है। पर्यावरण संरक्षण पहल में नई दिल्ली में गैस आधारित शवदाह गृह, बॉयो गैस संयंत्र तथा झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले हजारों गरीब मजदूरों के लिए पर्यावरण उद्यानों का विकास करना शामिल है।

वघोड़िया में हमारी प्रचालन इकाइयों के आसपास वनस्पति और जीव–जंतुओं के प्रबंधन के लिए संगठन में कई पहलें भी शुरू की गई हैं जिनमें पट्टी में कुल संयंत्र क्षेत्र का लगभग 34.7% है तथा हरित पट्टी क्षेत्र मं वृद्धि के लिए सतत् प्रयास किए जाते हैं। वृक्षों और झाड़ियों की स्वदेशी प्रजातियों को स्थानीय जलवायु स्थितियों की बेहतर उपयुक्तता के लिए पौधरोपण किया गया है।

विजयपुर में, स्थायी विकास के लक्ष्यों तथा आईएमओयू के अनुसार, रिपोर्टिंग अवधि में व्यापक हरित पट्टी विकास प्रक्रिया शुरू की गई जिसमें 1000 वृक्षों का पौधरोपण करने तथा संयंत्र परिसर में उनका रखरखाव करने की योजना शामिल थी। इस अभियान के केन्द्र में पौध लगाना शामिल था जो स्थानीय आबादी के लिए स्थानीय और स्वदेशी थे जैसे शीशम, आम, नीम, जामुन आदि।

ग्राहक

हमारे शेयरधारक (जारी)

टिकाऊ विकास तब तक फलीभूत नहीं हो सकता जब तक यह हमारे ग्राहकों की आवश्यकताओं और मांगों के प्रति संवेदनशील न हो। गेल में हम उनके प्रचालनों के लिए अबाधित आपूर्ति हेतु अंतिम मील कनेक्टिविटी द्वारा उत्तम गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराते हैं। हम अपने ग्राहकों को स्वच्छ ईधन उपलब्ध कराते हैं ताकि उनका उत्सर्जन कम हो। अपने ग्राहकों को यह बढ़ा हुआ मूल्य उपलब्ध कराकर हमने व्यापक ग्राहक आधार का सृजन किया है। यह नोट करने योग्य है कि इन ग्राहकों से हमारी वित्तीय निष्पादन सुदृढ़ हुआ है जिसने अंततः हमारे विकास को बढ़ाने में मदद की है।

ग्राहक जी4–डीएमए

गेल ने प्रारंभ में प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन करना शुरू किया लेकिन बाद में उसने तरल हाइड्रोकार्बन, पेट्रोरसायनों, एलपीजी ट्रांसमिशन, नगर गैस वितरण, अन्वेषण और उत्पादन, टेलीकॉम और टेलीमेट्री सेवाओं और विद्युत उत्पादन में अपने व्यवसाय का विस्तार किया।

आज गेल, केवल बी2बी खण्ड तक ही सीमित नहीं है। इसने नगर गैस वितरण (सीजीडी) में भी उद्यम लगाया है जिसमें आठ संयुक्त उद्यम शामिल हैं और एक सहायक कंपनी है जो 631 एलएनजी स्टेशनों का प्रचालन करती है जिसमें 111 डॉटर स्टेशन, 403 ऑनलाइन स्टेशन, और 117 मदर स्टेशन हैं। ये संयुक्त उद्यम और सहायक कंपनियां 14 लाख घरेलू, 4700 वाणिज्यिक और 1400 औद्योगिक ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। हमारे प्रबंधन ने व्यापक ग्राहक आधार के जरिए बदलते ग्राहक उतार–चढ़ाव पर कार्रवाई की है जिसने गेल को बढ़ती प्रतिस्पर्धा में भी ग्राहक आधार बनाए रखने में मदद की है। प्रचालन के सभी क्षेत्रों में अपने ग्राहक आधार को बढ़ाने के लिए, सीजीडी संयुक्त उद्यम/गेल की सहायक कंपनियां अभिनव डिजीटल प्रौद्योगिकी की मदद से ग्राहकों तक आसानी से पहुंच बना रही है। कुछेक उदाहरणों में आईजीएल द्वारा कियोस्क की स्थापना तथा एमजीएल (एमजीएल कनेक्ट) द्वारा एंड्राएड आधारित मोबाइल एप्लीकेशन शामिल हैं।

माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा दिए गए लक्ष्य के अनुसार गेल और इसके संयुक्त उद्यमों/सहायक कंपनियां प्रचालन के अपने क्षेत्रों में घरेलू ग्राहकों तक पहुंच बनाने का हर संभव प्रयास कर रही हैं जिसके लिए विभिन्न अभिनव योजनाओं को कार्यान्वित किया जा रहा है और जागरूकता कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, पर्यावरण में सुधार करने के लिए देश में ग्रीन कोरिडोर के विकास के लिए गेल संयुक्त उद्यम समूह के समन्वय से सीजीडी संयुक्त उद्यमों/सहायक कंपनियों द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्ष के दौरान हमने अपने ग्राहकों के साथ विभिन्न पहलें की हैं। कुछेक सामान्य पद्धतियों में व्यवसाय

क्षेत्र–वार गैस आपूर्ति – वित्त वर्ष 2015

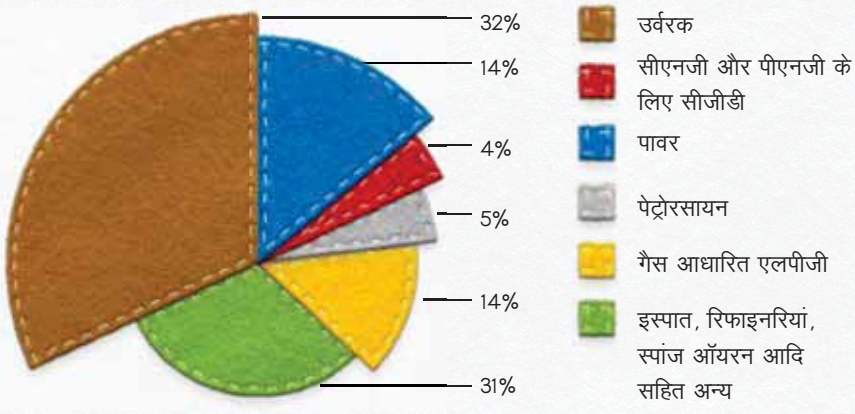

ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) (%)

खण्डों में ग्राहक की बैठकें बुलाना, सीएएमएस में दर्ज अनुसार संबंधित लेखा प्रबंधकों द्वारा ग्राहकों के साथ व्यक्तिगत बातचीत करना, ग्राहकों के परिसर पर नियमित आधार पर ग्राहक का दौरा करना, द्वि–वार्षिक ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) अभियान चलाना, शेयरधारक बातचीत सर्वेक्षण करना, ऑनलाइन सुझाव बाक्स, ऑनलाइन ग्राहक शिकायत पोर्टल तथा तृतीय पक्ष सीवीएम दौरे करना। सीएएमएस के अंतर्गत ग्राहकों के साथ हुई बातचीत का व्यवसाय खण्ड–वार सार रखा जाता है।

नियमित ग्राहक संपर्क के लिए कार्यनीतिक आशय बाजार रुझान की प्राथमिक सूचना प्राप्त करना, बिक्री को बढ़ाने के लिए ग्राहक संबंध बनाना और सुदृढ़ करना, शीर्ष प्रबंधन/अन्य विभागों में ग्राहकों की चिंताओं और समस्याओं का समाधान करना, ग्राहकों की शिकायतों का समाधान करना, ग्राहकों के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाना, तकनीकी समस्याओं को दूर करना है। ये बातचीत ग्राहकों द्वारा सामना की जा रही मुख्य समस्याओं का पता लगाने के लिए भी महत्वपूर्ण होते हैं।

हमारा प्रमुख प्रयास बिजली और उर्वरक कंपनियों के साथ कार्य करना और महंगे तरल ईंधन का प्रयोग करके छोटे ग्राहकों पर ध्यान दना है। पेट्रोरसायनों में विकास करने के लिए हम अपनी क्षमताओं को बढ़ाना चाहते हैं और विस्तार कार्यकलापों में निवेश कर रहे हैं। इससे हमारी स्थापित क्षमता चार गुणा हो जाएगी और हमारा बाजार शेयर 15% (वित्तीय वर्ष 2015) से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2018 में 30% हो जाएगा।

गेल में ग्राहक संतुष्टि प्राप्त करना जी4–पीआर5

''हालांकि मुख्य बल गैस व्यवसाय में शीर्ष स्थल बनाए रखने पर दिया जाता है, हम समझते हैं कि इसे ग्राहकों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाकर ही प्राप्त किया जा सकता है। ग्राहकों के साथ नियमित बैठक से सूचना का आदान–प्रदान, परस्पर लाभ के लिए विचारों और समस्याओं का पता चलता है। इस वर्ष हमारा ग्राहक संतुष्टि सूचकांक 89.72% रहा''

–निदेशक (विपणन)

गेल (इंडिया) लिमिटेड का लक्ष्य अपने ग्राहकों की पहली पसंद बनना है। ग्राहकों के प्रति गेल की प्रतिबद्धता उसके विजन विवरण से झलकती है।

ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) का मूल्यांकन हमें यह जानने में मदद करता है कि हम अपने ग्राहकों की कितनी अच्छी तरह सेवा करते हैं। प्रत्येक वर्ष, हम व्यवसाय–व्यापी ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण कराते हैं ताकि उत्पाद गुणवत्ता, उत्पाद की उपयोगिता, तकनीकी सहायता, सामग्री की सुपुर्दगी, पैकेजिंग, सेवा गुणवत्ता, ग्राहक समस्या तथा सुधार के लिए सुझाव जैसे सुपरिभाषित मापदण्डों की संख्या पर उनके संतुष्टि स्तर का जायजा लिया जा सके।

टीक्यूएम विभाग अर्द्ध–वार्षिक आधार पर ऑनलाइन फीडबैक प्रणाली के जरिए ग्राहक की जानकारी का समन्वय कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2014–15 के लिए समग्र सीएसआई 90% थी। इसके अलावा, ग्राहक मूल्य प्रबंधन के भाग के रूप में ग्राहकों के परिसर में जाकर सीधी बातचीत की जाती है। वित्तीय वर्ष 2014–15 में, एनजी, पीसी और एलएचसी ग्राहकों के साथ बातचीत करने के लिए 75 दौरे किए गए। वर्ष के दौरान ग्राहकों से 58 शिकायतें प्राप्त हुई। रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक एक शिकायत को छोड़कर सभी का समाधान कर दिया गया था।

हमारे ग्राहकों से फीडबैक प्राप्त करने के अलावा, हमने महसूस किया कि एक ऐसा मंच बनाना महत्वपूर्ण है जहां शेयरधारकों के साथ एक–तरफा बातचीत करने से दो–तरफा बातचीत का रास्ता खुल सकता है और यह संवाद वास्तविक रूप ले सकता है। इसे संज्ञान में लेते हुए, हमने सरकारी ब्लॉक साइट GAILVoice.com लांच की है जो भारत में किसी ऊर्जा कंपनी में पहली होगी। हमारे अन्य सोशल मीडिया पृष्ठों सहित GAILVoice.com का लक्ष्य ऐसा मंच बनाना है जहां हमारे ग्राहक, हमारे लाभार्थी, कर्मचारी और जन समुदाय अपने विचार व्यक्त कर सकें, हमारे विचारों से अवगत हो सकें और एक साथ मिलकर बेहतर कल बनाने में हर संभव प्रयास करने में मदद कर सकें।

जिम्मेदार स्टीवर्डशिप

जी4–पीआर1, जी4–पीआर2,

जी4–पीआर6, जी4–डीएमए

एक जिम्मेदार संगठन होने के नाते हम सुरक्षित, पर्यावरण अनुकूल और किफायती उत्पादों के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हम इस विजन का संगठन व्यापी पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम) प्रणाली के जरिए अनुसरण करते हैं। हमारे दृष्टिकोण में सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रभावों के अनुसार हमारे उत्पादों के जीवन चक्र प्रभावों का व्यापक दृष्टिकोण शामिल होता है तथा हम इसका उपशमन करने के लिए प्रौद्योगिकी और वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य समाधान प्राप्त करते हैं। पेट्रोरसायन पक्ष पर जी–एलईएक्स (एचडीपीई का ब्रांड नाम) तथा

हमारे शेयरधारक (जारी)

जी–एलईएनई (एचडीपीई और एलएलडीपीई का ब्रांड नाम) हमारे प्रमुख उत्पाद हैं।

हालांकि प्लास्टिक को पारंपरिक तौर पर पर्यावरण का प्रदूषक माना जाता है, किंतु हम इसकी अत्यधिक रिसाइकिल किए जाने की क्षमता के कारण इसे पर्यावरण हितैषी मानते हैं। प्लास्टिक को रिसाइकिल करके प्रणाली में पुनः उपयोग में लाया जा सकता है, जिससे नए प्राकृतिक संसाधनों के दोहन में कमी की जा सकती है। हमने प्लास्टिक उत्पादों के लाभ के बारे में ग्राहकों को जानकारी देने और जागरूकता पैदा करने तथा एक सुरक्षित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का सृजन करने और प्लास्टिक अपशिष्ट को वापस प्रणाली में भेजकर अधिकतम रिसाइकलिंग करने के लिए इंडियन सेंटर फॉर प्लास्टिक इन द एनवायर्नमेंट (आईसीपीई) के साथ भागीदारी की है। हम अपने व्यवसाय में अपने ग्राहक संतुष्टि सूचकांक पर लगातार नज़र रखते हैं और समस्याओं के समाधान के लिए अपने ग्राहकों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाते हुए इसके उपाय खोजते हैं।

पॉलीमर बैगों पर उत्पाद के ब्यौरों को प्रस्तुत करने की सांविधिक आवश्यकताओं के अलावा, हमारे पेट्रोरसायन उत्पादों के लिए हम प्रेषित उत्पाद के प्रत्येक बैच हेतु आपूर्ति किए जा रहे उत्पाद की गुणवत्ता के मापदण्डों के अनुरूप जांच रिपोर्ट भी उपलब्ध कराते हैं। ग्राहकों को खाद्य ग्रेड प्रमाण पत्रों और बीआईएस मानक अनुरूप प्रमाण–पत्र भी मांग करने पर जारी किए जाते हैं। गेल आईएसओ 9001:2008 मानकों, विलायक नियंत्रण आदेश, पीएनजीआरबी कोड, लागू बीआईएस मानकों, ओआईएसडी दिशा–निर्देशों, पीईएसओ मानकों और विनियमों, अपने सभी उत्पादों के लिए विपणन संचार से संबंधित भार और माप संहिता जैसे विभिन्न कोड या मानकों का पालन करता है। निष्कर्षों के आधार पर विज्ञापन, संवर्धन और प्रयोजकता सहित विपणन संचार से संबंधित विनियमों और स्वैच्छिक कोड का अनुपालन न किए जाने संबंधी कोई मामला सामने नहीं आया है। गेल की सभी प्रमुख स्थापनाएं ओएचएसएएस 18001 द्वारा मान्यता–प्राप्त हैं और सुधार के लिए उत्पादों के स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों के आकलन के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हमारी गैस प्रबंधन प्रणाली (जीएमएस) के जरिए हम सहयोजित रूप में गैस की आपूर्ति और सुपुर्दगी के अनेक स्रोतों को हैण्डल करते हैं और शिपरों, ग्राहकों, ट्रांसपोर्टरों और आपूर्तिकर्ताओं के बीच असीमित परस्पर संबंध बनाते हैं। जीएमएस के अंतर्गत संपूर्ण आर्डर–टू–कैश चक्र को स्वचालित बनाया गया है और यह अपस्ट्रीम गैस आपूर्ति, गैस ट्रांसपोर्टेशन से बिलिंग तक, भुगतान और अंतिम भुगतान प्राप्ति तक वास्तविक आधार पर उपलब्ध है। यह प्रणाली वास्तविक समय आधार पर पाइपलाइन नेटवर्क के महत्वपूर्ण पहलुओं की निगरानी करने में मदद करता है जिसमें नेटवर्क उपयोग, गैस बिक्री, आंतरिक मात्रा, राजस्व सृजन और मूल्य अंतर शामिल होता है। इस प्रकार, यह प्रणाली सभी सूचना और आंकड़ों के केन्द्रीय योग के जरिए दक्षता में सुधार करने के अलावा, उच्च पारदर्शिता और वस्तुपरकता सुनिश्चित करती है। ग्राहकों को सूचना जीएमएस पोर्टल सुविधा के जरिए सीधे प्राप्त होती है, जिससे वे गैस आपूर्ति की बेहतर योजना बनाने और उसका इस्तेमाल करने में सक्षम होते हैं।

इसके साथ, हमारा अंतिम मील दूरी उपभोक्ता तक स्पर–लाइनों की कनेक्टिविटी के लिए भी केन्द्रित दृष्टिकोण है। अब हमारा ध्यान स्रोत से परिवर्तित होकर स्रोत गैस के दक्षता और प्रभावी विपणन पर केन्द्रित हो गया है ताकि लाभप्रदता का वांछित स्तर तथा अंतिम मील दूरी कनेक्टिविटी प्राप्त की जा सके। पिछले वर्ष तक पूरे गेल प्रचालनों में गैस स्रोत एक प्रमुख मुददा था। तथापि, हाल के विकास क्रम अर्थात् अनेक अंतर्राष्ट्रीय ऑपरेटरों के साथ हुए दीर्घावधि संविदाओं पर हस्ताक्षर करने के आधार पर यह महसूस किया गया कि गेल का स्रोत और विपणन गेल के लिए सामग्री मुददा बन गया है। अपनी पहुंच में सुधार करने के लिए इस वर्ष हमने लगभग 5.55 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करने के लिए 66 ग्राहक सदस्यों को अंतिम मील दूरी कनेक्टिविटी का विस्तार किया है। यह उल्लेखनीय है कि ये ग्राहक मध्यम और लघु विनिर्माण उद्योग श्रेणी के हैं जो पहले महंगे और अधिक प्रदूषक तरल ईंधनों पर निर्भर थे, जिससे प्राकृतिक गैस में परिवर्तित होने के बाद कम जीएचजी उत्सर्जन हुआ।

उत्पादों और सेवाओं की ओर धीरे–धीरे उन्मुख होने के लिए उद्योगों में वैश्विक संचलन हुआ है जो पर्यावरण और सामाजिक संसाधनों पर न्यूनतम प्रभाव डालते हैं और हम प्रारंभ से ही इस सफर का हिस्सा रहे हैं। प्राकृतिक गैस हमारा प्रमुख उत्पाद है, जो कोयले और कच्चे तेल जैसे प्रदूषक जीवाश्म ईंधनों का एक स्वच्छ विकल्प है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रणाली विकसित की है कि इस अनिवार्य ईंधन के लाभ सुरक्षित उपयोग से समझौता किए बिना समाज तक पहुंचे। पिछले 10 वर्षों में हमने उपभोक्ताओं के उपेक्षित वर्ग तक ऊर्जा पहुंचना सुनिश्चित करने के लिए नगर गैस वितरण (सीजीडी) में ठोस कदम रखा है।

लेबलिंग और विपणन संहिता जी4–पीआर3, जी4–पीआर4, जी4–पीआर7

गेल लेबलिंग के संबंध में हैजकेम कोड, जीएचएस आदि जैसे सभी विद्यमान स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन करता है। पेट्रोरसायनों के लिए पॉलीमर बैगों पर उत्पाद ब्यौरा प्रस्तुत करने की सांविधिक आवश्यकताओं के अलावा, हम प्रेषित उत्पाद के प्रत्येक बैच के लिए आपूर्ति किए जा रहे उत्पाद की गुणवत्ता के मापदण्डों के अनुरूप जांच रिपोर्ट भी उपलब्ध कराते हैं। इसके अलावा, ग्राहकों की मांग करने पर खाद्य ग्रेड प्रमाण–पत्र और बीआईएस मानक अनुरूपता प्रमाण–पत्र भी जारी किए जाते हैं। सरकारी संगठन होने के कारण गेल प्रतिबंधित या विवादित उत्पादों की बिक्री में शामिल नहीं होता।

विपणन संचार से संबंधित संहिताएं या मानक पूरे संगठन पर लागू होते हैं। इनमें आईएसओ 9001:2008 मानक, विलायक नियंत्रण आदेश, पीएनजीआरबी कोड, लागू बीआईएस मानक, ओआईएसडी दिशा–निर्देश, पीईएसओ मानक और विनियम, वजन और माप संहिता शामिल है।

वित्त वर्ष 2014–15 में गेल पॉलीमर प्रौद्योगिकी केन्द्र – ईसी52ए110 द्वारा नए ग्रेड का कार्यनीतिक विकास

वर्तमान में, एचडीपीई उर्वरक बैगों को सामग्री को नमी/वायु के प्रवेश को रोकने के लिए अंदर से एलएलडीपीई/एलडीपीई सामग्री से लेमिनेट किया जाता है। इसके अंदर लेमिनेट करना काफी श्रमसाध्य होता है – क्योंकि बैगों को अंदर मैनुअली लेमिनेट किया जाता है। इससे बैग की प्रोसेसिंग लागत बढ़ जाती है। पीपी बैगों का बाहर से लेमिनेशन किया जाता है क्योंकि इसकी रगड़–मजबूती अच्छी होती है। इसके अलावा, बाहरी लेमिनेशन बैग की छपाई और समग्र सौंदर्यपरकता में भी सुधार होता है।

एचडीपीई बैगों की समस्या का समाधान करने के लिए पीपी के बाहरी लेमिनेशन के गुणों के अनुरूप एक नए एचडीपीई लेमिनेशन ग्रेड का विकास किया गया है। इस प्रयास का एक अन्य उद्देश्य (i) एचडीपीई बैगों की सौंदर्यपरकता में सुधार करना, तथा (ii) एचडीपीई बैगों की प्रोसेसिंग लागत को कम करना था। इस ग्रेड की कुछ विशेषताओं जैसे लेमिनेशन की बाहरी मजबूती, एचडीपीई बैग के साथ मजबूती से चिपकना, उखड़ने की मजबूती तथा प्रोसेसिंग की सुविधा के लिए एलडीपीई के साथ सामंजस्य को बढ़ाना है।

पेट्रोकेमिकल में गेल के निर्माणाधीन विस्तार के संदर्भ में यह कार्यनीतिक रूप से लक्षित ग्रेड हैं क्योंकि इस ग्रेड के विकास से न केवल गेल की बाहरी कोटिंग में एचडीपीई के बाजार शेयर में वृद्धि होगी बल्कि घरेलू बाजार में मौजूदा एचडीपीई राफिया बाजार शेयर भी सुरक्षित होगा।

इसके अलावा, प्लास्टिक रिसाइकलिंग और प्लास्टिक पार्कों पर सलाह के लिए सक्रिय कदम भी उठा रहे हैं। हमने ''प्लास्टिक को हां कहें'' नामक एक फिल्म भी बनाई है जिसे प्लास्ट इंडिया, इंडियाकेम, आईपीएलईएक्स आदि विभिन्न मंचों, प्रदर्शनियों, ग्राहकों की बैठकों, सरकारी अधिकारियों आदि को दिखाया गया है। गेल संयुक्त रूप से उद्योग एसोसिएशनों अर्थात् इंडियन सेंटर फॉर प्लास्टिक्स इन एनवायर्नमेंट (आईसीपीई) तथा रसायन एवं पेट्रोकेमिकल विनिर्माता एसोसिएशन (सीपीएमए) के साथ मिलकर प्लास्टिक अपशिष्ट के उचित निपटान और इसकी रिसाइकलिंग के लिए प्रचार–प्रसार कर रहा है। हाल में, आईसीपीई ने अपशिष्ट प्लास्टिक को गेल में परिवर्तित करने के लिए नई दिल्ली में एक संयंत्र लगाया है। प्लास्टिक पार्कों में, गेल सीएस स्टॉक प्वाइंट को खोलकर अपने उत्पादों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। गेल भुवनेश्वर, अहमदाबाद, हैदराबाद और गुवाहाटी में सीआईपीईटी के जरिए आवासीय प्रशिक्षण प्रदान करके उपेक्षित पृष्ठभूमि वाले युवाओं को भी प्रशिक्षण दे रहा है।

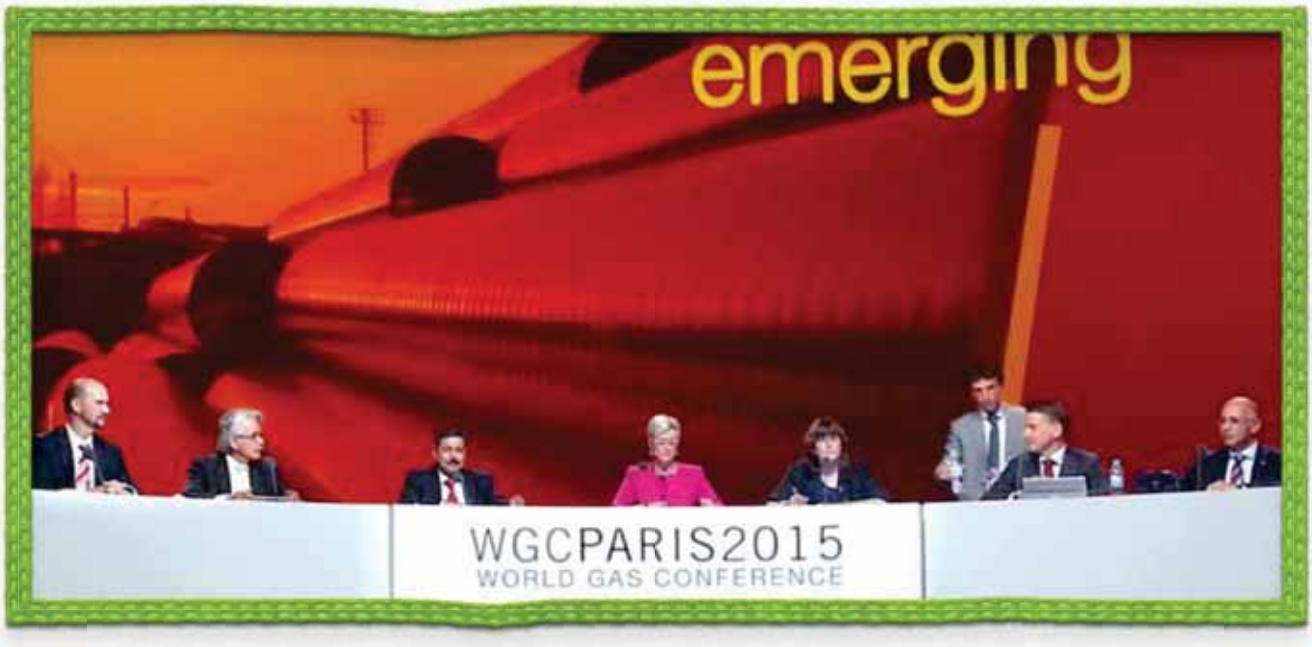

बाएं से तीसरे : डब्ल्यूजीसी 2015, पेरिस के दौरान निदेशक, विपणन, गेल

आपूर्तिकर्ता

हमारे शेयरधारक (जारी)

गेल की आपूर्ति श्रृंखला में वैश्विक और स्थानीय आपूर्तिकर्ता शामिल हैं जो हमारे रोजमर्रा के कार्यकलापों का आयोजन करने के लिए अनिवार्य बन चुके हैं। हम अपने प्रचालनों के लिए लगातार कच्ची सामग्री की उपलब्धता अन्य उत्पाद ओर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ सांकेतिक भागीदारी करके जिम्मेदार विकास का पोषण करने के लिए कार्य कर रहे हैं। इस दो–तरफा भागीदारी में हमने अपने कुछेक आपूर्तिकर्ताओं से काफी कुछ सीखा है और अपने अनुभवों को एमएसएमई के विशेष प्रयासों से छोटे/नए/भावी आपूर्तिकर्ताओं में बांटा है।

''गेल प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला के साथ–साथ अपनी भागीदारी के जरिए वैश्विक उपस्थिति का सतत् विस्तार कर रहा है। यह देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गैस आपूर्तिकर्ताओं को सुरक्षित करने के प्रमुख उद्देश्य से विभिन्न वैश्विक अवसरों का भी मूल्यांकन कर रहा है। हम प्राकृतिक गैस के मांग–आपूर्ति अंतर को कम करने के लिए आयातित एलएनजी भी सुनिश्चित कर रहे हैं''

– निदेशक (विपणन)

जी4–डीएमए गेल को अपने व्यवसाय के दौरान अनेक ठेकेदारों, विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के साथ कार्य करना होता है। हमारा यह सतत् प्रयास रहता है कि सर्वाधिक नीतिपरक और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवसाय परिवेश को बनाए रखते हुए उसका पोषण किया जाए जहां ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त शिकायतों को उचित, निष्पादन और पारदर्शी ढंग से निपटाया जा सके। इस प्रकार, हमारे आपूर्तिकर्ताओं के साथ हमारा संबंध हमेशा पारदर्शिता और निष्पक्षता पर आधारित हो। गेल सभी को समान अवसर देने में विश्वास करता है और इसमें ऐसी नीति विद्यमान है जो जाति, रंग, लिंग, धर्म या प्रांत के आधार पर आपूर्तिकर्ता का चयन करने में कोई भेदभाव नहीं करती। हम अपनी निविदाओं को अपनी वेबसाइट पर डालते हैं जो पब्लिक डोमेन पर उपलब्ध होती हैं और जो कोई भी इसमें रुचि रखता हो, इन निविदाओं में निविदा जारी करने वाले स्थल पर जाए बिना भाग ले सकता है।

''हम अपने विकास में आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों/परामर्शदाताओं को महत्वपूर्ण भागीदारों के रूप में देखते हैं। इन प्रमुख शेयरधारकों के साथ सांकेतिक रिश्ता कायम करने से न केवल आर्थिक लाभ, उच्च गुणवत्ता, उन्नत योजना और परियोजना का समय पर पूरा होना सुनिश्चित होता है बल्कि व्यापक दीर्घावधि सहायता और मूल्य भी सुनिश्चित होता है। हमने एक प्रभावी शेयरधारक प्रबंधन प्रणाली भी विकसित की है जिसमें उनके मुद्दों/समस्याओं को समझने के लिए मुख्य आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों/परामर्शदाताओं के साथ नियमित बैठकें भी आयोजित की जाती हैं तथा उनका समयबद्ध ढंग से उपयुक्त समाधान भी किया जाता है। इसके अलावा, हम पूर्व–विवाद समाधान प्रणाली भी विकसित कर रहे हैं जिसके माध्यम से हमारा लक्ष्य कार्य समाप्ति उपरांत कानूनी विवाद/मध्यस्थता को न्यूनतम करना है। इस प्रणाली के 2015–16 की तीसरी तिमाही के बाद से कार्यान्वित होने की संभावना है। ''

– निदेशक (परियोजना)

पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के हमारे कुछेक प्रयासों में ई–निविदा और रिवर्स नीलामी करना भी शामिल है। इन पर विस्तार से नीचे चर्चा की गई है :

ई–निविदा

गेल ने ई–निविदा लागू की है जो प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत पर आधारित है और ऐसी खरीद प्रक्रिया को इस प्रकार से निष्पादित किया जाता है जो पारदर्शी, निष्पक्ष, प्रतिस्पर्धी और लागत प्रभावी हो। इस प्रक्रिया से कागज की भी बचत होती है और यह संगठन के लिए एक हरित पहल है। हमारी आईटी टीम समाधान उपलब्ध कराने तथा संपूर्ण प्रक्रिया में आईटी समर्थित सेवाएं प्रदान करने में निरंतर कार्य करती है।

इलेक्ट्रॉनिक निविदा (''ई–निविदा'') (सैप–एसआरएम प्लेटफार्म में) पुरानी कागज आधारित पद्धति की बजाय इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से निविदाएं भेजने और प्राप्त करने के लिए एक मंच सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है।

प्रारंभ में ई–निविदा को 50 लाख रुपए के अनुमानित मूल्य से अधिक की निविदा के लिए अनिवार्य बनाया गया था। तथापि, इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद यह सीमा घटाकर 25 लाख रुपए कर दी गई है।

इस ई–निविदा प्रक्रिया से बेहतर सुरक्षा प्राप्त हुई है जैसे:

- निविदा दस्तावेजों को केवल अधिकृत पार्टियों द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है।
- कोई भी पक्षकार दस्तावेज भेजने या प्राप्त करने से मना नहीं कर सकता।
- निविदा दस्तावेज में फेरबदल करना या तो असंभव है या पता लगाना आसान है जबकि यह निविदाकर्ताओं को अपनी दरें और मूल्य भी जोड़ने की अनुमति देता है।

रिवर्स नीलामी

प्रतिस्पर्धा मूल्य प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन खरीद माध्यम; चयनित निविदाकर्ताओं के साथ ऑनलाइन बातचीत करना; 50 करोड़ रुपए से अधिक की निविदा के लिए आरए प्रणाली लागू की गई है।

चयनित निविदाकर्ताओं को पारदर्शी और उचित ढंग से अपने मूल्यों को ऑनलाइन कम करने का अवसर दिया जाता है; निविदाकर्ता (कर्ताओं) की पहचान को उजागर नहीं किया जाता।

मुख्य लाभ :

- अंतिम मूल्य प्राप्त करने में कम समय लगता है।
- इसमें कम से कम लोग शामिल होते हैं।
- इस प्रणाली से वर्तमान बाजार मूल्य–निर्धारण का बड़े पैमाने पर पता चलता है।
- सभी चयनित आपूर्तिकर्ताओं को सर्वाधिक प्रतिस्पर्धी दरें देने का समान अवसर मिलता है।
- निविदाताओं को अन्य आपूर्तियों की तुलना मे अपने मूल्य/स्थिति में उतार–चढ़ाव के बारे में जानने में मदद मिलती है और इस पर प्रतिक्रिया करने का अवसर मिलता है।

नीतिगत स्तरीय पहल

गेल ने यह सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया (टीआईआई) के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं कि निविदा प्रक्रिया के दौरान हमारे सभी कार्यकलापों/लेनदेन और शिकायतों को उचित और पारदर्शी ढंग से निपटाया जाए। इस समझौता–ज्ञापन के भाग के रूप में, 1 करोड़ और उससे अधिक के मूल्य वाली निविदा को एकीकृत समझौते में शामिल किया गया है। सभी संगत शेयरधारकों के संदर्भ के लिए हमारी वेबसाइट पर समझौता–ज्ञापन तथा एकीकृत समझौता कार्यक्रम की एक प्रति अपलोड की गई है। एकीकृत समझौता कार्यक्रम के भाग के रूप में, गेल ने स्वतंत्र बाहरी निगरानीकर्ताओं की नियुक्ति की है जो एकीकृत समझौता कार्यक्रम के कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए जिम्मेदार हैं और विक्रेताओं/ठेकेदारों की शिकायतों का समाधान करते हैं।

स्थानीय और सूक्ष्म एवं लघु उद्योग आपूर्तिकर्ताओं को प्रोत्साहित करना

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के लिए ''सार्वजनिक क्रय नीति'' के अनुसार गेल अपनी आपूर्ति का 20% एमएसएमई से खरीदता है जिसमें ऐसे संगठनों द्वारा प्रदत्त वस्तुओं और सेवाओं के लिए 4% एमएसएमई का स्वामित्व अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के पास होता है। ये उद्योग सामान्यतः कार्य स्थल के निकट स्थित आसपास के स्थानीय और छोटे उत्पादक होते हैं।

इस नीति के अंतर्गत, निविदा शुल्क तथा ईएमडी माफ करना, क्रय वरीयता आदि जैसे लाभ उपलब्ध होते हैं। यह निविदा प्रक्रिया में शामिल आपूर्तिकर्ताओं/विक्रेताओं की लेनदेन लागत को कम करते हैं।

इसके अलावा, गेल ने पहले ही ई–निविदा लागू कर दी है जो स्थानीय और छोटे विक्रेताओं को बड़ी संख्या में कोटेशन देने में मदद करती है तथा उनकी निविदा लागत को भी कम करती है। सभी निविदाओं में, निविदा–पूर्व/बोली पूर्व बैठकें, व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने तथा निविदा प्रक्रिया पर विक्रेताओं को शिक्षित करने के लिए आयोजित की जाती हैं। गेल विक्रेता बैठकों/एमएसएमई बैठकों/उद्योग सम्मेलन आदि जैसे विभिन्न मंचों पर छोटे और स्थानीय विक्रेताओं के साथ बातचीत भी करता है। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान एमएसएमई के लिए विक्रेता विकास कार्यक्रम को पाटा, विजयपुर, जयपुर, कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई, झाबुआ, राजमुन्द्री और वड़ोदरा में आयोजित किए गए हैं।

हमारे शेयरधारक (जारी)

गेल द्वारा विक्रेता विकास

गेल द्वारा विक्रेता विकास कार्यक्रमों को हमारी आवश्यकताओं और संभावित मूल्य को पूरा करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं के कार्य–निष्पादन और क्षमताओं में सुधार करने हेतु आयोजित किया जाता है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, विक्रेता विकास कार्यक्रम को पाटा, विजयपुर और जीटीआई नोएडा में शुरू किया गया।

गेल पाटा ने गेल के साथ अपने दीर्घावधि संबंध को ध्यान में रखते हुए एमएसई के अनुसार सेवा प्रदायकों को नामित करने हेतु कार्रवाई प्रारंभ की है। गेल पाटा ने जिला उद्योग केन्द्र (डीआईसी) औरैया के सहयोग से मई, 2014 में एक शिविर आयोजित किया था ताकि डीआईसी, औरैया द्वारा एमएसएमई के रूप में सेवा प्रदायकों का ऑनलाइन पंजीकरण किया जा सके। शिविर में कुल 48 सेवा प्रदायकों ने भाग लिया। सीएण्डपी पाटा की उपर्युक्त पहल के कारण, डीआईसी औरैया में 59 संभावित सेवा प्रदायकों को पंजीकृत किया गया और उन्हें उद्यमशीलता ज्ञापन भाग–II प्रमाण–पत्र उपलब्ध कराया गया है।

एमएसई के लिए एक विक्रेता विकास कार्यक्रम दिसंबर 2014 में जीटीआई–नोएडा में आयोजित किया गया था। निदेशक (एमएसएमई–डीआई) तथा क्षेत्रीय महाप्रबंधक, एनएसआईसी ने कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा, 44 सूक्ष्म और लघु उद्यमों से 70 भागीदारों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

विजयपुर, गुना में विक्रेता विकास/एमएसएमई पर एक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन एमएसएमई के सहयोग से किया गया, तथा इस कार्यक्रम में भोपाल, इन्दौर और गुना से विक्रेताओं ने भाग लिया।

एमएसएमई के साथ परिचर्चा सत्र

इन प्रयासों से तथा विभिन्न निविदाओ में एमएसएमई की भागीदारी को बढ़ाने के लिए साइट कार्यालयों द्वारा स्थानीय एमएसई के साथ नियमित बातचीत से गेल, एमएसएमई की भागीदारी को बढ़ाने में सफल रहा है और यह एमएसएमई से खरीद में वर्ष–दर–वर्ष विकास को प्रदर्शित करता है।

जिम्मेदार आपूर्ति श्रृंखला

जी4–डीएमए, जी4–एचआर5,

जी4–एचआर10

हम समझते हैं कि हम अपने व्यवसाय के सामाजिक, नीतिपरक और पर्यावरणीय पहलुओं में आपूर्तिकर्ताओं को शामिल करके सकारात्मक प्रभाव प्राप्त कर सकते हैं। हमारे सभी विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं को सामान्य निबंधन शर्तों (जीसीसी) का अनुपालन करना होता है जिसमें अनुपालन, समाज, पर्यावरण, श्रम प्रक्रिया और मानवाधिकार पहलुओं पर प्रभाव से संबंधित प्रावधान शामिल होते हैं। जीसीसी के प्रावधानों के अनुसार गेल से जुड़े आपूर्तिकर्ताओं से सभी सरकारी/सांविधिक नीतियों/नियमों का अनुपालन करने की अपेक्षा की जाती है जो विभिन्न पहलू जैसे पृथक शौचालय, पुरुषों और महिलाओं के लिए धोने के पृथक स्थल; अनिवार्य कैंटीन सुविधाएं तथा सभी कर्मचारियों के लिए चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। इसके अलावा, रिपोर्टिंग अवधि के दौरान संगठन के खिलाफ मानवाधिकारों से संबंधित कोई शिकायत दायर नहीं की गई है। गेल हमारी किसी स्थापना में बाल मजदूरी की अनुमति नहीं देता।

हमने रोजगार/संविदा मजदूरी के लिए न्यूनतम 18 वर्ष की आयु निर्धारित की है। संविदा के प्रावधानों के अनुसार, ठेकेदारों को प्राधिकारी/गेल से श्रम अनुमति लेनी होती है जिसमें उन्हें यह पुष्टि करनी होती है कि वे बाल मजदूर को काम पर नहीं लगाएंगे। गेल द्वारा दिए गए सभी ठेकों में गेल द्वारा अनुमोदित 'स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण नीति' शामिल होती है। इसके अलावा, हम ट्रांसपोर्ट सुरक्षा को अपनी आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण पहलू मानते हैं; जिसका ब्यौरा प्रचालनात्मक उत्कृष्टता खण्ड में विस्तार से दिया गया है।

एमएसएमई से क्रय पर व्यय

शीर्ष जी4–ईसी9, जी4–एलए14, जी4–एचआर1	यूनिटें	2014–15
माल और आपूर्ति की कुल खरीद	भारतीय रुपया मिलियन में	27700
स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से माल और आपूर्ति की कुल खरीद	भारतीय रुपया मिलियन में	25400
नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत जिनकी पर्यावरणीय मानदंड की दृष्टि से जांच की गई है	%	100
नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत जिनकी श्रम प्रथा मानदंड की दृष्टि से जांच की गई है	%	100
नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत जिनकी मानवाधिकार मानदंड की दृष्टि से जांच की गई है	%	100
नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत जिनकी समाज पर प्रभाव मानदंड की दृष्टि से जांच की गई है	%	100
आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत जिनकी समाज पर पर्याप्त वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव के रूप में पहचान की गई है।	%	0
आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत जिनकी समाज पर पर्याप्त वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव के रूप में पहचान की गई है जिसके कारण उनके साथ संबंध तोड़ दिए गए हैं।	%	0

हमारा निष्पादन एक नज़र में

पर्यावरणीय निष्पादन जी4–ईएन1, जी4–ईएन2, जी4–ईएन3, जी4–ईएन4, जी4–ईएन6, जी4–ईएन8, जी4–ईएन10, जी4–ईएन15, जी4–ईएन16, जी4–ईएन19, जी4–ईएन20, जी4–ईएन21, जी4–ईएन22, जी4–ईएन23, जी4–ईएन29, जी4–ईएन31, जी4–एसओ8, जी4–पीआर9

सामग्री खपत	इकाई	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
एनजी संसाधित	एमएमएससीएम	14849	15120	14373	14529	13584
उत्पाद का एनजी	एमएमएससीएम	1060	1137	1080	1058	1112
पाइपलाइन का लीन एनजी	एमएमएससीएम	13342	13419	12944	13203	12044
संबद्ध सामग्री	मी.टन	10412	9916	10631	10563	11350
पैकेजिंग सामग्री	मी.टन	2112	2249	2208	2090	2228
रिसाइकिल्ड सामग्री	मी.टन	0	0	0	0	0

ऊर्जा खपत (जीजे)	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
प्रत्यक्ष ऊर्जा	38281008	39012486	37359156	35859826	35088263
अप्रत्यक्ष ऊर्जा	1039694	1166546	1118455	1126035	1233894
अक्षय ऊर्जा	9755	12156	27980	88274	95944
एनजी फ्लेरिंग से ऊर्जा	379338	337453	367375	347921	355781
एलपीजी फ्लेरिंग से ऊर्जा	987	4923	2472	2889	3035
एनजी निकासी से ऊर्जा	115026	133305	444484	490193	626991
एलपीजी निकासी से ऊर्जा	2789	3739	2619	4744	5626

स्रोत द्वारा ऊर्जा खपत (जीजे)	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
डीजल	19294	19666	20093	20330	18628
प्राकृतिक गैस	30790595	31033613	30056464	28988285	28163438
अवशिष्ट ईंधन	7465046	7956762	7279523	6849248	6906178
एलपीजी	6073	2444	3076	1963	18
कुल प्रत्यक्ष ऊर्जा	38281008	39012486	37359156	35859826	35088264

ऊर्जा बचत (जीजे)	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
कुल ऊर्जा बचत	672232	1174650	152061	55967	575362

अक्षय ऊर्जा उत्पादन (जीजे)	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
पवन ऊर्जा	31715	43414	545124	464398	404929
सौर ऊर्जा	35	75	3262	34621	31553
कुल अक्षय ऊर्जा	31750	43489	548386	499018	436481

उत्सर्जन (टीसीओ$_2$इक्यू)	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
स्कोप 1 उत्सर्जन	2261535	2363624	2381898	2285196	2252649
स्कोप 2 उत्सर्जन	233261	256278	256781	258538	280981
कुल जीएचजी उत्सर्जन	2494796	2619902	2638679	2543735	2533629

जीएचजी बचत (जीजे)	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
कुल जीएचजी बचत	39402	66159	8805	4225	33253

वायु उत्सर्जन (टन / वर्ष)	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
एसपीएम	906	1012	912	815	491
एनओ$_{एक्स}$	710	695	848	968	1482
सीओ	0.04	0.03	0	668	607
एसओ$_{एक्स}$	260	193	178	304	216
वीओसी	0.01	0.01	0.02	2.25	18
आर–134ए	44	169	0	226	226

ओडीएस गैस खपत	इकाई	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
आर22	कि.ग्रा./वर्ष	2393	2299	2778	1951	2428
ओडीपी	सीएफसी–11	131.63	126.44	152.77	107.33	133.54

जल (मिलियन एम^3)	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
कुल जल खपत	13.8	14.1	13.9	12.9	14.3
कुल उत्पादित अपशिष्ट जल	1.6	2.3	2.4	2.0	1.7
कुल अपशिष्ट जल	0.04	0.03	0	668	607
डिस्चार्ज	0.9	1.3	1.2	1.2	1.1
रिसाइकिल/पुनः उपयोग जल	0.7	0.9	1.1	0.8	0.6

हमारा निष्पादन एक नज़र में (जारी)

अपशिष्ट निपटान विधि *	अपशिष्ट श्रेणी (इकाई)		
	ठोस (मी.ट.)	तरल (लीटर)	विविध (संख्या)
डीप वेल इंजेक्शन	0.4	0	0
भस्मीकरण	3	0	461
लैंडफिल	5538	0	0
ऑनसाइट संग्रहण	57	13532	1456
अन्य	865	78014	1055
पुनः चक्रण	1953	965924	5636
पुनः उपयोग	0	0	14

* जीआरआई जी4 दिशानिर्देशों की आवश्यकताओं के अनुसार अपशिष्ट निपटान विधि द्वारा अपशिष्ट डेटा प्रदान किया गया है।

पर्यावरण पर व्यय (भारतीय रुपए में)	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
अपशिष्ट का उपचार और निपटान	5	7	8	4	10
प्रदूषण नियंत्रण में प्रयुक्त उपकरण का मूल्य ह्रास और रखरखाव लागत	16	16	16	16	85
पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए बाहरी सेवाएं	3	4	5	5	9
प्रबंधन प्रणालियों का बाहरी प्रमाण–पत्र	1	1	1	1	2
सामान्य पर्यावरणीय प्रबंधन कार्यकलापों के लिए कार्मिक	17	20	18	17	18
स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की स्थापना के लिए अतिरिक्त व्यय	0	10	1	0	29
पर्यावरण संबंधी अन्य लागत	17	6	5	3	7
पर्यावरण संबंधी कुल व्यय	5	7	8	4	10

पर्यावरणीय जुर्माना	इकाई	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
कारण बताओ नोटिस प्राप्त	संख्या	0	1	0	0	0
पर्यावरणीय जुर्माना	भारतीय रुपए में	0	0	0	0	0

सामाजिक निष्पादन जी4–एलए5, जी4–एलए6, जी4–एलए7, जी4–एलए9, जी4–एलए12, जी4–10

स्थायी कर्मचारियों की स्वास्थ्य और सुरक्षा	इकाई	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
सुरक्षा समितियों में प्रबंधन प्रतिनिधि	संख्या	235	245	247	290	301
सुरक्षा समितियों में गैर–प्रबंधन प्रतिनिधि	संख्या	170	172	182	189	166
बाल–बाल बचने के मामले – पुरुष	संख्या	179	156	156	217	316
बाल–बाल बचने के मामले – महिला	संख्या	0	0	1	2	2
मामूली चोट – पुरुष	संख्या	2	0	0	0	3
मामूली चोट – महिला	संख्या	0	0	0	0	0
सूचना योग्य चोट – पुरुष	संख्या	2	0	0	4	0
सूचना योग्य चोट – महिला	संख्या	0	0	0	0	0
सूचना योग्य चोट के कारण दिवस हानि – पुरुष	संख्या	115	0	0	0	0
सूचना योग्य चोट के कारण दिवस हानि – महिला	संख्या	0	0	0	0	0
हताहत – पुरुष	संख्या	1	0	0	0	0
हताहत – महिला	संख्या	0	0	0	0	0
प्राथमिक चिकित्सा मामले – पुरुष	संख्या	20	17	11	1	3
प्राथमिक चिकित्सा मामले – महिला	संख्या	0	0	0	0	0
कार्यरत मानवघंटे – पुरुष	मिलियन मानवघंटे	6.4	6.6	5.6	7.5	6.3
कार्यरत मानवघंटे – महिला	मिलियन मानवघंटे	0	0	0.2	0.3	0.2
व्यावसायिक रोग – स्थायी कर्मचारी – पुरुष	संख्या	0	0	0	0	0
व्यावसायिक रोग – स्थायी कर्मचारी – महिला	संख्या	0	0	0	0	0
एलटीआईएफआर – पुरुष	सूचना योग्य चोट – प्रति मिलियन कार्यरत मानवघंटे	0	0	0	0.54	0

हमारा निष्पादन एक नज़र में (जारी)

एलटीआईएफआर – महिला	सूचना योग्य चोट – प्रति मिलियन कार्यरत मानवघंटे	–	–	0	0	0
गंभीरता दर – योग	दिवस हानि प्रति मिलियन कार्यरत मानवघंटे	18	0	0	0	0
मृत्यु दर – पुरुष	मृत्यु दर प्रति मिलियन कार्यरत मानवघंटे	0	0	0	0	0
मृत्यु दर – महिला	मृत्यु दर प्रति मिलियन कार्यरत मानवघंटे	–	–	0	0	0

संविदा कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा	इकाई	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
बाल–बाल बचने के मामले – पुरुष	संख्या	189	208	184	229	207
बाल–बाल बचने के मामले – महिला	संख्या	0	0	0	0	2
मामूली चोट – पुरुष	संख्या	28	3	3	4	9
मामूली चोट – महिला	संख्या	0	0	0	0	0
सूचना योग्य चोट – पुरुष	संख्या	1	0	0	6	8
सूचना योग्य चोट – महिला	संख्या	0	0	0	0	0
सूचना योग्य चोट के कारण दिवस हानि – पुरुष	संख्या	0	0	0	12	16
सूचना योग्य चोट के कारण दिवस हानि – महिला	संख्या	0	0	0	0	0
हताहत – पुरुष	संख्या	2	0	0	0	0
हताहत – महिला	संख्या	0	0	0	0	0
प्राथमिक चिकित्सा मामले – पुरुष	संख्या	110	73	57	8	73
प्राथमिक चिकित्सा मामले – महिला	संख्या	0	0	0	0	0
कार्यरत मानवघंटे – पुरुष	मिलियन मानवघंटे	20.1	30.7	16.7	19.7	19.8
कार्यरत मानवघंटे – महिला	मिलियन मानवघंटे	0	0	0.4	1	0.5
व्यावसायिक रोग – स्थायी कर्मचारी – पुरुष	संख्या	0	0	0	0	0
व्यावसायिक रोग – स्थायी कर्मचारी – महिला	संख्या	0	0	0	0	0
एलटीआईएफआर – पुरुष	सूचना योग्य चोट – प्रति मिलियन कार्यरत मानवघंटे	0.05	0	0	0.31	0.4
एलटीआईएफआर – महिला	सूचना योग्य चोट – प्रति मिलियन कार्यरत मानवघंटे	–	–	0	0	0
गंभीरता दर – योग	दिवस हानि प्रति मिलियन कार्यरत मानवघंटे	0	0	0	9.29	2.31
मृत्यु दर – पुरुष	मृत्यु दर प्रति मिलियन कार्यरत मानवघंटे	0.1	0	0	0	0
मृत्यु दर – महिला	मृत्यु दर प्रति मिलियन कार्यरत मानवघंटे	–	–	0	0	0

हमारा निष्पादन एक नज़र में (जारी)

संविदा कर्मचारी वितरण संख्या	2014–15
सुरक्षा स्टॉफ पुरुष	1935
सुरक्षा स्टॉफ महिला	0
नियमित संविदा कामगार पुरुष*	13135
नियमित संविदा कामगार महिला*	265

* कार्यकलापों के शुरू और समाप्त होने के कारण संख्या बदलती रहती है।

स्थायी कर्मचारी वितरण	2014–15
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) – पुरुष	256
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) – महिला	6
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6) – पुरुष	1358
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6) – महिला	49
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) – पुरुष	1520
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) – महिला	159
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7) – पुरुष	871
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7) – महिला	41
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) : आयु <30 वर्ष	0
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) : आयु 30 से 50 वर्ष	60
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) : आयु >50 वर्ष	202
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6) : आयु <30 वर्ष	0
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6) : आयु 30 से 50 वर्ष	1105
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6) : आयु >50 वर्ष	302
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) : आयु <30 वर्ष	552
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) : आयु 30 से 50 वर्ष	852
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) : आयु >50 वर्ष	275
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7) : आयु <30 वर्ष	78
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7) : आयु 30 से 50 वर्ष	716
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7) : आयु >50 वर्ष	118
कर्मचारी टर्नओवर – प्रबंधन	61
कर्मचारी टर्नओवर – गैर–प्रबंधन	8
कर्मचारी टर्नओवर – आयु<30–पुरुष	34
कर्मचारी टर्नओवर – आयु<30–महिला	0
कर्मचारी टर्नओवर – आयु: 30–50 – पुरुष	7
कर्मचारी टर्नओवर – आयु: 30–50 – महिला	2
कर्मचारी टर्नओवर – आयु >50 – पुरुष	25
कर्मचारी टर्नओवर – आयु >50 – महिला	1
वित्तीय वर्ष के दौरान किराए पर लिए गए नए कर्मचारी : पुरुष	300
वित्तीय वर्ष के दौरान किराए पर लिए गए नए कर्मचारी : महिला	14
किराए पर लिए गए नए कर्मचारी जिन्होंने उसी वित्तीय वर्ष में त्यागपत्र दे दिया : पुरुष	10
किराए पर लिए गए नए कर्मचारी जिन्होंने उसी वित्तीय वर्ष में त्यागपत्र दे दिया : महिला	0

प्रशिक्षण	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष) – पुरुष	99219	107250	129831	120497	139647
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष) – महिला	5974	5445	7211	6856	9256
कामगार (प्रत्यक्ष कर्मचारी) – पुरुष	48596	29071	26493	25009	26541
कामगार (प्रत्यक्ष कर्मचारी) – महिला	1392	1520	1268.6	875	1191
ठेकागत मजदूर (प्रचालन) – पुरुष	28617	38944	41835	53878	45767
ठेकागत मजदूर (प्रचालन) – महिला	0	0	670	983	7199
स्थायी कर्मचारी – शारीरिक रूप से विकलांग	0	0	0	1007	2652
ठेका कर्मचारी – शारीरिक रूप से विकलांग	0	0	0	0	4
सीधी भर्ती कर्मचारी के लिए कुल प्रशिक्षण (साइट आधारित)	155180	143286	164804	153237	176636

उत्सर्जन गणना पद्धति

- पूर्ण स्कोप–1 उत्सर्जनों की गणना आईपीसीसी उत्सर्जन तथ्यों तथा आंतरिक प्रक्रिया गणना के आधार पर की गई है। उत्सर्जनों का ईंधन और प्रत्यक्ष सीओ$_2$ उत्सर्जनों के विभिन्न स्रोतों से पता लगाया गया है।
- पूर्ण स्कोप–2 उत्सर्जन की गणना एनईडब्ल्यूएनई (पूर्व उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी और उत्तरी–पूर्वी क्षेत्रों को शामिल करते हुए) तथा दक्षिण ग्रिड के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा प्रदत भारित औसत ग्रिड उत्सर्जन तथ्यों द्वारा की गई है। प्रत्यक्ष दिशा–निर्देश जीएचजी प्रोटोकोल, आईएसओ 14064 हैं।
- विभिन्न ईंधनों, अक्षय ऊर्जा और विद्युत से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ऊर्जा की गणना ईंधन और सैद्धांतिक थर्मल समानता के संबंधित कैरोलीयुक्त मूल्य द्वारा की गई है।
- एनओ$_{एक्स}$, एसओ$_{एक्स}$, एसपीएम, सीओ, वीओसी के परीक्षण रिपोर्ट आंकड़ों तथा मानक गणना फार्मूला द्वारा सूचित की गई है।

स्वतंत्र आश्वासन विवरण

DNV·GL

प्रस्तावना

कंपनी की सतत् विकास रिपोर्ट 2014–15 ('रिपोर्ट') के मुदित रूप में गेल (इंडिया) लिमिटेड के प्रबंधन द्वारा स्वतंत्र आश्वासन व्यवसाय के लिए डीएनवीजीएल बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ('डीएनवीजीएल') द्वारा डीएनवीजीएल के प्रतिनिधित्व की स्थापना की गई है। 1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2015 तक की रिपोर्ट में शामिल कार्यकलापों के वर्ष के लिए जून–जुलाई, 2015 के दौरान सत्यापन किया गया था।

इस आश्वासन विवरण के वांछित प्रयोक्ता कंपनी का प्रबंधन है। कंपनी का प्रबंधन रिपोर्ट में उपलब्ध कराई गई सभी सूचना तथा मुद्रित रिपोर्ट में प्रस्तुत सूचना का संग्रहण, विश्लेषण और रिपोर्टिंग करने के लिए जिम्मेदार है। इस कार्य का निष्पादन करने में हमारी जिम्मेदारी, रिपोर्ट में उल्लिखित सतत् विकास निष्पादन का सत्यापन करने और कंपनी के प्रबंधन के साथ सहमत कार्यक्षेत्र पर आधारित है तथा हमें दी गई सूचना पूर्ण और सही है। हम इस आश्वासन विवरण के आधार पर किसी व्यक्ति या निकाय द्वारा लिए गए किसी निर्णय हेतु किसी देनदारी और सह–जिम्मेदारी के दावे को स्वीकार नहीं करते।

आश्वासन का कार्यक्षेत्र, परिसीमा और सीमा अवधि

कंपनी के साथ सहमत कार्यक्षेत्र में निम्नलिखित का सत्यापन करना शामिल है:

- स्थायी निष्पादन पर सूचना के गुणात्मक और मात्रात्मक सत्यापन का रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है जिसमें कंपनी द्वारा 1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2015 तक की रिपोर्टिंग अवधि की तुलना में कंपनी द्वारा शुरू किए गए कार्यकलापों का आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक निष्पादन शामिल है और यह वैश्विक रिपोर्टिंग पहल जी4 सतत् विकास रिपोर्टिंग दिशा–निर्देशों (जीआरआई जी4) तथा तेल और गैस अनुपूरक (ओजीएसएस) पर आधारित है;
- बाहरी संदर्भ सहित रिपोर्ट में उल्लिखित नीतियां, पहलें, परिपाटियां और निष्पादन
- नीचे वर्णित एए1000एएस (2008) की आवश्यकताओं के अनुसार टाइप 2, आश्वासन के मध्यम स्तर के लिए जवाबदेही के सिद्धांतों का विकास और विनिर्दिष्ट निष्पादन सूचना का मूल्यांकन नीचे दिया गया है;
  - कंपनी के सतत् विकास मुद्दों, प्रतिक्रिया, निष्पादन आंकड़ों, मामला अध्ययनों तथा ऐसी सूचना और आंकड़ों के प्रबंधन की अंतरनिहित प्रणालियों से संबंधित सूचना
  - कंपनी का भौतिक आकलन तथा शेयरधारक नियुक्ति प्रतिक्रिया;
- प्रणालियों को शामिल करने की प्रमुख रिपोर्टिंग आवश्यकताओं 'के अनुसार' उल्लिखित सामान्य और विशिष्ट मानक का उल्लेख करने का विकास–क्रम, तथा कंपनी में जीआरआई जी4 में निर्धारित सिद्धांतों की रिपोर्टिंग का मूल्यांकन;
- गेल द्वारा घोषित अनुसार जीआरआई जी4 – 'के अनुसार' – प्रमुख से संबंधित सतत् विकास प्रकटीकरण की पुष्टि।

पहलू सीमा छह शेयरधारक समूहों में किए गए आंतरिक भौतिक आकलन पर आधारित है जिसमें मुख्यत: गेल 'भारतीय प्रचालन' शामिल है और इसमें प्रमुख आपूर्ति श्रृंखला कार्यकलाप, संयुक्त उद्यम और रिपोर्ट में निर्धारित अनुसार सहायक कंपनियां शमिल नहीं हैं। आश्वासन प्रक्रिया के दौरान, हमें सहमत आश्वासन व्यवसाय के कार्य क्षेत्र की सीमा ज्ञात नहीं हुई। आर्थिक निष्पादन पर सूचित आंकड़े कंपनी के सांविधिक लेखा–परीक्षकों द्वारा लेखा–परीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित हैं। आश्वासन व्यवसाय के भाग के रूप में किसी अतिरिक्त शेयरधारक का साक्षात्कार नहीं लिया गया।

सत्यापन पद्धति

इस आश्वासन व्यवसाय की योजना सतत् विकास रिपोर्टिंग के सत्यापन ('वेरीसस्टेन' – अनुरोध करने पर www.dnvgl.com पर उपलब्ध) के लिए जवाबदेही एए1000 आश्वासन मानक 2008 (एए1000एएस (2008) में निर्धारित अनुसार ***समग्रता, भौतिकता और प्रतिक्रियावादी*** के सिद्धांतों तथा टाइप 2 की आवश्यकता अनुसार विशिष्ट सतत् विकास निष्पादन सूचना की ***विश्वसनीयता***, मध्यम स्तरीय आश्वासन व्यवसाय, तथा वेरीसस्टेन में निर्धारित अनुसार ***पूर्णता और तटस्थता*** के अतिरिक्त सिद्धांतों का पालन करने के आधार पर किया गया है।

आश्वासन करार के दौरान हमने जोखिम आधारित दृष्टिकोण अपनाया है अर्थात् हमने अपने सत्यापन प्रयासों में गेल के व्यवसाय तथा इसके मुख्य शेयरधारकों से संबंधित उच्च सामग्री मुद्धों पर ध्यान केन्द्रित किया है। सत्यापन के भाग के रूप में, हमने नई दिल्ली में गेल के कॉर्पोरेट कार्यालय, नोएडा में गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) और जुबली टॉवर तथा भारत में स्थित पांच प्रचालनात्मक स्थलों अर्थात् पाटा (उ.प्र.), विजयपुर और खेड़ा (म.प्र.) मंसारामपुर और जेएलपीएल पाइपलाइनों, जयपुर और वघोडिया (गुजरात) का दौरा किया।

कार्य के भाग के रूप में, हमने रिपोर्ट में दिए गए विवरणों और दावों का सत्यापन भी किया है। ऐसा करते हुए हमने:

- शेयरधारकों की नियुक्ति तथा इसकी भौतिक निर्धारण प्रक्रिया के प्रति कंपनी के दृष्टिकोण की समीक्षा की है;
- रिपोर्ट में दिए गए विवरणों और दावों से संबंधित स्थिरता का सत्यापन किया है और आंकड़ा प्रबंधन प्रणाली, आंकड़ा सटीकता, प्रवाह और नियंत्रण से संबंधित सूचना की सुदृढ़ता का आकलन किया है;
- कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों, आंकड़ों और अन्य सूचना की जांच और समीक्षा की है;
- कार्पोरेट और स्थल दौरों के दौरान कंपनी के विभिन्न कार्यों पर डॉटा मालिकों और निर्णय लेने वालों सहित मध्यम और वरिष्ठ प्रबंधन दल और अन्य प्रतिनिधियों के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार आयोजित किए हैं;
- रिपोर्ट में वर्णित अनुसार कपंनी की स्थिरता से संबंधित नीतियों के कार्यान्वयन हेतु प्रणालियों का नमूना आधारित समीक्षा की है;
- रिपोर्ट में शामिल मात्रात्मक आंकड़ों तथा गुणात्मक सूचना का सृजन, एकत्रीकरण तथा प्रबंधन करने के लिए प्रोसेसिंग की नमूना आधारित जांच की है।

निष्कर्ष

सतत् विकास रिपोर्ट 2014–15 को 'के अनुसार' – प्रमुख के लिए जीआरआई जी4 रिपोर्टिंग सिद्धांतों और मानक प्रकटीकरण के आधार पर तैयार किया गया है। हमारे मत में इस आश्वासन व्यवसाय के कार्यक्षेत्र के आधार पर संदर्भित सूचना सहित रिपोर्ट में उल्लिखित स्थायित्व निष्पादन पर प्रकटीकरण प्रबंधन दृष्टिकोण तथा निष्पादन संकेतकों पर मुख्य सामग्री पहलुओं, संबंधित कार्यनीतियों के प्रतिनिधित्व पर निष्पक्ष प्रतिनिधित्व उपलब्ध कराया गया है तथा यह जीआरआई जी4 के सामान्य तत्व और गुणवत्ता आवश्यकताओं को पूरा करता है अर्थात्

- **सामान्य मानक प्रकटीकरण:** इस खण्ड के अंतर्गत दी गई सूचना सामान्यत: 'के अनुसार' – प्रमुख रिपोर्टिंग की प्रकटीकरण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करती है।
- **विशिष्ट मानक प्रकटीकरण:** इस खण्ड में दी गई सूचना प्राय: निम्नानुसार चयनित सामग्री पहलुओं के लिए प्रबंधन दृष्टिकोण (डीएमए) और निष्पादन संकेतकों पर सामान्य प्रकटीकरण को शामिल करते हुए जीआरआई जी4 पर आधारित 'के आधार'–प्रमुख की प्रकटीकरण आवश्यकताओं को पूरा करती है:

आर्थिक

- आर्थिक निष्पादन – जी4–ईसी1, ईसी3, ईसी4;

DNV·GL

- अप्रत्यक्ष आर्थिक पहलू–जी4–ईसी7;
- प्रापण परिपाटियां–जी4–ईसी9;

पर्यावरणीय

- सामग्री – जी4–ईएन1;
- ऊर्जा–जी4–ईएन3,5,6; ओजी2 और ओजी3;
- जल – जी4–ईएन8 और 10;
- उत्सर्जन – जी4–ईएन15,16,18 से 21; ओजी6
- बहिःस्राव और अपशिष्ट – जी4–ईएन22 से 26;
- अनुपालन–जी4–ईएन29;
- समग्र–जी4–ईएन31;
- पर्यावरणीय शिकायत प्रणाली – जी4–ईएन34;

सामाजिक

श्रम परिपाटियां तथा उत्कृष्ट कार्य

- रोजगार – जी4–एलए1 से 3;
- श्रम/प्रबंधन संबंध – जी4– एलए4;
- व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा – जी4–एलए5 से 7;
- प्रशिक्षण और शिक्षा – जी4–एलए 9 से 11;
- विविधता और समान अवसर – जी4–एलए12;
- महिलाओं और पुरुषों के लिए समान पारिश्रमिक – जी4–एलए13;
- श्रम परिपाटी शिकायत प्रणाली – जी4–एलए16;

मानवाधिकार

- गैर–भेदभाव – जी4–एचआर3;
- एसोसिएशन और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता;–जी4–एचआर4
- बाल मजदूरी – जी4–एचआर5;
- बलात और अनिवार्य मजदूरी – जी4–एचआर6;
- सुरक्षा परिपाटियां – जी4–एचआर7;
- मानवाधिकार शिकायत प्रणाली – जी4–एचआर12;

समाज

- स्थानीय समुदाय –जी4–एसओ1, एसओ2;
- भ्रष्टाचार–रोधी – जी4––एसओ4, एसओ5;
- सार्वजनिक नीति – जी4––एसओ6;
- प्रतिस्पर्धी–रोधी आचरण – जी4––एसओ7;
- अनुपालन जी4––एसओ8;
- समाज पर प्रभाव हेतु शिकायत प्रणाली – जी4–एसओ11; ओजी10;
- परिसंपत्ति अखण्डता और प्रोसेस सुरक्षा– ओजी13;

उत्पाद उत्तरदायित्व

- ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा –जी4–पीआर2;
- उत्पाद और सेवा लेबलिंग – जी4–पीआर3, पीआर4, पीआर5;
- विपणन संचार – जी4–पीआर6, पीआर7;
- अनुपालन – जी4–पीआर9

हमने निम्नलिखित सिद्धांतों की **'अच्छा', 'स्वीकार्य' और 'सुधार की आवश्यकता है'** : **एए1000एएस (2008) सिद्धांत** के पैमाने पर रिपोर्ट के अनुपालन का मूल्यांकन किया है।

स्वतंत्र आश्वासन विवरण (जारी)

DNV·GL

समग्रता: शेयरधारक पहचान और नियुक्ति प्रक्रिया में विभिन्न चैनलों के जरिए प्रमुख सतत् विकास चुनौतियों और समस्याओं का पता लगाने के लिए मुख्य शेयरधारकों की नियुक्ति करना तथा प्रक्रिया का प्रलेखन करना शामिल है। शेयरधारक नियुक्ति से उत्पन्न भौतिक समस्याओं को एकत्र करके उसे प्राथमिकता दी गई, तथा परिणामों को रिपोर्ट में भली–भांति दर्शाया गया है। हमारे विचार में, रिपोर्ट जिस स्तर का पालन करती है वह 'अच्छा' सिद्धांत है।

भौतिकता: गेल के कर्मचारियों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, गैर–सरकारी संगठनों, सरकारों, विनियामक निकायों, स्थानीय समुदायों और वरिष्ठ प्रबंधन सहित प्रमुख शेयरधारकों से प्राप्त जानकारी के आधार पर सामग्री निर्धारण प्रक्रिया को पुन: वैध बनाया गया है। रिपोर्ट में व्यापक स्तर पर प्रमुख सामग्री के पहलुओं पर इसके प्रकटन पर ध्यान केन्द्रित किया गया है तथा इसने तेल और गैस क्षेत्र के लिए किसी ज्ञात सामग्री पहलुओं को छोड़ा नहीं है। कंपनी के प्रबंधन ने अपनी दीर्घावधि संगठनात्मक स्थिरता के लिए सतत् आधार पर निगरानी और प्रबंधन के लिए आंतरिक प्रक्रिया स्थापित की है। हमारे विचार में रिपोर्ट में इस सिद्धांत के लिए जिस स्तर का अनुपालन किया गया है वह **'स्वीकार्य'** है।

प्रतिक्रिया: हम समझते हैं कि रिपोर्ट में चयनित पहलू सीमा अवधि के अंदर तेल और गैस क्षेत्र के समग्र स्थिरता संदर्भ पर विचार करते हुए चयनित प्रमुख स्थिरता पहलुओं का पता लगाने से संबंधित कार्यनीतियों तथा प्रबंधन दृष्टिकोण का पर्याप्त रूप से प्रकटीकरण किया गया है। हमारे विचार में, रिपोर्ट में इस सिद्धांत के लिए जिस स्तर का अनुपालन किया गया है वह **'स्वीकार्य'** है।

विश्वसनीयता: कॉर्पोरेशन कार्यालय, जुबली टॉवर और जीटीआई नोएडा, पांच प्रचालनगत स्थलों पर सत्यापित अधिकांश आंकड़े और सूचना सही पाए गए। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान पहचान किए गए कुछ गलत आंकड़े प्रतिलिपि, व्याख्या और सामूहिक त्रुटि से संबंधित थे तथा त्रुटियों में सुधार करने के लिए कहा गया। अत: टाइप 2 के लिए एए1000एएस (2008) आवश्यकता के अनुसार मध्यम स्तरीय आश्वासन व्यवसाय के बारे में हमारा निष्कर्ष है कि विशिष्ट सतत् विकास आंकड़े तथा रिपोर्ट में प्रस्तुत सूचना आम तौर पर विश्वसनीय है। हमारे विचार में, रिपोर्ट में इस सिद्धांत के जिस स्तर का अनुपालन किया गया है वह 'अच्छी' है।

सतत् विकास निष्पादन पर सूचना का विशिष्ट मूल्यांकन

हम कंपनी द्वारा अपनी सतत् विकास निष्पादन रिपोर्टिंग के लिए कंपनी द्वारा विकसित सूचना प्राप्त करने की पद्धति और प्रक्रिया को उपयुक्त मानते हैं और रिपोर्ट में शामिल गुणात्मक और मात्रात्मक आंकड़े पहचान योग्य पाए गए थे; इसके लिए जिम्मेदार कार्मिक, आंकड़ों तथा इसकी विश्वसनीयता के मूल स्वरूप और व्याख्या को दर्शाने के लिए जिम्मेदार पाए गए। हमने पाया कि रिपोर्ट में कंपनी के सतत् विकास कार्यकलापों की निष्ठापूर्वक व्याख्या प्रस्तुत की गई है।

डीएनवीजीएल के प्रोटोकोल के अनुसार अतिरिक्त मानदंड

पूर्णता: रिपोर्ट में 'के अनुसार' – प्रमुख विकल्प से संबंधित जीआरआई जी–4 आवश्यकताओं के लिए प्रबंधन दृष्टिकोण, निगरानी प्रणालियों और सतत् विकास निष्पादन संकेतकों सहित सामान्य और विशिष्ट मानक प्रकटीकरण की स्पष्ट रिपोर्टिंग की है। कंपनी ने पुष्टि की है कि इस प्रकटीकरण के लिए सामूहिक आंकड़ों की प्रणालियां विकसित की जा रही हैं। प्रकटीकरण के लिए आंतरिक समय–सीमा निर्धारित की गई है। हमारे विचार में, रिपोर्ट में इस सिद्धांत के जिस स्तर का अनुपालन किया गया है, वह **'स्वीकार्य'** है।

तटस्थता: विषय–वस्तु और प्रस्तुति के अनुसार सतत् विकास मुद्धे और निष्पादन से संबंधित प्रकटीकरण के लिए तटस्थ रूप की रिपोर्टिंग की जाती है। हमारे विचार में, इस सिद्धांत में रिपोर्ट के जिस स्तर का अनुपालन किया गया है, वह **'अच्छा'** है।

सुधार के लिए अवसर

कंपनी के प्रबंधन को सुधार करने के लिए टिप्पणियों और अवसरों के अंश नीचे दिए गए हैं और इस रिपोर्ट पर हमने अपना निष्कर्ष निकालने पर विचार नहीं किया है; तथापि ये सामान्यत: प्रबंधन के उद्धेश्यों के अनुरूप हैं:

- कंपनी नियंत्रण और प्रभाव के अपने कार्यक्षेत्र के अंदर आपूर्ति श्रृंखला, संयुक्त उद्यमों तथा सहायक कंपनियों में सामग्री पहलुओं की सीमा का विस्तार कर सकती है।
- प्रबंधन दृष्टिकोण पर प्रकटीकरण में ओएण्डजी क्षेत्र उद्योग के सामग्री पहलुओं के संबंध में प्रबंधन दृष्टिकोण को आगे स्पष्ट करने के लिए पहलू विशिष्ट डीएमए दिशा–निर्देश पर प्रकटीकरण हेतु विचार कर सकता है।
- भावी रिपोर्ट संगठनात्मक स्थिरता प्रभाव तथा पर्यावरण और सामाजिक विषयों तथा इसके निष्कर्षों पर शेयरधारक और उच्चतम शासन निकायों के बीच संगठनात्मक स्थिरता प्रभावों, और परामर्श की प्रक्रिया पर प्रकटीकरण का विस्तार कर सकती है।

डीएनवी जीएल की दक्षता तथा स्वतंत्रता

डीएनवीजीएल सतत् विकास सेवाओं का विश्व स्तरीय प्रदाता है, जिसके अंतर्गत 100 से अधिक देशों में कार्यरत योग्य पर्यावरणीय और सामाजिक आश्वासन विशेषज्ञ हैं। डीएनवीजीएल इस आश्वासन नियुक्ति के संबंध में अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता का उल्लेख करता है। हालांकि हमने 2014–15 में गेल (इंडिया) लिमिटेड के साथ अन्य तृतीय पक्ष लेखा–परीक्षा कार्य किया था, हमारे विचार में यह हमारी आश्वासन नियुक्ति या संबद्ध निष्कर्षों, तथा सिफारिशों की स्वतंत्रता और निष्पक्षता के साथ समझौता नहीं करता। हम रिपोर्ट में शामिल किसी विवरण या आंकड़ों को तैयार करने में शामिल नहीं थे जिसमें यह आश्वासन विवरण शामिल हो सकता है। हमने साक्षात्कार लिए गए किसी व्यक्ति के प्रति पूरी तरह निष्पक्षता को बनाए रखा है।

डीएनवी जीएल के लिए,

रमेश राजामनी परियोजना प्रबंधक डीएनवी जीएल बिजनेस एश्योरेंस प्राईवेट लिमिटेड इंडिया	वादाकेपाठ नंदकुमार आश्वासन समीक्षक, क्षेत्रीय स्थायित्व प्रबंधक, डीएनवी जीएल बिजनेस एश्योरेंस प्राईवेट लिमिटेड इंडिया

नई दिल्ली, भारत, 15 जुलाई 2015

AA1000
Licensed Assurance Provider
000-10

शब्दावली

एपीआई	अमेरीकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट	आईएनआर	भारतीय राष्ट्रीय रूपया	ओबीसी	अन्य पिछड़ा वर्ग
एएसएमई	अमेरीकन सोसायटी ऑफ मेकेनिकल इंजीनियर्स	आईटी	सूचना प्रौद्योगिकी	एनओएक्स	नाइट्रोजन ऑक्साइड
सीपीसीबी	केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड	आईएल एंड एफएस	अवसंरचना लीजिंग एवं वित्तीय सेवाएं	एसओएक्स	सल्फर ऑक्साइड
सीपीएसई	केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	आईएमएस	एकीकृत प्रबंधन प्रणाली	ओडीएस	ओजोन कम करने का पदार्थ
सीवीसी	केन्द्रीय सतर्कता आयोग	आईएसओ	अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन	पीएनजीआरबी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड
सीएमडी	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	आईपीआईईसीए	पूर्व नाम – अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम उद्योग पर्यावरण संरक्षण संघ	पीपीएसी	पेट्रोलियम आयोजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ
सीएफसी	क्लोरो–फ्लूरो कार्बन	जेएलपीएल	जामनगर लोनी पाइपलाइन	पीएनजी	पाइप आधारित प्राकृतिक गैस
सीजीडी	नगर गैस वितरण	जेवी	संयुक्त उद्यम	पीसीबी	प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
सीआरजेड	तटीय विनियमन क्षेत्र	केजी	कृष्णा गोदावरी	पीयूसी	नियंत्रित प्रदूषण
सीएजीआर	सालाना चक्रवृद्धि दर	एलपीजी	तरलीकृत पेट्रोलियम गैस	पीई	पोली–इथीलीन
सीएनजी	संपीड़ित प्राकृतिक गैस	एलएचसी	तरलीकृत हाइड्रोकार्बन	पीएटी	कर पश्चात् लाभ
सीएसआर	कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व	एलपी	न्यून पोलीमर	पीपीपी	सार्वजनिक–निजी– भागीदारी
सीएसआई	उपभोक्ता संतुष्टि सूचकांक	एमडीजी	सहस्राब्दि विकास लक्ष्य	आरजीपीपीएल	रत्नागिरी गैस और विद्युत प्राइवेट लिमिटेड
डीवीपीएल	दाहेज–विजयपुर पाइपलाइन	एमबीए	व्यवसाय प्रशासन निष्णात	आरएलएनजी	पुनः गैसीकरण तरल प्राकृतिक गैस
डीजीएम	उप–महाप्रबंधक	एमओयू	समझौता ज्ञापन	आरएंडडी	अनुसंधान और विकास
डीजीएच	हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय	एमटी	मीट्रिक टन	आरटीआई	सूचना का अधिकार
डीआईएन	डच इंस्टीट्यूट फॉर नॉरमुंग	एमएमएससीएमडी	प्रतिदिन मिलियन मीट्रिक मानक घनमीटर	एससी	अनुसूचित जातियां
ईपीए	पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी	एमओईएफ एंड सीसी	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	एसटी	अनुसूचित जनजातियां
ईडी	कार्यकारी निदेशक	एमओपीएंडएनजी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय	एसपीएम	हवा में घुलनशील तत्व
ई एंड पी	अन्वेषण और उत्पादन	एमओआरडी	ग्रामीण विकास मंत्रालय	एसडी	सतत् विकास

एफवाई	वित्त वर्ष	एमएफओ	मिश्रित ईंधन तेल	टीईआरआई	ऊर्जा और संसाधन संस्थान
जीटीआई	गेल प्रशिक्षण संस्थान	एनसीआर	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र	टीएमटी	हजार मीट्रिक टन
जीपीयू	गैस प्रोसेसिंग यूनिट	एनएच	राष्ट्रीय राजमार्ग	टीसीओ2ई	कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य टन
जीआरईपी	गैस पुनर्स्थापना और विस्तार परियोजना	एनआईटी	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान	टीपीए	टन प्रति वर्ष
जीजे	गीगा–जूल	एनजी	प्राकृतिक गैस	टीडीएस	कुल घुलनशील ठोस पदार्थ
जीआरआई	वैश्विक रिपोर्टिंग पहल	एनजीओ	गैर–सरकारी संगठन	टीआई	अंतर्राष्ट्रीय पारदर्शिता
जीएचजी	ग्रीन हाउस गैस	एनओसी	अनापत्ति प्रमाण–पत्र	टीएपीआई	तुर्कमेनिस्तान– अफगानिस्तान–पाकिस्तान–भारत
एचवीजे	हजीरा–विजयपुर–जगदीशपुर	ओएचएसएएस	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा मूल्यांकन श्रृंखला	यूएनजीसी	संयुक्त राष्ट्र वैश्विक समझौता
एचएसई	स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण	ओआईसी	प्रभारी अधिकारी	यूएनएफसीसीसी	संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन अवसंरचना सम्मेलन
एचएसईएमएस	स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली	ओएनजीसी	तेल और प्राकृतिक गैस निगम	यूएस	अमेरिका
एचआरएसजी	ऊष्मा प्राप्ति वाष्प जेनरेटर	ओआईएसडी	तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय	यूपी	उत्तर प्रदेश
एचडीपीई	उच्च घनत्व वाली पोली–इथीलीन	ओएमसी	तेल विपणन कम्पनियां	यूपीटीयू	उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय
एचआर	मानव संसाधन	ओएंडएम	प्रचालन और अनुरक्षण	वीएसपीएल	विजाग–सिकन्दराबाद पाइपलाइन
एचआरडी	मानव संसाधन विकास	ओएफसी	ऑप्टीकल फाइबर केबल		
एचओडी	विभागाध्यक्ष				

जीआरआई विषय सूची जी4–32

सामान्य मानक उद्घाटन		
सामान्य मानक उद्घाटन	**पृष्ठ संख्या**	**बाहरी आश्वासन**
कार्यनीति और विश्लेषण		
जी4–1	8 अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
जी4–2	26 निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन, 46–महत्व	
संगठनात्मक रूपरेखा		
जी4–3	गेल (इंडिया) लिमिटेड	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
जी4–4	10 गेल के बारे में	
जी4–5	नई दिल्ली, भारत	
जी4–6	10– गेल के बारे में, 7– गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 14–15 http://www.gailonline.com/final_site/pdf/AR2014-15/GAILAR2014-15.pdf	
जी4–7	गेल केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जो बीएसई, एनएसई और लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर ग्लोबल डेपोजिटरी रसीट (जीडीआर) पर सूचीबद्ध है।	
जी4–8	10– गेल के बारे में,	
जी4–9	10– गेल के बारे में, 21 से 30 – गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 14–15, 116–निवेशक http://www.gailonline.com/final_site/index.html	
जी4–10	139– निष्पादन एक नज़र में	
जी4–11	122–कर्मचारी	
जी4–12	18 से 19 – गेल के बारे मेंए	
जी4–13	5– रिपोर्ट के बारे में	
जी4–14	26– निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–15	45– शेयरधारक वचनबद्धता	
जी4–16	46– शेयरधारक वचनबद्धता	
चयनित सामग्री पहलू और सीमा		
जी4–17	13– गेल के बारे में, 157– गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 14–15	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
जी4–18	47– भौतिकतत्व, 5– रिपोर्ट के बारे में	
जी4–19	48– भौतिकतत्व	
जी4–20	49– भौतिकतत्व	
जी4–21	49– भौतिकतत्व	
जी4–22	5–रिपोर्ट के बारे में	
जी4–23	4 व 5– रिपोर्ट के बारे में	

शेयरधारक वचनबद्धता		
जी4–24	40– शेयरधारक वचनबद्धता, 46– भौतिकतत्व	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
जी4–25	40– शेयरधारक वचनबद्धता	
जी4–26	40– शेयरधारक वचनबद्धता, 46– भौतिकतत्व	
जी4–27	40– शेयरधारक वचनबद्धता, 46– भौतिकतत्व	
रिपोर्ट रूपरेखा		
जी4–28	वित्तीय वर्ष 14–15, 4 – रिपोर्ट के बारे में	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
जी4–29	यह गेल की 5वीं स्थायित्व रिपोर्ट है और चौथी रिपोर्ट 17.09.2014 को जारी हुई थी।	
जी4–30	वार्षिक	
जी4–31	159 – भावी मार्ग	
जी4–32	4, 5 – रिपोर्ट के बारे में, 149 – जीआरआई विषय सूची	
जी4–33	5 – रिपोर्ट के बारे में	
अभिशासन		
जी4–34	24, 31 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन, 17 – गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 14–15	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
जी4–35	24, 31 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–36	24, 31 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–37	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–38	18 से 19 और 45 से 50–गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 14–15	
जी4–39	24 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–40	24 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–41	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–42	24 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–43	24 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–44	24 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–45	26 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–46	26 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–47	26 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–48	27 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–49	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–50	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–51	25 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–52	25 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–53	25 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–54	25 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–55	25 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
नैतिकता और अखंडता		
जी4–56	16 व 17 – गेल के बारे में, 28 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
जी4–57	28 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–58	28 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	

विशिष्ट मानक प्रकटीकरण				
सामग्री पहलू	डीएमए और संकेतक	पृष्ठ संख्या	लोप	बाहरी आश्वासन
श्रेणी : आर्थिक				
आर्थिक निष्पादन	जी4–डीएमए	114 – निवेशक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईसी1	116 – निवेशक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईसी2	76 – उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाना: विकास की ओर बढ़ने का हमारा मार्ग	–	नहीं
	जी4–ईसी3	120 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईसी4	शून्य, 116 – निवेशक		जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	जी4–डीएमए	114 – समुदाय	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईसी7	126 – समुदाय	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईसी8	126 – समुदाय	–	
खरीद पद्धति	जी4–डीएमए	134 – आपूर्तिकर्ता	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईसी9	हम भारत को स्थायी मानते हैं 135 – आपूर्तिकर्ता	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
श्रेणी : पर्यावरणीय				
सामग्री	जी4–डीएमए	82 – अपने व्यवसाय दृष्टिकोण को परिवर्तित करना: अपने विकास को सुरक्षित रखना	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन1	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन2	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	नहीं
ऊर्जा	जी4–डीएमए	73 – उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाना: विकास की ओर बढ़ने का हमारा मार्ग	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	ओजी2	118 – निवेशक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	ओजी3	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन3	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन4	78 – उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाना: विकास की ओर बढ़ने का हमारा मार्ग 136 – निष्पादन एक नज़र में	–	नहीं
	जी4–ईएन5	36 – स्थायित्व कार्यनीति	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	ओजी5	लागू नहीं	–	नहीं

	जी4–ईएन6	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
जल	जी4–डीएमए	79 – उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाना: विकास की ओर बढ़ने का हमारा मार्ग	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन8	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन10	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
उत्सर्जन	जी4–डीएमए	76 – उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाना: विकास की ओर बढ़ने का हमारा मार्ग	–	नहीं
	जी4–ईएन15	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन16	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन17	76 – उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाना: विकास की ओर बढ़ने का हमारा मार्ग	–	नहीं
	जी4–ईएन18	36 – स्थायित्व कार्यनीति	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन19	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन20	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन21	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
बहि:स्राव और अपशिष्ट	जी4–डीएमए	71 – उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाना: विकास की ओर बढ़ने का हमारा मार्ग	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन22	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन23	136 – निष्पादन एक नज़र में 71 – उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाना: विकास की ओर बढ़ने का हमारा मार्ग	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	ओजी6	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन24	कोई बड़ा बिखराव नहीं	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन25	लागू नहीं	पेज 80	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन26	हमारे प्रचालनों के आसपास स्थित जल निकायों में हमारे अपशिष्ट बहि:स्राव और अपवाह का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है।	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
अनुपालन	जी4–डीएमए	102 – गतिशील विनियामक भूदृश्य: विकास के अवसरों का दोहन करना, 119 – निवेशक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन29	119 – निवेशक 136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण

परिवहन	जी4–डीएमए	68–उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाना: विकास की ओर बढ़ने का हमारा मार्ग	–	नहीं
	जी4–ईएन30	हमने व्यवसाय यात्रा के लिए अपने स्कोप 3 सीओ2 उत्सर्जन का अनुमान लगाया है जो स्कोप 1 और 2 सीओ2 की तुलना में काफी कम हैय '76 – उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाना: विकास की ओर बढ़ने का हमारा मार्ग	–	नहीं
समग्र	जी4–डीएमए	68 – उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाना: विकास की ओर बढ़ने का हमारा मार्ग	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन31	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
पर्यावरणीय शिकायत प्रणाली	जी4–डीएमए	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन34	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
श्रेणी : सामाजिक				
उप–श्रेणी : श्रम प्रथा और सभ्य कार्य				
रोजगार	जी4–डीएमए	92 – मानव पूंजी: हमारे विकास का मूल	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एलए1	93 – मानव पूंजी: हमारे विकास का मूल	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एलए2	120 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एलए3	83 – मानव पूंजी: हमारे विकास का मूल	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
श्रम / प्रबंधन संबंध	जी4–डीएमए	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एलए4	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा	जी4–डीएमए	54 – सुरक्षा: विकास करते हुए हमारे हरेक प्रयास में 121 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एलए5	121 – कर्मचारी 139 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एलए6	139 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एलए7	139 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
प्रशिक्षण और शिक्षा	जी4–डीएमए	94 – मानव पूंजी: हमारे विकास का मूल 121 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एलए9	139 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एलए10	94 – मानव पूंजी: हमारे विकास का मूल	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण

	जी4–एलए11	94 – मानव पूंजी: हमारे विकास का मूल	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
विविधता और समान अवसर	जी4–डीएमए	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एलए12	139 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
महिलाओं और पुरुषों के लिए समान पारिश्रमिक	जी4–डीएमए	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एलए13	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
श्रम प्रथाओं के लिए आपूर्तिकर्ता आकलन	जी4–डीएमए	132 – आपूर्तिकर्ता	–	नहीं
	जी4–एलए14	135 – आपूर्तिकर्ता	–	नहीं
श्रम प्रथा शिकायत प्रणाली	जी4–डीएमए	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एलए16	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
उप–श्रेणी: मानवाधिकार				
निवेश	जी4–डीएमए	122 – आपूर्तिकर्ता	–	नहीं
	जी4–एचआर1	135 – आपूर्तिकर्ता	–	नहीं
	जी4–एचआर2	122 – कर्मचारी	–	नहीं
गैर–विभेदकारी	जी4–डीएमए	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एचआर3	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
एसोसिएशन और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता	जी4–डीएमए	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एचआर4	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
बाल मजदूरी	जी4–डीएमए	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एचआर5	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
बलात या बंधुआ मजदूरी	जी4–डीएमए	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एचआर6	122 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
सुरक्षा प्रथाएं	जी4–डीएमए	123 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एचआर7	123 – कर्मचारी	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
आकलन	जी4–डीएमए	123 – कर्मचारी	–	नहीं
	जी4–एचआर9	123 – कर्मचारी	–	नहीं

आपूर्तिकर्ता मानवाधिकार आकलन	जी4–डीएमए	134 – आपूर्तिकर्ता	–	नहीं
	जी4–एचआर10	134 – आपूर्तिकर्ता	–	नहीं
मानवाधिकार शिकायत प्रणाली	जी4–डीएमए	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एचआर12	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
उप–श्रेणी : समाज				
स्थानीय समुदाय	जी4–डीएमए	113 – समुदाय	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एसओ1	126 – समुदाय	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एसओ2	126 – समुदाय	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	ओजी10	स्थानीय समुदाय और आदिवासी लागों के साथ हमारा कोई व्यापक विवाद नहीं है।	–	नहीं
	ओजी11	शून्य	–	नहीं
भ्रष्टाचार–रोधी	जी4–डीएमए	28 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एसओ3	28 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	–	नहीं
	जी4–एसओ4	28 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एसओ5	28 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
सार्वजनिक नीति	जी4–डीएमए	102 – गतिशील विनियामक भूदृश्य: विकास के अवसरों का दोहन करना	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एसओ6	116 – निवेशक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
प्रतिस्पर्धी–रोधी व्यवहार	जी4–डीएमए	103 – गतिशील विनियामक भूदृश्य: विकास के अवसरों का दोहन करना	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एसओ7	103 – गतिशील विनियामक भूदृश्य: विकास के अवसरों का दोहन करना,	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
अनुपालन	जी4–डीएमए	103 – गतिशील विनियामक भूदृश्य: विकास के अवसरों का दोहन करना, 119 – निवेशक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एसओ8	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
समाज पर प्रभाव के लिए शिकायत प्रणाली	जी4–डीएमए	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–एसओ11	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
परिसंपत्ति एकीकरण और प्रक्रिया सुरक्षा	जी4–डीएमए	68 – उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाना: विकास की ओर बढ़ने का हमारा मार्ग 54 – सुरक्षा: विकास करते हुए हमारे हरेक प्रयास में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण

	ओजी13	58 – सुरक्षा: विकास करते हुए हमारे हरेक प्रयास में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
उप–श्रेणी : उत्पाद उत्तरदायित्व				
ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा	जी4–डीएमए	128 – ग्राहक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–पीआर1	129 – ग्राहक	–	नहीं
	जी4–पीआर2	129 – ग्राहक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
उत्पाद और सेवा लेबलिंग	जी4–डीएमए	130 – ग्राहक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–पीआर3	130 – ग्राहक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–पीआर4	130 – ग्राहक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–पीआर5	129 – ग्राहक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
विपणन संचार	जी4–डीएमए	129 – ग्राहक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–पीआर6	129 – ग्राहक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–पीआर7	129 – ग्राहक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
अनुपालन	जी4–डीएमए	102 – गतिशील विनियामक भूदृश्य: विकास के अवसरों का दोहन करना, 119 – निवेशक	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण
	जी4–पीआर9	136 – निष्पादन एक नज़र में	–	जी हां, 145 – बाहरी आश्वासन विवरण

एपीआई / आईपीआईईसीए और यूएनजीसी दिशानिर्देशों के साथ संपर्क

खंड	एपीआई / आईपीआईईसीए दिशानिर्देश	यूएनजीसी सिद्धांत
अभिशासन और कार्यनीति	एसई11, एसई12, एसई14	सिद्धांत 10
स्थायित्व अभिशासन	ई1, ई2, ई6	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9
शेयरधारक वचनबद्धता और महत्व	ई6	
स्वास्थ्य और सुरक्षा	एचएस1, एचएस2, एचएस3, एचएस5	
प्रचालनात्मक उत्कृष्टता	ई1, ई2, ई3, ई4, ई6, ई7, ई8, ई9, ई10, एसई7, एसई9,	
मानव पूंजी	एसई6, एसई8, एसई10, एसई15, एसई16, एसई17, एसई18	
गैस और पेट्रोरसायन विपणन	एचएस4	
विनियामक मुद्दे		
अभिनवता		
शेयरधारक / निवेशक	ई1, ई2, ई3, ई6, ई8, ई10, एसई13	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9
कर्मचारी	एचएस1, एचएस2, एचएस3, एसई6, एसई8, एसई10, एसई15, एसई16, एसई17, एसई18	सिद्धांत 1, सिद्धांत 2, सिद्धांत 3, सिद्धांत 4, सिद्धांत 5, सिद्धांत 6
समुदाय / समाज	ई5, ई7, ई8, एसई1, एसई2, एसई4	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9
ग्राहक	एचएस4	
आपूर्तिकर्ता	एसई5, एसई7	
निष्पादन एक नज़र में	ई1, ई2, ई3, ई4, ई6, ई7, ई8, ई10, एचएस3	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9

एनवीजी–एसईई सिद्धांतों के साथ संपर्क

सिद्धांत संख्या	एनवीजी–एसईई सिद्धांत	स्थायित्व रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 14–15 खंडों के साथ संपर्क
1	व्यवसाय को नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ आयोजित और नियंत्रित किया जाना चाहिए।	अभिशासन और कार्यनीति
2	व्यवसाय को वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध करानी चाहिए जो सुरक्षित हों और अपने पूरे जीवन चक्र में स्थिरता के लिए योगदान दें।	स्थायित्व अभिशासन, ग्राहक
3	व्यवसाय से सभी कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ावा मिलना चाहिए।	मानव पूंजी – हमारे सफल कर्मचारियों का मूल आधार
4	व्यवसायों को हितों का सम्मान करना चाहिए, और सभी शेयरधारकों, विशेषकर उपेक्षित, कमजोर और हाशिए पर रहने वालों के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए।	कर्मचारी, समुदाय
5	व्यवसाय में मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए और उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए।	मानव पूंजी – हमारे सफल कर्मचारियों का मूल आधार
6	व्यवसाय में पर्यावरण को बहाल करने का सम्मान, संरक्षण और प्रयास किए जाने चाहिए	प्रचालनात्मक उत्कृष्टता, समुदाय
7	व्यवसाय को प्रभावशाली सार्वजनिक और विनियामक नीति को जिम्मेदार ढंग से लागू किया जाना चाहिए	निगमित शासन, शेयरधारक वचनबद्धता और महत्व, विनियामक मुद्दे
8	व्यवसाय को समग्र विकास और समान विकास का समर्थन करना चाहिए	कर्मचारी, समुदाय, अभिनवता
9	व्यवसाय द्वारा अपने ग्राहकों और उपभोक्ताओं को जिम्मेदार ढंग से महत्व और मूल्य प्रदान करना चाहिए	ग्राहक

हमारा सहयोग

''हम वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) के एक पंजीकृत संगठनात्मक शेयरधारक हैं और वैश्विक, बहु–शेयरधारक प्रक्रिया के माध्यम से विश्व स्तर पर स्वीकृत स्थिर रिपोर्टिंग दिशानिर्देशों का विकास करने के लिए जीआरआई के मिशन का समर्थन करते हैं।''

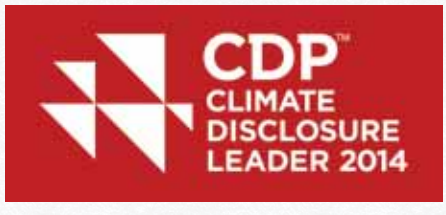

गेल को सीडीपी के इंडिया लीडर्स 2014 जलवायु प्रकटन नेतृत्व सूची (सीडीएलआई) में शामिल किया गया है।

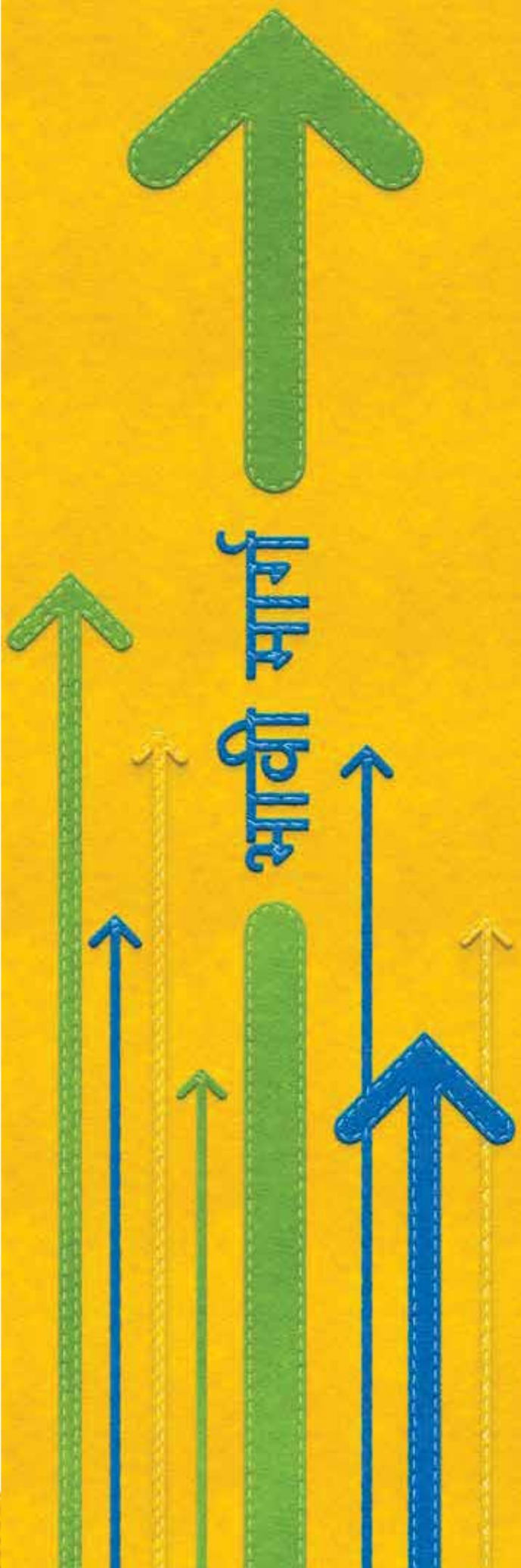

पिछले आधे दशक में हमारा स्थायित्व सफर चुनौतीपूर्ण और दिलचस्प, दोनों रहा है। हमारी प्रथम रिपोर्ट में छोटे–छोटे कदम उठाने से लेकर आज गेल स्थायित्व के क्षेत्र में सर्वाधिक जाने–माने संगठनों में से एक है – गेल ने काफी लम्बा रास्ता तय किया है। हमने आंतरिक ऑनलाइन स्थायित्व आंकड़े एकत्र करने की प्रणाली विकसित की है जो हमारे रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क और प्रचालनों के लिए स्वदेशी और अनुकूल है। यह रिपोर्ट हमारे द्वारा विकसित विभिन्न उत्कृष्ट परिपाटियों को भी प्रदर्शित करती है।

यह वर्ष घटनापूर्ण रहा और इसने हमें व्यवसाय बनाए रखने, वित्तीय योजना और सुरक्षा से संबंधित मुददों के अनेक तथ्यों पर हमारे दृष्टिकोण पर पुनः विचार करने पर विवश किया। इन चुनौतीपूर्ण विषयों ने हमें अव्यवस्था के बीच भी अवसर तलाशना सिखाया। परिणामस्वरूप, हमने अवसरों का पता लगाया और विभिन्न पहलों की घोषणा की जैसे अपनी प्रतिस्पर्धा पर फिर से विचार करना, कंपनी सामग्री आपूर्ति सुनिश्चित करना, अपने उत्पादों का विपणन करना तथा विभिन्न पाइपलाइन बिछाने की संभावनाओं को तलाशना तथा रिसाव का पता लगाने की प्रणाली उपलब्ध कराना, जिनमें से कुछेक को चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित किया जाएगा। हालांकि हमने अनेक प्रकार के जोखिमों का पता लगाने और उनका उपशमन करना जारी रखा, जिनमें उतार–चढ़ाव से बदलाव आता है, हम नवीनतम प्रौद्योगिकियों से स्वयं को उन्नत बना रहे हैं और आगे नई खोज कर रहे हैं।

अपनी प्रक्रियाओं को उन्नत बनाते समय हमने अपनी स्थायित्व संचार को भी विकसित किया है। यह रिपोर्ट जीआरआई जी4 दिशा–निर्देशों पर आधारित गेल की प्रथम स्थायित्व रिपोर्ट है, जो उपलब्ध स्थायित्व रिपोर्टिंग दिशा–निर्देशों का एक नवीनतम सेट है। इस संदर्भ में, हमने काफी विस्तृत शेयरधारक नियुक्ति ओर वस्तुपरक अभ्यास आयोजित किया, जिस पर रिपोर्ट में भी चर्चा की गई है।

अपने स्थायित्व सफर में आगे बढ़ते हुए हम न केवल विनियामक आवश्यकताओं का अनुपालन पूरा करेंगे बल्कि यूएनजीसी और अपनी संशोधित स्थायित्व अपेक्षा 2020 जैसी अन्य स्वैच्छिक पहलों को भी पूरा करेंगे। हम अपने सभी शेयरधारकों के प्रति भी जिम्मेदार हैं और इस सफर में उनका सहयोग और समर्थन चाहते हैं।

हम रचनात्मक फीडबैक का स्वागत करते हैं।

आप अपने प्रश्न निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं: जी4–31

श्री सांतनु रॉय

महाप्रबंधक (निगमित योजना)

sroy@gail.co.in

श्री एम.के. बिस्वास

उप महाप्रबंधक (निगमित योजना)

mkbiswas@gail.co.in

गेल (इंडिया) लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय :
16, भीकाएजी कामा प्लेस,
आर. के. पुरम, नई दिल्ली–110066
वेबसाइट: gailonline.com
gailvoice.com **पर हमें फॉलो करें**

Designed by: National Advertising Agency